CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

9·6

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

F/3/A Industrial Estate,

INDORE M. P.

...f Quality

...d Papers

Gram : KOTHARI

...नमोहक एवं

...करने वाले

संख्या ५३३

...ध) संस्थान

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ह० १६५

ग्वालियर जैन निर्देशिका

गणेश वर्णी दि. जैन (शोध) संस्थान
५३३
नरिया (का. हि. वि. वि.) वाराणसी-५

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक
प्रो. नरेन्द्रलाल जैन
एम. कॉम, साहित्यरत्न

सह सम्पादक
श्री कपूरचन्द बरया
एम. ए., साहित्यरत्न

सदस्य
श्री रविन्द्र 'मालव'
डी. एम. ई., बी. ए., विशारद

श्री कैलाशचन्द गंगवाल
बी. कॉम., एल-एल. बी.

श्री नरेन्द्र कुमार सोनी
बी. ए., एल-एल. बी.

प्रबन्ध-संचालक
श्री केशरीमल पाटनी
एम. कॉम., आर. एम. पी.

GWALIOR JAIN DIRECTORY

सम्पादक महोदय
जैन सन्देश
श्री कैलाशचन्द जी शास्त्री
को
संघ की ओर से सादर भेंट
समीक्षा प्रकाशनार्थ
ह०

प्रकाशक
वर्द्धमान दि. जैन नवयुवक संघ
डीडवा.. ओली, ग्वालियर-१

मुद्रक
साधना प्रेस, ग्वालियर-१

वीर नि. संवत् २४९५
दिनांक १जुलाई, १९६९

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ

डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

वर्तमान सदस्यों की सूची

पदाधिकारी:—

संरक्षक	:	श्री मानिकचन्द जैन	एम. ए., एल-एल. बी., सेल्स टेक्स काऊन्सलर
अध्यक्ष	:	प्रो. लालचन्द जैन	एम. कॉम., एल-एल. बी., सा० रत्न, एम. बी. ए.
उपाध्यक्ष	:	प्रो. एन. एल. जैन	एम. कॉम., साहित्य रत्न,
,,	:	श्री धर्मचन्द वाकलीवाल	बी. कॉम.
महामन्त्री	:	श्री केशरीमल पाटनी	एम. कॉम., आर. एम. पी.
सहमन्त्री	:	श्री कैलाशचन्द गंगवाल	बी. कॉम, एल-एल. बी., एडवोकेट
क्रीड़ामन्त्री	:	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	एम. बी. बी. एस.
ललितमन्त्री	:	श्री रविन्द्र 'मालव'	डी. एम. ई., बी. ए, विशारद
पुस्तकालय एवं	:	श्री प्रमोदकुमार पाटनी व	
वाचनालय मंत्री	:	श्री कमलकिशोर गोधा डी० टी० टी०	
धार्मिक एवं प्रचार मन्त्री	:	श्री अजितकुमार बड़जात्या एम. ए.	
संगठन मन्त्री	:	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	
कोषाध्यक्ष	:	श्री मोतीलाल बज, दानाओली	

कार्यकारिणी सदस्य:— सर्वश्री नरेन्द्रकुमार सोनी बी० ए०, एल-एल० बी०, प्रमोदकुमार विन्दायका बी० ई०, कमलचन्द कासलीवाल, तेजकुमार गंगवाल एम० ए०, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, अनिलकुमार गोधा, सुरेशचन्द जैन, ऋषभकुमार पापड़ीवाल बी० एस-सी०, कमलचन्द गंगवाल।

साधारण सदस्य:— प्रो० शान्तिचन्द गिरधरवाल एम० कॉम०, सर्वश्री उत्तमचन्द गंगवाल, सुरेन्द्रकुमार जैन बी० ए०, धर्मकुमार गोधा एम० एस-सी०, होतीलाल जैन एम० कॉम०, निर्मलकुमार गिरधरवाल बी० ई०, सुरेशचन्द जैन, विजयकुमार पाँड्या, अशोककुमार गंगवाल, पवनकुमार, राजकुमार पाटनी, जसवन्तकुमार गंगवाल, देवेन्द्रकुमार भौंच, विनोदकुमार गंगवाल, नेमीचन्द जैन, अशोककुमार, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, चन्द्रकुमार गंगवाल, राजेन्द्रकुमार गंगवाल, रतनचन्द जैन, कपूरचन्द जैन, कृष्णकुमार, कपूरचन्द तिलकनगर, आनन्दकुमार जैन, अशोककुमार; राजेन्द्रकुमार जैन, बालकिशन, देशभूषण जैन, धर्मचन्द जैन, विमलचन्द पाटनी, नरेन्द्रकुमार, विनोदकुमार विन्दायका, पी० सी० जैन, सुरेशचन्द जैन, प्रो० घनश्यामदास जैन, विजयकुमार अजमेरा, निर्मलकुमार, रिखबचन्द, नेमीचन्द, सुमेरचन्द, पी० के० जैन, प्रागनारायण जैन, रमेशचन्द, भागचन्द, नेमीचन्द बरैया, नेमीचन्द जैसवाल, सतीशकुमार पाटनी, सन्तोषकुमार सेठी, नानकचन्द, बसन्तकुमार पाटनी, जिनेशचन्द।

* * *

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शुभ-सन्देश

कार्यवाहक राष्ट्रपति—भारत सरकार, नई दिल्ली

"मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, ग्वालियर के तत्वावधान में "जैन डायरेक्टरी ग्वालियर" प्रकाशित करने जा रहे हैं।

मैं आपके प्रयास की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजता हूँ।"

—वी० वी० गिरि

मन्त्री—श्री अ० भा० दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद्, बड़ौत (मेरठ)

"आप जैन डायरेक्टरी बना रहे हैं, जानकर प्रसन्नता हुई। कार्य कांटों से भरा है। पग-पग पर कांटे बिछे हैं। असफलता के इच्छुक बाधा पहुंचायेंगे, पर चिन्ता न करना, बढ़ते रहना। आपके साथ प्रभु शक्ति रहेगी।

वीर प्रभु से प्रार्थना है कि आप अपने इस शुभ कार्य में सफलता प्राप्त करें।"

—बाबूलाल जैन जमादार

संचालक—साहित्य शोध विभाग, जयपुर

"यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ग्वालियर ने ग्वालियर जैन डाइरेक्टरी के प्रकाशन की एक योजना बनाई है। योजना अतीव सुन्दर है। मुझे सम्बन्धित कार्य में अपेक्षित सहयोग देने में प्रसन्नता होगी।

ग्वालियर जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है यहाँ की विस्तृत जानकारी प्रकाशित होना आवश्यक है।'

—डॉ० कस्तूरचन्द कासलीवाल

इस्पात, खान और धातु—राज्य मन्त्री

"यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप "ग्वालियर जैन डायरेक्टरी" नामक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं। जिसमें ग्वालियर जिले की जैन गणना, मन्दिर एवं अन्य सम्बन्धित बातों का विवरण किया जावेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के माध्यम से समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। मैं आपके प्रयास की पूर्ण सफलता की कामना करता हूं।"

—प्रकाशचन्द सेठी

❀ ❀ ❀

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर जैन निर्देशिका

विषय-सूची

क्रम		पृष्ठ संख्या
प्रारम्भिक:—		
१	संस्था के सदस्यों की सूची	दो
२	शुभ सन्देश	तीन
३	विषय-सूची	चार
४	भूमिका	पांच
५	सम्पादकीय	छह
सामान्य विवरण:—		
६	ग्वालियर—अतीत की दृष्टि में	१
७	दिगम्बर जैन मन्दिर	१५
८	श्वेताम्बर मन्दिर, दादावाड़ी व स्थानक	२९
९	धार्मिक महोत्सव	३२
१०	जैन धर्मशालायें	३६
११	धार्मिक पाठशालायें	३९
१२	शिक्षण संस्थाऐं	४१
१३	जैन छात्रावास	४३
१४	जैन औषधालय	४४
१५	वाचनालय एवं पुस्तकालय	४४
१६	सांस्कृतिक संस्थायें	४६
१७	प्राचीन वस्तु संग्रहालय	४६
१८	धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट	४७
१९	धार्मिक व सामाजिक संघ	४८
२०	भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखायें	५१
२१	समीपवर्तीय तीर्थ स्थल	५२
२२	भारतीय जनगणना में जैन	५६
२३	दशलक्षण जी में शासन से प्राप्त सुविधा	५९
२४	दिगम्बर जैन जातिवार सूची	६१
२५	जनगणना विश्लेषण चार्ट	७४
२६	व्यवसायिक वर्गीकरण	७५
२७	बावा बावड़ी विवरण	८१
जनगणना:—		
२८	दिगम्बर जैन समाज, लश्कर	१
२९	दिगम्बर जैन समाज, ग्वालियर	९७
३०	दिगम्बर जैन समाज, मुरार	११३
३१	मन्दिर मार्गी, श्वेताम्बर समाज	१३७
३२	साधु मार्गी, श्वेताम्बर समाज	१५२
३३	तेरापंथी, श्वेताम्बर समाज	१५८
३४	छात्रावास के विद्यार्थी	१६२
३५	विस्तृत जनगणना सूची, लश्कर	१६४
३६	विस्तृत जनगणना सूची, ग्वालियर	१६५
३७	विस्तृत जनगणना सूची, मुरार	१६५
३८	विज्ञापन क्रमिका	१६६
संस्थागत:—		
३९	प्रकाशकीय परिचय	१६७
४०	भावी कार्यक्रम	१६८

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

• भूमिका

इस देश की आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रगति इस बात पर आधारित है कि इसके निवासी कितने परिश्रमी, धार्मिक एवं गतिशील हैं। नागरिकों के समूह, जाति एवं सम्प्रदायों में विभाजित होने के कारण उन्हें संगठित करने का एक मात्र उपाय यह है कि हम सीमित क्षेत्र की जनगणना करें एवं उस दिशा में उनकी समस्याओं को हल करने के प्रयत्न करें। आधुनिक युग में संगठन ही शक्ति है। इसी उद्देश्य से श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ने ग्रेटर ग्वालियर की जैन जनगणना का कार्य सम्पन्न किया है।

ग्वालियर का जैन समाज उत्साही, महत्वाकांक्षी एवं प्रगतिशील है। योग्य एवं दूरदर्शी व्यक्तियों के नेतृत्व में उसके नवयुवकों ने पिछले २०-२५ वर्षों में अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्य सम्पन्न किये हैं। समाज के सदस्यों की वैयक्तिक प्रगति के लिये जितना कार्य होना चाहिए उतना फिर भी पूरा नहीं किया जा सका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नैतिक, मानसिक आदि स्तर पर संगठन के माध्यम से जितना कार्य उन्नति के लिए किया जाय, समाज व देश दोनों उनसे अधिक सुखी, समृद्ध व सन्तुष्ट होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

ग्वालियर जैन समाज की जनगणना का यह संभवत प्रथम प्रयास है इस कार्य में जिन नवयुवकों व समाज के अन्य महानुभावों ने सहयोग दिया वे बधाई के पात्र हैं। रचनात्मक कार्य की दिशा में उनका यह कार्य आधार स्तम्भ की तरह कार्य करेगा। मुझे आशा है कि इस जानकारी के माध्यम से जैन समाज भविष्य में शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के सुधार, आर्थिक उन्नति आदि का विस्तृत रूप से सर्वेक्षण कर सकेगा तथा अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल होगा।

तथ्यों व आंकड़ों के संग्रहण व सम्पादन में प्रो० एन० एल० जैन, श्री केशरीमल पाटनी श्री कपूरचन्द बरैया, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, श्री नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री कैलाशचन्द जैन, श्री धर्मचन्द बाकलीवाल, श्री रविन्द्र 'मालव', श्री प्रमोदकुमार पाटनी, श्री मोहनलाल अग्रवाल, श्री प्रमोदकुमार विन्दायका श्री कमलकिशोर आदि ने जो योगदान दिया है वह सराहनीय हैं। समाज सेवा के क्षेत्र में उनका यह सहयोग अन्य युवकों को व समाज को प्रेरणा देगा ऐसा मेरा विश्वास है।

१ जुलाई, १९६९

लालचंद जैन
अध्यक्ष, वर्द्धमान दि० जैन नवयुवक संघ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

संपादकीय

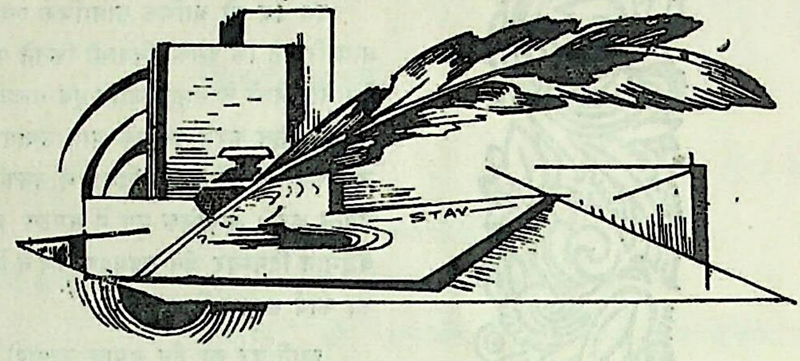

श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, ग्वालियर द्वारा जैन निर्देशिका का प्रकाशन कार्य इस बात का प्रमाण है कि यदि हम किसी कार्य को करना चाहते हैं और उसके प्रति हमारी सच्ची लगन है तो वह कार्य प्रारम्भ में साधन न होते हुये भी सम्पन्न हो सकता है।

व्यवसायिक, औद्योगिक, शैक्षणिक आदि कारणों से नगर के विभिन्न भागों और नई बस्तियों में समाज के व्यवसायी, दूकानदार, विद्यार्थी, नोकरी पेशा लोग बसते जा रहे हैं। यह आवश्यक है कि उनका संबंध समाज से रहे और समाज को भी उनके सम्बन्ध में पूरी-पूरी जानकारी रहे उन्हें समय समय पर होने वाले धार्मिक व सामाजिक उत्सवों से अवगत रखा जाय। समाज के मन्दिरों, धर्मशालाओं और अनेक बातों का इतिहास स्वयम् किसी भी नगर के स्थायी निवासियों को नहीं कहने पाता। इसलिए संग्रहित रूप में उसकी उपलब्धि अपना महत्व रखती है।

ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रमुख उद्देश्य सम्पूर्ण समाज का संगठन करना है जिससे प्रत्ये : की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रत्येक दिशा में विकास करने का अवसर मिल सके इससे समारोहों का सफलता पूर्वक आयोजन, खेलकूद का नियोजन, वाद विवाद प्रतियोगिताएं, विचार गोष्ठियां, वाहर से आमन्त्रित विद्वानों के भाषण और वैवाहिक सम्बन्धों के लिए समाज को आवश्यक जानकारी आदि ऐसे कार्य होंगे जिससे समाज में जागृति और नवचेतना का संचार हो सके।

वृहत्तर ग्वालियर में तीन उपनगर सम्मिलित हैं। (१) ग्वालियर (पुरानी बस्ती) (२) लश्कर और (३) मुरार। ग्वालियर: उत्तर पूर्व में पहाड़ी के नीचे बसी हुई प्राचीन वस्ती है, यहाँ किले का प्रमुख द्वार है।

लश्कर: ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर दक्षिण दिशा में है। लश्कर उपनगर मराठा और विशेष रूप से सिंधिया शासकों के कारण वसा है। महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी सेना के केम्प के लिए इस स्थान को चुंना था। धीरे-धीरे वह स्थान एक गांव से नगर और सिंधिया की राजधानी होने के कारण नगर से एक शहर बनगया।

वृहत्तर ग्वालियर का तीसरा उपनगर मुरार है। यह ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर पूर्व दिशा में मुरार नदी के किनारे स्थित है। मुरार अंग्रेजों की सेना का स्थान (छावनी) था। सन १८४४ में इसे अंग्रेजों

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ने बसाया था सन १८८५ में अंग्रेजों ने झाँसी के किले के बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी सिंधिया को सौंप दी।

ग्वालियर जैन निर्देशिका में नगर के तीनों भागों में स्थित दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की जानकारी दी गई है। जिसे दो भागों में बाटा गया है:—प्रथम भाग में ग्वालियर के इतिहासिक विवरण मन्दिर, व स्थानक, धर्मशालायें, औषधालय, पुस्तकालय, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, नवयुवक संघों, समीप स्थित तीर्थ क्षेत्रों, धार्मिक महोत्सवों आदि का विवरण दिया गया है। निर्देशिका का द्वितिय भाग जनगणना से सम्बंधित है। इस भाग में बाजारों के अनुसार जैन परिवारों के १४ वर्ष से व उससे अधिक आयु के सदस्यों के नाम, आयु, शिक्षा, प्रमुख से सम्बंध, वैवाहिक स्थिति व जीवकोपार्जन सम्बंधित विवरण हैं। इस कार्य में अत्यन्त उदार दृष्टिकोण रखा है। दिगम्बर, श्वेताम्बर (मन्दिर मार्गी, साधुमार्गी, तेरापन्थी) जैन समाज का विवरण अलग अलग दिया है। जिससे प्रत्येक वर्ग को समाज की पूर्ण जानकारी मिल सके।

दिगम्बर समाज की उपजातियों के अनुसार सूची दी गई है जिसमें परिवार के पूर्ण सदस्यों की संख्या भी दी है। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का पूर्ण विवरण, नाम, शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, स्थायी पता आदि दिया गया है। पेशेवार, शिक्षा, उम्र आदि के अनुसार वर्गीकरण करके संपूर्ण स्थिति को संक्षेप में बतलाने का भी प्रयत्न किया है।

ग्वालियर पिछले १५०० वर्षों से जैन संस्कृति और साहित्य का केन्द्र रहा है। १४ वीं--१५ वीं सदी में जैन मुनी और आचार्यों के प्रभाव से तोमर वंशीय राजा डूगर सिंह, व कीर्ति सिंह के काल में ग्वालियर के विशाल दुर्ग के चारों ओर विशाल और लघु कुल मिलाकर १५०० से भी अधिक जैन मूर्तियों का उत्खनन हुआ। इस तरह ग्वालियर का दुर्ग एक जैन तीर्थ के रूप में परिवर्तित हो गया। इस अवधि में ग्वालियर दुर्ग पर एक जैन विद्यापीठ चला करता था। महाकवि रईधू और अन्य आचार्यों ने इस अवधि में विपुल मात्रा में जैन साहित्य की रचना की है।

ग्वालियर के आस पास का क्षेत्र जैन पुरातत्व के अवशेषों से भरा हुआ है। दुर्ग पर गूजरी महल में स्थित म्यूजियम में सैकड़ों प्राचीन दिगम्बर जैन मूर्तियाँ और अनेक शिलालेख हैं। किले के उरवाई गेट पर कुल मिलाकर ११३० मूर्तियाँ उत्खनित हैं। गोपाचल के बाहरी हिस्से मरीमाता के ऊपर ३०० मूर्तियां स्थित हैं। पनिहार, सिंहोनियाँ, नरवर, श्योपुर, धुआं में जैन पुरातत्व के खंडहर सर्वत्र दृष्टिगोचर होते हैं।

ग्वालियर के अनेक मंदिरों में अत्यन्त प्राचीन जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। वे सवत् १०२४ से १८८३ तक के हैं। जैन साहित्य और पुरातत्व के विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। नगर के अधिकांश मन्दिर में शास्त्रों का प्रचुर संग्रह है। ग्वालियर में यति जी (भट्टारकों) के मन्दिर का शास्त्र भण्डार प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों से भरा हुआ है किन्तु अनेक वर्षों से काल कोठरी में बन्द है जिसके निकलवाने का प्रयत्न जैन समाज लश्कर को करना नितान्त आवश्यक है।

जनसंख्या के सम्बंध में सबसे महत्व पूर्ण बात यह है कि वह सदैव बदलती रहती है। ये परिवर्तन जन्म, मृत्यु और प्रवास के कारण होते हैं। इसलिए हमारे द्वारा प्रदत्त जानकारी का केवल अल्पकालिक महत्व ही है। हमने समाज के सभी परिवारों के विवरण प्राप्त करने का प्रयत्न किया है फिर भी यह सम्भावना है कि कुछ परिवारों का विवरण रह गया हो हमने अत्यन्त उदार एवं विस्तृत दृष्टिकोण से अपने कार्य का सम्पादन किया है। नगर की जैन सभा के इतिहास में किया गया यह प्रथम प्रयास है। मुद्रण और तथ्य सम्बंधी जो भी भूलें

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

और त्रुटियां हों उनकी ओर सूचित कर पाठक वृन्द हमें अनुगृहति करें। सम्बन्धित सुझाव भविष्य में सुधार हेतु विनम्र भाव से आमन्त्रित हैं।

ग्वालियर जैन निर्देशिका के सम्बन्ध में संघ के सदस्यों ने बहुत श्रम किया है। यह वृहद कार्य उन्हीं के श्रम, लगन और सेवा का परिणाम है। यदि हम युवावर्ग को उचित मार्ग दर्शन दें तो उनके सहयोग से कोई भी कठिन कार्य सरलता पूर्वक किया जा सकता है। हमने इस कार्य में नवयुवकों की सुप्त-गुप्त शक्ति और योग्यता का उपयोग किया है जो इस कार्य के अभाव में आलस्य; गपशप या आनन्द-प्रमोद में ही समाप्त होती। निर्देशिका प्रकाशन में संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जैन के मार्ग दर्शन और संघ के महामन्त्री श्री केशरीमल पाटनी की प्रेरणा व लगन का विशेष मूल्य है। श्री केशरीमल ने फोटो बनाने, प्रैस-कार्य सम्हालने, सम्बन्धित सामग्री एकत्रित करने में दिन रात अथक परिश्रम किया है और निर्देशिका की प्रत्येक आवश्यकता का यथोचित प्रवन्ध किया है। उनसे समाज को अनेक आशायें हैं। इस कार्य में नगर के सुप्रसिद्ध, धर्म प्रेमी वयोवृद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता। आपने नगर के धार्मिक महोत्सव, आस पास के जैन तीर्थ, जनगणना, जातिवार सूची, आदि विवरण पर बहुत अधिक सामग्री दी और कार्य को आगे बढ़ाने में हर समय हर तरह की मदद देने में अग्रगण्य रहे हैं। मन्दिर मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज की जनगणना कार्य, मन्दिरों का विवरण आदि प्राप्त कराने में श्री सूरजराज जी धारीवाल ने उल्लेखनीय सहयोग दिया है।

डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल, जयपुर जैन पुरातत्व अन्वेषक, श्री परमानन्द शास्त्री, देहली, व पं. सत्येन्धर जी सेठी, उज्जैन व श्री बाबूलाल जी जमादार मेरठ, से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये हैं (जिन में से कुछ को अलग परिशिष्ट में प्रकाशित करेंगे) उनके प्रति हम आभारी हैं।

इस कार्य में आर्थिक सहयोग देने हेतु हम सभी विज्ञापन दाताओं के आभारी हैं। श्री सरदार सिंह जी चोरड़िया जनरल मेनेजर जे. सी. मिल्स, श्री हीरालाल जी श्रीमाल मैनेजर—ग्वालियर रेयन, इन्डो कॉपीयर, इन्दौर, कोठारी सन्स के सहयोग के लिये विशेष आभारी हैं। विज्ञापन प्राप्त करने के कार्य में श्री पारसकुमार गंगवाल, नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री धर्मचन्द वाकलीवाल, श्री कैलाशचन्द गंगवाल आदि ने उल्लेखनीय योग दिया है। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, डीडवानाओली, नया मन्दिर, दानाओली, चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली, बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार, आदि मन्दिरों से आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हुआ है।

अन्त में हम अपने उन बन्धुओं के प्रति हृदय से आभार प्रगट करते हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में मूक सेवा भाव से सहयोग दिया है परन्तु जिनके नाम का उल्लेख नहीं हो पाया है।

—नरेन्द्रलाल जैन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर अतीत की दृष्टि में

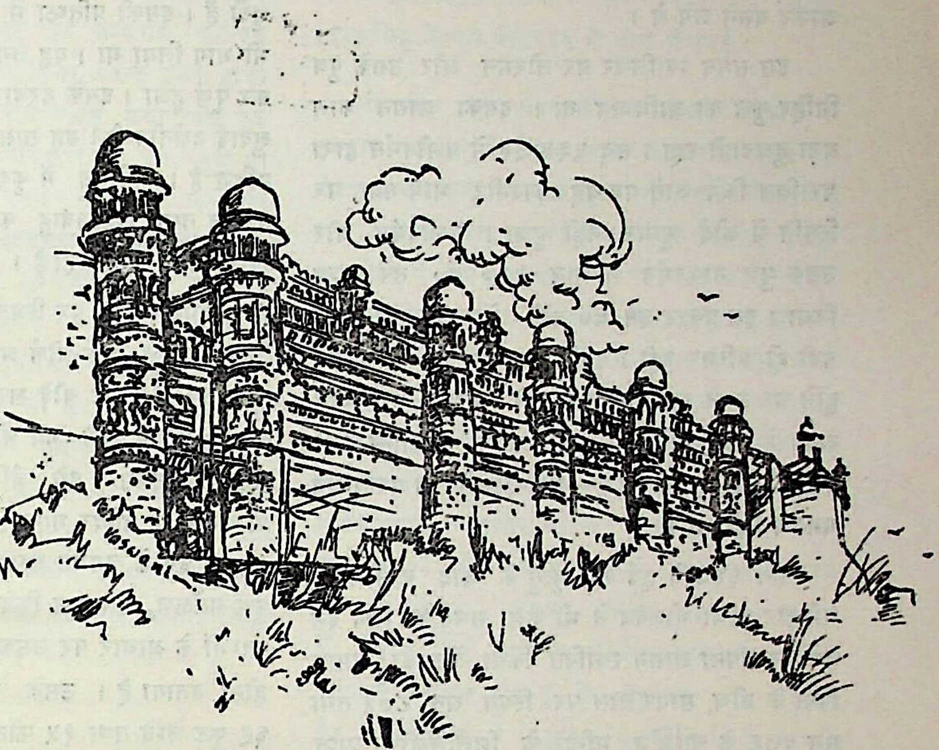

भारत के हृदय स्थल पर स्थित ग्वालियर नगर का इतिहास अत्यधिक प्राचीन एवं मननशील है। यहां के इतिहास के संबंध में पर्याप्त शोध न होने के कारण अनेक ऐतिहासिक तथ्य प्रकाश में नहीं आ पाये हैं। ग्वालियर को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्थल ग्वालियर का दुर्ग है।

"गोपाद्रि" "गोपागिरी" और "गोपाचल" शब्द यहां स्थित उस पहाड़िया, जिस पर कि आज ग्वालियर दुर्ग स्थित है, के लिये प्रयुक्त किये गये हैं। वर्तमान नाम ग्वालियर भी इन्हीं प्राचीन नामों गोपालगिरी-गवालहरि-ग्वालियर से उत्पन्न हुआ है। "गोपाली खेट" से इसका मराठी नाम "ग्वालहेर" बना है।

ग्वालियर दुर्ग को भारतवर्ष के प्राचीनतम किलों में सबसे उत्तम माना जाता है। जनरल कनिंघम के अनुसार यह विश्वास किया जाता है कि इसकी स्थापना ईसा से करीब ३०० वर्ष पूर्व हुई।

वैसे इस दुर्ग के संबंध में सर्व प्रथम ऐतिहासिक प्रमाण सूर्य कुण्ड पर स्थित हूण और मिहिर कुल के एक शिलालेख द्वारा प्राप्त होता है जिसका काल लग-

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

भग ५१५ ई० माना जाता है। इस नगर निर्माण के काल से ही शनैः शनैः जैन धर्मावलंबी इस नगर में आकर बसने लगे थे।

इस समय ग्वालियर पर तोरमन और उसके पुत्र मिहिर कुल का आधिपत्य था। इसका शासन काल बड़ा दुखदायी रहा। सन् ५३३ ई० में यशोवर्मन द्वारा पराजित किये जाने पर वह काश्मीर भाग गया, पर स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। यशोवर्मन और उसके पुत्र नागवर्मन ने सन् ५५० ई० तक राज्य किया। इस प्रकार इन ८० वर्षों में राज्य की दशा बड़ी ही अस्थिर रही। इनके पश्चात हर्ष के सम्राट होने पर उसने ग्वालियर पर भी कब्जा कर अपने राज्य में मिला लिया। इसके राज्य में शान्ति रही यद्यपि वह स्वयं बौद्ध—मतावलम्बी था परन्तु वह धर्मान्ध नहीं था।

सन ६४८ में हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नौज के परिहार राजा भोजदेव ने भी कुछ समय के लिये इस दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया जिसका प्रमाण किले के बीच, सागर ताल पर स्थित सन् ८७५ तथा सन् ८७६ के चतुर्भुज मन्दिर के शिलालेखों से प्राप्त होता है। इनके शासन काल में श्री वज्रदान नामक जैन साधु द्वारा सन् ९७७ में वैशाख बदी पंचमी के दिन जैन मूर्ति स्थापित की गई। [1] इससे लगता है कि भोजदेव के काल में जैन धर्मावलंबियों की अच्छी दशा थी। इन्होंने १० वीं शताब्दी तक शासन किया। दसवीं शताब्दी में पुनः वरजुमन कछवाहों के नेतृत्व में राजपूतों ने इस क्षेत्र तथा दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया।

सास-बहू का मन्दिर:—

वर्तमान सास-बहू के मन्दिरों का भी निर्माण इसी काल में हुआ। ऐसा माना जाता है कि १०५ फुट लम्बा, ७५ फुट चोड़ा और १०० फुट ऊंचा यह मंदिर महीपाल नामक राजपूत शासक द्वारा नन्दीश्वर द्वीप अष्टानिका के व्रत के उपलक्ष में जिन मन्दिर के रूप में निर्मित करवाया गया। यही कारण है कि उसमें देव देवांगनाओं की नृत्य तथा अन्य मुद्राओं में मूर्तियां खुदी हैं। इसकी प्रतिष्ठा में पदमनाम छुल्लक आदि ने भी भाग लिया था। यह लगभग सन १०३६ में बनकर पूर्ण हुआ। इसके दरवाजों, छत और दीवारों की खुदाई दर्शनीय है। यह सास-बहू के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान में कुछ इतिहासकारों ने इसका प्राचीन नाम सहस्त्रबाहु का मन्दिर बताते हुये इसे विष्णु मन्दिर भी कहा है।

ग्वालियर दुर्ग पर स्थित सास-बहू के मन्दिर के निकट अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में स्थित ३५ फुट लम्बे तथा १५ फुट चौड़े खंडहर कमरे के संबंध में सन १८४४ में किये गये शोध कार्य के आधार पर जनरल कनिंघम ने इसे जैनियों के २३ वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर माना है तथा इसका निर्माण कार्य ११०८ ई० के लगभग सम्पन्न होना माना है। उसके पूर्ण सर्वेक्षण, आसपास किये गये खुदाई के कार्य और स्तम्भों के आधार पर उसका क्षेत्र पीछे ५० फुट और होना बताया है। उसके अनुसार यह मन्दिर लगभग ६९ फुट लम्बे तथा १५ फीट चोड़े क्षेत्र में फैला था। इसके निर्माण का समय सन् ११०८ इस बात की साक्षी देता है कि यह मन्दिर कछवाहों के शासन काल में ही निर्मित किया गया।

उपलब्ध ज्ञान के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जैन धर्मावलबियों के परिवार मात्र निवास ही नहीं करते थे वरन यहां जैनियों के संघ भी संचालित थे जिनमें संघाधिपति, संघपति (सिंघई, संघवी) हुआ करते थे। इतना ही नहीं वे एक नियमित विद्यापीठ का भी संचालन करते थे। १५ वीं शताब्दी में बनी मूर्तियों से प्राप्त जानकारी से ये तथ्य और पुष्ट हो जाते हैं।

परिहार वंश:—

सन ११२२ ई० में परिहारों ने इस वंश के अंतिम राजा तेजकरण को निकाल दिया और स्वयं राजा बन

१. ग्वालियर का अतीत, पृष्ठ १४।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बैठे थे। परिहार वंश के कुल ७ राजाओं ने इस दुर्ग पर राज्य किया। इस बीच में एक बार सन ११९६ ई० में कुतुबुद्दीन ने ग्वालियर पर आक्रमण कर दुर्ग पर अपना अधिकार स्थापित किया, परन्तु उसके हाथों में यह दुर्ग अधिक समय तक न रह सका और १६ वर्ष बाद सन १२१२ में परिहारों ने पुनः दुर्ग को वापिस ले लिया और सन १२३२ तक अपने अधिकार में रखा। सन १२३२ में अल्तमश ने तत्कालीन परिहार शासक सारंग देव पर आक्रमण किया और ११ मास तक दुर्ग को घेरे रहा। अन्त में सारंगदेव ने स्वयं किले से निकलकर मुसलमानों से युद्ध किया। इस युद्ध में राजा सारंगदेव भी अपने पन्द्रह साथियों के साथ काम आये तब कहीं मुसलमान इस किले में कदम रख सके। इस तरह सन १३९८ तक यह दुर्ग मुसलमानों के अधिकार में रहा। उन्होंने किले को राजकीय कैदखाने के रूप में प्रयोग किया। ग्वालियर का यह क्षेत्र करीब १६६ वर्षों तक लूट खसोट और अत्याचार से आतंकित रहा।

तोमर वंशः—

तोमरवंशीय राजाओं ने कुल मिला कर १५० वर्ष ग्वालियर दुर्ग पर अपना अधिकार रखा। इनमें वीरसिंह, उद्धरणसिंह, वीरमदेव, गनपतिदेव, डूगरसिंह, कीर्तिसिंह, (किरणसिंह), कल्याणमल मानसिंह और विक्रमादित्य राजा हुए। वीरसिंह ने सन १३७५ से सन् १४०१ तक और उसके पुत्र उद्धरणसिंह ने सन् १४०३ तक शासन किया। सन् १४०४ में सत्ता उद्धरणसिंह के पुत्र वीरमदेव के हाथ में आई।

वीरमदेव बड़ा पराक्रमी था। इसके दरवार में कुशराज नाम का विश्वास पात्र महामन्त्री था। यह जैसवाल जैन कुल में उत्पन्न हुआ था, इसके पिता का नाम जैनपाल और मां का नाम लोणा देवी था। यह राजनीति में बड़ा ही दक्ष और पराक्रमी था।[1] इसने भट्टारक विजय कीर्ति के उपदेश से ग्वालियर में चन्द्र प्रभु का एक विशाल मन्दिर बनवाया था और भारी धूमधाम से उसका प्रतिष्ठोत्सव समारोह आयोजित किया। महामन्त्री कुशराज ने दरवार के ही एक अन्य कायस्थ विद्वान पद्मनाभ से भट्टारक गुणकीर्ति के आदेशानुसार "यशोधर चरित्र" (दया सुन्दर विधान) नामक काव्य की रचना करवाई। इसके शासनकाल की सन १४०३, १४११, १४१२ और सन १४२२ की लिखी हुई चार ग्रन्थलिपि प्रशस्तियाँ अभी भी उपलब्ध हैं। सन १४०३ में गोपाचल में साहू वर देव के चैत्यालय में भट्टारक हेमकीर्ति के शिष्य भूमि धर्मचन्द ने माघ वदी दशमी के दिन "सम्यक्त्व कौमुदी" की प्रति आत्मपठनार्थ लिपिबद्ध की।[2] सन १४६८ में आषाढ़ वदी २ शुक्रवार के दिन काष्ठा संघ, माथुरान्वय के आचार्य श्री भावसेन, सहस्त्र कीर्ति और भट्टा० गुणकीर्ति की आम्नाय में साहू मरूदेव की पुत्री

---

१. वंशेऽभूज्जैसवाले विमलगुणमूलणः साधुरत्नं, साधु श्री जैनपालो भवदुदितयास्तत्सुनो दानशीलः। जैनेन्द्रः राधनेसु प्रभुदित हृदयः सेवकः सद्गुरूणां, लोणाख्या सत्यशीला जनि विमलमतिजैनपालस्य भार्या जातः षट्तनायास्तयोः सक्रतिनोः श्री हंसराजोभवत्, तेषामाद्यतमस्ततस्तदनुजः सौराजनामाऽ जनि। रैराजोभवराजकः समजनि प्रख्यातकीर्तिमहा—साधुश्री कुशराजकस्तदनु च श्री क्षेमराजो लघुः ॥६॥ जाताः श्री कुशराज एवं सकलक्ष्मापाल चूडामणेः, श्रीमत्तोमर-वीरमस्य विदितो त्रिश्वासपात्रं महान्। मंत्री मंत्रविचक्षणः क्षणमयः क्षीणारिपक्षः क्षणातु। क्षेणीमीक्षणरक्षणमति जैनेन्द्र पूजारतः ॥७॥

—यशोधर चरित प्रशस्ति

२. संवत् १४६० शाके १३२५ षष्ठाब्दयोर्णध्ये विरोधी नाम संवत्सरे प्रवर्तंत गोपाचल दुर्गस्थाने राजा वीरमदेव राज्य प्रवर्तमाने साहु वरदेव चैत्यालये भट्टा० श्री हेमकीर्तिदेव तत्शिष्य मुनि धर्मचन्द्रेण आत्मपठनार्थ पुस्तकं लिखितं माघ वदि १० भौमदिने।—तेरापंथी मन्दिर जयपुर, शास्त्र भण्डार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

देवसिरि ने "पंचास्तिकाय" टीका प्रतिलिपि लिपिबद्ध कराई। जो इस समय कारंजा के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध है।[1]

सन १४१२ में आचार्य अमृतचन्द कृत प्रवचन सार्थी की तत्वदीपिका "टीका लिखी गई। सन् १४२२ में आषाढ़ सुदी ५ बुधवार के दिन मढोत्पुर के नेमिनाथ चेत्यालय में जौतुका स्त्री सरो ने अपने ज्ञानवर्णी कर्णों के क्षयार्थ "षट्कर्मोपदेश" की एक प्रति लिखकर जैत श्री की शिष्या विमलमति को पूजा विधान महोत्सव के साथ समर्पित की थी जिसे पंडित रामचन्द्र ने लिखा था। यह प्रति आमेर के भण्डार में सुरक्षित है।

वीरमदेव के पश्चात उसका पुत्र गणपति देव गद्दी पर बैठा। उसका राज्य काल अल्प रहा।

डूंगरसिंहः—सन् १४२४ में गणपतिदेव के पुत्र डूंगरसिंह तंवर गद्दी पर आसीन हुए। यह डोमर वंश का सब से प्रतापी राजा था। इसके काल में राज्य में सभी प्रकार की सुख शांति थी। इससे निकटवर्ती राज्यों के शासकों की ललचाई दृष्टि सदैव इसके राज्य पर लगी रहती थी और यदा कदा ग्वालियर पर आक्रमण होते रहते थे। राजा डूंगरसिंह ने सभी का डटकर मुकाबला किया और सभी में विजयी रहे। नरवरगढ़ में स्थिति विजय स्तम्भ (जैत सतम्भ) अभी भी इसकी साक्षी दे रहा है।

परन्तु इन सब विजय--अभियानों में व्यस्त रहते हुए भी डूंगरसिंह का ध्यान विद्वानों, धार्मिक समारोहों और निर्माणों की ओर भी गया। इन्होंने जैन धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाया। जैन धर्म पर उनका मात्र अनुराग ही नहीं था किन्तु उस पर उनकी परम आस्था भी थी। वे जैन धर्म के प्रबल पोषक थे। जैन विद्वानों एवं सन्तों को बड़े ही आदर की दृष्टि से देखते थे। डूंगरसिंह के राज्य काल में ही ग्वालियर गढ़ की चट्टानों में जैन प्रतिमाओं के उत्खनन के कार्य का प्रारम्भ हुआ। सन् १४४० ई० के तीन शिलालेख इस बात के सूचक हैं कि इनके आश्रय में अनेक जैन धर्मावलंबियों ने दुर्ग के चारों ओर जैन प्रतिमाओं के खुदवाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया। इन अभिलेखों में जैनाचार्य, देवसेन, यशकीर्ति, जय कीर्ति, आदि भट्टारकों का भी उल्लेख मिलता है। इस कार्य पर करोड़ों रुपये व्यय हुए तथा ३३ वर्ष का समय लगा। डूंगरसिंह अपने जीवन काल में इसे पूरा नहीं करा सके। तब उसके प्रिय पुत्र कीर्तिसिंह ने उसे पूरा कराया।

डूंगरसिंह के राज्य में ग्रंथ निर्माण और मूर्ति प्रतिष्ठाः—

मूर्ति निर्माण के अतिरिक्त राजा डूंगरसिंह के समय में ग्वालियर के जैन धर्मानुयायी श्रावकों ने ग्रंथ लेखन, मूर्ति निर्माण और प्रतिष्ठा का भी कार्य सम्पन्न कराया। सन् १४२६ में भट्टारक गुणकीर्ति के शिष्य भट्टा० यशकीर्ति ने आत्म पठनार्थ, "सुकुमाल चरित"[2] और कवि श्रीधर की संस्कृत, "भविष्य दंत

---

१. संवत्सरेस्मिन विक्रमादित्य गताब्द १४६८ वर्षे आषाढ़ वदि २ शुक्र दिने श्री गोपाचले राजा वीरमेदेव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्वये पुष्कर गणे आचार्य श्री भावसेनदेवाः तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवाः तत्पट्टे भट्टारक श्री गुणकीर्तिदेवास्तेषा माम्नाये संघई महाराजवधू साधु भरदेव पुत्री देवसिरि तया इदं पंचास्तिकायसार ग्रंथ लिखाप्पिम्।—कारंजा भण्डार जयपुर

२. संवत् १४८६ वर्षे अश्वणि वदि १३ सोमदिने गोपाचल दुर्गे राजा डूंगरसिंह देव विजय राज्य प्रवंतमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्वये आचार्य श्री भावसेन देवास्तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री गुणकीर्ति देवास्तत्शिष्येन श्रीयशः कीतिदेवेन श्री निजज्ञानावरणी कर्म क्षयार्थं इदं सुकमाल चरितं लिखापितं। कीयस्थ याजना पुत्र थलू लेखनीयं।—जयपुर भण्डार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

पंचमी"[1] कथा की प्रतियां लिखवाई थीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिवंश पुराण, रात्रि भोजन कथा, रविव्रार व्रत कथा, चन्द्रनाथ चरित्र आदि २३ ग्रंथ भी लिखे थे।

सन १४३५ से पूर्व अग्रवाल वंशज साहू खेमसिंह के पुत्र साहू कमलसिंह ने ११ हाथ ऊंची आदिनाथ की एक विशाल मूर्ति का निर्माण कराया। इसके प्रतिष्ठोत्सव में राजा डूंगरसिंहजी ने शासन से पूरा सहयोग प्रदान किया।[2] संघवी कमलसिंह सन् १४२४ से सन् १४५३ ई० तक डूंगरसिंह के राज्य में वित्त एवम् गृह मन्त्री थे।

सन १४३५ में साहू कमलसिंह ने महा कवि रईधू जो पद्मावती पुरवाल हरीसिंह सिंघी के पुत्र थे से "सम्मत गुण निधान" नामक ग्रंथ की रचना करवाई जो भाद्रपाद मास के पूर्णिमा के दिन समाप्त हुई। इसके बाद कवि रईधू ने "नेमिनाथ" चरित्र", "पार्श्वनाथ चरित्र" तथा "बलभद्र चरित्र" "राम चरित" नामक ग्रन्थों की रचना की। सन १४३९ में रचे गये "सुकौशल चरित्र" नामक ग्रन्थों में इन ग्रन्थों की रचना का उल्लेख किया गया है।

बलभद्र चरित्र में केवल हरिवंश पुराण (नेमिजन चरिउ) के रचे जाने का भी उल्लेख मिलता है। हरिवंश पुराण में त्रिपष्ठिशलाका चरित महापुराण, मेघेश्वर चरित्र, यशोधर चरित्र, वृत्तसार और जीवंधर नामक ६ अन्य ग्रन्थों का भी उल्लेख किया गया है। ये सभी सन १४३९ पूर्व के रचे गये हैं। सम्पइंजिन चरिउ प्रशस्ति में मेघश्वर चरित, त्रिषष्ठि महापुराण, सिद्धचक्रविधि, बलहद्द चरिउ, सुदर्शन चरित और धन्यकुमार चरित नामक ग्रन्थों का भी उल्लेख है। संभवतः ये सभी ग्रन्थ कवि रईधू ने सन १४३५ और सन १४३९ के काल में लिखे हैं। इनमें एक और ग्रन्थ "आत्म संबोध काव्य" की २९ पत्रात्मक जीर्ण प्रति भी उपलब्ध हुई है।[3] जो सन १३९१ की लिखी हुई है। इससे प्रतीत होता है कि कविवर रईधू दीर्ध जीवी रहे होंगे। उपलब्ध ग्रन्थों से उनका रचनाकाल सन १३९१ से सन १४६८ तक का उपलब्ध होता है।

सन १४४० (सं० १४९७) में "परमात्म प्रकाश" ग्रन्थ की सटीक प्रति की रचना की गई।[4] इसी वर्ष पांडु पुराण भी अपभ्रंश भाषा में लिखा गया। सन १४४९ में धनपाल की "भविष्यदत्त पंचमी कथा" तथा सन १४५३ में "समय सार" नामक ग्रंथों की प्रतिलिपि की गई।[5] उनके अतिरिक्त ज्ञानार्णय, चन्द्र प्रभु चरित्र, परिमाल कवि, आगरा में श्रीपाल चरित्र आदि लिखे। सन १४४० और सन १४५३ (सं० १४९७ और सं० १५१०) में प्रतिष्ठापित मूर्तियों के लेख उपलब्ध हैं।[6]

---

१. सम्वत् १४८६ वर्ष आषाढ़ वदि ९ गुरुदिने गोपाचल दुर्गे राजा डूंगरसीह राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्ये पुष्करगणे आचार्य श्री सहस्त्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे आचार्य गुणकीर्ति देवास्ताच्छिष्य यशः कीर्ति देवास्तेन नियज्ञानावरणी कर्म क्षयार्थं इदं भविष्यदत्त पंचमी कथा लिखापितं।

—नया मन्दिर धर्मपुरा दिल्ली

२. जो देवाहिदेव तित्थंकरु, आइणाहु तित्थोय सुहकरु। तहु पडिमा दुग्गइ-णिण्णासणि, जामिच्छत-गिरिंद-सरासणि, ज पुणु भव्वह सुहगइ-सासणि, जामहिरो-सोय-दुहणासणि।

३. सम्वत १४४८ वर्ष फाल्गुण वदि १ गुरो दिने स्त्रावग लष्पण कम्पक्षय विनाशार्थंलिखितं। आमेर भंडार जयपुर में अभी भी सुरक्षित है।

४. यह अभी भी भयपुर के ठोलियों के मन्दिर के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

५. यह अभी भी कारंजा के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

६. देखो जनरल एशियाटिक सोसाइटी, भाग ३१, पृ० ४२३ गोपाचल दुर्गे तोमरवंशे राजा श्री गणपति देवास्त पुत्रों महाराजाधिराज श्री डूंगरसिंह राज्ये (प्रतिष्ठितं) चौरासी मथुरा की भूलनायक मूर्ति का लेख।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

टोडरमल जी, दौलजी काशलीवाल भी उनके काल में ही मारवाड़ से ग्वालियर आये थे। उस समय तोमर व कछवाय जैन मत पालते थे। उन्होंने पहाड़ी पर गुफा व जैन मन्दिरों के निर्माण भी कराया।

तोमर वंशी राजा डूंगरसिंहः—

यह जैन धर्म से बड़ा प्रभावित था। तत्कालीन भट्टा० गुणकीर्ति के प्रति इनके हृदय में असीम श्रद्धा थी। उनके उपदेशामृत से इसने जैन धर्म स्वीकार किया। इस काल में गुणकीर्ति उनके शिष्यों तथा प्रशिष्यों का भी जैन धर्म एवं जैन संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार में सर्वाधिक योगदान रहा। इसके काल में अनेकों मन्दिरों व मूर्तियों का निर्माण हुआ तथा प्रतिष्ठायें करवाई गई। इसके काल में प्रजा सुखी तथा समृद्धि थी। डूंगरसिह ने कुल ३० वर्ष तक ग्वालियर पर शासन किया।

कीर्तिसिंहः—

डूंगरसिह की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र कीर्तिसिह सन १४२४ में गद्दी पर बैठा। यह अपने पिता के समान ही गुणज्ञ, बलवान और राजनीति में चतुर था।[1]

यह जैन धर्म में अत्यधिक आस्था रखने के कारण, अपने पिता द्वारा अधूरे छोड़े गये मूर्तियों के उत्खनन के कार्य को पूरा कराया। इसके काल में अनेकों नई मूर्तियां प्रष्ठित हुई। जिनमें अंकित लेखों में कीर्तिसिह का उल्लेख मिलता है। उदाहरणार्थ— बाबा (एक पत्थर) की बावड़ी के दाहिनी ओर बनी पार्श्वनाथ की मूर्ति पर लिखें अभिलेख में महाराजा कीर्तिसिंह का विवरण दिया हैं। इस खड्गासन मूर्ति के निकट ही नौ अन्य मूर्तियां भी खुदी हैं जिनमें कुछ पदमासन भी हैं। इनके मुख मुसलमानों के शासन काल में खंडित कर दिये गये हैं।

इन मूर्तियों का निर्माण मूर्ति कला के क्षेत्र में इस प्रदेश के कारीगरों का अभिनव प्रयास था 'जसके अन्तर्गत ३३ वर्ष के थोड़े समय में ही दुर्ग की ये बेडोल और मूक चट्टाने विशालता, वीतरागिता, शान्ति, एवं तपस्या की भाव व्यंजना से मुखरित हो उठी। गढ़ के चारों ओर खुदी हुई इन सैकड़ों विशाल मूर्तियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि इन मूर्तियों के निर्माणकर्त्ता अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुकूल विशाल प्रतिमाओं का निर्माण करना अथवा कराना चाहते होंगे। अतः इससे प्रेरित होकर उत्कीर्णकों ने निर्माणक की निर्मल भावनाओं को साकार रूप प्रदान करने के उद्देश्य से उस विशालता में सौन्दर्य का और समावेश कर, कला की अपूर्व कृतियों का निर्माण किया। इन सारी प्रतिभाओं को ५ समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

(१) उरवाई समूहः—उरवाई द्वार पर कुल २२ जैन मूर्तियां हैं। इनमें से ६ मूर्तियों पर सम्वत १४९७ (सन १४४० ई०) से सं० १५१० (सन १४५३ ई०) के अभिलेख खुदे हैं। इनमें २० नम्बर की आदिनाथ की मूर्ति सब से विशाल है। बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में इसकी ऊंचाई २० गज अनुमान की थी। परन्तु वास्तव में यह ५७ फुट ऊंची है। इसकी चरण चौकी पर सम्वत् १४९७ लिखा है। वर्त्तमान में इसके नीचे का कुछ भाग मिट्टी में दब गया है। यह चरणों के पास ९ फुट चोड़ी है। यहीं २२ नम्बर की नेमिनाथ की पदमासन मूर्ति है। जो ३० फुट ऊंची है। इतनी विशाल मूर्ति शायद ही भारत में अन्यंत्र कहीं हो।

(२) दक्षिण पश्चिम समूहः—यह संबा ताल के नीचे उरवाई द्वार की बाहर की शिला पर है। इसमें ५ मूर्तियां है। १ नम्बर के प्रतिमा समूह में एकस्त्री, पुरुष तथा बालक की मूर्तियां हैं। २ नम्बर में एक ८ फुट लम्बी लेटी हुई स्त्री की प्रतिमा है। प्रारम्भ में लोग इसे बुद्ध की मूर्तियां समझते रहे, परन्तु विशेष शोध करने के पश्चात इतिहासकार इसी निष्कर्ष पर पहुँचे कि ये मूर्तियां त्रिशला माता तथा महावीर की मूर्ति हैं।

१. समय सार लिपि प्र० सेनगण भंडार, कांरजा।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

(३) उत्तर पश्चिम समूह:—इसमें आदिनाथ की एक महत्त्वपूर्ण मूर्ति बनी है जिस पर सं० १५२७ का अभिलेख अंकित है।

(४) उत्तर पूर्व समह:—इसमें भी छोटी-छोटी मूर्तियां हैं। उन पर भी कोई लेख न होने से ऐतिहासिक दृष्टि से अधिक महत्त्व नहीं रखती हैं।

(५) दक्षिण पूर्व समूह:—इस समूह की मूर्तियां कला की दृष्टि से अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं। ये मूर्तियाँ फूलबाग के दरवाजे से निकलते ही लगभग आधे मील के क्षेत्र में खुदी हुई दिखाई देती हैं। अन्य मूर्तियों की अपेक्षा कुछ बाद में बनने के कारण ये अभ्यस्त हाथों द्वारा निर्मित हुई हैं। अतः इनमें कला का रूप निखर उठा है।

इस समूह में लगभग २० प्रतिमायें २० से ३० फुट तक की ऊंचाई की और लगभग इतनी ही ८ से १५ फुट की ऊंचाई लिये हुए हैं। इनमें आदिनाथ, नेमिनाथ, पद्मप्रभु, चन्द्रप्रभु संभवनाथ, कुन्थनाथ, और महावीर भगवान की मूर्तियां हैं। इनमें कुछ मूर्तियों पर सम्वत १५२५ से १५३० तक के अभिलेख खुदे हुये हैं।

इनके अतिरिक्त तेली की लाट के पास तथा गूजरी महल संग्रहालय में रखी प्रतिमायें भी इनकी समकालीन प्रतीत होती है। इससे प्रतीत होता है कि उपरोक्त समूहों के अतिरिक्त अन्य प्रतिमाओं का भी निर्माण हुआ था।

ग्रन्थ निर्माण व मूर्ति प्रतिष्ठायें :—

कीर्तिसिंह के शासन काल में ही कुशा साह जी जैसवाल वंशज् ने गोपाचल पहाड़ी के बाहरी तरफ कुछ गुफाओं में मूर्तियां खुदवाई, तथा मन्दिर बनवाकर प्रतिष्ठायें करवाई जिसमें लाखों रुपये व्यय हुये। अग्रवाल वंशज् गोयल गोत्री खल्हा नामक धर्म प्रेमी एवम् आगम् मर्मज्ञ सज्जन ने भी गोपाचल के बाहरी ओर गुफा-मन्दिर बनवाकर आचार्य महीचन्द जी महाराज द्वारा प्रतिष्ठा करवाई। सन १४५८ में बावड़ी की ओर गोलालारे वंशज कुमुदचन्द ने पार्श्वनाथ की मूर्ति की प्रतिष्ठा भट्टारक सिंहकीर्ति के सहयोग से करवाई।

सन १४६८ में ग्वालियर के जैसवाल कुल भूषण उल्हा साहू के जेष्ठ पुत्र साहू पदमसिंह ने अपने चंचल लक्ष्मी का उपयोग करने के लिये २४ जिनालयों को निर्माण करवाया तथा १ लाख ग्रन्थ लिखवाकर भेंट किये।[1] इनके राज्य काल में जैन साहित्य रचना का भी कार्य हुआ। कविवर रईधू ने इनके राज्य काल में "सम्यक्त्व-कौमुदी" तथा "श्रावकाचार" की रचना की।

उपरोक्त मन्दिरों में से कुछेक समाप्त हो गये हैं और कुछ का जीर्णोद्धार होकर नये मन्दिर बन गये हैं जो अभी भी ग्वालियर में अपने परिवर्तित रूप में स्थित हैं। साहित्य में अधिकतर भाग नष्ट हो गया है बहुत कम ही शेष है।

सन १४६४ में "ज्ञानार्णव" नामक ग्रन्थ की एक प्रतिलिपि, लिपिबद्ध की गई।[2] भट्टा० गुणभद्र ने भी ग्वालियर निवासी जैन श्रवकों की प्रेरणा से अनेकों कथाओं की रचना की।

कल्याणमल :—

कीर्तिसिंह की मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र कल्याणमल (मल्लसिंह) ने शासन की बागडोर संभाली इन्होंने सन् १४२४ से सन् १४२६ तक ही शासन किया। संभवतः अपने शासन काल के ७ वर्षों में इन्होंने कीर्तिसिंह के कार्यों को 'जो अधूरे थे' पूर्ण किया।

---

१. विज्जुल चंचलु लच्छीसहाउ, आलोइविहुउ जिणधम्ममाउ। जिणगंथु लिहावउ लक्खु एकु, सावय लक्खा हारीति रिक्खु। मुणि भोजन भुंजाविय सहासु, चउवीस जिणालउ किउ सुभासु—

—जैन ग्रन्थ प्रशस्ति सं० पृ. १४४ बाराबंकी शास्त्र भण्डार।

२. यह ग्रन्थ जैन सिद्धान्त भवन आरा में उपलब्ध है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

इनका काल बहुत शान्ति पूर्वक बीता। इनके काल का सं० १५५२ का केवल एक ही मूर्तिलेख उपलब्ध है।[1]

मानसिंह :—

सन १४८६ ई० में कल्याणमल की मृत्यु के पश्चात उनका पुत्र मानसिंह गद्दी पर बैठा। यह राजा बड़ा प्रतापी, संगीत प्रिय और कला प्रिय था। और अपने पूर्वजों द्वारा संरक्षित एवं सम्बन्धित राज्य को स्वतन्त्र रखने में समर्थ रहा।[2]

इसके काल में यहां एक संगीत विद्यालय भी था। सुप्रसिद्ध गायक तानसेन ने इसी विद्यालय में संगीत शिक्षा ली थी। इसके द्वारा बनवाया गया महल मान मन्दिर (चित्र महल) भारतीय स्थापत्य कला का अदभुत नमूना है। इसके अतिरिक्त इसने मृग नैनी गूजरी के लिये गूजरी महल बनवाया। ध्रुपद गीतों का आविष्कार भी सर्व प्रथम महाराजा मानसिंह द्वारा ही हुआ! इन्होंने "मान कुतुहल" के नाम से एक संगीत ग्रंथ की रचना की।

महाराजा डूंगरसिंह एवं कीर्तिसिंह का राज्य काल:—

सन १५०१ में चैत्र सुदी १० सोमवार के दिन काष्ठासंघ नन्दिगच्छ विघागण के भट्टारक सोमकीर्ति और भट्टा० विजयकीर्ति के शिष्य ब्रह्मकाला द्वारा गोपाचल दुर्ग में आत्म पठनार्थ अमर कीर्ति के "षट्कर्मोपदेश" की प्रति लिखवाऐ जाने का उल्लेख मिलता है।[3] इसके अतिरिक्त सन १५१२ में गोपाचल में श्रावक श्रीमल के पुत्र चतरू ने ४४ पद्यों के "नेमीश्वर गीत" की रचना की। इसमें जैनियों के २३ वें तीर्थंकर नेमिनाथ का जीवन परिचय अंकित है।[4]

विक्रमादित्य :—

उधर सिकंदर लोदी की मृत्यु के पश्चात इब्राहीम लोदी ने शासन संभालते ही अपने पूर्वजों की महत्वांकाक्षा को साकार करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग पर पुनः आक्रमण कर दिया। इसी बीच सन १५१९ ई० में महाराणा मानसिंह की मृत्यु हो गई और तलवारों की छाया में उनके पुत्र विक्रमादित्य गद्दी पर बैठे। उनके नेतृत्व में राजपूत जी तोडकर लड़े पर अपने से अनुपात में कई गुनी अधिक लोदियों की सेना पर विजय न पा सके और लोदियों के सेनापति हुमायूं से संधि करना पड़ी। वे अब शमशाबाद के एक जागीदार मात्र रह गये और उन्हें लोदियों की ओर से पानीपत में बावर के विरुद्ध युद्ध करने भेजा गया। इस बीच तंवर वंश के एक दूसरे तेजस्वी राजकुमार रामसिंह तोमर ने ग्वालियर दुर्ग पर आक्रमण कर किले के अफगान अधिकारी तातार खां को परास्त कर दुर्ग पर अपने झंडे गाड़ दिये, परन्तु तातार खां दुर्ग में ही छिपा रहा और जैसे ही बावर दिल्ली का सम्राट बना तातार खां ने उसे गुप्त संदेश भेजकर उससे सहायता प्राप्त की ओर मोहम्मद गौस साहब की कृपा से ख्वाजा रहीम और शेख गोरन के नेतृत्व में विशाल सेना ने दुर्ग पर आक्रमण कर उसे अपने आधिपत्य में

---

३. जैन लेख संग्रह पूर्णचन्द्र नाहर भाग २।

४. एक सोवनकी लंका निसि, तो वरू राउ सबल वरवीर। भुयंबल आयु जु साहस धीर, मानसिंह जग जानिये। ताके राज सुखी सब लोग, राज समान करहिं दिनभोग। जैन धर्म बहुविधि चलें, श्रावगदिन जु करेंषट कर्म।—नेमीश्वर गीत

१. अर्थ नृपति विक्रमादित्य सम्वत १५५८ वर्षे चैत्र सुदी १० सोमवासरे अश्लेखा नक्षेत्रे गोपाचल गढ़ दुर्गे महाराजाधिराज श्री मानसिंह राज्ये प्रवर्त्तमाने श्री काष्ठासंघे, नंदिगच्छे विद्यागणे भट्टा० श्री सोमकीर्ति देवास्तत्पट्टे भट्टा० श्री विजय सेन देवास्तत शिष्य ब्रह्मकाला ६ षटकर्मोपदेशशास्त्र लिखाप्ये आत्म पठनार्थ।—प्रशस्ति सं० आमेर पृ० १७३

२. यह ग्रन्थ अभी भी आमेर भंडार में सुरक्षित है।
"संवत पद्रह से दो गनें, गुनहत्तरि ताउपर भने। भादों वदि पंचमीवार, स्पेम नषितु रेवती सार॥"

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ले लिया और राजा रामसिंह तोमर मेवाड़ की ओर भाग गये । इस प्रकार सन १५५६ में दुर्ग पुनः मुगलों के हाथ में चला गया । उधर विक्रमादित्य पानीपत युद्ध में वीरगति पा गये और इसके साथ ही तोमर वंश का सूर्य भी सदा के लिये अस्त हो गया । इसके साथ-साथ ही धार्मिक, साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियां समाप्त हो गई । विक्रमादित्य का परिवार अब हुमायूं के आधीन हो गया । उसकी सदभावना पाने के उद्देश्य से उन्होंने तंवरों द्वारा मांडू के सुल्तानों पर प्राप्त विजय की निशानी रत्नों का सरताज (कोहिनूर) नामक विश्व प्रसिद्ध हीरा, हुमायूं को भेंट कर दिया ।

मुगलों के काल में ग्वालियर दुर्ग-बनाम बन्दीगृहः–

मुगलों का पूर्ण अधिकार हो जाने के बाद जब बादशाह बाबर स्वयं ग्वालियर आया तब इस दुर्ग का अवलोकन करते समय सन १५२७ में उसकी कुदृष्टि दुर्ग पर स्थित जैन मूर्तियों पर भी पड़ी । कहा जाता है कि एक रात्रि को वह और उसके सैनिक इतने विशाल आकार की दिगम्बर मूर्तियों को देखकर चकित एवं भयभीत हो गये । उसके क्रोध की सीमा न रही, वह जैन धर्म से इतना क्रुद्ध हुआ कि अगले दिन ही उसने अपनी सेना को दुर्ग पर स्थित सभी मूर्तियों को समूल रूप से नष्ट कर देने का आदेश दे दिया परन्तु यह कोई आसान कार्य नहीं था अतः मुगल सैनिक प्रतिमाओं को समूल रूप से तो नष्ट न कर सके उन्हें खण्डित कर गये। इस प्रकार कुशल कारीगरों की ३३ वर्षों के कठिन परिश्रम से बनी मूर्तियों के सौन्दर्य को कुछ ही दिवसों में नष्ट कर दिया गया । क्रूर बाबर ने इस कृत्य को अपनी आत्म कथा (बाबरनामा) में बड़े गौरव के साथ उल्लेख किया है । इस प्रकार यदि सच पूछा जाये तो इस सारी घटना में जैन ही उसके सर्वाधिक कोप भाजन रहे । इस थोड़े काल में, उसने दुर्ग पर स्थित इन मूर्तियों को ध्वस्त करने के अतिरिक्त नगरों में स्थित मन्दिरों को भी ध्वस किया जहां उनको यह संभव न दिखा वहां मूर्तियों और वेदियों को ही नष्ट कर अपनी सन्तुष्टि कर ली ।

शेरशाह सूरीः--

परन्तु बाबर भी अधिक काल तक इस दुर्ग का उपयोग न कर सका और सन १५४० में यह दुर्ग मुगलों के हाथ से निकलकर शेरशाह सूरी के हाथों में आ गया । उसने इसे राजधानी के रूप में प्रयोग किया और यहां से वह शेष राज्य पर शासन करता रहा । सन १५५६ ई० में अकबर ने सूरी वंश को हरा कर ग्वालियर को अपने अधिकार में ले लिया ।

उसके बाद लगभग २०० वर्षों तक ग्वालियर पर मुगलों का ही अधिकार रहा । इस कार्यकाल में दुर्ग का प्रयोग केवल बंदी गृह के रूप में ही किया गया । मुगल शासकों द्वारा अनेकों ऐसे शहजादे, जागीरदार, बड़े सरदार तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति जिन्हें जनता के समक्ष मृत्यु दण्ड देना अहितकर प्रतीत होता था, इस दुर्ग में लाये जाते थे तथा उन्हें यहां यातो मन्द जहर दे दिया जाता था या ऐसी यातनायें दी जाती थीं जिनसे पीड़ित होकर स्वयं प्राणान्त कर लेते थे ।

मोहम्मद गोस का मकबराः—

लगभग इसी काल के बारे में प्रचलित किंवदन्ती के अनुसार यह कहा जाता हैं कि मोहम्मद गोस साहब नामक फकीर की मृत्यु के बाद अकबर ने ग्वालियर दुर्ग में उनकी सहायता का उपकार चुकाने हेतु उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने के उद्देश्य से उनका भव्य स्मारक बनवाने की इच्छा प्रकट की । चूंकि यह अल्पकाल में संभव नहीं था अतः उनके शव को वर्तमान ग्वालियर नगर में स्थित पूर्व निर्मित एक कलात्मक भव्य भवन में ही दफना दिया गया । कहा जाता है कि इससे पूर्व इसमें भी एक जैन मंदिर स्थित था जिसकी वेदी और मूर्तियां बाबर के सैनिकों द्वारा नष्ट कर दी गई थी । इसकी बनावट से भी ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रारम्भ में जैन मन्दिर ही रहा होगा ।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जहांगीरः—

अकबर की मृत्यु के बाद जब जहांगीर दिल्ली के तख्त पर बैठा तब यह दुर्ग उसके अधिकार में आ गया। उसने लिखा है कि तख्त पर बैठने के अवसर पर उसने मुगल साम्राज्य के समस्त कैदियों की वन्दी गृह से मुक्त करने की आज्ञा दी। उस समय ग्वालियर दुर्ग से ७ हजार कैदी छोड़े गये।

परन्तु बाद में बादशाह जहांगीर ने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में ही प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त जहांगीर ने अन्य सरदारों को भी यहां वन्दी बनाकर रखा था। सिक्खों के छठवें गुरू श्री हरगोविन्द सिंह जी भी इसी दुर्ग में बन्दी बनाकर रखे गये थे। इसके बाद बादशाह बीमार पड़ा तो कुछ लोगों ने यह सलाह दी कि गुरू हरगोविन्द सिंह को छोड़ दो परन्तु गुरू जी ने कहा कि पहिले मेरे साथियों को रिहा किया जावे। जहांगीर की बीमारी बढ़ती ही गई। अंत में विवश होकर उसने गुरूजी की बात मान ली। इस दौरान जो भी सिक्ख लोग गुरूजी के दर्शन करने को यहां आते थे वे दरवाजे पर ही माथे को टेक कर चले जाते थे। गुरू जी की मुक्ति पर जिन लोगों ने भी गुरू का दामन पकड़ा वे सब रिहा कर दिये गये। इस कारण ग्वालियर किला सिक्खों का भी तीर्थ स्थल बन गया।

जहांगीर के शासन काल में एक बार भट्टारक ब्रज भूषण के शिष्य पदमावती पुरवाल वंशीय, टापू निवासी श्री ब्रह्मगुलाल जी मुनि होने के बाद भ्रमण करते हुये ग्वालियर भी पधारे। मुनि के साथ-साथ वे उच्च कोटि के कवि भी थे। सन १६१८ ई० में उन्होंने यहां पर "त्रेपन क्रिया" नामक ग्रन्थ की रचना की। इसमें श्रावकों की त्रेपन क्रियाओं का सरल व सुन्दर भाषा में वर्णन किया गया है।

जहांगीर के बाद औरंगजेब उसका उत्तराधिकारी बना। उसने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में प्रयोग किया। अपने भाई, पुत्र और नातियों को इसी दुर्ग में कैद रखा। इस प्रकार दो शताब्दियों के इस काल में ग्वालियर दुर्ग बन्दी घर के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा। नगर, क्षेत्र तथा उसके विकास के ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया गया और बादशाह के द्वारा नियुक्त नुमायन्दे ही राज्य की देखभाल करते रहें। इस काल में शासकों द्वारा धार्मिक स्वतन्त्रता का खुल कर हनन किया गया।

फिर भी जैन धर्मावलंबियों की गतिविधियां पूर्णतः समाप्त न की जा सकीं। यदा कदा अवसर प्राप्त होने पर जैन धर्मावलंबी अपनी धार्मिक गतिविधियों को संचालित करते रहे। मंदिर निर्माण, मूर्ति उत्खनन, प्रतिष्ठा-महोत्सव आदि कार्य यथा-विधि चालू रहे।

मराठों का उत्कर्ष—महादजी सिंधियाः—

१८ वीं शताब्दि के उतरार्द्ध के प्रारम्भ से ही मराठे लोग अत्याधिक शक्तिशाली हो उठे और दिल्ली तक हमले करने लगे। बाजीराव पेशवा ने राणोंजी सिन्धिया को मालवा राज्य की कमान सौंप दी। उन्होंने उत्तर भारत में राज्य विस्तार करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया और ग्वालियर को इसका केन्द्र बनाया। राणोंजी की मृत्यु के पश्चात उनने पुत्र जयप्पा और माधोजी ने उनका कार्यभार सम्भाला। इसी बीच सन १७६१ में पानीपत में युद्ध विभीषिका प्रज्वलित हो उठी और भारत भर में विभिन्न पक्षों के वीरों की तलवारें खिंच गई। माधव जी इसमें घायल हो गये। इस बीच भरतपुर के जाटों ने लोकेन्द्रसिंह के चाचा के नेतृत्व में दुर्ग पर अधिकार कर लिया। उधर उत्तर भारत का और भी तमाम भाग मराठों के हाथ से निकल चुका था। पर शीघ्र ही पानीपत से लौटकर मराठा वीरों ने महादजी के नेतृत्व में पुनः उत्तर भारत में विजय अभियान प्रारंभ कर दिया और ग्वालियर दुर्ग को अपने अधिकार में ले लिया। इन्होंने इसे फौजी केन्द्र के रूप में प्रयोग करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग के दक्षिण में १ लाख सैनिकों को बड़ी फौजी छावनी का कैम्प लगाया और इसे लश्कर नाम दिया।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

युद्ध के इस वातावरण के मध्य भी धार्मिक गतिविधियां यदाकदा संचालित होती रहीं। सन १७६८ के लगभग लश्कर क्षेत्र में श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, पुरानी सहेली और श्री दिगम्बर जैन २० पंथी मन्दिर चम्पाबाग का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। इन दिनों ग्वालियर में महादजी का ही अधिकार था। उन्होंने उज्जैन को अपनी राजधानी के रूप में प्रयोग किया। यह बड़े प्रतापी शासक थे इनका सारा जीवन युद्धों में बीता।

अंग्रेजों का आक्रमण:—

वारेन हैस्टिंग्ज ने ३ अगस्त सन १७६० को आधी रात के समय किले की पश्चिमी दीवार से चढ़कर उसने अपनी फौजों को दुर्ग में प्रविष्ट करा दिया। दुर्ग का यह भाग अभी भी 'फिरंगी-पहाड़ी' के नाम से प्रसिद्ध है। इस प्रकार दुर्ग अंग्रेजों के हाथ में चला गया। १३ अक्टूबर सन १७८१ को पुन: एक संधि में यह दुर्ग राणा लोकेन्द्रसिंह को मिला।

लगभग इसी काल में ग्वालियर नगर में "जती जी के मन्दिर" के नाम से कहे जाने वाले जैन मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

सन १७८३ में सिन्धिया शासकों ने अंग्रेजों की मदद प्राप्त कर एक पहरेदार की सहायता से इस दुर्ग में पुन: प्रवेश किया। राणा को मालूम पड़ते ही उसने गुलामी से बचने के लिये आत्म-हत्या कर ली। इस बीच महादजी ने लश्कर नामक फौजी छावनी के पास मोरखी पर कचहरी स्थापित की। वे दक्षिण के राज्य को भी इसी राज्य में मिलाकर एक बड़ा हिन्दू राज्य स्थापित करना चाहते थे। इसी बीच १२ फरवरी सन १७९४ ई० को पूना से २ कोस दूर स्थित बानोडी नामक ग्राम में इनका देहान्त हो गया।

दौलतराव:—

महादजी के कोई पुत्र न था अत: इनकी मृत्यु के पश्चात तुकोजी राव के १४ वर्षीय पुत्र आनंद राव इनके उत्तराधिकारी बनाये गये और उनका नाम दौलत राव रखा गया। कार्य भार सम्हालने के एक वर्ष बाद ही इन्हें निजाम से युद्ध करना पड़ा जिसमें ये विजयी हुये और इन्हें करोड़ों रुपयों की सम्पत्ति का लाभ हुआ। इसके बाद ये अन्य राजाओं के सहयोग से कार्य चलाते रहे। किन्तु इन्हीं दिनों उत्तर भारत में फिर से अशांति फैल गई। अत: महाराजा दौलतराव पूना से उत्तर भारत की ओर आये। रास्ते में इन्होंने इन्दौर के होल्कर राजा को परास्त कर उनके राज्य को खूब लूटा। परन्तु अंत में आपको अंग्रेजों से युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई में दक्षिण भारत में स्थित अहमदनगर और अशीदगढ़ (अलीगढ़) के बड़े बड़े किले इनके हाथ से निकल गये। इधर उधर भारत में भी लार्ड लेक ने धावा बोल दिया। जिसमें दिल्ली, अलीगढ़, मथुरा और आगरा के इलाके इनके हाथ से जाते रहे। सन १८०२ में ग्वालियर दुर्ग भी इनके हाथ से चला गया। इनके अधिकांश सैनिक युद्ध में काम आ चुके थे। कोई रास्ता न देखकर इन्हें सन १८०५ में मजबूरी में अंग्रेजों से सन्धि करनी पड़ी जिसमें इन्हें ग्वालियर और आसपास का क्षेत्र वापिस कर दिया गया। सन १८१२ में इन्होंने अपने पिताजी द्वारा स्थापित फौजी कैम्प वाले मैदान लश्कर पर पुन: छावनी डाली। सन १८१२ में यहां नगर बसा कर इसी को ग्वालियर राज्य की राजधानी बनाया तथा इसका नाम लश्कर ही रखा।

कहा जाता है कि इसी फौजी छावनी में एक जैन ओवरसियर भी कार्य करते थे। जब मुरार में छावनी स्थापित की गई तो वे वहां रहने लगे। इनकी मां बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति की थी तथा नित्यप्रति दर्शन करने के पश्चात ही अन्न ग्रहण करती थी। पुत्र ने अपनी मां की सुविधा की दृष्टि से मुरार में एक कमरे के अन्दर मूर्ति प्रतिष्ठा कराकर मन्दिर की स्थापना की, जो आज अपने बड़े रूप में बना हुआ है। लश्कर में कसेरा ओली में स्थित राजा जी का चैत्यालय भी इसी काल का बना हुआ है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जनकोजीराव:—

इस प्रकार इस काल में महाराजा दौलत राव अंग्रेजों के सहयोग से राज्य कार्य चलाते रहे सन १८२७ में इनका स्वर्गवास हो गया। इनके पश्चात उनकी पत्नी ने एक ११ वर्षीय नाबालिग लड़के को गोद लिया और उसका नाम जनकोजीराव रखा। उनके युवा होने तक महारानी ने ही राज्य संचालन का कार्य किया। युवा होने पर उन्होंने स्वयं शासन भार संभाल लिया। दिनांक ७ फरवरी १८४३ ई० को अल्पायु में ही इनका स्वर्गवास हो गया।

नया बाजार लश्कर में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर, ग्वालियर नगर में स्थित गोकुलचन्द्र का मंदिर इन्हीं के काल में निर्मित हुये थे।

जयाजीराव:—

महाराज जनकोजीराव की मृत्यु होने पर महारानी ताराबाई ने उनका पुत्र न होने के कारण एक ८ वर्षीय बालक को गोद लिया। उसका नाम जयाजी राव सिंधिया रखा गया। महाराजा की नाबालिगी में ९ वर्ष तक राज्य का सारा प्रबन्ध कौंसिल ने किया।

इस कौंसिल के शासन काल में भी लश्कर दानाओली में जैसवालों के मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न हुआ।

सन १८५४ में महाराज के बालिग होने पर वे स्वयं अंग्रेजों के मार्ग दर्शन में कार्य करने लगे। ३ वर्ष पश्चात ही सन १८५७ में भारत के राष्ट्र भक्त वीरों द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम छेड़ दिया गया। महाराजा अंग्रेजों के परम भक्त थे। २८ मई को स्वतन्त्रता प्रेमी सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। उधर महाराज अंग्रेजों की सुरक्षा का प्रबंध करने में जी जान लगाकर जुट गये। परन्तु समूह एक शक्ति होती है। १४ जून १८५७ की रात्रि को कन्टिन्जेन्ट फौज ने भी राष्ट्र प्रेमियों के समर्थन में विद्रोह कर दिया। अनेकों अंग्रेज अफसर मौत के घाट उतार दिये गये। महाराजा ने अपनी भक्ति का परिचय देते हुए शेष सभी जीवित अंग्रेज पुरुषों को, महिलाओं व बच्चों सहित आगरा पहुँचा दिया। दिनांक २८ मई सन १८५८ ई० को नाना पेशवा, तात्या टोपे और महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में स्वतन्त्र वीरों की सेना राष्ट्र द्रोहियों को रोंदती हुई ग्वालियर की छाती पर चढ़ आई और १ जून से भयंकर रूप में युद्ध शुरू हो गया। ग्वालियर के सारे राष्ट्र प्रेमी स्वतन्त्र वीरों ने उनका साथ दिया जिससे भयभीत होकर जयाजीराव युद्ध स्थल से पीठ दिखाकर भाग खड़े हुये और अंग्रेजों की शरण में आगरा जा पहुंचे। इधर स्वतन्त्र वीरों ने सभी शासकीय केन्द्रों पर कब्जा कर लिया और ग्वालियर पर अपने झंडे गाड़ दिये। गोरखी में स्थित शासकीय खजाने को लूट लिया गया। वीर पुत्रों का संरक्षण पा ग्वालियर की भूमि निहाल हो उठी। परन्तु दूसरी ओर सर फिह्रोज ने वीरों से अनुपात में कई गुनी सेना लाकर उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दिनांक १८ जून को भयंकर युद्ध हुआ। जिसमें अनेकों वीरों सहित वीरांगना लक्ष्मीबाई भी शहीद हुई। अवसर पाकर अंग्रेज पुनः सत्तारूढ़ हो गये। शांति स्थापित होने पर महाराजा जयाजीराव सिंधिया भी ग्वालियर वापिस लौट आये। ग्वालियर आने के पश्चात उन्होंने स्वतंत्र्य प्रेमी निवासियों को दड देने का अभियान चालू किया। बाद में महाराजा जयाजीराव सिन्धिया के इन भक्ति पूर्ण कृत्यों से प्रसन्न होकर दिनांक ३० नवम्बर सन ५८ को आगरा में एक समारोह आयोजित कर गवर्नर जनरल लार्ड कैंनिग ने पुराने ग्वालियर राज्य में तीन लाख रुपये का राज्य और शामिल कर उन्हें पुनः औपचारिक रूप से राज्य भार सौंपते हुये अंग्रेजों की भक्ति के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और साथ ही महाराजा की ओर बकाया लाखों रुपयें की रकम भी छोड़ दी। और उन्हें अनेकों पदवियों से विभूषित कर ब्रिटिश सेना का आनरेरी जनरल नियुक्त किया। परन्तु दुर्ग पर अभी भी अग्रेजों का ही आधिपत्य रहा सन १८८६ में अंग्रेजों ने झांसी के दुर्ग को

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लेकर बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी सिंधिया को दे दी।

इनके काल में अशांति पूर्ण वातावरण होते हुए भी अनेकों मन्दिरों आदि के निर्माण–कार्य संपन्न हुये। सन १८६४ के लगभग रामकुई पर नसियां जी के मन्दिर की स्थापना हुई और दानाओली में श्री नया मंदिर जी का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ और लगभग १ वर्ष वाद ही क्षत्री बाजार स्थित मन्दिर का निर्माण हुआ। ग्वालियर खच्चाराम मोहल्ला में स्थित मन्दिर भी इसी काल का बना हुआ है। सन १८७८ में मामा के बाजार में एक जैन मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न कराया गया।

सन १८८५ के लगभग महाराजा को जलोधर रोग हो गया जिसकी पीड़ा से दिनांक २० जून १८८६ के दिन उनका प्राणांत हो गया।

माधोराव:—

इनकी मृत्यु के समय इनके पुत्र माधोराव केवल १० वर्ष के थे। परन्तु परम्परा के अनुसार पिता की मृत्यु के पश्चात उनका ही राज्याभिषेक कर दिया गया। अवयस्कता के काल में अंग्रेजों द्वारा नियुक्त एक कौंसिल द्वारा सरदारों और अधिकारियों के सहयोग से राज्य कार्य का संचालन किया गया। सन १८८८ में मामा के वाजार में, एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया।

दिनांक १५ दिसम्बर १८९४ के दिन इस क्षेत्र के गर्वनर जनरल ने एक समारोह में ३० हजार वर्ग मील में फैले ३२ लाख की आवादी और १॥ करोड़ रु. की आय वाले तत्कालीन ग्वालियर के शासन का कार्य भार माधव राव सिंधिया को सौंप दिया। अंग्रेजों का संरक्षण होने के कारण, ये सारे शासन काल में युद्ध आदि के भय से निश्चिन्त रहे। अतः प्रजा के लाभ के कार्यों में अपना काफी समय दिया। इनके काल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर काफी ध्यान दिया गया! आपने सभी धर्मों को प्रगति का समुचित अवसर दिया। वे स्वयं सभी धर्मों के विशेष उत्सवों में भाग लेते थे।

इनके शासन काल में अनेकों जैन मन्दिरों का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। सन १९०३ में मामा के बाजार में एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया। जो बड़ा मन्दिर मामा के बाजार के नाम से जाना जाता है। इसके अतिरिक्त इनके काल में भूमि का बंदोवस्त और सर्वेक्षण हुआ। सन १९१२ में प्रशासन सुधार के हेतु पंचायतों का गठन किया गया। इन्होंने सड़कों के निर्माण कार्य में भी रूचि ली। सिंचाई के साधन बढ़ाये। हर्षी बांध का निर्माण-कार्य इन्होंने ही प्रारम्भ करवाया। सन १९२५ में इनका स्वर्गवास हो गया, और महाराजा जीवाजी राव सिंधिया ने राज्य भार सम्हाला। इस अवसर पर ग्वालियर के जैन संगठन के रूप में कार्यरत संस्था ग्वालियर स्टेट दिगम्बर जैन ऐसोशियेसन द्वारा उनका अभिनन्दन करते हुये मानपत्र भेंट किया गया। इनके काल में राष्ट्रीय आन्दोलन प्रबल होता गया, लोक तान्त्रिक सरकार की मांग बडती गई। सन १९३९ में लोकतान्त्रिक सत्ता की स्थापना हेतु प्रजासभा, राज्यसभा नामक विधान सभायें स्थापित की गईं।

स्वतंत्रता काल:—

१५ अगस्त सन १९४७ को भारत वर्ष स्वतन्त्र हुआ। भारत सरकार के गृहमन्त्री के रूप में आसीन सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देशी रियासतों को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने की दिशा में अत्यन्त दृढ़ता से काम लिया। २८ मई १९४८ को महाराजा जीवाजीराव सिंधिया ने राज्य विलय करने के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किये और ग्वालियर रियासत मध्यभारत राज्य में विलय हो गई। स्वतंत्र भारत के स्वच्छन्द वातावरण में भारतीय संविधान के अनुसार भारत को धर्मनिर्पेक्ष प्रजातान्त्रिक गणराज्य घोषित किया गया। इस कारण जन साधारण में राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का उदय हुआ। और इन क्षेत्रों की धार्मिक गतिविधियों में तीव्रता आई। जैन धर्मावलम्बी इस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

क्षेत्र में कभी किसी से पीछे नहीं रहे। अनेकों जैन अनुयाइयों ने अपने क्षेत्र की जनता का कुशल प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार अनेकों जैन धर्मावलम्बियों ने मंत्रीयों, सचिवों, विधायकों और अनेक उच्च पदों पर रह कर क्षेत्र की बिना किसी भेद-भाव के अमूल्य सेवा की।

सन १९५३ में इस नगर की पुण्य भूमि पर आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज की प्रेरणा से सेठ राजाराम जी जैसवाल (मे. हरलाल मूलचन्द जी) ने मेला ग्राऊन्ड पर विशाल जैन-पंच-कल्याणक महोत्सव का आयोजन करवाया, जिसमें नगर के अतिरिक्त विभिन्न प्रदेशों के जैन लोग सम्मिलित हुये।

१ नवम्बर सन १९५६ को पुराने मध्यप्रदेश, मध्यभारत, विन्ध्य प्रदेश एवं भोपाल राज्य को मिला कर नये मध्यप्रदेश का गठन हुआ। जुलाई सन १९६१ में अकस्मात महाराजा जीवाजी राव सिंधिया का निधन हो गया। उसी राज्य वंश की राजमाता विजयाराजे सिंधिया का मध्य प्रदेश की राज्यनीति में इस समय भी महत्व पूर्ण (सविंद-नेत्री के रूप में) योग है।

इस तरह ग्वालियर का अतीत अत्यन्त गौरव शाली रहा है। हम भविष्य के प्रति भी आशावान हैं और मंगल कामना रखते हैं कि यह वीर भूमि सदैव धर्म प्रेरणा का केन्द्र बनी रहे।

—रवीन्द्र 'मालव'

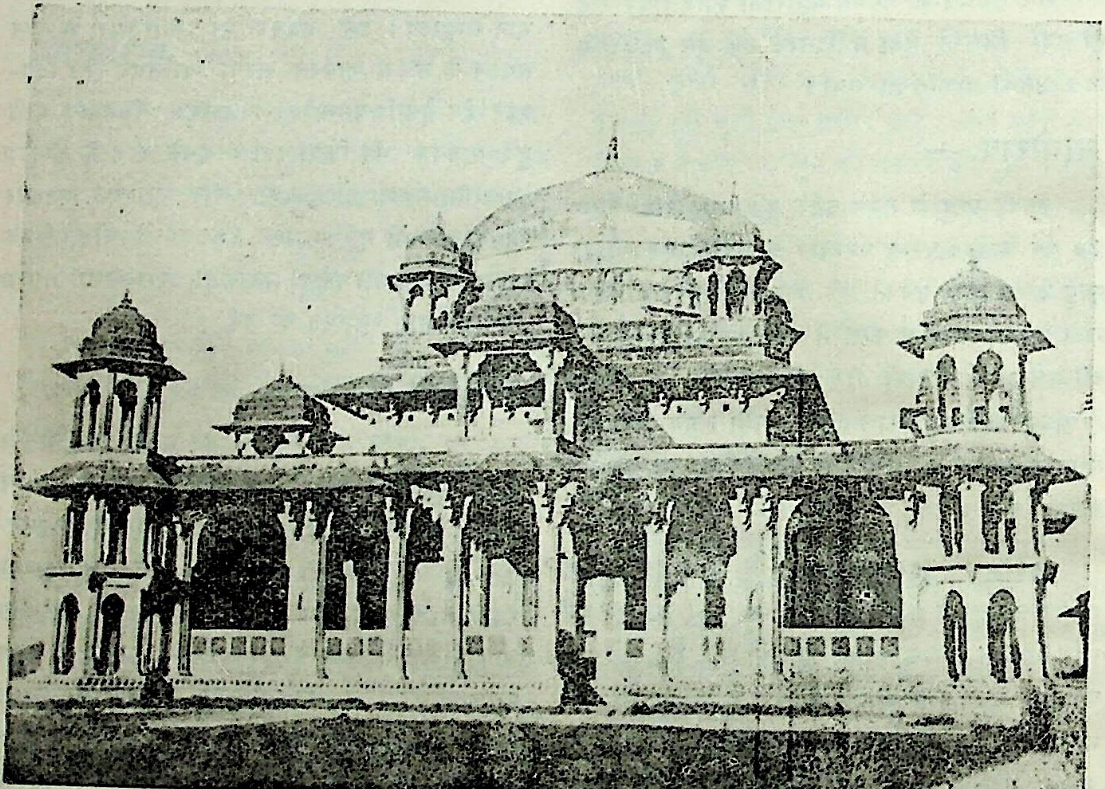

मोहम्मद गोस का मकबरा
(जिसके संबंध में यह कहा जाता है कि वह पहिले एक जैन मंदिर था जिसे बाबर के शासन काल में नष्ट किया गया)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बृहत्तर ग्वालियर में स्थित दिगम्बर जैन मंदिर

नगर के विभिन्न मोहल्लों में स्थित जैन परिवारों की सुविधानुसार लश्कर, ग्वालियर और मुरार में ३५ दिगम्बर जैन मन्दिर, और ६ श्वेताम्बर जैन मन्दिर हैं। ग्वालियर, जैन पुरातत्व और संस्कृति का गढ़ है। अनेक मन्दिर अपनी विशालता और उत्कृष्ठ स्थापत्य कला के कारण सहसा आकर्षण के केन्द्र हैं। इनमें प्राचीन मनोज्ञ जिनविम्ब विराजमान हैं। मन्दिरों के सरस्वती भण्डार प्राचीन शास्त्रों से भरे हुए हैं। प्रत्येक जैनी का यह कर्तव्य है कि वह प्रतिदिन देव दर्शन शास्त्र स्वाध्याय कर आतम शुद्धि करे।

दिगम्बर जैन मन्दिर, लश्कर:—

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी पंचायती बड़ा मन्दिर, पुरानी-सहेली, डीडवाना ओली
२. श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी पंचायती मन्दिर, दाना ओली
३. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दाना ओली
४. श्री दि० जैन नया मन्दिर, खंडेलवाल पंचायती नई-सहेली, दाना ओली
५. श्री दि० जैन नागोरां का मन्दिर, दाना ओली
६. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, भाऊ का बाजार
७. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगंज
८. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, छत्री बाजार
९. श्री दि० जैन मन्दिर, चावड़ी बाजार
१०. श्री दि० जैन ते० मं०, चितेराओली, माधवगंज
११. श्री दि० जैन बी० मं०, चितेराओली, माधवगंज
१२. श्री दि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजार
१३. श्री दि० जैन बरैया पं० मं० मामा का बाजार
१४. श्री दि० जैन बरैया पंचायती बड़ा मंदिर, मामा का बाजार
१५ श्री दि० जैन बरैया पंचायती मंदिर, गुड़ी-गुड़ा का नाका
१६. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, नया बाजार
१७. श्री पार्श्वनाथ दि० जैन तेरा० मं० दौलतगंज
१८. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, दौलत गंज
१९. श्री दि० जैन चैत्यालय, कसेरा ओली
२०. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, फालका बाजार
२१. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जयेन्द्र गंज
२२. श्री दि० जैन चैत्यालय, शिन्दे की छावनी
२३. श्री दि० जैन बीस० नसियाजी मं०, रामकुई

दिगम्बर जन मन्दिर, ग्वालियर:—

२४. श्री दि० जैन गोकुलचन्दजी मन्दिर, लोहा मण्डी
२५. श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा वाला मोहल्ला
२६. श्री दि० जैन चैत्यालय, खच्चाराम मोहल्ला
२७. श्री दि० जैन वांसपूज्य पंचायती मन्दिर
२८. श्री दि० जैन यती जी का मन्दिर
२९. श्री दि० जैन नानकरामजी की बगीची, मन्दिर
३०. श्री दि० जैन मुनीमजी का चं०, लखेरा गली
३१. श्री दि० जैन चैत्यालय, घांसमण्डी

दिगम्बर जैन मन्दिर, मुरार:—

३२. श्री दि० जैन मंदिर गुलाबचन्द की बगीची, ठाठीपुर
३३. श्री दि० जैन चैत्यालय, दीना नाथ की बगीची
३४. श्री दि० जैन पंचायती मन्दिर, जैन संतर
३५. श्री दि० जैन ब्रह्मचारी चैत्यालय, ठण्डी सड़क

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लश्कर में स्थित दि० जैन मन्दिर:—

(१) **श्री दि० जैन तेरापन्थी, पंचायती पुरानी सहेली- बड़ा मंदिर, डीडवाना ओली :**—सन १७६८ ~~में सेठ मथुरादास, लक्ष्मीचन्द जी की धर्म प्रेरणा, [illegible] दान~~ तथा समाज के उत्साही एवं दानशील व्यक्तियों के प्रयत्न से, इस अत्यन्त भव्य एवं कलात्मक विशाल मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ है। यहां ४१ पाषाण, ६ मूंगा, ७१ धातु, ६ स्फटिक मणी व १ चांदी की प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। पीतल के तीन विशाल मेरू व २ मानस्तम्भों की बनावट अत्यन्त आकर्षक एवं दर्शनीय है। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १०० हस्तलिखित और ३०० मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। इस मन्दिर द्वारा एक जैन पाठशाला संचालित की जाती है जिसके सुयोग्य अध्यापक श्री लाला भईया जी हैं। मन्दिर के अन्तंगत दो धर्मशालायें तेरापंथी धर्मशाला, नई सड़क व नवनिर्मित पार्श्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना ओली, जैन मंदिर भाऊ का बाजार, सोनागिर तलहटी के न. १, २ व ६ मन्दिर, तेरापंथी धर्मशाला, सोनागिर की व्यवस्था सम्मिलित है। इस मंदिर के खम्भों, दीवारों व छतों पर पच्चीकारी वसोने का काम है उनपर बने दृश्य प्राचीन, आकर्षक व कलात्मक है। मंदिर सम्बन्धित कार्य की व्यवस्था मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मानिक चन्द जी पांड्या, मंत्री श्री उत्तमचंद जी गंगवाल व कोषाध्यक्ष श्री रतनचंद जी गिरधरवाल हैं।

(२) **श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर चम्पाबाग, दानाओली:**—इस भव्य एवं विशाल मन्दिर की स्थापना सन १७६८ में हुई। यहाँ दीवारों व छत्तों पर अत्यन्त आकर्षक कलात्मक जड़ाऊ काम है, जो दर्शनीय है। मंदिर में २२६ जिनविम्ब, १२५ हस्तलिखित और १५० मुद्रित शास्त्र ग्रंथ हैं। इस मन्दिर के अन्तंगत श्री दि० जैन मदिर, इन्दरगंज, श्री दि० जैन मन्दिर नसिया जी, बीस पंथी कोठी सोनागिर, बीस पंथी चम्पाबाग धर्मशाला एवं मन्दिर में संचालित जैन पाठशाला की व्यवस्था, सम्मिलित है। मन्दिर प्रवन्ध समिति के वर्तमान अध्यक्ष श्री मान सेठ बुन्नमलजो गंगवाल, मंत्री श्री केशरीमल जी गोधा व कोषाध्यक्ष श्री पारस कुमार गंगवाल हैं।

(३) **श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, दाना ओली:**—दानाओली में सड़क के किनारे दूसरी मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर की स्थापना सन १८४८ में हुई। यहाँ मेरू सहित तीन वेदियों पर ११ धातु और २० पाषाण के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के शास्त्र भण्डार में १२५ शास्त्र व धार्मिक पुस्तकें हैं। प्रतिवर्ष क्वार सुदी चतुर्थी के दिन गोपाचल दुर्ग स्थित एक पत्थर की बावड़ी पर जहाँ तोमर राजाओं के समय में उत्खनित अनेकों विशाल जैन मूर्तियाँ हैं, एक मेला आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ला सप्तमी के दिन यहाँ से रथयात्रा निकाली जाती है। इस मन्दिर की पंचायत के अन्तंगत नवनिर्मित जैसवाल पंचायती धर्मशाला, दाना ओली की व्यवस्था सम्मिलित है। जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलालजी, मंत्री श्री मुन्शीलाल जी व कोषाध्यक्ष श्री गप्पूलालजी जैन घी वाले हैं।

(४) **श्री दि० जैन खण्डेलवाल पंचायती, नया मन्दिर, दानाओली:**—नया मंदिर, दानाओली का निर्माण सन १८६६ में श्री पन्नालाल जी गंगवाल व श्री रखीलाल जी पाटनी द्वारा हुआ। अत्यन्त भव्य एवं विशाल मंदिर की पांच वेदियों पर २० पाषाण, २५ धातु, २ स्फटिक मणी, १ पन्ना, ३ पुखराज के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहां श्री आदिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की मूर्ति वि. सं. १५६ की व श्री चन्द्रा प्रभू भगवान की मूर्ति वि. सं. १६८ की प्रशस्ति की है। प्राचीन जिन विम्वों के अतिरिक्त ताड़ पत्र पर लिखे हुए 'सन्दूर-प्रकरण-ग्रन्थ', तत्वार्थ सूत्र, आदिनाथ स्तोत, णमोकार मन्त्र, एकचावल पर लिखे हुये ३५ अक्षरी णमोकार मन्त्र, पंच परमेष्ठी देखने योग्य प्राचीन वस्तुऐं सग्रहीत हैं। यहाँ सरस्वती-भण्डार में ६२५ हस्तलिखित, २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ व ५०० धार्मिक पुस्तकें हैं। धार्मिक सामाजिक कार्य हेतु वर्तन,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

विद्यायत भी उपलब्ध है । मन्दिर के क्षेत्र में एक धर्मशाला है जिसका उपयोग वर्द्धमान विद्यालय के अतिरिक्त त्यागी व्रतियों को ठहराने, व अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों के लिये होता है । व्यवस्था कार्य निर्वाचित कार्य कारिणी द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, मन्त्री श्री रूपचंदजी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मनोहरलाल जी पांड्या हैं ।

(५) **श्री दि० जैन बीसपंथी नागारां जी मंदिर, दानाओलीः**—दानाओली के प्रारम्भ में आकर्षक कलात्मक खुदाई से सुशोभित गेट के अन्दर द्वितीय मजिल पर स्थित तीन वेदियों में २५ धातु और ८ पाषाण के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं । इस मन्दिर की व्यवस्था जयपुरयान-पंचायत-कमेटी द्वारा की जाती है जिसके मुख्य कार्यकर्ता श्री गुलाबचन्द जी पंसारी, व श्री मूलचंद जी नेके वाले हैं ।

(६) **श्री दि० जैन तेरापंथी, मंदिर, भाऊ का बाजारः**—भाऊ के बाजार में द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६६ में की गई । यहां दो वेदियों पर ८ पाषाण व ८ धातु की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं । इनके अतिरिक्त दो पीतल के आकर्षक मेरू-स्तम्भ हैं । बड़ा मदिर, पुरानी-सहेली-कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था संचालित की जाती है । मंदिर की सामान्य व्यवस्था श्री मथुरा दास जी नरपत्या करते हैं ।

(७) **श्री दि० जैन बीसपंथी मंदिर. जनकगंज**—श्री प्यारेलाल जी टोंग्या द्वारा इस मदिर का निर्माण कार्य सन १६१७ में स्थापित कर सन १६३७ में सम्पन्न किया गया । द्वितीय मंजिल पर स्थित इस मन्दिर में ८ पाषण, २ धातु के जिनबिम्ब व २५ शास्त्र विद्यमान हैं । मन्दिर जी का प्रबन्ध संचालन बीसपंथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है । वर्तमान में व्यवस्था कार्य श्री धूपचंद जी टोंग्या करते हैं ।

(८) **श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, छत्री बाजारः**—छत्री बाजार में द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६५ में हुई । यहां २५ धातु, २ पाषाण के जिनबिम्ब और २० शास्त्र विद्यमान हैं । मंदिर की प्रबन्ध-व्यवस्था श्री प्यारेलाल जी जैसवाल कांटे वाले करते हैं ।

(९) **श्री दि० जैन मंदिर, चावड़ी बाजारः**—द्वितीय मंजिल पर स्थित चावड़ी बाजार के मन्दिर में सुनहरी आकर्षक जड़ाऊ वेदी पर ३ पाषाण, ७ धातु व १ पन्ना के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं । मन्दिर का प्रबन्ध संचालन श्री नन्नेलाल जी प्यारेलाल जी करते हैं ।

(१०) **श्री दि० जैन तेरापंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंजः**—चितेरा ओली, माधवगंज में स्थित विशाल मदिर का निर्माण कार्य सन १८४० में सम्पन्न हुआ । समोसरण सहित पांच वेदियों व भोंहरा मे २६ पाषाण ३० धातु, १ स्फटिक मणी व १ मूंगा के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं । जिसमें से २ विशाल प्राचीन मूर्ति शोजना ग्राम व एक मूर्ति पनिहार ग्राम में लाकर विराजमान की गई है । यहां के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रंथ व पुस्तकालय में ३०० धार्मिक पुस्तकें हैं । मंदिर द्वारा धार्मिक पाठशाला, पुस्तकालय, वाचनालय व नवनिर्मित धर्मशाला संचालित है । धर्मशाला मन्दिर क्षेत्र में स्थित है । सम्बन्धित व्यवस्था कार्य श्री सुगनचन्द जी पाटनी, श्री नानूलाल जी चौधरी व कपूरचन्द जी पाटनी द्वारा किया जाता है ।

(११) **श्री दि० जैन बीसपंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंजः**—चितेराओली, माधोगंज स्थित बीसपथी आमनाय के इस मदिर में द्वितीय मंजिल पर तीन वेदियों में ५५ जिनबिम्ब, जिनमें ३९ पाषाण व १६ धातु के हैं प्रतिष्ठित हैं । स्वाध्याय हेतु कुछ शास्त्र भी उपलब्ध हैं । यहां की व्यवस्था श्री लखमी चन्द जी बोहरा द्वारा की जाती है ।

(१२) **श्री दि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजारः**—सन १८८८ में इस चैत्यालय का निर्माण श्री जसराज जी गनपत लाल जी बरैया ने करवाया था । यहां ९ धातु के जिनबिम्ब व १२ जैन शास्त्र विद्यमान हैं । इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

द्वारा की जाती है वर्तमान में कार्य संचालन श्री बाबूलाल जी द्वारा किया जाता है।

(१३) **श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार:**—सन १८७८ में इस मंदिर का निर्माण कार्य श्री झल्लूराम जी प्यारेलाल जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। तेरापंथी आमनाय के इस मंदिर में ६ पाषाण व १२ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहां से प्रतिवर्ष मगसर वदी एकम् के दिन रथयात्रा महोत्सव आयोजित किया जाता है। इसकी प्रवन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है, जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मंत्री प्रो. रामचरणलालजी व कोषाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद जी हैं।

(१४) **श्री दि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार:**—तेरापंथी आमनाय के इस मंदिर का निर्माण सन १९०३ में हुआ। मन्दिर जी में ७ पाषाण व, १३ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित है। यहां सरस्वती भण्डार में ४ हस्तलिखित व १६ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर क्षेत्र में स्थित श्री ऋषभ नाथ धर्मशाला की व्यवस्था भी उक्त मन्दिर की प्रबंध समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री बालचंद्र जी, मन्त्री श्री शोभाराम जी व कोषाध्यक्ष श्री देवचंद जी बरैया है।

(१५) **श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, गुड़ी-गुड़ा का नाका:**—नगर के अंतिम छोर पर स्थित उक्त मन्दिर का निर्माण समीप स्थित कुछ जैन परिवारों की सुविधार्थ हुआ। यहा धातु निर्मित ३ जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है।

(१६) **श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर, नया बाजार:**—तृतीय मंजिल पर स्थित नया बाजार के इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४३ में सम्पन्न हुआ। यहाँ दो मुख्य वेदियों पर ११ पाषाण व ८ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में २५ हस्तलिखित व ३५ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर व्यवस्था के अन्तर्गत संचालित, संगीत कला शिक्षण विद्यालय भी है। वर्तमान व्यवस्था कार्य श्री हुकमचन्द जी वाकलीवाल, श्री रूपचन्द जी पाटनी और श्री झम्मनलाल जी द्वारा अत्यन्त लगन से किया जा रहा है।

(१७) **श्री पार्श्वनाथ दि० जैन तेरापंथी मन्दिर, दौलतगंज:**—नगर का सर्व प्रथम यह मन्दिर ग्वालियर स्टेट की स्थापना के साथ ही साथ निर्मित हुआ। इस मन्दिर में १० पाषाण व १६ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित है। यहां के सरस्वती भण्डार में २५० शास्त्र विद्यमान हैं। वर्तमान में इस मंदिर की आकर्षक आधुनिक व्यवस्था का मानिकचन्द जी पाटनी करते हैं।

(१८) **श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर दौलत गंज:**—द्वितीय मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर में १२ पाषाण व ५ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर में एक जैन पाठशाला चलाई जाती है मन्दिर व पाठशाला से सम्बन्धित कार्य की देख-रेख श्री विमलचंद जी वाकलीवाल व श्री बाबूलाल जी टोंग्या करते हैं।

(१९) **श्री दि० जैन राजाजी वाला चैत्यालय, कसेरा ओली:**—बारादारी के पास कसेरा ओली में तृतीय मन्जिल पर स्थित उक्त चैत्यालय का निर्माण कार्य सन १८२० में श्री सालिगराम सवाईराम जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। यहां १ पाषाण व ७ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्ठार में ४४ हस्तलिखित शास्त्र व प्राचीन हस्तकला निर्मित चित्र हैं। वर्तमान में उसी परिवार के मुखिया श्री अमोलक चन्द जी राजा इसकी व्यवस्था करते हैं।

(२०) **श्री दि० जैन तेरापंथी मन्दिर, फालका बाजार:**—पुलिस चौकी के समीप फालके बाजार में स्थित तेरापंथी आमनाय के इस मन्दिर में ७ पाषाण ५ धातु के जिनविम्ब व ५ शास्त्र ग्रन्थ विद्यमान हैं। नया मन्दिर दानाओली की प्रबन्ध कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में इसकी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

देख-रेख का कार्य अत्यन्त लगन व त्याग के साथ श्री बाबूलाल जी हुकमचन्द जी कागला करते हैं।

(२१) **श्री दि० जैन बीसपंथी मन्दिर, जयेन्द्र गंज**:—स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया स्टेचू के सामने द्वितीय मंजिल पर स्थित जैन मंदिर में २ पाषाण और ८ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मंदिर की प्रबंध व्यवस्था चम्पाबाग बीसपंथी मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती हैं।

(२२) **श्री दि० जैन चैत्यालय, शिन्दे की छावनी**:—सन १९२५ में श्री सुआलाल जी पाटनी द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना निजी धर्म ध्यान व स्वाध्याय हेतु की गई थी। इस बाजार में स्थित लगभग १०० जैन परिवारों के लिये समीप वर्तीय उक्त एकमात्र जिनालय होने से सभी यही धर्मध्यान करने आते हैं। यहां १ पाषाण व दो धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस चैत्यालय की व्यवस्था वर्तमान में श्री प्रकाशचन्द जी पाटनी करते हैं।

(२३) **श्री दि० जैन बीसपंथी नसियां जी मंदिर, गैंड़ेवाली सड़क, रामकुई**:—सन १८६४ में रामकुई पर स्थित नसियां जी के विशाल क्षेत्र में उक्त मन्दिर की स्थापना हुई। यहां ६ पाषाण २ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के पास ही कुछ कमरे, बगीचा व विशाल मैदान है। इस स्थान को आकर्षक, भव्य व दर्शनीय बनाने हेतु श्री १००८ शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची प्राचीन प्रतिमा सन १९४३ में श्रीमान बुधमलजी गंगवाल ने बरई ग्राम से लाकर प्रतिष्ठित कराई। नसिया जी मन्दिर द्वारा कुंवार सुदी छट के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। इस मन्दिर व नसियां की व्यवस्था श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

ग्वालियर में स्थित दि० जैन मंदिरः—

(२४) **श्री गोकुलचन्द जी जैसवाल पंचायती मन्दिर, लोहामन्डी**:—लोहामंडी ग्वालियर में स्थित जैसवाल पंचायती मन्दिर का निर्माण सन १८४३ में स्वर्गीय श्री लाला गोकुलचन्द जी ने करवाया। इस मन्दिर में छह वेदियों पर ५० पाषाण व १५ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रंथ हैं। संस्थापक श्री गोकुलचन्द जी के नाम से एक जैन धर्मशाला लोहामण्डी ग्वालियर में स्थित है इसका प्रबंध कार्य मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी कोठरीवाले, मन्त्री श्री खूबचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री धन्नालाल जी हैं।

(२५) **श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा वाला मोहल्ला**:—सन १८४३ में श्री गन्नालाल जी अग्रवाल द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना की गई। यहां पांच धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। वर्तमान में व्यवस्था श्री धन्नालाल जी 'धर्मवीर'' द्वारा की जाती है।

(२६) **श्री दि० जैन चैत्यालय, खच्चाराम, मोहल्ला**:—श्री अच्छाराम लोहिया द्वारा सन १८६८ में इस चैत्यालय की स्थापना की गई वर्तमान में यहां की व्यवस्था श्री प्रभूदयाल जी लोहिया करते हैं।

(२७) **श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती मंदिरः**—अस्त-व्यस्थ २२ चैत्यालयों को सम्मिलित करते हुऐ उन्हें एक ही स्थान पर व्यवस्थित रूप देने हेतु इस मन्दिर की स्थापना की गई। यहां मूलनायक श्री वासपूज्य भगवान की प्रतिमा सम्वत् १५३७ में प्रतिष्ठित किये जाने का लेख है। इसके अतिरिक्त मन्दिर में अनेक प्राचीन प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। यहां के शास्त्र भण्डार में लगभग १०० शास्त्र हैं। इस मन्दिर द्वारा प्रतिवर्ष कुंवार सुदी दोज के दिन रथयात्रा आयोजित की जाती है। कुंवार बदी अमावस के दिन ग्वालियर दुर्ग पर प्राचीन उत्खनित विशाल मूर्तियों के सामने भरने वाले मेले में इस मन्दिर द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ में विराजमान कर श्रीजी ले जाये जाते हैं। अषाढ़ सुदी अष्टमी से प्रारम्भ होने वाले अष्टानका पर्व में प्रतिवर्ष यहां सिद्धचक्र विधान का आयोजन किया जाता है और श्री बाहुबलि स्वामी का मस्तकाभिषेक होता है। इस मन्दिर में महावीर जयन्ती के दिन, महोत्सव भी मनाया जाता है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

समीप स्थिति नानकराम जी की बगीची की व्यवस्था इस मन्दिर के ट्रस्ट द्वारा की जाती है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री श्री हरीशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजितकुमार जी है।

(२८) श्री दिगम्बर जैन जतीजी का मन्दिर, चौक बाजार:—मन्दिर पर लगे शिलान्यास के अनुसार, चौक बाजार में स्थित जती जी के मन्दिर का निर्माण कार्य सम्वत् १८५१ (सन् १७९४) माघ बदी दसवीं के दिन सम्पन्न हुआ था। यह मन्दिर भट्टारक जी के नाम से जाना जाता है। यहां अनेक प्राचीन मूर्तियों के अतिरिक्त, विशाल यक्ष-यक्षणी की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर के सरस्वती भण्डार में रईधू कवि, भट्टारकों आचार्यों व विद्वानों द्वारा रचित, सैंकड़ों प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ हैं। इस पुराने मन्दिर के अन्दर दो भौंहरें भी स्थित हैं।

(२९) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, नानकराम बगीची—बगीचे में स्थित मन्दिर में अत्यन्त आकर्षक चमकीली मूर्ति के अतिरिक्त एक धातु व पाषाण की मूर्ति भी प्रतिष्ठित है। इस मन्दिर की व्यवस्था श्री दि० जैन वांसपूज्य पंचायती मन्दिर द्वारा की जाती है।

(३०) मुनीम जी का चैत्यालय, लश्करा गली-—सन् १९२५ में इस चैत्यालय की स्थापना हुई। यहां मूलनायक श्री पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा के अतिरिक्त २ धातु की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के संचालक श्री रामजीदास लक्ष्मणदास जी हैं। व्यवस्था का कार्य श्री दर्शनलाल जी संभालते हैं।

(३१) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय, घासमण्डी :—द्वितीय मन्जिल पर स्थित, इस चैत्यालय का निर्माण श्री तोताराम जी किशोरीलाल जी ने सन् १९५३ में कराया। भवन निर्माण के समय मूलनायक मूर्ति का नीव में प्राप्त होना ही चैत्यालय स्थापित करने का कारण मात्र बना। वर्तमान में व्यवस्था कार्य, इन्हीं के परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

मुरार स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर:—

(३२) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, गुलाबचन्द जी की बगीची:—ठाठीपुर-मुरार मार्ग पर सड़क की बायीं ओर स्थित बगीची में सेठ हजारीमल जी गुलाबचन्द जी दोशी ने सन् १९०५ में इस मन्दिर की स्थापना की यहां ५ धातु व २ पाषाण के जिन विम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के जैन बन्धुओं को यह मन्दिर सबसे निकट पड़ता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री गणेशीलाल जी करते है।

(३३) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय दीनानाथ जी की बगीची:—लश्कर, ठाठीपुर, मुरार मार्ग पर नदी के दाहिनी ओर श्री दीनानाथ जी की बगीची के मध्य उक्त चैत्यालय सन् १९६४ में स्थापित किया गया था। इस चैत्यालय में नोगेरा ग्राम से मूलनायक प्रतिमा को लाकर विराजमान किया गया। इसकी व्यवस्था श्री दीनानाथ जी ठेकेदार द्वारा की जाती है।

(३४) श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, जैन सन्तर, मुरार:—लगभग १५० वर्ष पूर्व जबकि मुरार में अंग्रेजों ने अपनी फौजी छावनी स्थापित की थी, उसी काल में इस मन्दिर का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ। मूलनायक १००८ श्री सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा के अतिरिक्त यहाँ ११ पाषाण व ५३ धातु की प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। यहां के सरस्वती भण्डार में ३०० हस्तलिखित व २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध हैं। प्रतिवर्ष कुवाँर सुदी छठ के दिन इस मन्दिर द्वारा रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसके कलशाभिषेक नवमीं के दिन मन्दिर जी में वापस श्री जी विराजमान कर, किये जाते हैं। इन्हीं दिनों कार्यकारिणी समिति का पुर्नगठन होता है। सन १९४८ में १०५ छुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के आगमन पर, यहां धार्मिक शिक्षा हेतु एक पाठशाला स्थापित की गई, जो आज माध्यमिक स्कूल के रूप में चल रही है। मंदिर की व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष श्री कपूरचन्द जी, मन्त्री श्री कन्हैयालाल जी व कोषाध्यक्ष श्री रतनलाल जी जैसवाल है।

(३५) श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय ठंडी सड़क मुकर्जी नगर, मुरार :—सड़क के किनारे मकान में स्थित इस चैत्यालय की स्थापना सन् १९६६ में ब्रह्मचारी श्री रामचरण जी रिठोरे वालों ने की है। इसकी व्यवस्था वे स्वयं करते हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

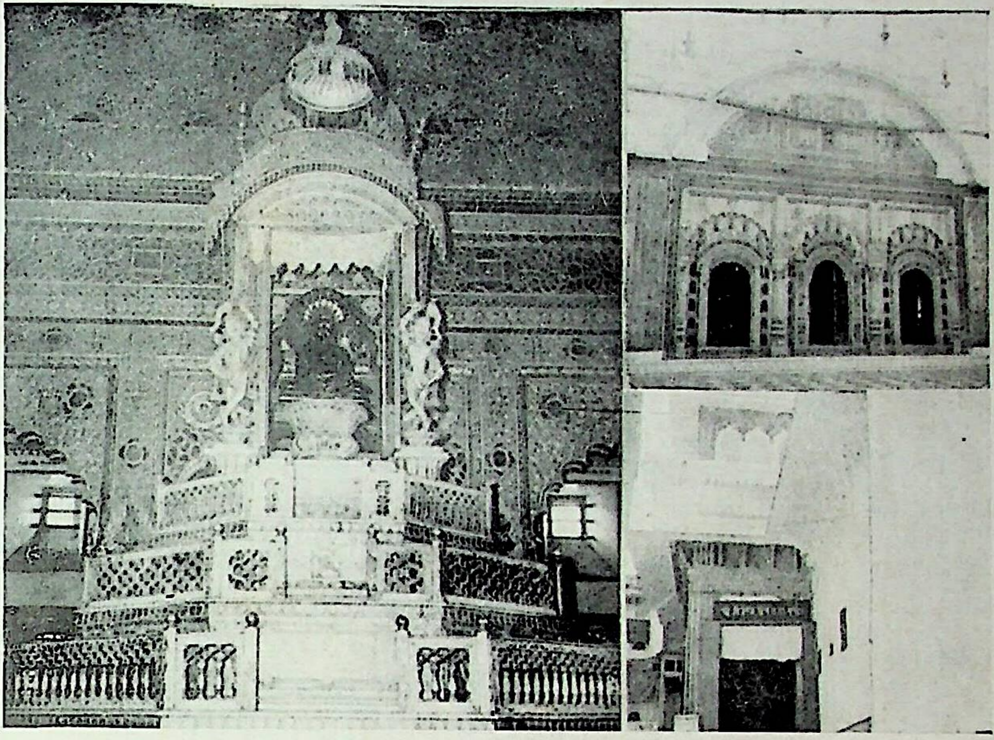

श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी पंचायती, बड़ा मन्दिर, डीडवाना ओली, लश्कर

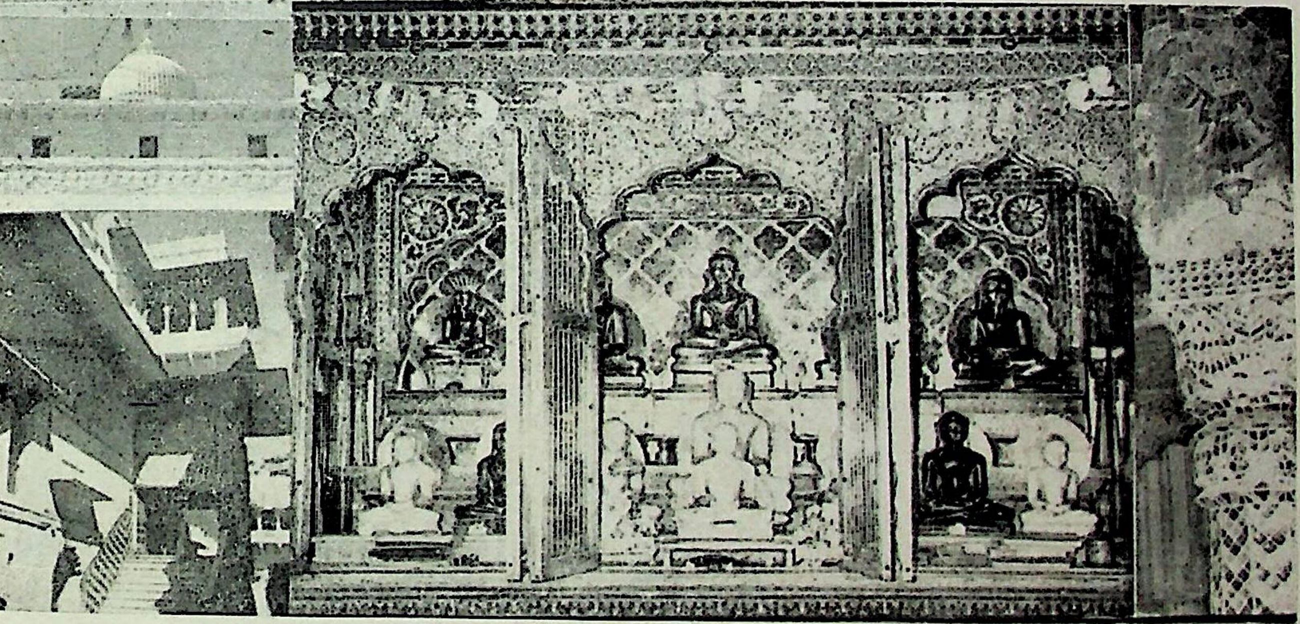

श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी, चम्पाबाग पंचायती मन्दिर, दाना ओली, लश्कर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

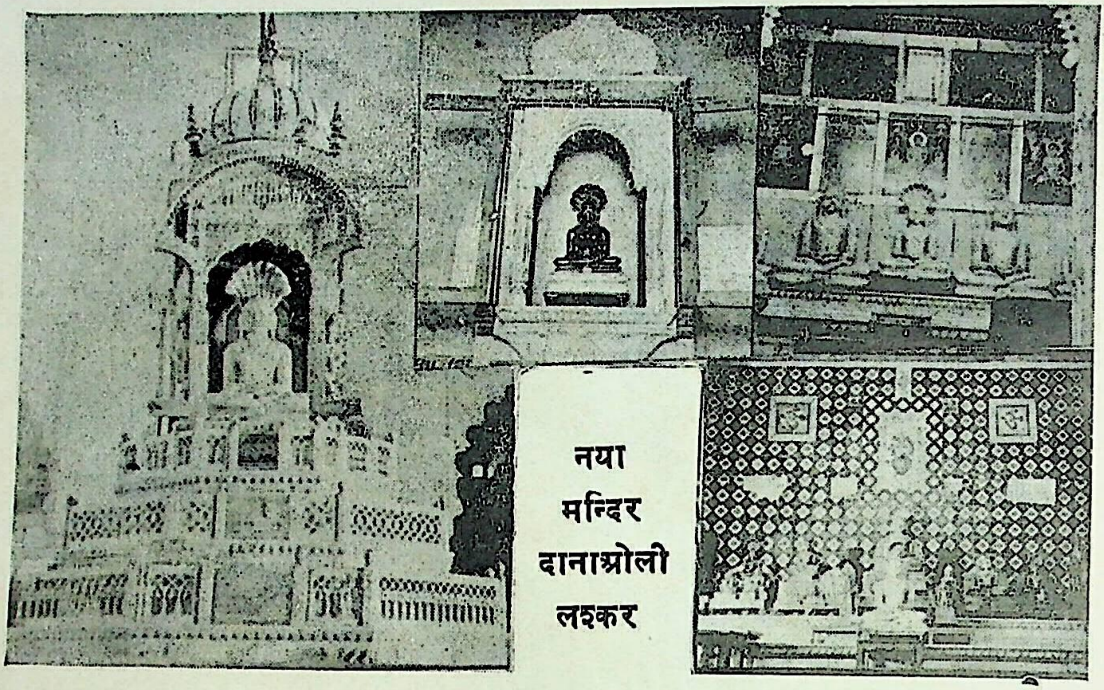

नया मन्दिर दानाओली लश्कर

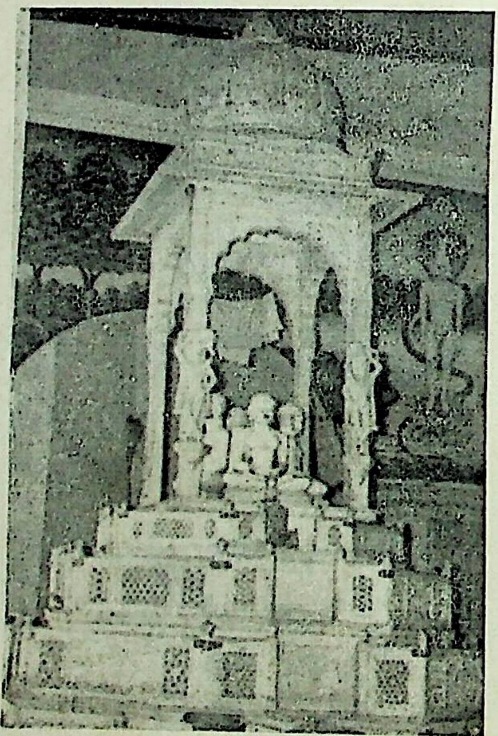

जैसवाल मन्दिर, दाना ओली, लश्कर

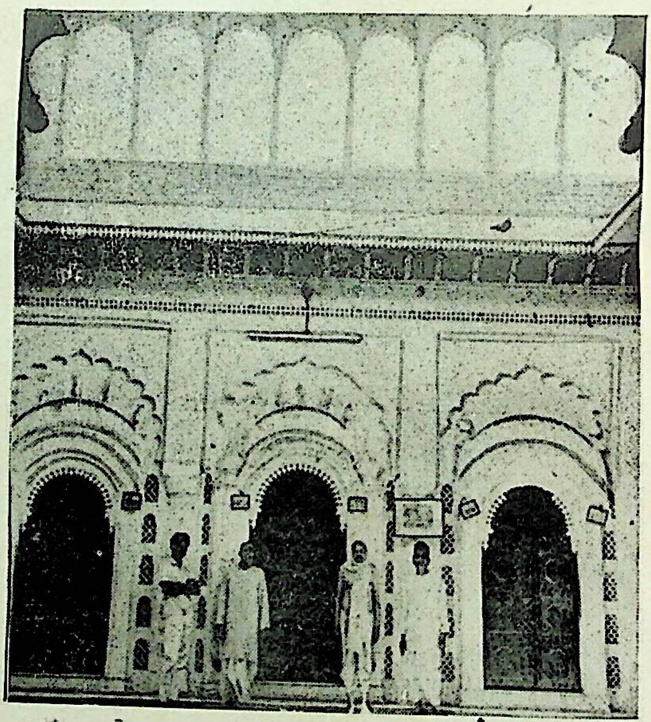

श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर, दाना ओली, लश्कर

छायाकार—के० एम० पाटनी, रूपचन्द पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

१

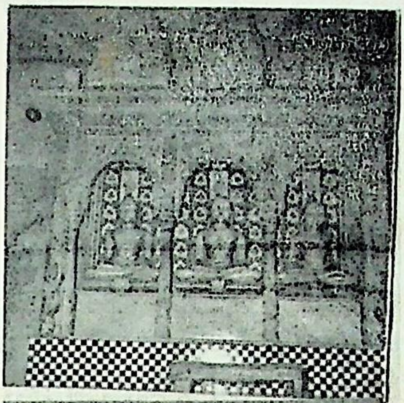

२

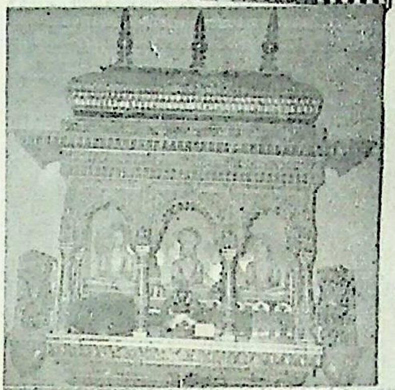

३

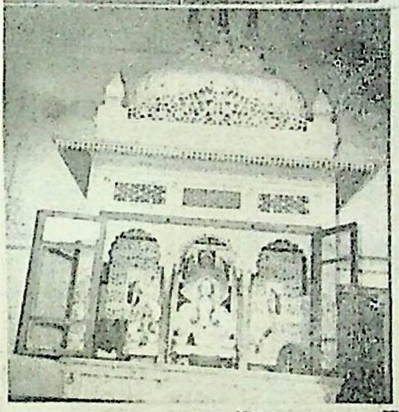

४

बड़ा मन्दिर

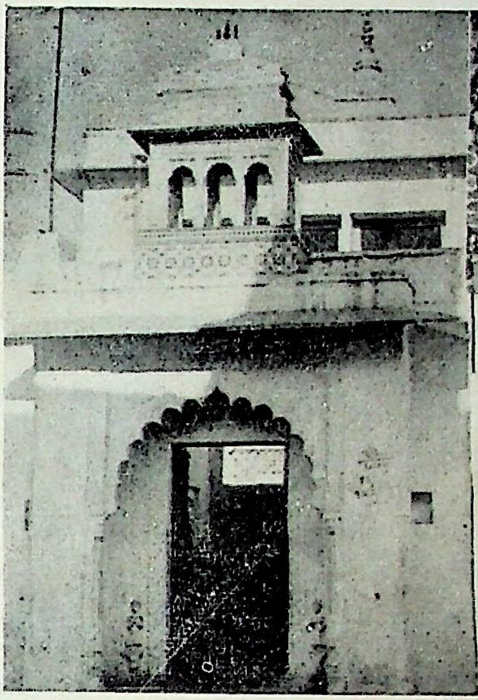

छोटा मन्दिर

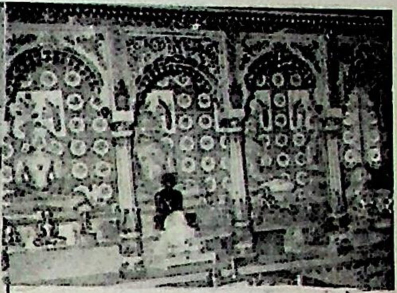

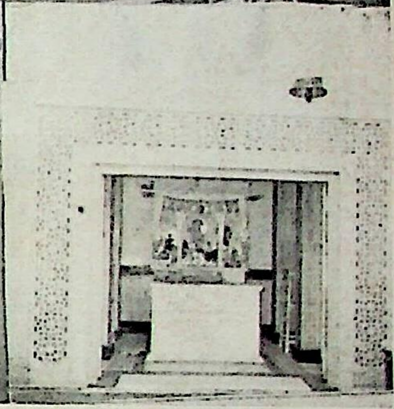

श्री दिगम्बर जैन वरैया पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार, लश्कर

१. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, माधवगंज, चितेरा ओली, लश्कर

२. श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, चावड़ी बाजार, लश्कर

३. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगंज, लश्कर

४. श्री दिगम्बर जैन नागौरां का मन्दिर, दानाओली, लश्कर

छायाकार—के० एम० पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

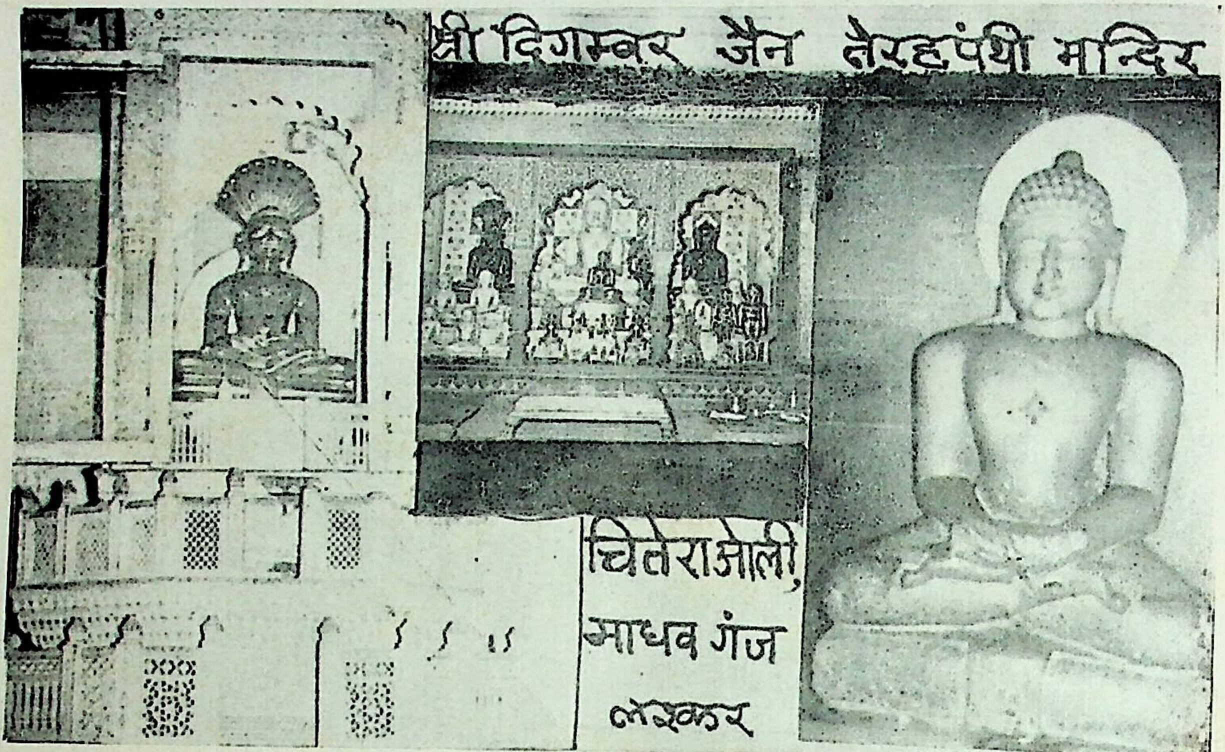

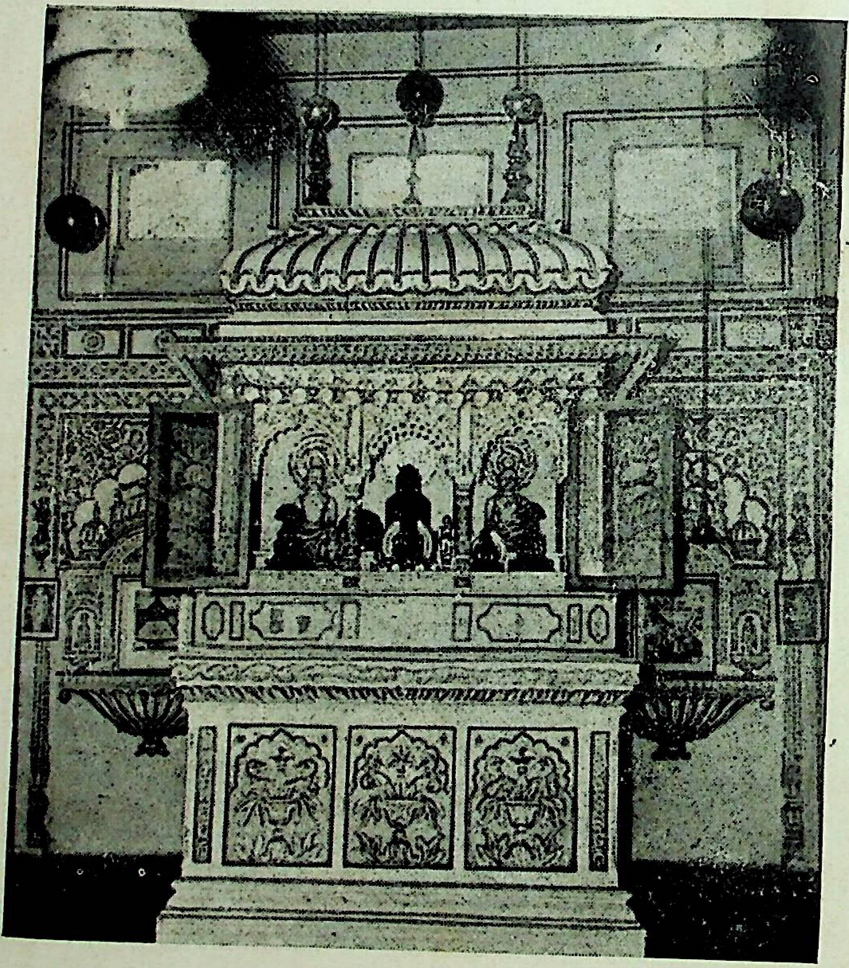

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन तेरापन्थी मन्दिर, दौलतगंज लश्कर

(यहां चिंतामणि संकटहरण श्री १००८ पार्श्वनाथ भगवान की अतिशयवान मनोज्ञ दर्शन की प्रतिमा प्रतिष्ठित है ।)

छायाकार—
के० एम० पाटनी, मानिकचन्द पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

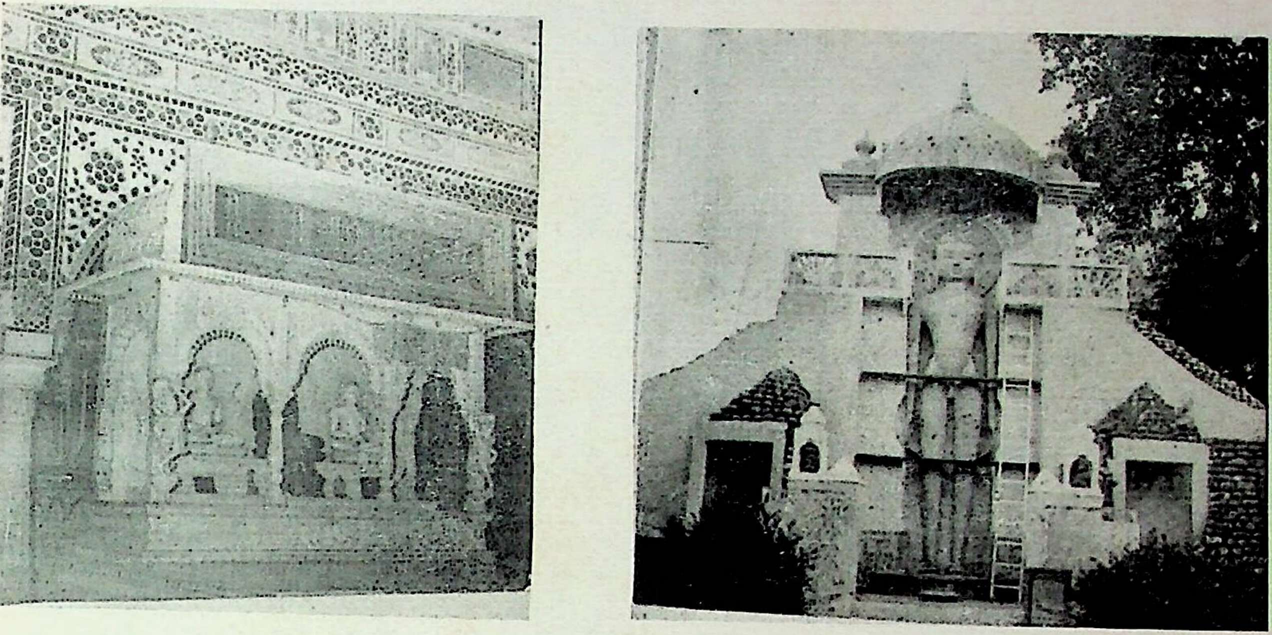

श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, नसिया जी रामकुई, लश्कर

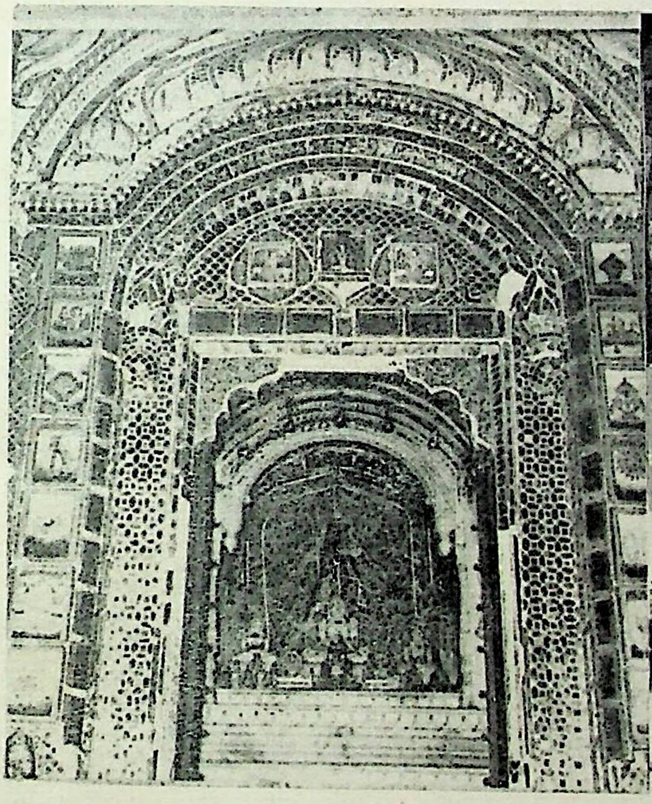

श्री शान्तिनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर,
कटोघाटी-दादाबाड़ी, लश्कर

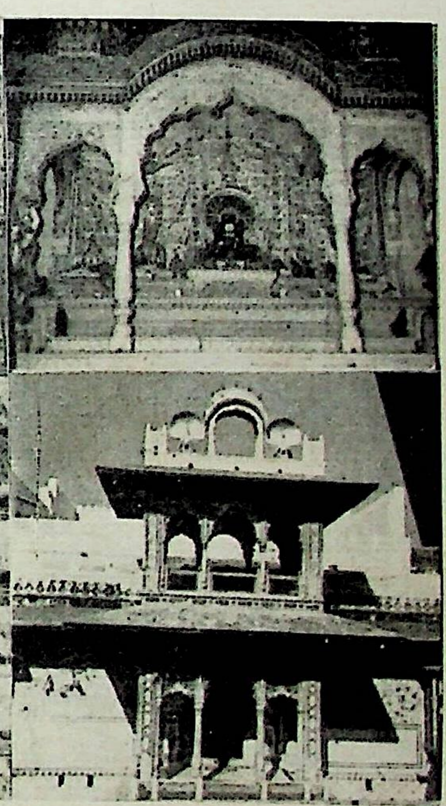

श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर
सराफा बाजार, लश्कर

छायाकार—के० एम०, पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर दुर्ग, एक पत्थर की बावड़ी (गोपाचल पर्वत) की विशाल प्राचीन मूर्तियाँ

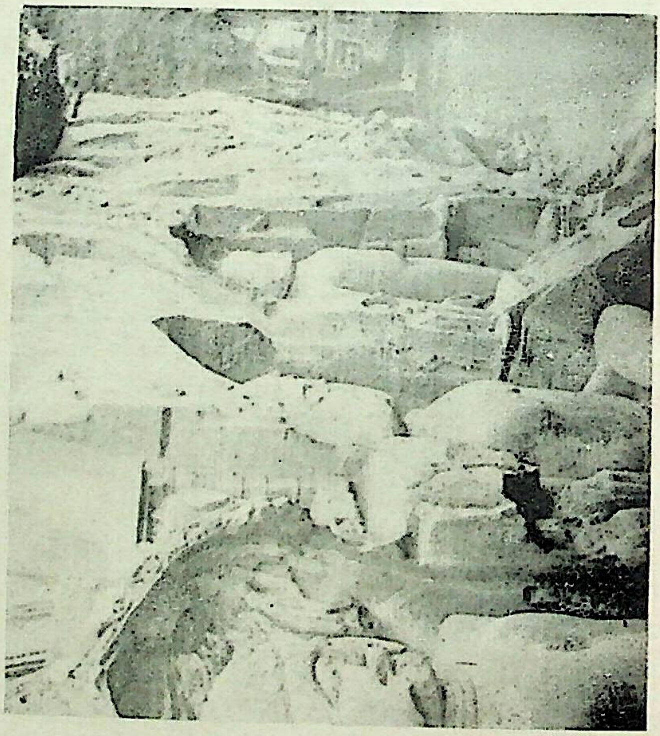

ग्वालियर दुर्ग के उरवाई द्वार पर स्थित प्राचीन जैन मूर्तियाँ

छायाकार – के० एम० पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

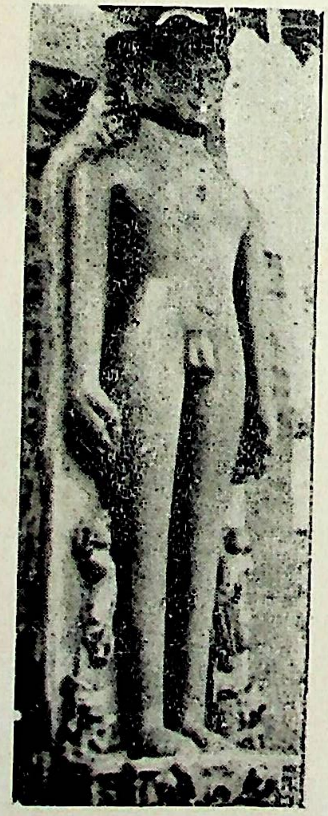

श्री मनहर देव

श्री शन्तिनाथ भगवान की उक्त ११वीं शताब्दी में निर्मित विशाल मूर्ति को चैत्र ग्राम से जनवरी १९६९ में लाकर सोनागिर में विराजमान किया गया है।

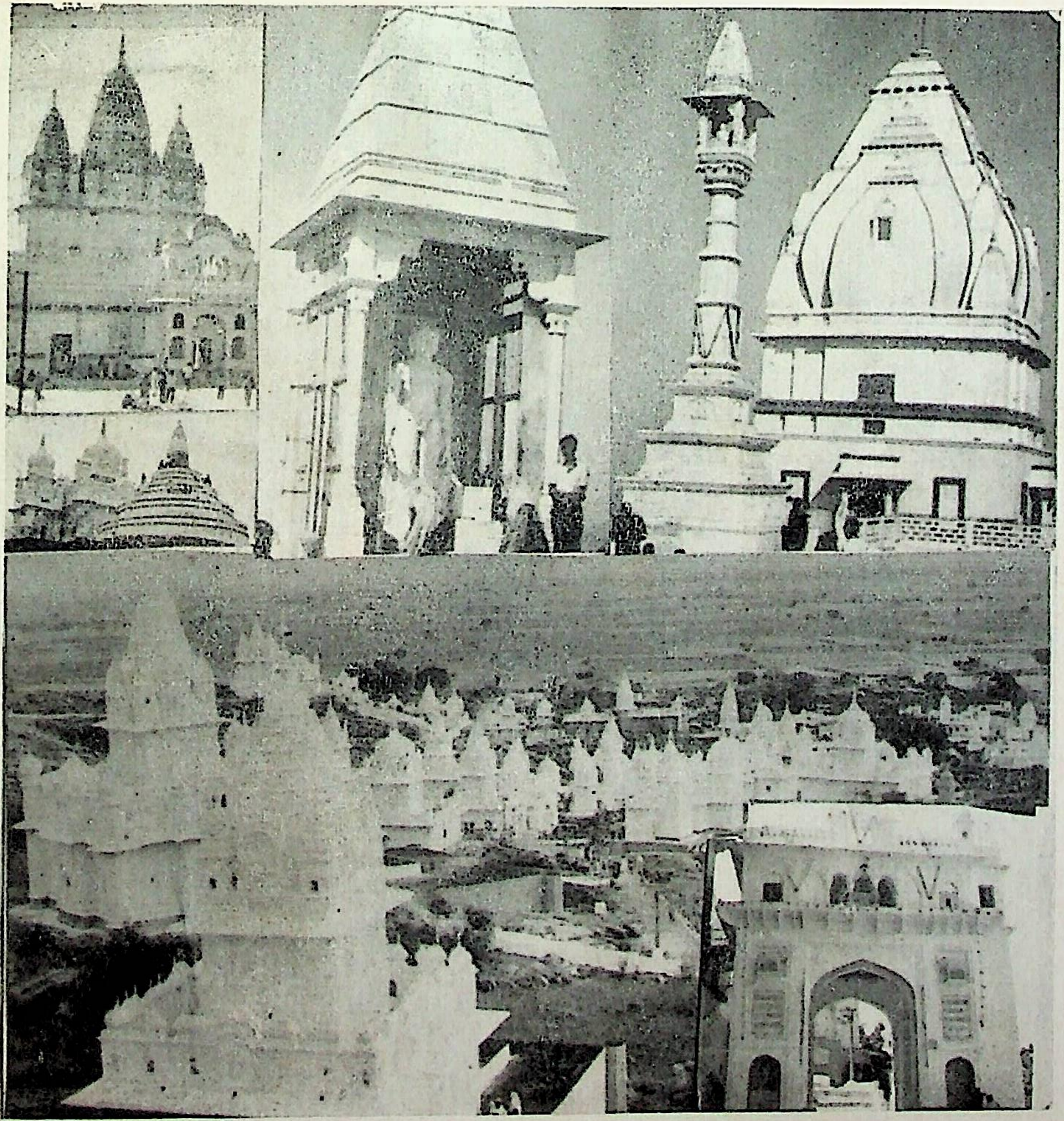

श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षैत्र सोनागिर के नयनाभिराम दृश्य

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

श्री गोकुलचन्द जी का मन्दिर   श्री वासपूज्य पं० मन्दिर   श्री यती जी का मन्दिर, ग्वालियर

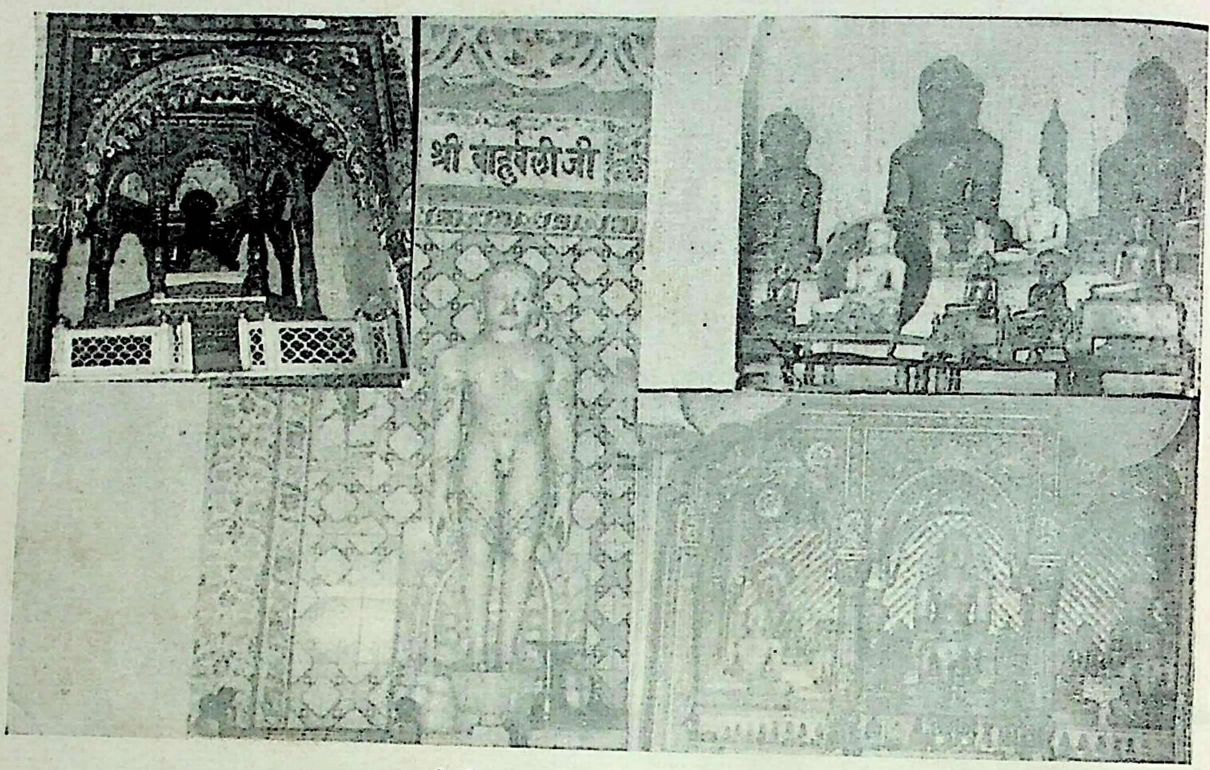

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्वालियर

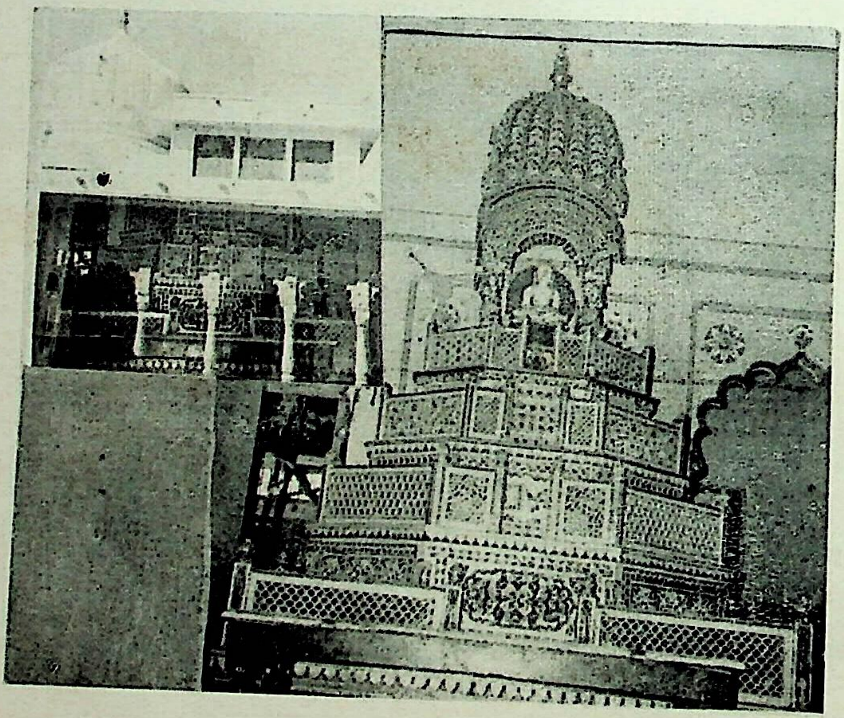

श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, मुरार

छायाकार—के० एम० पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैन श्वेताम्बर मन्दिर, दादाबाड़ी व स्थानक

ग्वालियर में श्वेताम्बर आमनाय के धर्मपालक बहुत समय से हैं। श्वेताम्बर साहित्य में ग्वालियर नगर का संदर्भ हैं। श्वेताम्बर "ग्रंथ प्रभावक चरित" में "तथा गोप्पगिरों लेप्यमग्र विम्बयुंत नृपः, श्री वीर मंदिरं तत्र त्रयोविशंति हस्तकाम" पक्तियां हैं जिनका अर्थ है कि गोपाचल पर्वत पर भगवान महावीर स्वामी की लेप्य पूर्ण तेईस हाथ ऊंची मूर्ति थी। विक्रम की १२ वीं सदी में श्री वाददेव सूरि ने श्री गंगाधर द्विज को शास्त्रार्थ में पराजित किया था।

श्योपुर के किले में १४ वीं शदी की प्राचीन श्वेताम्बर जैन मूर्तियां पाई गई हैं। अनेक मूर्तियां खड़हरों में परिणित हो गई हैं। श्योपुर के श्वेताम्बर जैन मंन्दिर से १४ वीं शदी की निर्मित मूर्तियां श्री सूरजराज धारीवाल ने संवत् २००० में श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर, सराफा बाजार में स्थापित की हैं। दिगम्बर समाज की तरह ग्वालियर में श्वेताम्बर समाज ने भी धर्म कार्यों में सदैव विशेष रुचि ली है। यहां श्वेताम्बर त्यागी गणों में १२५ वर्ष पूर्व हुए श्री जिनदत्त सूरि और श्री जिन कुशल मूरि का विशेष महत्व है। श्वेताम्बर समाज मुख्य रूप से दो वर्गों में विभक्त है (१) श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ और (२) श्वेताम्बर साधू मार्गी संघ।

(१) मूर्ति पूजक संघ :—मूर्ति पूजक संघ दर्शन स्वाध्याय भजन, पूजन, हेतु मन्दिरों का निर्माण कर, उनमें मूर्तियां स्थापित करते हैं।

(२) श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ :—(अ) श्वेताम्बर स्थानक वासी संघ :—इस वर्ग के जैन बंधु अपने साधु, मुनियों और त्यागियों पर परम श्रद्धा रखते हैं। इनके भजन, पूजन व अध्यात्मिक चर्चा के स्थान "स्थानक" कहलाते हैं। इन स्थानकों में साधुगण ठहरा करते हैं और उपदेश दिया करते हैं। इन स्थानों में शास्त्र भंडार भी होते हैं। अनुयायी गण प्रतिदिन स्तुति, जप, साधना यहीं करते हैं।

(ब) श्वेताम्बर तेरापन्थी—ये लोग भी शास्त्र स्वाध्याय और त्यागी व्रतियों की सेवा में विश्वास रखते हैं।

बृहतर ग्वालियर में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के ६ मंदिर निम्नलिखित हैं:—

१. श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वे० जैन बड़ा मंदिर, सराफा बाजार, लश्कर।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

२. श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वे० जैन मंदिर, सराफा बाजार, लश्कर।

३. श्री शांतिनाथ श्वे० जैन मंदिर, कटीघाटी जीवाजीगंज, लश्कर।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, चिक सन्तर, मुरार।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, घास मन्डी, ग्वालियर।

६. श्री श्वे० जैन मंदिर (माधवचन्द यति जी द्वारा स्थापित) घास मन्डी ग्वालियर।

इन मन्दिरों का विवरण निम्नलिखित है:—

१. श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लश्कर:—

सराफा बाजार में स्थिति, उक्त श्वेताम्बर मन्दिर की प्रतिष्ठा, माघ सुदी दसमी संवत् १८९३ (सन १८३६) में जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ द्वारा की गई। इस मन्दिर की मुख्य वेदी पर ५ पाषाण की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मंदिर की प्रदक्षिणा में चौबीसी विराजमान है। वेदी के किनारों पर चक्रेश्वरीदेवी विराजमान है। मन्दिर की दीवारों पर चारों ओर चित्रावण हैं जिसमें रत्न-जड़ित सुन्दर मीनाकारी भी दिखलाई गई है। माता के स्वप्न, समवशरण आदि के भाव भी खुदे हुए हैं। मन्दिर के फर्स पर भी पच्चीकारी है।

मंदिर के समीप ही एक धर्मशाला व उपाश्रय है। उपाश्रय का निर्माण सन् १९६६ से हुआ है। उपाश्रय साधु साध्वियों के ठहरने व उनके व्यावच्छु के प्रबंध का स्थान होता है। उपाश्रयों में आम्बिल कार्य भी सम्पन्न होते हैं। विवाह आदि अवसरों के लिये वर्तन आदि भी उपलब्ध किये जाते हैं। जनवरी १९६९ से इसमें जैन धर्म की शिक्षा हेतु, एक धार्मिक पाठशाला भी प्रारम्भ की गई है। माघ सुदी १० के दिन मंदिर की स्थापना का दिन मनाया जाता है। पर्यूषण के पश्चात भादों सुदी ५ को क्षमा-याचना पर्व मनाया जाता है। मूर्तिपूजक संघ के लश्कर, ग्वालियर और मुरार के सभी मंदिरों, दादाबाड़ियों और उपाश्रयों की व्यवस्था इस मंदिर द्वारा ही की जाती है। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री घीसूलाल जी पारख और मंत्री श्री बुधराज जी धारीवाल हैं।

२. श्री मनमोहन जैन श्वेता० मदिर, सराफा बाजार, लश्कर:—यह मन्दिर उक्त बड़े मंदिर में ही स्थित है। इसे छोटा मन्दिर भी कहते हैं। इस मन्दिर की प्रतिष्ठा श्री सूरजराज धारीवाल ने सम्वत् २००० में करवाई। इस मन्दिर में स्थापित कुल मूर्तियां २४ हैं जिनमें ९ पाषाण और १५ धातु की हैं। पाषाण की ९ मूर्तियों में से ५ मूर्तियां श्री धारीवाल जी द्वारा श्योपुर के श्वेताम्बर मन्दिर से लाई गई थीं ये मूर्तियां १४ वी सदी की हैं जो श्योपुर के किले में मिली थीं। मन्दिर की व्यवस्था बड़े मन्दिर की व्यवस्था समिति द्वारा ही की जाती है।

३. श्री शांतिनाथ जैन श्वे० मंदिर, दादावाड़ी कटीघाटी, जीवाजीगंज, लश्कर:—यह मन्दिर दादावाड़ी में स्थित है। इस मन्दिर की स्थापना श्री नथमल जी द्वारा सम्वत् १९३३ में करवाई गई थी। इस मन्दिर में ३ पाषाण और ५ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मुख्य वेदी के दोनों ओर दो वेदियां हैं जिन्हें स्व० सुश्री रतनबाई ने सम्वत् १९९७ में बनवाया था। इन वेदियों में स्थापित मूर्तियाँ श्री सूरजराज धारीवाल और श्री सुगनचन्द कोठारी द्वारा श्योपुर से लाई गई थीं। मन्दिर की व्यवस्था मूर्तिपूजक संघ द्वारा ही की जाती है।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० जैन मन्दिर, चिक संतर, मुरार:—इस शिखरयुक्त मन्दिर की स्थापना सम्वत् १९२७ में की गई। इस मन्दिर में १ पाषाण और ३ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ, लश्कर द्वारा की जाती है।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० मन्दिर, घासमंडी, ग्वालियर:—श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ की व्यवस्था के

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अन्तर्गत आने वाले इस मन्दिर में, १ पाषाण ३ धातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित थे, परन्तु सन् १९६८ में इस मंदिर के अत्यन्त प्राचीन मनोज्ञ पीतल के जिन-बिम्ब, मूर्ति चोर, आततायियों द्वारा चुरा लिये गये हैं। इनके स्थान पर अब पाषाण की मूर्तियाँ स्थापित कर दी गई हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ, लश्कर द्वारा की जाती है।

६. श्री जैन श्वेता० मन्दिर घास मंडी, ग्वालियर:– यह मन्दिर श्री पार्श्वनाथ श्वेता० मन्दिर के निकट ही है। यह माधवचन्द्र यती जी द्वारा बनवाये गये घर "देराश्रय" में स्थित है। इसे यती जी का मन्दिर कहते हैं। इस मन्दिर में ३ मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। व्यवस्था कार्य यति परिवार के सदस्यगण ही करते हैं।

दादाबाड़ियां:—

हर नगर में जहाँ श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अनुयायी होते हैं वहां मन्दिरों के अतिरिक्त कुछ अन्य धार्मिक स्थल भी स्थापित कर लिये जाते हैं। दादाबाड़ी वह स्थान होता है जहां पूज्य पुरुषों के चरण स्थापित रहते हैं। इनमें ठहरने की व्यवस्था रहती है। समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। लश्कर में दो और मुरार में एक दादाबाड़ी है जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:—

(१) दादाबाड़ी कटी घाटी, जीवाजीगंज लश्कर:– इस दादाबाड़ी के आंगन में एक विशाल बगीचा है जिसमें अनेक तिवारे हैं। नल और बिजली की व्यवस्था है। यहां वर्तन, बिछायत आदि का भी प्रबंध है। इस दादाबाड़ी में श्री शांतिनाथ स्वामी का मंदिर है। श्री जिनदत्त सूरि और श्री कुशल सूरि जी के चरण प्रारम्भ में ही प्रतिष्ठित किये गये, बाद में श्री कुशल सूरि जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित की गई। प्रत्येक सोमवार और पूर्णिमा को संघ के सभी व्यक्ति दर्शन, भजन-भावनाओं हेतु यहां आते हैं। यहां श्री रामचन्द्र सूरि की छतरी भी है। यहाँ प्रतिवर्ष शरदोत्सव आयोजित किया जाता है, स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी यहां किया जाता है जिसमें सामूहिक भोज होता है।

(२) दादाबाड़ी, सागरताल, लश्कर:—इस दादाबाड़ी में श्री जिनदत्त सूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं। यहां कुंवार बदी १० को प्रतिवर्ष मेला होता है।

(३) दादाबाड़ी, मुरार:—यहां श्री जिनदत्त कुशल सूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं।

स्थानक:—

साधु मार्गी संघ के यहां दो स्थानक हैं। पहिला स्थानक रियाँवालों का बाड़ा, सराफा बाजार, लश्कर में स्थित है। इसे स्थापित हुए करीब ५०-६० वर्ष हो गये हैं। स्थानक "साधन स्थल" है जहां साधु-गण ठहरा करते हैं और धर्मोपदेश दिया करते हैं। यहाँ शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध रहते हैं। साधु मार्गी बन्धु यहां धर्म चर्चा करते हैं। दूसरा स्थानक मुरार में बस स्टैंड के पास, कपड़ा बाजार में स्थित हैं। इन स्थानकों की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सूरजमल सचेती और मन्त्री श्री दीपचन्द्र जी मूथा करते हैं।

श्वेताम्बर तेरापन्थी :—

आचार्य श्री भिक्षु के सिद्धान्तों पर चलने वाले तेरापन्थी श्वे० जैन, स्थानक वासियों की तरह ही साधु, मुनि व त्यागियोंपर अटूट श्रद्धा रखते हैं। क्रांतदर्शी आचार्य भिक्षु की परंपरा में नवम् आचार्य श्री तुलसी हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बृहत्तर ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित

जैन धार्मिक महोत्सव

नगर में स्थित व बाहर से आये हुए दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन बंधुओं के सूचनार्थं, यहां होने वाले धार्मिक उत्सवों का विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यह जानकारी बाहर से आये हुए व्यवसायी, निजी व सरकारी सेवा में लगे हुए व्यक्तियों व विद्याध्यन करने आये हुए बाहर के विद्यार्थियों को लाभ दायक सिद्ध होगी। प्रत्येक जैन धर्मावलम्बी को निम्नलिखित कार्यक्रमों में यथा समय सम्मिलित होना चाहिये।

(१) नव-सम्वत्—चैत्र सुदी एकम् को श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में प्रतिवर्ष नव वर्ष के अवसर पर प्रातः काल श्रीजी के कलशाभिषेक, सामूहिक उत्सव के रूप में किये जाते हैं।

(२) महावीर जयन्ती महोत्सवः—बृहत्तर ग्वालियर के दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की प्रतिनिधि एकमात्र संस्था 'श्री महावीर जयन्ती महोत्सव समिति' द्वारा प्रतिवर्ष चैत्र सुदी त्रियोदशी को पूरं दिन सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, महिला—सम्मेलन, कवि सम्मेलन, जैन मेला व गोष्ठियां एक हफ्ते पूर्व से प्रारम्भ की जाकर महावीर जयन्ती के दिन समाप्त की जाती है। कार्यक्रम की विस्तृत सूचना स्थानीय समाचार पत्रों व प्रत्येक जैन मन्दिर में भेज दी जाती हं। त्रियोदशी के दिन निम्नलिखत कार्यक्रम होते हैं:—

(अ) प्रभात-फेरी व झंडा अभिवादनः—प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के अवसर पर प्रातः ६ बजे श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा के बाजार से सामूहिक प्रभात फेरी प्रारम्भ होकर माधवगंज, जयाजी चौक, दौलतगंज, पाटनकर बाजार, डीडवानाओली, सराफा बाजार, दानाओली होती हुई चम्पाबाग मैंदान, नई सड़क पर मुख्य अतिथि द्वारा करीब ८॥ बजे झन्डा अभिवादन व व्याख्यान के बाद विसर्जित होती है।

(ब) कलशाभिषेकः—झण्डा अभिवादन के पश्चात् श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर चम्पाबाग में श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(स) भाषण, कविता पाठ व गोष्ठीः—इसी दिन दोपहर २ बजे से ४ बजे तक चम्पाबाग मैंदान, नई सड़क पर एक सभा महावीर जयन्ती समिति द्वारा की जाती है जिसमें त्यागी व विद्वानों के व्याख्यान आदि होते हैं।

(द) आम सभाः—रात्रि ७ बजे गोरखी—प्रांगण जयाजी चौक में एक आम सभा महावीर जयन्ती के दिन जयन्ती समिति द्वारा आयोजित की जाती है जिसमें अध्यक्ष व मुख्य विद्वानों को बाहर से आमन्त्रित किया जाता है। स्थानीय एवं बाहर से पधारे हुऐ विद्वानों के, एकत्रित विशाल जन समुदाय में भाषण होते हैं।

(३) कलशाभिषेकः—ज्येष्ठ सुदी चतुर्दशी के दिन १००८ श्री शान्तिनाथ भगवान के कलशाभिषेक श्री दि० जैन बीसपन्थी नसियां जी रामकुई पर सामूहिक रूप में किये जाते हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

(४) जिनवाणी पूजनः—ज्येष्ठ सुदी पंचमी (श्रुत-पंचमी) के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली में समस्त शास्त्र ग्रन्थ निकाले जाकर जिनवाणी पूजन होती है। यह पूजन अन्य कई जैन मन्दिरों में भी की जाती है।

(५) श्री नन्दीश्वर-विधान व श्री सिद्धचक्र-विधान पूजनः—असाढ़ सुदी अष्टमी से पूर्णमासी तक प्रत्येक दिगम्बर जैन मन्दिर में प्रतिदिन की पूजा के अतिरिक्त श्री नन्दीश्वर विधान व श्री सिद्धचक्र विधान पूजन होता है। किसी-किसी मन्दिर में मंडल जी मांडकर विशेष महोत्सव भी मनाया जाता है।

(६) श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सवः—श्रावण सप्तमी (मोहर सातें) के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में श्री पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। इस दिन बालिकायें उपवास रखती हैं।

(७) श्री सप्त ऋषि पूजनः–श्रावन सुदी पूर्णमासी रक्षा बंधन के दिन अनेक मन्दिरों में श्री सप्त ऋषि पूजन होती है तथा मुनि श्री विष्णुकुमार की कथायें पढ़ी जाती हैं। सौलह-कारण-व्रत का प्रारम्भ भी इसी दिन से होता है।

(८) जैन श्वेताम्बर पर्यूषण पर्वः—भादों वदी बारस से भादों सुदी चौथ तक श्वेताम्बर जैन समाज में पर्यूषण पर्व मनाया जाता है। पंचमी को क्षमा-याचना व भादों सुदी छठ को स्वामी वात्सल्य (स्वामी-विच्छल) दादावाड़ी, कटी घाटी जीवाजीगंज पर आयोजित किया जाता है।

(९) सम्वत्श्रीः-तेरापन्थी–साधुमार्गी–श्वेताम्बर जैन-समाज में प्रतिवर्ष भादों सुदी पंचमी के दिन संवत-श्री के अवसर पर उपवास, धार्मिक प्रवचन, शास्त्र स्वाध्याय आदि किये जाते हैं।

(१०) लब्धि—विधान व्रत—भाद्रपद सुदी एकम के दिन लब्धि-विधान व्रत किया जाता है।

(११) चौबीसी—व्रतः—भाद्र सुदी तीज के दिन चौबीसी व्रत किया जाता है।

(१२) दिगम्बर जैन पर्यूषण (दश-लक्षण) पर्वः—भाद्र सुदी पंचमी से चतुर्दशी तक प्रत्येक जैन मन्दिर में पूजन-पाठ शास्त्र स्वाध्याय के साथ सानन्द पर्यूषण पर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों में दस धर्म, याने उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्दव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन और ब्रह्मचर्य विषय पर सुबह पूजा पाठ करके संबंधित धर्म पर चर्चा की जाती है। अनेक मन्दिरों में विशाल रूप में रात्रि को शास्त्र सभा आयोजित की जाती है, जिसमें शास्त्र स्वाध्याय, धार्मिक चर्चा, कीर्तन, भजन के अतिरिक्त बाहर से आमन्त्रित किये गये विद्वानों के भाषण होते हैं।

(१३) पुष्पांजलि व्रत समाप्ति कलशाभिषेकः—भाद्र सुदी नवमी के दिन श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी मन्दिर दानाओली में रात्रि को पुष्पांजलि व्रत समाप्ति के कलशाभिषेक होते हैं। बैंड-बाजे के साथ काफी संख्या में स्त्री-पुरुष कलश भरने जाते हैं।

(१४) सुगन्ध-दशमी (धूप दशमी):—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में दश लक्षण विधान का मण्डल भादों सुदी दसमी के दिन माड़ा जाता है। इसी दिन समस्त दि० जैन व्यक्ति नगर में स्थित सभी दि० जैन मंदिरों पर धूप खेने जाते हैं। इस अवसर पर प्रत्येक मन्दिर की चहल-पहल, सजावट नयनाभिराम होती है। प्रायः महिलायें इस दिन सुगन्ध-दशमी का व्रत रखती हैं।

(१५) अनन्त-चतुर्दशीः—प्रत्येक दि० जैन मंदिर में भाद्र सुदी चतुर्दशी के दिन पूजन विधान समाप्त कर सायंकाल ५–३० बजे से ८-३० बजे तक क्रम से कलशाभिषेक होते हैं। इसी दिन सभी स्त्री, पुरुष व बच्चे उपवास रखते हैं।

(१६) रत्नत्रय मंडलः—भाद्र सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली, बड़ा मंदिर, डीडवाना ओली आदि में रत्नत्रय-मन्डल माड़ा जाता

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

है। दोपहर १ बजे से ५ बजे तक सामूहिक पूजन की जाकर कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(१७) सोलह कारण व्रत समाप्ति--कलशाभिषेक व क्षमावाणी पर्व:—आश्विन वदी एकम् के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक सोलह कारण व्रत समाप्ति कलशाभिषेक किये जाते हैं। तदुपरान्त श्री दि० जैन मन्दिर, डीडवाना ओली व श्री दि० जैन चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली से सामूहिक रूप में जैन बन्धु शहर के जैन व्यक्तियों से क्षमा–याचना करने निकलते हैं। अनेक संस्थाएँ क्षमावाणी पर्व को अगले दिनों में भी मनाती रहती हैं।

(१८) उरवाई गेट (किले का) वार्षिक मेला:—यह मेला ग्वालियर किले के उरवाई गेट के नीचे कुंवार वदी दोज के दिन भरता है। ग्वालियर पंचायत की ओर से भजन-पूजन किये जाकर कलशाभिषेक सायंकाल ५ वजे किये जाते हैं।

(१९) एक पत्थर को बावड़ी का वार्षिक मेला:—कुंवार वदी चौथ के दिन श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दानाओली से भजन, पूजन के साथ श्रीजी, एक पत्थर की बावड़ी पर ले जाये जाते हैं। यहां ६०० वर्ष पूर्व की अनेक विशाल मूर्तियां हैं। वहां आये हुए जैन बन्धुओं द्वारा सामूहिक भजन-पूजन के बाद कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२०) ग्वालियर मेला—कुंवार वदी छठमी के दिन घास मण्डी, ग्वालियर स्थित श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में मंडल जी माड़ा जाकर, अति उत्साह के साथ भजन-पूजन होता है और सायंकाल विशाल जन-समूदाय के बीच श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाकर ग्वालियर का मेला सम्पन्न होता है।

(२१) श्री चुन्नीलाल जी की बगीची का मेला:–आश्विन वदी दशमी के दिन बिरलानगर स्टेशन के पीछे स्थित श्री चुन्नीलाल जी की बगीची में यह वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। सायंकाल कलशाभिषेक किये जाकर यहां सामूहिक गोठ की जाती है। इस मेले का प्रबन्ध श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग की कार्यकारिणी कमेटी करती है।

(२२) ग्वालियर किले का जैन वार्षिक मेला:--आश्विन वदी अमावस के दिन श्री वासपूज्य मन्दिर ग्वालियर से जलेव प्रारम्भ की जाकर श्रीजी को ग्वालियर किले पर चित्र में दिखाई गई विशाल जैन प्राचीन मूर्तियों के सामने विराजमान किया जाता है। यहां उपस्थित जैन बन्धु सामूहिक भजन, नृत्य करते हैं और बाद में कलशाभिषेक किये जाते हैं। इस मेले के अवसर पर बड़ी संख्या में अजैन व्यक्ति भी किले पर पहुँचते हैं। अनेक जैन नवयुवक मडल, व्यवस्था सम्बन्धी कार्य में प्रशंसनीय सहयोग देते हैं।

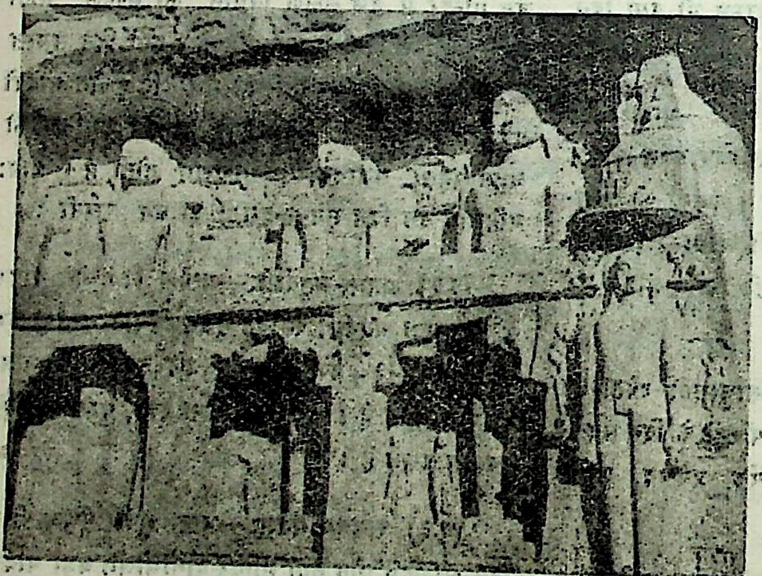

[ग्वालियर किले की विशाल प्राचीन जैन मूर्तियां]

(२३) नसिया जी का मेला—रामकुई, लश्कर स्थित नसियां जी में प्रतिवर्ष आश्विन सुदी दशमी के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाकर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

भजन नृत्य के साथ श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२४) शरद महोत्सव:—आश्विन सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर में रात्रि को कलशाभिषेक किये जाकर शरद महोत्सव मनाया जाता है।

(२५) श्री महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव:— कार्तिक वदी अमावस के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव सामूहिक लड्डू चढा कर मनाया जाता है। कुछ विशेष मंदिरों का लड्डू चढ़ाने का समय इस प्रकार है:—

१. चम्पाबाग बीसपन्थी, मन्दिर—प्रातः साढ़े पांचबजे।

२. तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज—प्रातःसवा आठ बजे।

३. तेरापंथी मन्दिर, दौलतगंज—प्रातः साढ़े आठ बजे।

४. बड़ा मदिर, डीडवाना ओली—प्रातः नौ बजे।

५. नया मन्दिर, दानाओली—प्रातः साढ़े नौ बजे।

(२६) श्री दि० जैन रथ यात्रा मुरार:–कार्तिक सुदी छठमी के दिन श्री दि० जैन मन्दिर, मुरार से रथ यात्रा निकाली जाती है। यह मुरार के विभिन्न बाजारों से होती हुई चिक सन्तर मुरार स्थित, धर्मशाला में कलशाभिषेक किये जाकर सम्पन्न होती है। यहाँ श्रीजी तीन दिन तक विराजमान रहते हैं। इस अवधि में भजन, पूजन, शास्त्र-बाचन, नृत्य आदि होते हैं।

(२७) जैसवाल पंचायती रथयात्रा लश्कर:— कार्तिक सुदी सप्तमी के दिन श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर दानाओली से रथयात्रा निकाली जाती है, जो लश्कर के प्रमुख बाजारों से होती हुई वापिस मन्दिर जी में आती है यहाँ कलशाभिषेक होते हैं।

(२८) सामूहिक दिगम्बर जैन रथयात्रा:—नगर के समाज सेवी व्यक्तियों ने समाज में एकता की भावना जागृतकरने के उद्देश्य से, वर्षों से निकाली जा रही तीन पृथक-पृथक रथ यात्राओं को एक वृहत रथयात्रा में परिवर्तित करके २६ जनवरी १६६६ को विशाल रथयात्रा निकाली, जिसमें तीन दिन तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर धर्म प्रभावना की गई। इसके पूर्व आश्विन सुदी त्रियोदशी को श्री दि० जैन नया मन्दिर, दानाओली, कार्तिक सुदी दौज को श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग दानाओली, मंगसर माह में श्री दि० जैन बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली द्वारा अलग अलग रथयात्रा निकाली जाती थी। सामूहिक रथयात्रा प्रतिवर्ष आयोजित करने के लिये एक 'श्री दिगम्बर जैन वृहत रथयात्रा महोत्सव समिति' गठित की गई हैं जिसके अध्यक्ष श्री मानिकचन्द्र गंगवाल, मन्त्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी पान्ड्या हैं।

(२९) श्री गुरुवर्य पं० गोपालदास जी बरैया जयन्ती महोत्सव:—स्याद्वाद वारिधि, वादिगज केशरी, न्याय वाचस्पति गुरुवर्य पं० गोपालदास जी बरैया के नाम से सभी परिचित हैं। आप अनेक विद्वानों के जन्मदाता व सामाजिक क्रांति के सूत्रधार थे। आपने समाज को पुरानी रूढ़ियों से मुक्त करने के अनेक प्रयास किये। जैन शिक्षा के प्रसार व प्रचार में आपका योग भुलाया नहीं जा सकता। आगरा नगर में चैत्र कृष्ण १२ वि.स. १९२३ में आपका जन्म हुआ था। ऐसी महान आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धाञ्जलि व्यक्त करने हेतु जैन समाज प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ला एकम् (गुड़ी पड़वा) के दिन महावीर धर्मशाला, नई सड़क लश्कर में व्याख्यान, भजन आदि का आयोजन करती है। जैन सिद्धान्तदर्पण, जैन धर्म प्रवेशिका, जैन भूगोल, सुशीला (उपन्यास) आपकी प्रमुख रचनायें हैं।

—मिश्रीलाल पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नगर स्थित जैन धर्मशालायें

नगर के जैन, अजैन व्यक्तियों के सामाजिक धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने हेतु वृहत्तर-ग्वालियर में १२ दिगम्बर व १ श्वेताम्बर जैन धर्मशालायें स्थित हैं। इनमें से लश्कर में १०, ग्वालियर में २, व मुरार में १ धर्मशाला है।

१. श्री दि० जैन तेरापंथी, पुरानी सहेली, धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर।

२. श्री दि० जैन बीसपंथी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, पुरानी सहेली डीडवाना ओली, लश्कर।

५. श्री जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नक्कासा १, दानाओली, लश्कर।

६. श्री दि० जैन तेरापंथी नई सहेली, धर्मशाला, दानाओली, लश्कर।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लश्कर।

८. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चितेरा-ओली, लश्कर।

९. श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लश्कर।

१०. श्री जैन श्वेताम्बर धर्मशाला, सराफा बाजार लश्कर।

११. श्री गोकुलचन्द जी धर्मशाला, लोहा मन्डी, ग्वालियर।

१२. श्री दि० जैन वासपूज्य धर्मशाला, पंसारी-ओली, ग्वालियर।

१३. श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार।

उक्त धर्मशालाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर:—नई सड़क फिल्मिस्तान टॉकीज के सामने १२५ वर्ष पूर्व श्री रोड़मल जी फतेहलाल जी ने उक्त धर्मशाला का निर्माण कराया। इस धर्मशाला के विस्तृत आंगन में फूल, पौधों और हरियाली से परिपूर्ण आकर्षक सजा हुआ बगीचा लगा है। यहां ४ कमरे, ६ बरामदे, २ हाल तथा ५ अलमारियां हैं। विद्युत, नल, कुआ, रसोईघर, स्नान घर आदि की समुचित व्यवस्था होने से अधिकांश वैवाहिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यों में इसका उपयोग किया जाता है। धर्मशाला की प्रबन्ध व्यवस्था, पुरानी सहेली, डीडवाना ओली स्थित दि० जैन बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

२. श्री बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क:-श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग के अन्तर्गत नई सड़क पर, विशाल मैदान के रूप में यह धर्मशाला स्थित है। वर्तमान में इस धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु किया जाता है। विस्तृत मैदान होने के कारण यहा नाटक, जीमन व बड़े पैमाने पर किये जाने वाले समारोह सुविधापूर्वक सम्पन्न हो जाते हैं। इसके सामने ही

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

एक धर्मशाला और है जिसके एक भाग में अम्ब्रेला फेक्ट्री व कुछ भाग में जैन छात्रावास स्थित है । इस छात्रावास के कमरे श्री चांदमलजी फूलचन्द जी द्वारा बनवाये गये थे । शेष भाग में कभी-कभी जीमन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं । उक्त दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था चम्पाबाग-मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है । इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की दृष्टि से स्थान नहीं है ।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लश्कर:—नगर के मध्य, पूर्ण सुसज्जित विशाल महावीर धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९३३ में श्री गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा सम्पन्न किया गया। इसमें ५५ कमरे, २ हाल, १ चौक, भोजनालय, शोचालय, स्नान घर, कुआ, हेन्डपम्प आदि हैं । इस धर्मशाला में यथा स्थान, नल व विद्युत की व्यवस्था है । यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से स्थाई मैनेजर व नौकर उपलब्ध हैं । उचित व्यवस्था व अधिक सुसज्जित पृथक कमरे होने से यहां एक ही समय में दो-दो बारातों का ठहरना संभव हो जाता है । धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी प्रकार के अवसरों पर इसका यथा सम्भव प्रयोग जैन व अजैन समाज द्वारा किया जाता है । इसकी व्यवस्था श्री बुधमल जी गंगवाल करते हैं। सन् १९६४ में उक्त फर्म द्वारा एक ट्रस्ट का निर्माण किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य महावीर धर्मशाला की व्यवस्था करना है ।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, बड़ा मन्दिर, भीकमचंद जैन मार्ग, (डीडवाना ओली), लश्कर:—बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली के समीप स्थित पार्श्वनाथ धर्मशाला का निर्माण ५ वर्ष पूर्व श्री कस्तूरचन्द जी सोनी के आर्थिक सहयोग एवं प्रयत्नों से हुआ । इसमें १ हॉल ५ कमरे, व कई अलमारियां हैं । यात्रियों, त्यागी गणों के ठहरने व छोटे धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिये यह धर्मशाला सुविधाजनक है । इसकी व्यवस्था श्री कस्तूरचन्द सोनी व बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है । धर्मशाला के एक भाग में श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थित है ।

५. श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नक्कासा १, दानाओली:—जैसवाल जैन पचायती मंदिर दानाओली के अन्तर्गत इस धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९६६ में प्रारम्भ हुआ । इस कार्य हेतु एक छोटी सी जगह खरीदी गई किन्तु कुछ समय बाद ही दानाओली नक्कासा नं० १ में विशाल स्थान पर उक्त धर्मशाला का निर्माण कार्य किया गया । वर्तमान में इसकी एक मन्जिल बनकर पूर्ण हो चुकी है जिसमें ३ हॉल व ८ कमरे हैं । उक्त धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों हेतु किया जाता है । व्यवस्था कार्य जैसवाल पंचायत द्वारा होता है । इसमें वर्तन, बिछायत आदि की भी व्यवस्था है। जैसवाल पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री मुन्शीलाल जी, व कोषाध्यक्ष श्री गप्पूलाल जी घी वाले हैं ।

६. श्री दि० जैन तेरापंथी, नई सहेली, नया मंदिर धर्मशाला, दानाओली, लश्कर–सन् १९१८ में श्री सदासुख जी महाचन्द जी गंगवाल ने तेरापन्थी-नया मन्दिर-क्षेत्र में इस धर्मशाला का निर्माण करवाया । इसमें ७ कमरे व २ हॉल हैं । वर्तमान में इसका अगला भाग श्री वर्द्धमान माध्यमिक विद्यालय व शेष भाग धार्मिक, सामाजिक कार्यों और त्यागी गणों के निवास हेतु उपयोग में लाया जाता है । इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था नहीं है। धर्मशाला की व्यवस्था नया मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है ।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लश्कर: —उक्त धर्मशाला 'जैन भवन' दानाओली के नाम से विख्यात है । इसकी स्थापना बरैया पंचायत द्वारा सन् १९६६ में की गई थी वर्तमान में इसका निर्माण कार्य अधूरा है जिसे शीघ्र ही सम्पूर्ण किया जा रहा है । धर्मशाला की व्यवस्था बरैया पंचायत कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री प्रो० रामचरणलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी है ।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

(८) श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, चितेरा ओली, माधवगंजः—श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज क्षेत्र में स्थित पार्श्वनाथ धर्मशाला का निर्माण, मन्दिर जी द्वारा सन् १९६६ में हुआ। इसमें १ चौक, १ हॉल, ४ कमरों, नल, बिजली, के अतिरिक्त पंखे, आदि की भी सुविधाऐं हैं। यह धर्मशाला मन्दिर से लगी हुई है। इसका उपयोग धार्मिक कार्यों, सामाजिक कार्यों व अन्य समाज के कार्यों में सुविधाजनक सिद्ध होता है। यहां फर्श, वर्तन, टाट-पट्टियां, विवाह के लिये चौंरी, समवशरण, व जैन पद्धति से विवाह के लिये पंडित का भी प्रबंध है। धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज द्वारा की जाती है। प्रबन्ध कार्य श्री मुन्शीलाल जी व कपूरचन्द जी द्वारा किया जाता है।

(९) श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लश्करः--मामा के बाजार में स्थित श्री ऋषभनाथ जैन धर्मशाला, समीप स्थित जैन परिवारों के धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बहुत अधिक सुविधाजनक सिद्ध हुई है। इसमें एक चौक व कई तिवारे हैं। प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के दिन समस्त दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित की जाने वाली भगवान महावीर की प्रभात फेरी का प्रारम्भ इसी धर्मशाला से किया जाता है। इस धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा के बाजार की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है।

(१०) श्वेताम्बर जैन धर्मशाला, सराफा बाजार, लश्करः—श्वेताम्बर जैन मन्दिर, सराफा बाजार के निकट ही यह विशाल धर्मशाला स्थित है। इसका उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने व यात्रियों को ठहराने हेतु किया जाता है। सम्बन्धित कार्यों के लिये वर्तन बिछायत आदि भी यहाँ उपलब्ध हैं। धर्मशाला की व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ द्वारा की जाती है।

(११) श्री गोकुलचन्द जी जैन धर्मशाला, लोहामन्डी, ग्वालियरः—लोहामन्डी (ग्वालियर) में स्थित गोकुलचन्द जी धर्मशाला का कार्य, गोकुलचन्द जी जैन मन्दिर प्रबन्ध कमेटी द्वारा संचालित है। इसका उपयोग सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अलावा यात्रियों के निवास के लिये भी किया जाता है।

(१२) श्री दि० जैन वांसपूज्य पंचायती धर्मशाला, जैन भवन, ग्वालियरः—पंसारी ओली (ग्वालियर) में श्री वांसपूज्य जैन मन्दिर से लगे हुए जैन भवन को धर्मशाला के रूप में निर्मित किया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य चालू है। इसकी व्यवस्था श्री वांसपूज्य जैन मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

(१३) श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार—विशाल चौक व अनेक आधुनिक कमरों से सुसज्जित चिक सन्तर मुरार में जैन-धर्मशाला स्थित है, जिसका प्रयोग धार्मिक व सामाजिक कार्यों में होता है। त्यागी व्रतियों के ठहरने के लिये मुरार क्षेत्र में यह उत्तम स्थान है। इसके एक हिस्से में जैन मिडिल स्कूल भी चलाया जाता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री भोलाराम प्रेमराज जी करते हैं।

निर्भयता आध्यात्मिकता की सबसे पहली आवश्यकता है।
Fearless-ness is the first requisite of Spirituality.

—महात्मा गांधी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

धार्मिक - पाठशालाएँ

लश्कर नगर में ६ धार्मिक पाठशालायें विभिन्न मोहल्लों में चलाई जा रही हैं। पाठशालाओं का उद्देश्य जैन बालक बालिकाओं में धार्मिक संस्कार डालना है। धार्मिक शिक्षा बच्चों को बड़े होने पर अन्य सभी धर्मों का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने में मदद देती है। उनके विचारों और दृष्टि-कोणों को एकाँगी नहीं बल्कि, विस्तृत और उदार बनाती है।

धार्मिक संस्कार से रहित बच्चे अपने आने वाले जीवन में नैतिकता, उदारता, सदव्यवहार आदि गुणों को अपना आधार नहीं बना सकेंगे। जब बच्चों को धर्म का ज्ञान नहीं होता है तो वे शास्त्र सभा, धार्मिक आयोजन तथा सामाजिक कार्यक्रमों से दूर भागने लगते हैं। दर्शन, पूजन, जाप से भी जी चुराने लगते हैं। धार्मिक शिक्षा अनैतिक और कुमार्गी होने से बचाती हैं। आज के वैज्ञानिक युग के संसार में अनेकों आकर्षण मोजूद हैं और दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं ऐसी स्थिति में माँ-बाप की सेवा, भाई बहिनों से प्रेम-पूर्ण व्यवहार, अपने पड़ौसियों से हिलमिल कर अच्छा सम्मान-पूर्ण जीवन व्यतीत करने का पाठ सिखलाने वाली संस्थायें 'धार्मिक-पाठशालायें' ही हैं। कुछ लोग धार्मिक शिक्षा ग्रहण न करना और धार्मिक आचरणों पर न चलने को ही प्रगतिशीलता का लक्षण मान बैठे हैं। जब हमारे नवयुवक विदेश में उच्च शिक्षा हेतु जाते हैं तब भी उन देशों के व्यक्ति उनसे जैन धर्म पर विशेष जानकारी मांगते हैं और गिरजाघरों में उनके भाषणों का आयोजन करते हैं। हमारे देश में ही अनेक व्यक्ति समय-समय पर जैन धर्म पर प्रश्न पूछते हैं ऐसी स्थिति में धर्म का ज्ञान न होना उपहास का कारण ही बनता है। नगर की धार्मिक-शिक्षण संस्थाओं की संक्षिप्त जानकारी निम्न लिखित है :—

१. बड़ा मन्दिर जैन पाठशाला, डीडवाना ओली:—

लगभग ५० वर्ष पूर्व तत्कालीन बड़ा मन्दिर कमेटी द्वारा धार्मिक शिक्षा देने हेतु जैन पाठशाला की स्थापना की गई। सन् १९३८ से इस पाठशाला के एक मात्र अध्यापक पं. लाला भईया मुख्य अध्यापक के स्थान पर नियुक्त हैं। पाठशाला की व्यवस्था वर्तमान प्रबन्ध कमेटी श्री दि॰ जैन तेरापन्थी पुरानी सहेल्नी द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन करीब २५ बालक उपस्थित होते हैं।

२. श्री दि० जैन पाठशाला, दानाओली :—

चम्पाबाग मन्दिर में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना, मन्दिर पंचायत द्वारा सन १९३८ में हुई। धार्मिक शिक्षा देकर बच्चों में धार्मिक भावनाओं की नींव डालते रहना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने हेतु उपस्थित होते हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

३. श्री दि. जैन पाठशाला, चितेरा ओली, माधवगंज—

तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना सन १९२८ में मदिर प्रबंधकों द्वारा की गई । इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र छात्राएं उपस्थित होती हैं । वर्तमान में इस पाठशाला के छात्रों को व्यवस्थित ढंग से प्रथम बालबोध से लेकर छहढ़ाला रत्न काण्ड-श्रावकाचार तक की धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रति वर्ष बम्बई व सोलापुर बोर्ड द्वारा लिखित व मौखिक परीक्षायें होती हैं। सुबह और दोपहर दोनों समय पाठशाला में पंडित मोहनलाल जी द्वारा बच्चो को धार्मिक शिक्षा दी जाती है पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर जी के अन्तर्गत प्रथक समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी पाटनी, मन्त्री श्री मुन्शीलाल जी हैं ।

४. श्री दि. जैन पार्श्वनाथ पाठशाला, दौलतगंज:—

बीसपन्थी मन्दिर दौलतगंज में स्थित जैन पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर के प्रबन्धकों द्वारा की जाती है । यहां पं. लाला भइया द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाकर धार्मिक संस्कारों को जाग्रत किया जाता है । इस पाठशाला में २५ बालक-बालिकायें धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु उपस्थित होते हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है ।

५. श्री दिगम्बर जैन बन्धु सभा, शिशु पाठशाला, नया बाजार:—

श्री दि. जैन बन्धु सभा,नया बाजार द्वारा संचालित उक्त पाठशाला की स्थापना २५ दिसम्बर १९६७ को मन्दिर के निचले भाग में स्थित कमरों में हुई । लगभग ८० बालक बालिकायें को यहां योग्य अध्यापक श्री स्वरूप चन्द जैन धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं । पाठशाला की व्यवस्था जैन बन्धु सभा के निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है । वर्तमान अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री झम्मनलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं ।

६. श्री श्वे० जैन पाठशाला सराफा बाजार, लश्कर:—

यह पाठशाला जैन श्वेता० पार्श्वनाथ मन्दिर, सराफा बाजार, लश्कर में स्थित है । यह जनवरी सन १९६९ में प्रारंभ की गई है। श्वेता० समाज द्वारा चलाई जाने वाली यह एक मात्र पाठशाला है । यह नथमल पारख ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है । वर्तमान में इसके अध्यापक श्री रामस्वरूप जी त्रिपाठी हैं ।

केवल सत्य रहेगा, शेष सब काल के गाल में चला जायगा ।

Truth alone will survive and all the rest will be swept away before (enduse) the tide of time.

सभी धर्मों में धर्मान्धता है । प्रकाश के साथ छाया होती ही है ।

Humbug there Indoubtedly is about all religions, where there is light, there is also shadow.

—महात्मा गांधी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नगर की जैन शिक्षण संस्थाऐं

ग्वालियर में शिक्षण संस्थाओं के स्थापित करने और चलाने में समाज ने विशेष रुचि नहीं ली। लश्कर व मुरार में एक-एक मिडिल स्कूल समाज द्वारा चलाया जा रहा है जिसे अधिक प्रगति और रुचि का लक्षण नहीं माना जा सकता है। ग्वालियर लश्कर और मुरार की समाज के शिक्षा प्रेमी सज्जनों का कर्त्तव्य है कि वे समाज के दानप्रेमी सज्जनों को उच्च शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की सलाह दें और उपयोगिता से परिचित करवायें। समाज के बच्चों में भारतीय संस्कार बनाये रखने के लिये कान्वेंट स्कूल की तरह शिक्षण संस्था स्थापित करना चाहिये। लश्कर में एक जैन हाई स्कूल, एक जैन कालेज स्थापित किये जाने की काफी गुंजाइश है। इसके अतिरिक्त एक जैन शोध संस्थान के स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है। बनारस विश्वविद्यालय की तरह ग्वालियर विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के अध्ययन हेतु एक जैन सीट की स्थापना का भी प्रयत्न करना चाहिए।

श्री महावीर दि० जैन माध्यमिक मिडिल स्कूल, चिक सन्तर, मुरार

चिक सन्तर, मुरार में स्थित जैन मिडिल स्कूल का संचालन जैन मन्दिर पंचायत कमेटी द्वारा किया जाता है। शासकीय मान्यता प्राप्त मिडिल स्कूल में सामान्य शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। इसमें लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। स्वर्गीय १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से सन १९४८ में उनके चतुर्मास के के अवसर पर इस स्कूल की स्थापना की गई थी जिसका विस्तृत रूप सामने है। उक्त स्कूल, जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार में चलाया जाता है।

श्री वर्द्धमान माध्यमिक विद्यालय, दाना ओली, लश्कर

बालक ही समाज की धुरी है, यदि बालकों के व्यक्तित्व का निर्माण सही दिशा में नहीं हुआ तो हो सकता

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

है हमारे वर्तमान समाज का ढ़ांचा ही चरमरा जाय। हमें प्रसन्नता है कि इसकी पीड़ा सर्व प्रथम लश्कर समाज के प्रसिद्ध सर्राफ सर्व श्री गुलाबचन्द रेशमचन्द शाह ने अनुभव की और अपनी गाढ़ी कमाई से ५००० रुपये दान देकर उक्त विद्यालय का श्री गणेश किया।

यह विद्यालय दि. जैन नया मन्दिर कमेटी द्वारा प्रदत्त एक विशाल भवन में स्थित है। इसकी स्थापना सन १९६१ में हुई। लश्कर जैन समाज के सहयोग से इसकी व्यवस्था वर्द्धमान शिक्षा समिति द्वारा उचित ढंग से की जाती है। कक्षा आठ तक की शिक्षा यहां पर उपलब्ध हैं और लगभग २५० छात्र-छात्राऐं विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करते हैं।

इसके अतिरिक्त छोटे छोटे बालकों के हेतु एक नर्सरी विभाग है जिसमें मान्टेंसरी पद्धति से बच्चों को पढ़ाया जाता है। प्राथमिक विभाग में ४ अध्यापिकाऐं तथा माध्यमिक विभाग में ५ आघ्यापिकाऐं कार्यरत है। यह विद्यालय निकट भविष्य में जैन हाईस्कूल में परिणत होने जा रहा है।

इस समय विद्यालय शासन द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा शासकीय अनुदान के रूप में ७००० रु. की धनराशि उसे प्रतिवर्ष प्राप्त होती रहती है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, न्यू देहली, से नर्सरी विभाग को ७५० रु० की वार्षिक राशि भी मिलती है बालकों के स्वस्थ विकास के लिए आंतरिक एवं वाह्य क्रीड़ाऐं, पर्यटन एवं मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले विजेता छात्र एवं छात्राओं को समय-समय पर पुरस्कृत भी किया जाता है।

बालक का सर्वांगीण विकास कैसे हो वह समाज और देश का सुयोग्य नागरिक कैसे बने। इसके लिये यह आवश्यक है कि उसके समाने प्रारंभ से ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक आदर्शों का उच्चतम मान स्थापित किया जाय। यहां के कार्यकर्ताओं का यह विश्वास है कि चारित्र के धरातल को उंचा किये बिना मनुष्य की सही उन्नति और समाज में उसके समायोजन की प्रक्रिया और उसके स्वरूप नहीं निखरते। इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रारंभ से यह विद्यालय सतत जागरूक रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में विषम परिस्थितियों से संघर्ष करने के बावजूद आज वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संचालन समिति के पदाधिकारी निम्न प्रकार है :—

संरक्षक श्री रेशम चन्द शाह, अध्यक्ष श्री मानिक चन्द गंगवाल, उपाध्यक्ष श्री हुकमचन्द अजमेरा, मन्त्री श्री कमलचन्द काशलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री शान्तीचन्द पाटोदी।

—कपूरचन्द वरैया

किसी भी धर्म को उसके उत्कृष्टतम पक्ष से परखना चाहिये।
A religion has to be Judged by its best specimens.
नैतिकता के बिना कोई धर्म नहीं जी सकता।
No religion can exist without morality.
वासनापूर्ण हृदय को शुद्ध करने की प्रार्थना अचूक दवा है।
Prayer is an unfailing means of clearing the heart of passions.

—महात्मा गांधी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नगर के जैन - छात्रावास

ग्वालियर शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। यहां प्रतिवर्ष सहस्त्रों की तादाद में छात्र विविध महाविद्यालयों में विद्याध्ययन करने आते हैं जिनमें आस-पास के अनेक जैन छात्र सम्मिलित होते हैं किन्तु उनके निवास की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। स्थानीय समाज के बुद्धिजीवी वर्ग ने निवास की समस्या को सुलझाने के लिए चम्पाबाग धर्मशाला में एक हिस्सा देकर उसकी तत्कालीन व्यवस्था करदी। जैन छात्रावास की नींव पड़ने का यह प्रथम कदम था।

सन् १९५० में समाज के प्रबुद्ध शिक्षाविद प्रो. घासीराम जी जैन के नेतृत्व में "श्री वीर शिक्षा समिति" का गठन किया। इस समिति ने अपने कार्यकाल में अच्छी प्रगति की, अनेक मेघावी छात्रों का सहयोग पा करके उसने कई वार्षिक अधिवेशनों का आयोजन किया जिसके फलस्वरूप वह समाज के व्यक्तियों का ध्यान एक ऐसे अभाव की ओर खींच सकी जो आगे चलकर छात्रावास के उपयुक्त वातावरण को बनाने में अनुकूल सिद्ध हुई।

समय के चक्र से नगर में अनेक शिक्षण संस्थाओं का उदय हुआ पर स्थान की सीमितता के कारण उपरोक्त छात्रावास कुछ अपूर्ण प्रतीत हुआ। इस कारण समिति ने सर्व प्रथम छात्रावास हेतु एक नवीन सुविधा सम्पन्न भवन के निमार्ण कार्य का संकल्प लिया। उसके अनेक विधिवत् प्रयत्न हुये। तत्पश्चात २३ अक्टूबर १९५६ को कटोराताल स्थान के निकट २२ हजार वर्गफुट भूमि शासन से छात्रावास निर्माण करने हेतु प्राप्त हुई। समिति को श्रद्धेय १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी तथा श्रद्धेय १०८ मुनि श्री देशभूषण महाराज के आशीर्वाद प्राप्त हुये हैं।

वर्तमान में छात्रावास के अन्तर्गत २० कमरे, एक रसोई घर, १० स्नानागार तथा छह शौचालय है जिनमें लगभग ६८००० रुपये व्यय हो चुके हैं। ४४ कमरे, पुस्तकालय, शास्त्र भण्डार, स्वाध्याय भवन, एक बड़ा हाल, वार्डन क्वाटर, कामन रूप और क्रीड़ा स्थान का निर्माण कार्य होना शेष है जो दानारों के सहयोग की अपेक्षा करता है।

इस समय संस्था के आधीन दो छात्रावास चल रहे हैं। पहला छात्रावास नई सड़क चम्पाबाग धर्मशाला में स्थित है जिसमें २६ विद्यार्थियों के रहने का प्रबन्ध है। दूसरा नया छात्रावास है जो कटोराताल राजपायगा रोड लश्कर पर स्थित है, जिसमें ४० विद्यार्थी रह रहे हैं। सन् १९६७ में प्रो. घासीरामजी के दान से छात्रावास में भोजनालय के भवन का निर्माण करवाया गया है जिसका संचालन छात्र परस्पर सहयोग के आधार पर करते हैं। छात्रावास के लड़कों में धार्मिक प्रवृति डालने हेतु धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था की जाना अत्यन्त आवश्यक है।

छात्रावास का अतीत वास्तव में बड़ा उज्वल रहा है। यहां से निकले छात्र शासन के उच्च स्थानों पर पदासीन है, कई स्वतन्त्र व्यवसायी है और कई धार्मिक और सामाजिक सेवा में रत हैं। भविष्य में समाज को इससे अनेक आशायें हैं। वीर शिक्षा समिति के पदाधिकारी निम्नलिखित है:—अध्यक्ष-श्री श्यामलाल पांडवीय, मन्त्री-श्री निर्मल कुमारजी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष-श्री मुन्शीलालजी, अधीक्षक—प्रो. एन. एल. जैन व प्रचार मन्त्री श्री रूपचन्द जी पाटनी।

—कपूरचन्द बरैया

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैन औषधालय

श्रावण शुक्ला त्रियोदशी सम्वत् १९८९ को इस औषधालय की स्थापना नया मन्दिर धर्मशाला में हुई। स्व. श्री छगन लाल जी पांड्या स्व. श्री गुलाव चन्द जी गोधा, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी आदि की प्रेरणा व इनके मासिक दान की स्वीकृति से औषधालय का प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में यह औषधालय दानाओली चम्पाबाग के मन्दिर द्वारा ३ रु. माहवार पर दी गई उत्तम जगह पर स्थित है। वृहत्तर ग्वालियर की जैन समाज द्वारा चलाये गये इस एक मात्र औषधालय में आयुर्वेदिक पद्धति से चिकित्सा की जाती है। औषधालय की आर्थिक आवश्यकतायें समाज के व्यक्तियों द्वारा दिए गये मासिक, वार्षिक चन्दे व दान की राशि से पूरी की जाती हैं। यहां प्रारंभ में दवा का वितरण मुफ्त किया जाता था किन्तु कुछ वर्षों से १० पैसा प्रतिरोगी लेना चालू किया है जिससे रोगीगण दवा का दुरूपयोग न कर सकें।

३६ वर्ष की अवधि में इस औषधालय में विभिन्न अवैतनिक और वैतनिक योग्य वैद्यों ने छह लाख रोगियों को औषधि प्रदान कर रोगमुक्त करने का श्रेय जैन समाज, ग्वालियर को दिया है। इस औषधालय द्वारा सभी वर्ग के व्यक्तियों की भेदभाव रहित सेवा की जाती रही है। इस एक मात्र जैन औषधालय को पूर्ण विकसित करने के लिये समस्त जैन समाज का आर्थिक सहयोग नितान्त आवश्यक है।

सन १९६० से १९६८ तक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी ने मन्त्री पद पर रहकर औषधालय का योग्यता पूर्वक संचालन किया है। वर्तमान में औषधालय के अध्यक्ष सेठ बुद्धमल जी गंगवाल व मन्त्री श्री मानिकचन्द जी बोहरा है।

—मिश्रीलाल पाटनी

नगर स्थित पुस्तकालय एवं वाचनालय

वृहत्तर ग्वालियर में ५ दिगम्बर व २ श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय एवम् वाचनालय हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :—

श्री वर्द्धमान पुस्तकालय एवं वचनालय
डीडवाना ओली, लश्कर

वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा संचालित उक्त पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना पार्श्वनाथ धर्मशाला. डीडवाना, ओली लश्कर में २० नवम्बर सन १९६७ को प्रो. शान्तीचन्द जी गिरघरवाल के प्रयत्नों से हुई। व्यवस्थित व विशाल रूप में पुस्तकालय को चलाने हेतु पुस्तक संग्रह अभियान चलाकर नवयुवकों ने समाज से सैकड़ों विभिन्न विषयों की पुस्तकें एकत्रित की हैं। इसके अतिरिक्त सैकड़ों नई पुस्तकें खरीदकर भी पुस्तकालय को उपयोगी बनाया गया है।

पुस्तकालय के साथ ही वाचनालय भी स्थापित किया गया है जिसमें धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, दैनिक, पाक्षिक, मासिक पत्र पत्रिकायें मंगाई जाती है। यहाँ धार्मिक, सामाजिक जासूसी वाल-शिक्षाप्रद, साहित्यिक, अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर २००० पुस्तकें हैं। जैन अजैन सभी व्यक्ति इस पुस्तकालय व वाचनालय से लाभान्वित होते हैं।

इसके अतिरिक्त यहां पुस्त-कोष(Book-Bank) की व्यवस्था है, जिसके द्वारा छात्रों को वर्ष-काल में अध्ययन के लिये पाठ्यक्रम की पुस्तकें दी जाती हैं। पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन वर्द्धमान दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा निर्वाचित पुस्तकालय मन्त्री

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

श्री प्रमोदकुमार पाटनी व कमलकिशोर गोधा द्वाराकिया जाता है ।

यदि पर्याप्त धन और पुस्तके दान में मिलती रहें तो यह नगर के प्रमुख पुस्तकालयों की श्रेणी में आ सकता है । इस हेतु समाज का सहयोग अपेक्षित है ।

२. जैन वीर वाचनालय चम्पाबाग, दानाओली, लश्कर:—

श्री वीरेन्द्र कुमार जी गंगवाल द्वारा सन १९६८ में चम्पाबाग मन्दिर के नीचे के कमरे में एक वाचनालय स्थापित किया गया । यहां दैनिक पत्र व पत्रिकायें नियमित रूप से मंगाई जाती हैं । यहाँ शीघ्र ही व्यवस्थित रूप से पुस्तकालय चलाये जाने की आशा है। वर्तमान में संचालन कार्य, जैन वीर सेवा संघ, चम्पाबाग द्वारा किया जाता है ।

३. श्री जिनेन्द्र पुस्तकालय एवं वाचनालय, जैन भवन, दानाओली, लश्कर:-

बरैया पंचायती धर्मशाला जैन भवन, दानाओली में स्थित पुस्तकालय व वाचनालय का स्थापना सन् १९६७ में बरैया दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा की गई । यहाँ लगभग २०० धार्मिक व सामाजिक पुस्तकें उपलब्ध हैं । वाचनालय में दैनिक पत्र—पत्रकाओं की समुचित व्यवस्था है। संचालन कार्य श्री दि. जैन बरैया नवयुवक संघ की कार्य समिति द्वारा किया जाता है ।

४. श्री पार्श्वनाथ पुस्तकालय, चितेरा ओली, माधव गंज, लश्कर:-

श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज में सन १९५८ में श्री पार्श्वनाथ पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना की गई । वर्तमान में ३५० धार्मिक पुस्तकें व ३०० शास्त्र यहां उपलब्ध हैं । दैनिक पत्रों की भी समुचित व्यवस्था है । इसका प्रवन्ध कार्य मन्दिर पंचायत द्वारा किया जाता है ।

५. स्थानकवासी श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय, सराफा बाजार, लश्कर:-

वृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानक वासी जैन युवक संघ द्वारा उक्त पुस्तकालय संचालित किया जाता है। इस पुस्तकालय में ३०० पुस्तकें हैं ।

६. श्री जैन पुस्तकालय, माधव गंज, लश्कर:-

अणुव्रत-युवक-मण्डल द्वारा संचालित साधुमार्गी तेरापन्थी श्वेताम्बर जैनसमाज का यह पुस्तकालय, सरावगी सदन, माधवगंज में स्थित हैं । इसमें ५०० धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध हैं ।

७. श्री वीर पुस्तकालय, जैन मन्दिर सन्तर, मुरार:-

स्वर्गीय १०५ क्षुल्लक श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से मुरार जैन पंचायत द्वारा २५ वर्ष पूर्व वीर पुस्तकालय की स्थापना कीं गई । इस पुस्तकालय में लगभग १००० धार्मिक एवं सामाजिक पुस्तकों का संग्रह है । पुस्तकालय की व्यवस्था माध्यमिक पाठशाला, कमेटी द्वारा की जाती है ।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सांस्कृतिक-संस्थायें

१. श्री दि. जैन ड्रामाक्लब, नया बाजार, लश्करः-

बच्चों में ललितकला में रुचि जाग्रत करने के उद्देश्य से नया बाजार जैन मन्दिर में श्री रूपचन्द जी पाटनी व श्री झम्मनलाल जी के विशेष प्रयत्नों द्वारा इस ड्रामा क्लब को स्थापित किया गया। धार्मिक उत्सवों के अवसर पर छोटे बालक व बालिकायें इस क्लब के अन्तर्गत नाटक, भजन आदि प्रस्तुत करते हैं। इसकी व्यवस्था जैन-बन्धु-सभा द्वारा की जाती है।

२. महावीर नाट्य कला मन्दिर, लोहामन्डी, ग्वालियर

सन १९६३ में श्री दि. जैन महावीर सेवा-दल द्वारा इस नाटय कला मन्दिर की स्थापना की गई। लोहा-- मन्डी, ग्वालियर में श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में स्थित नाटक समिति के संस्थापक श्री निर्मल कुमारजी हैं। इसका प्रवन्ध संचालन श्री ज्ञानचन्द जी व श्री खूबचन्द जी बढ़ारी द्वारा किया जाता है।

३. संगीत कला विद्यालय, नया बाजार, लश्करः-

श्री दि. जैन मन्दिर नयाबाजार, लश्कर में स्थित संगीत शिक्षण संस्था के संचालक श्री झम्मनलाल जी व श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं। यहां प्रत्येक अष्टमी व चर्तुदशी के दिन नियमित रूप से बच्चों को संगीत की शिक्षा दी जाती है। संगीत कला विद्यालय का संचालन जैन बन्धु सभा, नया बाजार द्वारा किया जाता है।

४. संगीत कला मण्डल, ग्वालियरः-

धर्मवीर श्री घन्नालाल जी ने सन १९६४ में इस मंडल की स्थापना वांसपूज्य पंचायती मन्दिर में की। इसका प्रमुख उद्देश्य धार्मिक कार्यक्रम के अन्तंगत होने वाले गायन भजन नृत्य आदि में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाना है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री हरीशचन्द जी, मन्त्री श्री प्रभुदयाल जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमारजी हैं।

प्राचीन-वस्तु-संग्रहालय

प्राचीन जैन साहित्य व हस्तकला वस्तु संग्रहालयः—

प्राचीन जैन साहित्य, चित्र व सिक्कों के संग्रह का श्रेय श्री मिश्रीलाल जी पाटनी को है जिसकी प्रेरणा उन्हें जैन मिशन, अलीगंज, एटा द्वारा प्रदर्शनी लगाने के आग्रह से प्राप्त हुई है। समय-समय पर पाटनी जी ने दिल्ली अलीगंज, आगरा, भोपाल, कानपुर, लखनऊ, गोहाटी (आसाम) आरौन, सोनागिर, उज्जैन आदि विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी आयोजित कर प्राचीन वस्तुओं से लोगों को अवगत कराया है। इससे प्रभावित होकर अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं ने आपको मान-पत्र भी भेंट किये हैं। यह संग्रहालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लश्कर में पाटनी जी के निवास स्थान पर ही स्थित है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैन धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट

नगर में धार्मिक व सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से अनेक ट्रस्ट स्थापित हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री गणेशीलाल फूलचन्द जी गंगवाल ट्रस्ट, लश्कर:-

स्वर्गीय सेठ गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क की व्यवस्था की जाती है। सन १९६४ में पृथक से व्यवस्था रखने हेतु उक्त ट्रस्ट की स्थापना की गई। इसका एक मात्र उद्देश्य धर्मशाला से सम्बन्धित कार्यों में आर्थिक मदद करना है। वर्तमान में इसके ट्रस्टी श्री बुधमल जी गंगवाल हैं।

२. स्व० श्री कस्तूरचन्दजी गंगवाल धमार्थ ट्रस्ट, लश्कर:—

सन १९६७ में स्वर्गीय श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल ने पचास हजार रुपये की राशि से इस ट्रस्ट की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग देना है जिसकी व्यवस्था व्याज की रकम द्वारा की जाती है। श्री मानिकचन्द जी पाण्डया श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री चिरोंजीलाल जी गोधा, श्री कन्हैयालाल जी पाटनी व श्री चिरोंजीलालजी भरतपुर वाले इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं और उन्हें ही ट्रस्ट की राशि को संबंधित कार्यों पर व्यय करने का अधिकार है।

३. श्री कस्तूरचन्द जी सोनी धार्मिक एवं सामाजिक ट्रस्ट, लश्कर

सन १९६७ में श्री कस्तूर चन्द जी सोनी ने बीस हजार रुपये की राशि को बैंक में जमा कर एक ट्रस्ट स्थापित किया। व्याज की राशि को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों मे व्यय करने का अधिकार निम्न पांच व्यक्तियों को है:—१. श्री केशरीमल जी गंगवाल २. श्री हुकमचन्द जी अजमेरा ३. श्री रेशमचन्द जी शाह ४. श्री निरंजन लाल जी गंगवाल ५. श्री नेमीचन्द जी वाकलीवाल। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य गरीबों की सहायता करना, मन्दिरों के जीर्णोद्धारा में सहायता देना व अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों में आर्थिक मदद करना है।

४. स्व० श्री केशरीमल जी पहाड़िया ट्रस्ट, दौलतगंज, लश्कर

स्वर्गीय श्री केशरीमल जी पहाड़िया ने उक्त ट्रस्ट को सन १९६६ में स्थापित किया। पहाड़िया जी बड़े धर्मात्मा व भजन प्रेमी थे। इसी कारण ट्रस्ट का उद्देश्य गायन स्कूल खोलना, भजनों की पुस्तकें प्रकाशित करना व धार्मिक सामाजिक कार्यों में सहयोग देना है। इसके ट्रस्टी श्री मानिकचन्द जी पान्डया, श्री मानिक चन्द जी पाटनी, श्री मानिक चन्द जी भौंच श्री मानिक चन्द जी गंगवाल, श्री कमलचन्द जी गंगवाल, व श्री हुकम चन्द जी अजमेरा हैं।

५. श्री दि. जैन वांसपूज्य पंचायती मन्दिर ट्रस्ट, ग्वालियर

सन १९६८ में श्री दिगम्बर जैन वांसपूज्य पंचयती मन्दिर की व्यवस्था हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना ग्वालियर उपनगर में की गई। मन्दिर सम्बन्धित आर्थिक व्यवस्था इस ट्रस्ट द्वारा की जाती है। इसके अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री-श्री हरीशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमार जी हैं।

श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट

६. श्री नथमल जी पारख ट्रस्ट, लश्कर:—

धार्मिक शिक्षण संस्था चलाने हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना सेठ नथमल जी पारख द्वारा की गई। पच्चीस हजार रूपये की राशि का व्याज व ट्रस्ट की जायदाद के किराये से धार्मिक शिक्षा हेतु आयोजित की गई पाठशाला की आर्थिक व्यवस्था इसी ट्रस्ट द्वारा कीजातीहै। श्री घीस्लालजीपारख, श्रीतेजमलजी हर्षावत् श्री हीराचन्द जी कोठारी, श्री बुद्धराज जी घारीवाल व चाँदमल जी सिंघी इस टस्ट के ट्रस्टी हैं।

७. श्री राजमल जी कावड़िया ट्रस्ट, सराफा बाजार:—

दशलक्षण पर्व में आयोजित किये जाने वाले स्वामी वात्सल्य उत्सव की आर्थिक व्यवस्था मात्र करना इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित व्यय टोपी बाजार में स्थित मकान सम्पत्ति के किराये से पूर्ण किया जाता है। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री तेजमल जी हर्षावत् व श्री सुगनचन्द जी मूथा हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नगर में स्थित सामाजिक व धार्मिक संघ

नवयुवक ही समाज की चेतना और भविष्य के आधार स्तम्भ होते हैं। उनकी ही चेतना, योग्यता और विचार धारा पर कल के समाज का निर्माण होता है। इस नगर के नवयुवक वर्ग ने इस सम्बन्ध में बहुत कुछ सोचा है। समाज की पुरानी पीढ़ी के लोगों का भी यह कर्त्तव्य है कि वे समाज के सामाजिक व धार्मिक कार्यों के संचालन के भार को नवयुवकों को सौंपें और उन्हें इस कार्य में दक्ष बनावें। सामाजिक सेवा का काम काटों से भरे हुऐ रास्ते के समान होता है। समय, पैसा, आराम आदि का त्याग करने के अतिरिक्त ईमानदारी, सच्चाई और सेवा एक आदर्श रूप समाज के सामने रखना पड़ता हैं।

समाज के सामने आज अनेक समस्यायें हैं। समाज का नवयुवक वर्ग शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसी स्थिति में नवयुवकों में धार्मिक संस्कार बनाये रखने को इनके संगठन और भी आवश्यक हैं। समाज में आज भी दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, बे-मेल विवाह आदि की समस्यायें व्याप्त हैं। बृहत्तर ग्वालियर में उपयुक्त कुरीतियों को दूर करने व नवयुवकों के आध्यात्मिक बौद्धिक, नैतिक, शारीरिक विकास करने के उद्देश्य से ९ दिगम्बर जैन और ३ श्वेताम्बर जैन संघ हैं संघो के नाम निम्नलिखित हैं:—

(१) श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लश्कर

(२) श्री दिगम्बर जैन वीर सेवा संघ, दानाओली लश्कर

(३) श्री जैसवाल दि० जैन नवयुवक मंडल, दाना ओली

(४) श्री बरैया दि० जैन नवयुवक संघ, दानाओली

(५) श्री दि० जैन बरैया बाल समाज स्वयम् सेवक दल, मामा का बाजार

(६) श्री दि० जैन बन्धु सभा, नया बाजार, लश्कर

(७) श्री दि० जैन जैसवाल वीर सेवा दल, शिंदे की छावनी लश्कर

(८) बृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सराफा बाजार, लश्कर

(९) प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लश्कर

(१०) अणुव्रत युवक मंडल; सरावगी सदन चिटनिस की गोठ, माधव गंज, लश्कर

(११) श्री दि० जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर

(१२) श्री दि० जैन वीर विद्यार्थी संघ, मुरार

इनकी संक्षिप्त जानकारी निम्नप्रकार है:—

१. श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, लश्कर

२ अक्टूबर सन १९६६ को उत्साही नवयुवकों की प्रेरणा से इस सघ की स्थापना हुई। इसमें नगर के जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सदस्य बनाने हेतु आमन्त्रित किया गया। समाज को नई रोशनी में नये ढ़ग से गठित करते हुये नवयुवकों का मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास करना इस संघ का प्रधान उद्देश्य है। वर्तमान में संघ द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्त-कोष, स्पोटर्स क्लब आदि संचालित किये जा रहे हैं। ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रकाशन इसी संस्था के सुप्रयत्नों का परिणाम है। जो इस संघ के साहस, लगन और समाज सेवा का प्रतीक है। इस समय संस्था में ७० कर्मठ सदस्य हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जिनमें से अधिकांश डॉक्टर इन्जीनियर, प्रोफेसर, वकील व उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। वर्ष में अनेक बार सभायें गोष्ठियाँ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाकर इस संघ द्वारा नवयुवकों में धार्मिक प्रवृत्ति जागृत करते हुए सामाजिक समस्याओं को हल किया जाता है। संघ का प्रधान कार्यालय पार्श्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना ओली लश्कर में है। वर्तमान में संघ के अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज हैं। अन्य पदाधिकारियों का नाम व संस्थागत विवरण "प्रकाशकीय परिचय," में दिया गया है।

२. श्री दि. जैन वीर सेवा संघ, दाना ओली:-

सन १९५७ में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सहयोग प्रदान करने हेतु इस सेवा संघ की स्थापना दाना ओली के उत्साही नवयुवकों द्वारा की गई। इसके द्वारा धार्मिक उत्सव मेलों आदि में स्वंय-सेवक के रूप में सहयोग दिया जाता रहा है। इसकी व्यवस्था संचालन समिति के अध्यक्ष श्री पारसकुमार गंगवाल, मन्त्री श्री कैलाशचन्द वैद व कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल जी लुहाड़िया हैं।

३. श्री जैसवाल दि. जैन नवयुवक मंडल, दानाओली:-

सामाजिक और धार्मिक कार्यों में मदद करने, समाज में एकता स्थापित कर, युवकों में सामाजिक व धार्मिक रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से जैसवाल समाज के समाजसेवी नवयुवकों ने सन १९६७ में एक नवयुवक मण्डल की स्थापना की। मण्डल द्वारा धार्मिक मेलों व अन्य सामाजिक कार्यों में स्वयम्—सेवक, साईकिल स्टेन्ड, प्याऊ आदि की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में मंडल के २५ कर्मठ सदस्य हैं। मंडल की कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष श्री पदमचन्द जी, उपाध्यक्ष श्री हरिशचन्द जी, मन्त्री श्री पारस दास जी व कोषाध्यक्ष श्री लालचन्द जी हैं।

४. श्री बरैया दि. जैन नवयुवक संघ, दाना ओली:—

सन १९६७ में बरैया जैन समाज के नवयुवकों ने क्षमावाणी पर्व के शुभ अवसर पर इस संघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की सेवा करना है। नवयुवकों के बौद्धिक विकास हेतु संघ ने पुस्तकालय, वाचनालय व खेल कूद की व्यवस्था की हैं। संघ का कार्यालय एवं पुस्तकालय जैन भवन, दाना ओली में स्थित है। संघ की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी, मन्त्री श्री भूपेन्द्र कुमार जी व कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द्र जी हैं।

५. श्री दि. जैन बरैया बाल समाज स्वयं सेवक दल मामा का बाजार

बरैया बाल समाज के इस स्वयं सेवक दल की स्थापना सन १९२८ में हुई। स्वयं सेवक दल में ड्रेसेस सहित ३२ स्वयं सेवक हैं जो विभिन्न धार्मिक कार्यों के अवसर पर व्यवस्था कार्य करते हैं इनकी सेवाएं अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। इस दल द्वारा सामाजिक व धार्मिक कार्यों के लिये सामान भी प्रदान किया जाता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जा रही हैं:- अध्यक्ष श्री बालचन्द जी, मन्त्री श्री प्रकाशचन्द जी, कोषाध्यक्ष श्री सूरज मल जी, केप्टिन श्री गयाप्रसाद जी व अमोलक चन्द जी।

६. श्री दि. जैन बन्धु सभा, नया बाजार:-

नया बाजार के जैन उत्साही व्यक्तियों ने बन्धु सभा के नाम से एक संगठन स्थापित किया जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार विशेष में धार्मिक उत्सव व आवश्यक सामाजिक कार्यों में मदद करना है। सभा द्वारा दिसम्बर सन १९६७ में एक जैन पाठशाला, जैन मन्दिर नया बाजार में प्रारम्भ की गई है। बन्धु सभा का संचालन सदस्यों द्वारा निर्वाचित कमेटी करती है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री झम्मनलाल जी कोषाध्यक्ष व संयोजक श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

७. श्री दि. जैन जैसवाल वीर सेवा दल, शिन्दे की छावनी, लश्कर:-

धार्मिक कार्यों की व्यवस्था में अधिकत्तम सहयोग देने हेतु वीर सेवा दल की स्थापना की गई। इस सेवा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दल द्वारा विभिन्न धार्मिक महोत्सवों व मेलों पर स्वंय-सेवक दल के रूप में व्यवस्था की जाकर प्रशंसनीय कार्य किया जाता रहा है।

८. बृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, सराफा बाजार, लश्कर:-

यह श्वेताम्बर स्थानक वासी जैन श्रावकों की प्रतिनिधि संस्था है। इसका मुख्य कार्यालय सराफा बाजार, लश्कर में व उपकार्यालय बिरला नगर और मुरार में हैं। इस श्रावक संघ के अध्यक्ष श्री दीपचन्दजी मेहता और मन्त्री श्री सूरज मल जी सचेती हैं।

९. प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लश्कर:-

श्वेताम्बर जैन समाज के कुछ नवयुवकों ने सन १९६६ में इस नवयुवक संघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक व शारीरिक विकास के साथ साथ धार्मिक कार्यक्रमों में अधिकत्तम सहयोग देना हैं। वर्तमान में इस संस्था की गतिविधियाँ कुछ रूक सी गई हैं। संघ के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र जी सिंघी मन्त्रीं श्री रामचन्द्र जी हैं।

१०. अणुव्रत युवक मंडल, सरावगी सदन, चिटनीस की गोठ, माधव गंज, लश्कर:-

इस मंडल की स्थापना सितम्बर सन १९६६ में साध्वी श्री मोहनाकुमारी जी की प्रेरणा से हुई। सब धर्मों के प्रति आदर भाव रखना, मद्यपान, धूम्रपान हिंसात्मक, प्रवृत्तियों को रोकना मंडल के मुख्य उद्देश्य हैं। मंडल जैन समाज के युवकों को संगठित कर उन्हें ईमानदारी सदाचारी वआध्यात्मिक बनाने की प्रेरणा देता है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष, रामचन्द्र घोड़ावत, मन्त्री श्री सन्तोष कुमार और कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जैन हैं।

११. श्री दि. जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर:-

यह सेवा दल नगर की जैन समाज के पुराने सेवा दलों में से है। श्री प्रभूदयाल जी के प्रयत्नों द्वारा सन १९३८ में इसकी स्थापना की गई थी। समाज सेवी संस्था के रूप में यह दल धार्मिक कार्यों की मदद में सदैव आगे रहा है। गोकुलचन्द जी के मन्दिर में ही इसका कार्यालय स्थित है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी, मन्त्री श्री खूबचन्द जी वढ़ारी, कोषाध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी नायक हैं।

१२. श्री दि. जैन वीर विद्यार्थी संघ, मुरार:—

सन १९६२ में धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु उक्त संघ की स्थापना की गई। वर्तमान में इस संघ की सदस्य संख्या १०० के लगभग है। इसकी व्यवस्था सदस्यों द्वारा निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। संघ के अध्यक्ष श्री रमेशचन्द जी, मन्त्री श्री सुरेशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जी हैं।

※ अहिंसा की पुस्तक में हार के लिये कोई स्थान नहीं है।
Defeat has no place in the dictionary of Non-Violence.

※ अहिंसा एक सूत्र में बांधने वाली शक्ति है। वह अनेकता में एकता ले आती है।
Ahimsa is Unifying force. It discovers unity in diversity.

※ पूर्ण अहिंसा के बिना कोई भी लोकतंत्र पूर्ण नहीं हो सकता।
No perfect democracy is possible without perfect Non-Violence.

※ जिस अर्थ व्यवस्था में नैतिक मूल्य नहीं वह सच्ची नहीं है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखाऐं

कुछ भारत वर्षीय स्तर के संघठनों की शाखायें इस नगर में भी हैं। ऐसी संस्थाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:—

१. मध्यप्रदेश दिगम्बर जैन तीर्थ रक्षा समिति, लश्करः—इस समिति की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीड़वाना ओली, लश्कर में है। प्रधान कार्यालय इन्दौर में है। तीर्थ-क्षेत्रों की रक्षा करना, मूर्तियों की सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक कार्यवाही करना इस समिति का मुख्य उद्देश्य हैं। ग्वालियर के समीपवर्ती क्षेत्रों से चुराई गई जैन मूर्तियों से सम्बन्धित मामले इसी समिति के प्रयत्नों से अदालत में चलाये जा रहे हैं। इस कार्य में सम्पूर्ण जैन समाज का सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में समिति के अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जी हैं।

२. अखिल विश्व जैन मिशन (अलीगंज), लश्कर—अखिल विश्व जैन मिशन की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लश्कर में है। प्रधान कार्यालय अलीगंज (एटा) में है। जैन साहित्य और जैन सिद्धान्तों का देश-विदेश में प्रचार व प्रसार करना इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्य हेतु मिशन शाखा की व्यवस्था निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जाती है:—अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, संयोजक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी।

३. जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी महासभा, लश्करः—इस महासभा का प्रधान कार्यालय, ३ पोर्चूगीज, चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता-१ में है और ग्वालियर शाखा सरावगी सदन, माधवगंज में है। जिसके व्यवस्थापक श्री कमला प्रसाद जी सरावगी हैं इस महासभा के द्वारा समय-समय पर सभायें व्याख्यान व गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

४. अणुव्रत समिति, लश्करः—इस समिति का प्रधान कार्यालय देहली में है। ग्वालियर शाखा का कार्यालय सरावगी सदन माधवगंज लश्कर में है। श्वेताम्बर तेरापन्थी आमनाय के २०५ वर्ष पूर्व हुए आचार्य श्री भिक्षु जी की परम्परा पर चलने वाले नवम् आचार्य श्री तुलसी जी हैं। आपने ही अणुव्रत आन्दोलन का वल दिया है। मनुष्य की नैतिक मूल्यों में आस्था बनाये रखने, आध्यात्मिक व चारित्रिक उत्थान हेतु आचार्य श्री तुलसी व उनके संघ के ६०० साधु, साध्वियां इस अणुव्रत आन्दोलन को सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रचार व प्रसार करने में लगे हुए हैं। लश्कर शाखा के अन्तर्गत समय-समय पर गोष्ठियां, प्रवचनों तथा सार्वजनिक भाषणों का आयोजन किया जाता है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर के समीपवर्तीय तीर्थ स्थल

ग्वालियर के आस पास के तीर्थ क्षेत्रों में सोनागिर, पनिहार, सिहोंनिया, और मनहरदेव हैं। सोनागिर के अलावा शेष तीर्थ क्षेत्रों की जानकारी केवल आस-पास व स्थानीय जैन समाज तक ही सीमित है। इनका संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है:—

१. श्री दि० जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर

अंगाणंगकुमारो कोड़ी मुणिवरा सहिया।
सुवण्णगिरि-सिहरे णिव्वाणगया णमो तेसिम्॥
'निर्वाणकांड'

उक्त गाथा से स्पष्ट है कि सोनागिर पर्वत से अंग और अनंगकुमार तथा ५॥ करोड़ मुनिराज मोक्ष पधारे। इस कारण दिगम्बर जैनों में यह पर्वत परम पुनीत सिद्धक्षेत्र के रूप में विख्यात है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम 'स्वर्णगिरि' या 'श्रमणगिरि' है जो सार्थक है। पुरातन काल से ही यह पहाड़ी जैन श्रमणों या मुनियों की साधना-स्थली रही, जहां कठोर तपस्या करके उन्होंने आत्मा को पवित्र किया; उन्हीं की स्मृति स्वरूप होलिका पर्व के पश्चात् चैत्र प्रतिपदा से पन्चमी तक बिविध कार्यक्रमों के साथ एक विशाल मेला यहा प्रतिवर्ष लगता है जिसमें विभिन्न नगरों के व्यक्ति सोत्साह भाग लेकर दर्शनों का लाभ उठाते हैं।

यह क्षेत्र जिला दतिया (मध्यप्रदेश) में स्थित है। दतिया से छह मील दूर और ग्वालियर से ४० मील दूर देहली-बम्बई लाइन पर सोनागिर स्टेशन है। स्टेशन से तीन मील दूर एक मनोरम पहाड़ी पर मन्दिरो की क्रमबद्ध शृंखला दृष्टिगोचर होता है। रेलयात्रियों को मन्दिरों की भव्यता और अनेकता के सहज दर्शन लुभाये बिना नहीं रहते। धवल मन्दिरो पर भुवन भास्कर की सहस्त्र-रश्मियां शिखरों को स्वर्णिम आभा प्रदान करती है। लश्कर से प्रतिदिन सोनागिर को को मोटरें जाती हैं।

पर्वत पर शिखरबद्ध ७७ नयनाभिराम जिन-मंदिर है जिनकी बन्दना को जाने के लिये पक्के मार्ग बने हुए हैं। ये विविध कालीन वास्तु और शिल्प कला के प्रतीक हैं। मन्दिरों के अन्दर वीतराग निर्ग्रन्थ पद्मासन व खड्गासन प्रतिमाऐं स्थित हैं। ये अधिकांस प्रतिमाऐं प्राचीन भी हैं, सम्भवतः १३ वीं सदी की प्रतीत होतो हैं। मन्दिर-निर्माण की विविध शैलियां भी यहाँ दर्शनीय हैं। गोलाकार तीन कटनियों से सुसज्जित पिसनहारी (चक्की) का मन्दिर, अष्ट पंखुड़ियों से युक्त मुकुलित कमल, तीन प्रदक्षिणाओं सहित मेरू एव मन्दिरों के अन्दर भौंहरें कला के अदभुत नमूने हैं। ५७ नम्बर पर मूलनायक श्री चँद्रप्रभु का विशाल मन्दिर है जिसमें १२ फुट ऊंची खड्गासन प्रतिमा है जो पहाड़ में से ही उकरी हुई है। एक शिलालेख से पता चलता है कि यह सम्वत् ३३५ की हैं। अनेक भक्तगण यहां चँवर, छत्र चढ़ाकर बहुविध मनोतियां मनाते हैं तथा दीप धूप, फल से उनकी बन्दना-अर्चना करते हैं। इस मन्दिर का जीर्णोधार मथुरा के सेठ लक्ष्मीचन्द्र जी द्वारा करवाया गया था। मन्दिर के सामने ही एक भव्य कलात्मक समोशरण-मन्दिर सुशोभित है। पास ही गगनचुम्बी मानस्तम्भ स्थित है जो अपनी मोहकता के लिये प्रसिद्ध है। श्री बाहुबलि स्वामी की दिव्य मूर्ति भी यहीं शोभा पा रही है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्थान-स्थान पर अनेक चरण-पादुकाऐं, छत्री, चबूतरे और समाधि के स्थान हैं। एक शिला में नारियल के आकार का एक कुंड बनाया गया है जिसे 'नरियल कुंड कहा जाता है। पास ही एक 'बजनी शिला' भी है जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है। यहां से चारों ओर दृष्टि डालने पर प्रकृति की अद्‌भुत छटा दिखाई देती है।

पहाड़ी से नीचे तलहटी में १८ विशालकाय जिन-मन्दिर हैं जिनमें धातु पाषाण की अति उत्तम मूर्तियां सुशोभित हैं, १५ सुव्यवस्थित धर्मशालाऐं हैं जो जैनों के विभिन्न वर्गो के आधिपत्य में हैं। किन्तु यात्रियों के ठहरने के लिये कहीं कोई प्रतिबन्ध नहीं है। कमेटी की ओर से जनता के लिये सर्व सुविधाऐं उपलब्ध हैं। श्री १०५ भट्टारक चन्द्रभूषण महाराज की गादी यहीं पर है।

पहाड़ी को चारों ओर घेरे हुए एक परिक्रमा-स्थल है जो उसकी सीमा-रेखा है। इसके चार खूंटों पर चार छत्रियां हैं जिनमें चरण चिन्ह अंकित हैं। दृश्य उस समय बड़ा सुहावना लगता है जब बच्चे, पुरुष और महिलायें भक्ति-भाव से गीत गाते हुए इस मार्ग से चलते हैं। मेले के दिनों में रात्रि में विद्युत की जगमगाहट क्षेत्र की शोभा को द्विगुणित कर देती है। सर्वत्र धार्मिक वातावरण छाया रहता है।

कमेटी की ओर से एक जैन पुरातत्व संग्रहालय भी है जिसमें अंग-भंग मूर्तियां एवं शिलालेखों का संग्रह है। 'सरस्वती-भंडार' में प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ और लगभग दो हजार छपी हुई पुस्तकें हैं जिनसे स्वाध्याय-प्रेमी लाभान्वित होते हैं। यह कमेटी की सतत जागरुकता का ही परिणाम है जो यह क्षेत्र दिनों-दिन विकासोन्मुख है।

वर्तमान में क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सेठ छदामीलाल जी फिरोजाबाद, मन्त्री बाबू मानिकचन्द जी जैन गंगवाल, एडवोकेट और कोषाध्यक्ष श्री धन्नालाल जी अग्रवाल 'धर्मवीर' ग्वालियर हैं। ये सभी अनेक वर्षों से क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील है। यदि जैनों में परस्पर प्रेम, भ्रातृभाव और सहनशीलता की भावना रही तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहेगा।

श्री अतिशयक्षेत्र मनहरदेव

लश्कर (ग्वालियर) से २५ मील दूर डबरा के निकट एक करहैया नामक ग्राम है, जहाँ से उत्तर की ओर करीब ५ मील की दूरी पर चैत्य ग्राम में यह क्षेत्र स्थित है। प्रकृति का शांत और मुग्ध वातावरण यहां सर्वत्र व्याप्त है। पर्वत की श्रृंखलाओं से टकराती हुई मंद-सुगंध समीर मार्ग की थकावट को दूर कर दर्शक के हृदय को आनंद से परिलुप्त कर देती है। यहां निर्जन वन की एक छोटी-सी पहाड़ी पर सेठ पाड़ासाह द्वारा स्थापित सं० ११८४ की भगवान श्री शान्तिनाथ की ३॥ फुट चौड़ी और १४ फुट ऊची एक खड्गासन मूर्ति हैं जो अन्यन्त भव्य और चित्ताकर्षक है। इस मूर्ति को करहैया निवासी स्वर्गीय पं० लेखराज जी ने 'वरैया विलास' में श्री ऋषभनाथ नामांकित किया है किन्तु जैन समाज में उसकी प्रसिद्धि अभी भी श्री शान्तिनाथ के नाम से है इसलिये हमने प्रचलित नाम लिख देना ही उचित समझा है। अतिशय रमणीयता के कारण ही यह मूर्ति जनता में मनको हर लेने वाले देव याने 'मनहरदेव' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त भ० चन्द्रप्रभु और श्री नेमिनाथ की दो विशाल मूर्तियां और हैं किन्तु आततायियों द्वारा उनका शिरोच्छेदन ओर हस्तविच्छेद किया जा चुका है। छोटी-छोटी अनेक मूर्तियाँ तो यहाँ खण्डहरों में बिखरी पड़ी हैं जो अतीत के गौरव को अपने अंचल में समेटे हुये हैं। सन् १९६७ में इस स्थान की १९ अन्य मूर्तियों के सिर मूर्त्ति चोरों ने कटवा दिये।

आस-पास जैनियों की बस्ती न होने के कारण यह क्षेत्र अभी तक उपेक्षित दशा में ही रहा। केवल करहैया ग्राम के थोड़े से जैन ही इस क्षेत्र की जिस तिस प्रकार रक्षा करते रहे। किन्तु कुछ समय से यहां भय और आतंक का ऐसा वातावरण छा गया कि ये लोग भी अब क्षेत्र की सुरक्षा करने में अपने आपको असमर्थ समझने लगे। फलत: इस सांगोपांग मूर्ति को

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

उन्होंने वहां से हटवाकर सोनागिर में माघ शुक्ला त्रयोदशी सं० २०२५ (३० जनवरी सन १९६९) को भट्टारक श्री चन्द्रभूषण जी की कोठी में विधिवत् स्थापित करवा दी है। इस तरह मूर्ति की सुरक्षा तो हो गई किन्तु मूलनायक प्रतिमा के अभाव में क्षेत्र वीरान हो गया।

यदि आज जैन समाज चाहे तो शेष दोनों मूर्तियों की रक्षा व्यवस्था करके क्षेत्र को कायम रख सकती है लेकिन यह बात अभी भविष्य के गर्भ में निहित है।

क्षेत्र के मन्त्री सेठ श्री नाथूराम जैन डबरा और उपमन्त्री श्री मुन्नालाल जैन करहैया हैं।

श्री दि. जैन अतिशयक्षेत्र सिहोनिया (म प्र.)

ग्वालियर से सिहोनिया क्षेत्र तक पहुँचने के लिये मुरेना मार्ग से जाना होता है। मुरेना से १९ मील दूर उत्तर की ओर यह क्षेत्र स्थित है। यह स्थल विस्तार से फैला हुआ है तथा जैन और हिन्दू संस्कृति का केन्द्र रहा है। पहिले यह नगर राजधानी था। सिंहोनिया अत्यन्त रमणीय और प्राचीन क्षेत्र है। यहां पर खड्गासन मुद्रा में श्री शान्तिनाथ तीर्थंकर की १६ फीट ऊची प्रतिमा है, जो बड़ी भव्य और चित्ताकर्षक है। इनके दोनों ओर आजू-बाजू श्री चन्द्रप्रभु की ८-८ फीट ऊंची प्रतिमाऐं विराजमान हैं जिनके दर्शन करते ही हृदय गदगद हो जाता है और वहां से हटने का मन नहीं होता। भवाताप से तप्त भव्य प्राणियों को आज भी ये प्रतिमाऐं शान्ति का सन्देश देती हुई नजर आती हैं।

मूर्ति के उद्धार की घटना भी यहां दिलचस्पी से कही जाती है। अम्बाह निवासी ब्र० गुमानीलाल जी को एक टीले सहित इस मूर्ति का स्वप्न में दर्शन हुआ। उन्होंने जगह-जगह इसका जिक्र किया, पश्चात उस स्थान पर खुदाई कराई जहाँ यह मूर्ति दिखाई पड़ी और वहीं पर उसको स्थापित कराई।

एक-दो चमत्कारिक घटना भी इस क्षेत्र के साथ जुड़ी हुई है। कहते हैं क्षेत्र का प्रथम मेला श्री मोतीराम कुंजलाल करारी वालों ने बड़ी धूमधाम से कराया जिसमें लगभग २० हजार जन समुदाय एकत्रित हुआ। उन्होंने सबको प्रीतिभोज दिया किन्तु जल की विकट समस्या सामने आई। ग्राम के निकट जो नदी बहती थी- उससे गाड़ियों में कोठियों द्वारा जल लाया गया फिर भी विलम्ब होने के कारण जनता की पूर्ति न हो सकी। बड़ी परेशानी हुई। अन्त में ब्र० गुमानी लाल जी ने मूर्ति के समक्ष जाकर प्रार्थना की 'हे प्रभु! पानी की बहुत कमी है, इस समय क्षेत्र की लाज रखना आपके हाथ है।' भक्ति से हृदय भर गया। तत्काल ही निकट की एक कुइया में स्वयमेव पानी आ गया, तब किरमिच के परोहों द्वारा जल निकालकर उपस्थित जनता को सन्तुष्ट किया। इस घटना की सर्वत्र चर्चा हुई और सब लोग आश्चर्य चकित रह गये।

वहां की ग्रामवासी जनता श्री शान्तिनाथ भगवान को चेतनाथ बाबा के नाम से पूजती है। यहां तक कि जब कोई मनुष्य अथवा पशु बीमार पड़ जाता है तो लोग बोलारी बोलते हैं जिसके फलस्वरूप उसको तत्क्षण आराम हो जाता है।

जिन सज्जनों ने जैनबद्री मूलबद्री के दर्शन किये हैं उनका कहना हैं कि यह मूर्ति श्री १००८ बाहुबलि स्वामी सरीखी है, सिर्फ ऊंचाई में कम है। इसकी प्राचीनता वहां के शिलालेख में उत्कीर्ण अस्पष्ट संवत् १४१ से प्रकट होती है। इतनी प्राचीन होने पर भी ऐसी मालूम पड़ती है मानो अभी स्थापित की गई है। क्षेत्र के चारों तरफ प्रचुर मात्रा में जैन अभ्युदय भूगर्भ में छिपा पड़ा है जिसको प्रकाश में लाने की बड़ी आवश्यकता है।

मन्दिर के चारों ओर परकोटा खिचा हुआ हैं। स्थान-स्थान पर कोठे और तिवारे बने हैं जिनमें यात्रियों को ठहरने के लिये सर्व सुविधाऐं उपलब्ध हैं। मार्ग में जाते हुए एक उतुंग मानस्तम्भ भी दृष्टिगोचर होता हैं जिसे वहाँ की आम जनता भीम लाट के नाम से पुकारती हैं। किन्तु उसमें कोई प्रतिमा नहीं। सरकार द्वारा प्रदत्त पास ही पर्याप्त भूमि लगी हैं जिसमें कास्तकारी होती हैं। सिंहोनिया कमेटी क्षेत्र की उन्नति में तत्परता से कार्य कर रही हैं।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

यहां से ३ मील दूर १० वीं शताब्दी का कछवाहा राजा कीर्तिराज का बनवाया हुआ 'ककनमठ' नामक शिव मंदिर हैं जिसकी मूर्ति कला अत्यन्त भव्य हैं। जनश्रुति है कि यह मंदिर कनकावती रानी की आज्ञा से बना था। इसमें पत्थर की बनी लटकती हुई परियां आज भी सजीव-सी दिखलाई पड़ती है। 'ककनमठ' के निकट ही राजा सूर्यपाल का निवासग्रह था। कुष्ट रोग निवारण होने पर ग्वालियर दुर्ग में 'सूर्यकुण्ड' इन्होंने ही बनवाया था जो आज भी विद्यमान है।

ग्राम के निकट नदी बहती है। पास ही हनुमान जी की मूर्ति सुशोभित है जो एक ही पत्थर से बनी हुई जाली की नक्कासी से चित्रित है। ऐसी महिमावंत मूर्ति समूचे भारत में अन्यत्र दुर्लभ है। क्षेत्र की प्रबन्ध कमेटी के निम्न पदाधिकारी हैं:—

अध्यक्ष:—श्री मोहनलाल जैन, लश्कर।

मन्त्री:—श्री महीपाल जैन 'साहुला' मुरेना।

कोषाध्यक्ष:—श्री लच्छीराम जैन।

श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बरई (पनिहार)

आगरा-बम्बई रोड पर ग्वालियर से १४ मील दूर पनिहार नामक ग्राम है। यह स्थान मुख्य सड़क से आधा मील दूर हैं। पनिहार, ग्वालियर, शिबपुरी छोटी रेलवे लाइन पर स्टेशन भी है। पनिहार से १ मील दूर बरई नामक ग्राम हैं। पनिहार और बरई के बीच एक सुन्दर मनोरम पहाडी है, जिस पर ५ विशाल खड्गासन प्राचीन जिन-बिम्ब प्रतिष्ठित हैं।

इनमें से तीन जिनबिम्ब आठ-आठ फुट ऊंचाई के हैं तथा दो मूर्तियाँ छै, छै, फुट ऊंचाई की हैं। इन मूर्तियों की स्थापना के काल का तो सही अनुमान लगा नहीं सकते, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि जिन दिनों ग्वालियर में तोमर वंशीय डोंगरसिह का राज्य था, ग्वालियर के किले के चारों ओर मूर्ति निर्माण और उत्खनन कार्य चल रहा था, सम्भवत: उसी काल में सन १४२४ (सं० १४८१) में इस पहाड़ी पर मनोज्ञ जिनबिम्बों की स्थापना की गई।

पनिहार में एक प्राचीन शिखर बद्ध जैन मन्दिर और एक भौंहरा भी है। मुख्य सड़क से पनिहार जाते समय हां रास्ते में भौंहरा मिलता है। इस भौंहरे में चदेरी की प्रसिद्ध चौबीसी के समान ही चौबीसी प्रतिष्ठित है। मूर्तिया अत्यन्त मनोज्ञ एवं रग बिरंगी है जो पद्मासन रूप में परम भव्यता लिये हुए हैं। इन २४ मूर्तियों में से दो मूर्तियां सुरक्षा की दृष्टि से प्यारेलाल जी का मन्दिर मामा का बाजार में लाकर विराजमान कर दी गई हैं। धर्म प्रेमी स्वर्गीय श्री गप्पूलाल जी वाकलीवाल ने अत्यन्त श्रद्धा के साथ इस भौंहरे का जीर्णोद्धार करवाया जो अनुकरणीय है।

बरई ग्राम में भी जैन मन्दिर है। बरई के आस-पास के जंगल प्रचुर जैन पुरातत्व से भरे पडे हैं। जगह-जगह जैन मूर्तियों के भग्नावशेष दृष्टिगोचर होते हैं। नसियाँ जी रामकुई, लश्कर में श्री शान्तिनाथ भगवान की २० फुट ऊंची खड्गासन मूर्ति को सुरक्षा की दृष्टि से बरई के जंगलों मे ही लाकर श्री बुधमल जी गगवाल ने प्रतिष्ठित कराई है।

ये जिनबिम्ब जो सैकड़ों वर्षों से सुरक्षित थे और मानवीय संस्कृति की उदारता, कला के परम प्रतीक थे, आज घोर असुरक्षा के मध्य हैं। इस क्षेत्र के आस-पास नाम मात्र और केवल गिनती के जैनी रह गये हैं। बढ़ती हुई असुरक्षा और घटते हुये जीविकोपार्जन के साधनों ने उन्हें अपनी परम पूज्य तीर्थ भूमि छोड़ना पड़ा है। इससे यह क्षेत्र मूर्ति चोरों की क्रीड़ा का केन्द्र बन गया। अगस्त सन १९६६ को मूर्ति चोर इस स्थान की दो बड़ी मूर्ति का सिर अधकटा छोड़ गये, जिससे सम्पूर्ण समाज बहुत दु:खी है और इस प्रकार दुष्कर्म करने वालों को कड़ा दण्ड दिलाने हेतु प्रयत्नशील है किन्तु शासनिक सत्ता इस ओर सुप्त है। समाज को मूर्ति-सुरक्षा हेतु निरन्तर जागरुक रहना आवश्यक है।

कपूरचन्द्र बरैया

• • •

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

भारतीय जनगणना में जैन

एक निश्चित स्थान पर रहने वाले समस्त मनुष्यों की एक निश्चित तिथि या तारीख को गिनती करना और उनकी उम्र, पेशे, आय, लिंग आदि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने को समिष्ट रूप से जनगणना कहते हैं। जनगणना से किसी देश की जन-शक्ति, जन संख्या की वृद्धि और उस वृद्धि की दर आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाती है। जनसंख्या सम्बन्धी आंकड़े, व्यवसायिक एवं औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, गृह निर्माण, मानव-कल्याण आदि योजनाओं के प्रारम्भ करने को तो आवश्यक है ही, परन्तु समाज की कुरीतियों को दूर करने, वैवाहिक आयु के निर्धारण, बाल-विवाह एवं वृद्ध-विवाह को रोकने, निर्धनता, पारिवारिक कलह, समाज की युवा पीढ़ी की समस्याओं को समझने और उनपर विचार करने के लिये भी अति आवश्यक हैं। हम कहां हैं और कितने हैं इसकी जानकारी हमें अपने समाज सुधार एवं संगठन के कार्य में भी विशेष सहायक सिद्ध होती है।

भारत में जनगणना का उल्लेखनीय प्रयास सन् १८७२ से प्रारम्भ हुआ। तब से प्रति दस वर्ष के बाद देश में जनगणना की जाती है। धार्मिक आधार पर जनगणना का प्रारम्भ सन् १९३१ में अंग्रेजी-शासन ने प्रारम्भ करवाया। इस प्रकार की सूचना को सन् १९५१ में हुई स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना में महत्व नहीं दिया गया। पंचवर्षीय योजनाओं के हेतु अन्य अनेक तरह के आंकड़ों की आवश्यकता थी इसलिये सामाजिक व आर्थिक आंकड़ों पर अधिक जोर दिया गया।

जैन, भारतीय संघ के अभिन्न अंग हैं। इस देश की मिट्टी के कण-कण में उनका इतिहास छिपा हैं। धर्म के आधार पर वे कट्टर पथी नहीं हैं। जैन धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक हैं। गुजरात, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली आदि प्रदेशों में अनेक ऐसे जैन परिवार हैं जिनमें बगैर किसी बाधा के वैष्णव-परिवारों में शादी सम्बन्ध होते हैं। वर-वधू अपने इच्छित धर्म को मानते हुए परस्पर एक दूसरे के धर्मों के प्रति आदर भाव रखते, हुए अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करते हैं। जैनियों ने अपनी धार्मिक उदारता को सामान्य जीवन से सदैव व्यक्त किया है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आंदोलन और अन्य राजनैतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में जैनों ने महत्वपूर्ण योग दिया है। जैन आज दुनियां के अनेक देशों में हैं। व्यवसाय हेतु जैन दक्षिण अफ्रिका, मारीसस, बर्मा, लंका, पाकिस्तान आदि देशों में बसे हुए हैं। उच्च शिक्षा हेतु ब्रिटेन. अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, आदि देशों में गये हुए अनेक बन्धु ऊंची नौकरियों के कारण वहीं बस गये हैं। जैन अपने धार्मिक संस्कारों के कारण अधिक जागरूक रहते हैं। साम्प्रदायिकता उनके धार्मिक विचारों का आधार नहीं होती। भारत में जैन अनेक वर्गों और उपवर्गों में बटे हुए हैं। उनमें अनेक सामाजिक कुरीतियां जैसे परदा प्रथा, दहेज प्रथा, रात्रि भोजन, अशिक्षा और स्वार्थ, भौतिकवादी वृत्तियां जैसे संग्रहण वृत्ति, परस्पर कलह, खाओ, पिओ और मौज उड़ाओ जैसे दुर्गुण भी बढ़ रहे हैं। समाज अनेक जातियों और उप-जातियों में बंट गया है।

जैन समाज अपने सामान्य श्रावक धर्म गुणों से जैसे दया भाव, प्रतिदिन मन्दिर जाना, व्रत-उपवास पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन त्याग, प्याज, लेहसन, भटे, शहद आदि के त्याग से जाना जाता है। जैनियों के उत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाये जाते हैं। जैन मुनियों

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

के विचरण एवं विहार से अन्य लोग जैन त्यागियों से परिचित होते है। परन्तु आज की व्यवस्था में सरकारी और गैर सरकारी नौकरी एक बड़ा उद्योग बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के जैन शहरी क्षेत्रों में आ रहे हैं। नौकरी पेशे ने जैनियों को विकेद्रित करके उनके धार्मिक संस्कारों को शून्य जैसा कर दिया है। हमारा युवा विद्यार्थी वर्ग, बी० ए०, एम० ए०, एम० कॉम आदि उच्च परीक्षाएं पोस कर वकील, डाक्कर, इन्जीनियर, प्रोफेसर बन रहे हैं परन्तु अनेकान्त, स्वादवाद जैसे जैन धर्म के सर्व व्यापी सिद्धान्तों को भी नहीं जानते। उनकी स्थिति ऐसी ही हैं कि जी रहे हैं केवल अपने लिये।

जैन समाज में अधिकांश लोग गरीब है, वे मध्यम वर्ग के हैं, ओर उनकी अपनी अर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक समस्याऐं हे जिस ओर समाज के नेता कभी विचार भी नहीं करने पाते। कुछ परिवारों की समृद्धि ने सम्पूर्ण समाज को दूसरे वर्गो की दृष्टि में समृद्ध बना दिया है। ऐसे मध्यवर्गीय परिवारों की स्थिति बड़ी संकट में है। सामान्य समाज तो समझता है कि जैनी धनवान होते हैं इसलिये उन्हें मदद का प्रश्न नहीं उठता और दूसरी ओर जिन चन्द श्रीमानों के कारण उन्हें ऐसा समझा जाता है. वे उनकी उल्लेखनीय मदद भी नहीं करते। मैसूर, महाराष्ट्र और तामिलनाडु में जैन बहुत गरीब हैं। मैसूर में तो कई जिलों में वे पिछड़ी हुई जातियों की सूची में हैं।

जैन समाज में स्त्रियों की दशा अधिक अच्छी नहीं कही जा सकती है। कुछ पढ़ी लिखी महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं का सामान्य-ज्ञान बहुत सीमित होता है। समाज में आज भी परदा-प्रथा का चलन है। दहेज प्रथा ने तो महिलाओं की स्थिति को और भी दयनीय कर दिया है। हमारे अधिकांश पढ़े-लिखे नवयुवक और उनके माँ बाप शादी के मामलों में अत्यन्त लालची दिखलाई दे रहे हैं। दहेज प्रथा अस्वस्थ, असहिष्णु एवम् अमानवीय समाज का प्रतीक है। यह सभी को ज्ञात है कि जैन धर्म महिलाओं की धर्मनिष्ठा और श्रद्धा पर ही टिका हुआ है। महिलाओं को शिक्षित करना जहां पहली समस्या है वहां उन्हें धर्म निष्ट रखना दूसरी समस्या कही जा सकती है।

सन् १९६९ में लगाये गये अनुमान के अनुसार देश की जन संख्या ५० करोड़ से ऊपर है सन् १९६१ की जनगणना के अनुसार देश की जन संख्या ४३ करोड़ ९२ लाख थी इस जनगणना के अनुसार देश के प्रमुख देश के छः धर्मों के पालन कर्ता की जनसंख्या इस प्रकार थी:—

१. जैन	२० लाख
२. हिन्दू	३६ करोड़ ६५ लाख
३. मुसलमान	४ करोड़ ६५ लाख
४. ईसाई	१ करोड़ ७ लाख
५ सिख	७८ लाख
६. बौद्ध	३२ लाख

उर्पयुक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जैन बहुत अल्प संख्या में हैं और सच्चे अर्थों में वे अल्प संख्यक हैं। मुसलमान इस देश का दूसरे नम्बर का बहु संख्यक वर्ग है परन्तु यह अत्यन्त दुर्भाग्य है कि उसमें अल्प संख्यक वर्ग माना जाता है।

सन् १९६१ की जनगणना में हिन्दुओं को छोड़-कर शेष सभी धर्मावलम्बियों की संख्या में वृद्धि हुई है हिन्दुओं की संख्या के घटने का कारण महाराष्ट्र में हरिजनों द्वारा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म का अंगीकार किया जाना है। मुसलमानों की जन संख्या में वृद्धि का कारण पाकिस्तानियों द्वारा आसाम में की घुसपैठ व परिवार नियोजन की अवहेलना है।

१९६१ की जनगणना के अनुसार भारतीय संघ के विभिन्न प्रदेशों में जैनियों की संख्या इस प्रकार थी:—

१. आंध्र प्रदेश	९,०१२
२. आसाम	९,४६८
३. विहार	१७,५९८
४. गुजरात	४,०९,७५४
५. मध्यप्रदेश	२,४७,९२७
६. मद्रास	२८,३५०

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

७.	केरल	२,६६७
८.	महाराष्ट्र	४,८५,६७२
९.	मैसूर	१,७४,३६६
१०.	उड़ीसा	२,२६५
११.	पंजाब+हरियाणा	४६,७५४
१२.	राजस्थान	४,०६,४१७
१३.	पश्चिमी बंगाल	१,२२,१०८
१४.	उत्तर प्रदेश	१,५५,५१५
१५.	जम्मू और काश्मीर	१,४२७
१६.	नागालैण्ड	२६३

केन्द्र प्रशासित क्षेत्र

देहली	२६,२६६
मणिपुर	२६,६४०
गोवा-डमन-ड्यू	६८
हिमाचल प्रदेश	६५
अंडमान निकोबार	३

ग्वालियर में जैनियों की संख्या

सन १९६१ की जनगणना अनुसार ग्वालियर जिले की गिर्द पिछोर और भांडेर तहसीलों में कुल जनसंख्या ९॥ लाख है जिसमें कुल जैन ६,४७५ हैं जिनमें ३,४०६ पुरुष और ३,०६९ महिलायें हैं। कुल संख्या में से ५,५१२ शहरी क्षेत्र में और शेष ९६३ ग्रामीण क्षेत्रों में बसते हैं। जैन कुल संख्या के केवल ·७३% हैं जब कि जिले में अन्य धर्मावलम्बियों में ९२.३२%हिन्दू ७.५८% मुस्लिम हैं।

सन् १९६९ में श्री वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा लश्कर, ग्वालियर और मुरार की गई जैन जनगणनानुसार जैनियों की संस्था केवल वृहत्तर ग्वालियर में ही ७५७६ है।

देश में आगामी जनगणना सन् १९७१ में होना है। प्रत्येक बन्धु को सचेत होकर अपने वर्ग, सरनेम आदि स्थान पर 'जैन' ही लिखवाना चाहिये तथा कर्मचारियों को पूर्ण और स्पष्ट जानकारी देना चाहिये। इस तरह दिगम्बर, श्वेताम्बर तेरापंथी, बीसपथी, स्थानक वासी, समैया, खंडेलवाल जैसवाल, वरैया, परवार, गोलापूर्व अग्रवाल आदि के स्थान पर 'जैन' शब्द को ही जनगणना पत्रक में भरवाना चाहिए। ऐसा करने का उद्देश्य किसी भी तरह की संकुचित भावना के उद्देश्य नहीं बल्कि सही संख्या ज्ञात हो सकने के उद्देश्य से किया जाना चाहिये।

जैनियों की जनगणना के सम्बंध में अखिल भारतीय दि० जैन शास्त्री परिषद के मंत्री श्री बाबूलाल जैन जमादार, १३९८ हाथी खाना, वड़ौत (मेरठ) पिछले ५ वर्षों से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत में जैन धर्मावलम्बी कम से कम एक करोड़ हैं। उन्होंने ५० लाख तक की गणना कर ली है उनके इस कार्य में योग देने के लिए भी जनगणना के समय प्रत्येक बन्धु को सजग रहना चाहिए।

समाज के नवयुवक को रुचि पूर्वक नगरीय और जिला स्तर पर अपनी जनगणना करना चाहिए। इस संबंध में नगरीय स्तर पर इन्दौर जैन-जन संस्था पुस्तिका तथा दिल्ली जैन डायरेक्टरी में किया गया कार्य प्रशंसनीय है।

प्रो० एन० एल० जैन
आनन्द-भवन
फालके का बाजार, लश्कर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दशलक्षण पर्व के दिनों में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जैनों को दी गई सुविधा

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिगम्बर व श्वेताबर जैन सरकारी कर्मचारियों को धर्म पालन हेतु दी जाने वाली सुविधाएं:—

अनेक जैन बन्धुओं को दशलक्षण पर्व में दर्शन, पूजन, व्रत-उपवास, धर्म-ध्यान, शास्त्र-पठन एवं श्रवण में अनेक कठिनाइयाँ होती हैं। परन्तु वे इस विषय में जानकारी प्राप्न करने का प्रयत्न ही नहीं करते हैं कि उस सम्बन्ध में उन्हें कुछ अनुकूल सुविधाऐं उपलब्ध हैं। इनमें सबसे महत्व पूर्ण सुविधा यह है कि श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारी दशलक्षण पर्व के दिनों में प्रतिवर्ष भादों वदी १२ से भादों सुदी ५ तक और दिगम्बर जैन सरकारी कर्मचारी भादों सुदी ५ से भादों सुदी १५ तक अपने कार्यालयों में १२ बजे तक पहुंच सकते हैं। इस सुविधा का उपयोग सभी सरकारी कर्मचारियों डाक्टर, प्रोफेसर, जज, लेक्चरार, शिक्षक, क्लर्क सभी बंधुओं को धर्म लाभ हेतु करना चाहिये। यह परिपत्र आज भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है जिसकी पुष्टि मध्य-प्रदेश सरकार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपने मेमोरेंडम नं० ५४०८—६६४९—१ (३) Dated the 27th Aug. 1967 में की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के मेमो० नं० 3425—*973*/I (IV)14-8-63 के पत्र की मूल रूप इस प्रकार है:-

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH,

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT,

Memo No. 3425-973-I (IV) Dated, Bhopal the 23rd Srvn 1885 14th August 1963.

To

All Departments of Government,
The President Board of Revenue M. P. Gwalior,
All Commissioners of Divisions,
All Heads of Departments, and
All Collectors of Madhya Pradesh.

Subject:—Grant of concession to Jain employees under Govt. to attend office late in the month of Bhadra Pad every year for the religious observances.

In partial modification of General Administration Deptt's Momo. No. 5408-6694-I (III) dated 27th Aug., 1957, read with further clarification issued vide G. A. D. Memo No. 1306-1428 I (IV) '62, dated the 12th March '63' Government are pleased to grant permission as given below to officials by 12 Noon in the month of Bhadra Pad every year to enable them to perform certain religious observances:—

A	Shwetambar Jains	Bhadra Badi 12 to Bhadra Suda 5
B	Digambar Jains	Bhadra Suda 5 to Bhadra Suda 15

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

This concession however bc sujbect to the conditions that state of work permits and the officials undertake to keep the work to date.

By order and in the name of the
Governor of Madhya Pradesh,
Sd/- S. N. Rao.
Under Secretary to Government,
Madhya Pradesh,
General Administration Department.

केंद्रीय सरकार द्वारा सरकारी जैन कर्मचारियों को सर्दी के दिनों में सूर्यास्त के पूर्व भोजन करने हेतु दी जाने वाली सुविधाएँ

इस सुविधा के अनुसार जैन कर्मचारी ठंड के दिनों में नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी के महिनों में जब दिन छोटे होते हैं और सूर्य प्रकाश दफ्तर से घर पहुँचते-पहुंचते समाप्त होने लगता है तो दिन में ही भोजन करने वाले कर्मचारियों को बड़ी असुविधा होती है। इसलिये जैनियों को इन दिनों में दफ्तरों से आधा घटा पहिले आने की सुविधा है। अत: सर्विस कर रहे जैन व्यक्तियों को चाहिये कि उनका लाभ उठाकर धर्म सेवन करें।

CONCESSION IN TIME FOR JAIN COMMUNITY

"The Govt. of India, Ministry of Home Affairs have decided that members belonging to the Jain community, may, on their request, be allowed to leave office half an hour earlier than the usual closing time during the months of November, December and January in order to enable them to reach home in time to take their meds before sanset subject to the condition that they come to office half an hour earlier in the morning"

(Government of India, Ministry of Home Affairs, office memorandum No. 65-10/47- Public (B), dated the 9th December 1947 received under Auditor General's endorsement No. 58-NGE/480-47 dated the 10th January 1948)

(Paragraph—2 under Note—"Manual of office Procedure'—A. G. M. P. Gwalior) 1961.

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

सम्प्रदाय वार सूची

खण्डेलवाल जैन समाज, लश्कर

निर्देशिका क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
कम्पू रोड लश्कर:—		
१६	श्री राजेन्द्रकुमार	२
माधवगंज:—		
२१	श्री महेशचन्द	३
२३	श्री मूलचन्द	७
७३	श्री रतनचन्द	७
७७	श्री सुगनचन्द	१२
७८	श्री लखमीचन्द	२
७९	श्री हुकमचन्द	१०
८०	श्री कौशलचन्द	८
८१	श्री पूनमचन्द	५
८२	श्री नानूलाल	७
८३	श्री धन्नालाल	३
९२	श्री प्यारेलाल	८
९३	श्री फूलचन्द	२२
९७	श्री चिन्टूलाल	९
९८	श्री पन्नालाल	८
९९	श्री बाबूलाल	३
१०८	श्री मिलापचन्द	१०
४६९	,, पन्नालाल	५
चिटनोश की गोठ:—		
१३१	श्री मिलापचन्द	१०
१३२	श्री गुलाबचन्द	१
जनकगंज:—		
१५९	श्री रमेशचन्द	२
१८८	श्री धूरचन्द	११
१९५	श्री यादवचंद	२
२००	श्री मथुरादास	४

क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
दानाओली:—		
२०४	श्री गुलाबचन्द	८
२०५	श्री कस्तूरचन्द	२
२०६	श्री मोतीलाल	६
२०७	श्री महेन्द्रकुमार	१२
२०८	श्री नारायणदास	१०
२१२	श्री देवेन्द्रकुमार	२
२१३	,, चेतनमल	२
२१४	श्रीमती कोकाबाई	१
२१९	,, शिखरचन्द	४
२२०	,, तेजनारायण	६
२२२	,, मनोहरलाल	४
२२६	,, फूलचन्द	२
२२७	,. कन्हैयालाल	६
२३१	श्री मोतीलाल	११
२३२	,, बाबूलाल	९
२३४	,, गोपीलाल	९
२३५	श्री मानकचन्द	५
२३६	श्री मोतीलाल	३
२४२	श्री सन्तलाल	१४
२४८	श्री बसन्तलाल	९
२५०	श्री चाँदमल	४
२५१	श्री मानिकचन्द	८
२५२	श्री पूरनचन्द	५
२५३	श्री सुमेरचन्द	७
	श्री हस्तीमल	३
	,, चाँदमल	३
	,, कमलचन्द	२
२५८	श्री ज्ञानचन्द	७

क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
२५९	श्री त्रिलोकचन्द	२०
२६०	श्री सुरेन्द्रकुमार	६
२६१	श्री मोतीलाल	२
२६३	श्री मोतीलाल	३
२६६	श्री गोपीचन्द	७
२६७	श्री विमलकुमार	१०
२६८	श्री सागरचन्द	२८
२६९	श्री मानिकचन्द	१०
२७५	,, उत्तमचन्द	६
२७८	श्री हीरालाल	९
२७९	,, चन्द्रमोहन	२
२८०	श्री कपूरचन्द	१०
२८१	श्रीमती रज्जोबाई	१
२८४	श्री शीतल प्रसाद	५
२८५	,, नेमीचन्द	९
२८६	,, गुलाबचन्द	२
२९०	, मानकचन्द	४
२९२	,, कस्तूरचन्द	५
२९३	,. लखमीचन्द	१
२९४	,, सौभाग्यमल	१७
२९५	,, केशरीमल	९
२९७	,, सुगनचन्द	११
३०४	., प्रकाशचन्द	६
३०७	,, सोभागमल	५
३०८	प्रो. लालचन्द	९
३०९	श्री फूलचन्द	६
३१०	,, चिरोंजीलाल	६
३११	,, मोतीलाल	५
३१२	,, सौभाग्यमल	६

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

३२१	,, सुरेन्द्रकुमार	७
३२२	,, रामूलाल	१
३४०	,, भँवरलाल	२
३४१	,, चौथमल	४
३४२	,, चिरंजीलाल	१०
३४३	,, शान्तीचन्द्र	३
३५६	,, पारसमल	४
३६१	,, ज्ञानचन्द	३
३६२	,, कल्याणमल	१०

गस्त का ताजिया:—

३६७	श्री मिश्रीलाल	३
३६८	,, सूरजमल	५
३६९	,, शान्तीचन्द	५
३७१	,, भानुकुमार	३
३७५	,, कपूरचन्द	५
३७६	श्रीमती चिरोंजीबाई	१
३७७	श्री उत्तमचन्द	१
३८८	,, सौभाग्यमल	६
३८९	,, कपूरचन्द	३

डीडवानाओली:—

३९१	श्री बिमलचन्द	१८
३९४	,, मोतीलाल	२
३९५	,, जयकुमार	६
४०४	,, रूपचन्द	१०

कसेराओली:—

४०७	श्री फतेहचन्द	९
४०८	,, प्रकाशचन्द	३
४०९	श्रीमती कस्तू िबाई	१
४१०	श्री क्रान्तीचन्द	९
४११	प्रो० शान्तीचन्द	१०
४१८	श्री कन्हैयालाल	४
४१९	,, इन्दरचन्द	७
४२०	,, फूलचन्द	१
४२१	श्रीमती अंगूरीदेवी	३
४२३	श्रीमती केशरबाई	१
४२४	श्री दीपचन्द	९
४२५	,, अमोलकचन्द	८
४२६	,, कन्हैयालाल	२
४२७	,, मदनलाल	२
४२८	,, भीषमचन्द	४

मनीराम का बाड़ा:—

४३२	,, मदनलाल	२
४३३	,, कैलाशचन्द	९
४३४	,, उम्मेदीलाल	२८
४३५	,, चिरोंजीलाल	५
४३६	,, गेंदालाल	१
४४५	,, माँगीलाल	६
४४६	,, गनेशीलाल	१

सराफा बाजार:—

४६६	,, मानकचन्द	४
४७०	,, पवनकुमार	७
४७१	श्रीमती गुलाबदेवी	१
४७७	,, विमलचन्द वैद्य	९
७११	,, भंवरलाल	३
७१२	,, रिखवचन्द्र	७
७१५	,, तेजकुमार	९
७१६	,, सोभागमल	६
४७८	,, प्रकाशचन्द	१५
४७९	श्री मानिकचन्द	११
४८०	,, निरन्जनलाल	७
४८१	,, गुलाबचन्द	९
४८२	श्रीमती सरस्वतीबाई	१
४८३	श्री सूरजमल	१
४८५	,, भजनलाल	२
४९२	,, गुलाबचन्द	६

नई सड़क:—

५०३	श्री बुद्धमल गंगवाल	१२
५०४	,, सरदारमल	६
५०५	,, गुलाबचन्द	१
	श्रीमती मोहरी	१
५११	,, अशोककुमार	१

दौलतगंज:—

५२१	श्री राजेन्द्रकुमार	७
५२२	श्रीमती तीजाबाई	१
५२३	श्री धर्मचन्द	१९
	श्रीमती गुलाबचन्द	१
५२४	श्री ताराचन्द	५
५२५	,, मुन्नालाल	७
५२६	,, राजमल	१२
५२७	,, मदनलाल	६
५३२	,, मांगीलाल	९
५३३	,, बाबूलाल	७
५३४	,, फूलचन्द	१०
५३५	,, बाछूलाल	५
५३६	,, बाबूलाल	९
७२२	,, सन्तोषकुमार	७
५३९	,, मदनलाल	४

नया बाजार:—

५४८	,, हुकमचन्द	८
५४९	,, रूपचन्द	७
५५०	,, गोपालदास	४
५५४	,, हुकमचन्द	३
५७१	,, उत्तमचन्द	७

शिन्दे की छावनी:—

६६९	,, जगदीश	१
६७०	,, सुमतकुमार	७
६७१	,, प्रकाशचन्द	८
६७२	,, देवेन्द्रकुमार	६
६७३	,, कमलचन्द	५
६७४	,, सुरेन्द्रकुमार	९

ग्वालियर:—

७९२	,, राजेन्द्रकुमार	७

मुरार:—

८५५	,, केशरीमल	१७
९३६	,, गनेशीलाल	१८

***

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बरैया जैन समाज, लश्कर

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

१	श्री	बद्रीप्रसाद	५
२	,,	बद्रीप्रसाद	१०
३	,,	चुन्नीलाल	४
४	,,	गुलाबचन्द	८

कम्पू रोड़

१३	,,	प्रभूदयाल	३

सिकन्दर कम्पू

१८	,,	सांवलदास	७
१९	,,	प्यारेलाल	१
२०	,,	चोखेलाल	४

हेमसिंह की परेड़

२४	,,	देवीलाल	६
२५	,,	बाबूलाल	१०
२६	,,	राजनलाल	७
२७	,,	बाबूलाल	६
२८	,,	शोभाराम	७

मामा का बाजार

३०	,,	हरविलास	४
३१		किसनस्वरूप	५
३२	,,	दीनदयाल	८
३३	,,	सन्तोषीलाल	७
३४	,,	रमेशचन्द	२
३५	,,	राधेश्याम	४
३६	,,	भगवानलाल	६
३७	,,	दर्शनलाल	६
३८	,,	नेकसीराम	१
३९	,,	भानुकुमार	६
४०	,,	रत्तोलाल	५
४१	,,	ज्ञानचन्द	३
४२	श्री	गयाप्रसाद	५
४३	,,	गगाराम	११
४४	,,	परमानन्द	२
४५	,,	रामसनेहीलाल	४
४६	,,	रामकिशन	६
४७	,,	मन्नालाल	७
४८	,,	अमरचन्द	७
४९	,,	रामचरणलाल	७
५०	,,	स्वरूपचन्द	१०
५१	,,	हरविलास	५
५२	,,	चेतराम	२०
५४	,,	देवचन्द	१२
५५	,,	मदनलाल	४
५६	,,	बालचन्द	५
५७	,,	पतराम	१२
५८	,,	देवीलाल	६
५९	,,	असरफीलाल	५
६०	,,	रामस्वरूप	३
६१	,,	बाबूलाल	७
६२	,,	बाबूलाल	३
६२	,,	देवचन्द	१४
६३	,,	लालचन्द	५
६४	,,	मट्टूलाल	२
६५	,,	मुन्नालाल	४
६६	,,	प्रेमकुमार	३

माधवगंज

६८	,,	शीतलप्रसाद	६
७४	,,	मोहनलाल	४
७५	,,	भगवतीप्रसाद	६
७६	,,	बाबूलाल	२
८४	,,	उत्तमचन्द	३
८५	,,	मांगीलाल	७
८६	,,	केदारनाथ	९
९०	,,	इन्द्रसेन	२
९१	,,	बाबूलाल	९
९४	,,	मक्खनलाल	६
९५	,,	छोटेलाल	४
१००	श्रीमती	रज्जोबाई	२
१०१	श्री	बलराम	७
१०९	,,	नत्थूलाल	२
११०	,,	फूलचन्द	७
१११	,,	बाबूलाल	११
११२	,,	झम्मनलाल	४
११५	,,	सम्पतलाल	७
११६	,,	बदामीलाल	६

कमाठीपुरा माधवगंज

११८	,,	कपूरचन्द	२
१२१	,,	कमलचन्द	२
१२२	,,	धर्मचन्द	५
१२३	,,	शंकरलाल	७
१२४	,,	द्वारकाप्रसाद	६

बापू डन्डी की गोठ

१२५	,,	उत्तमचन्द	३
१२६	,,	जगन्नाथप्रसाद	७
१२७	,,	पन्नालाल	७
१२८	,,	छोटेलाल	८
१२९	,,	रघुनाथप्रसाद	१

चिटनीश गोठ

१३६	,,	मूलचन्द	६
१३७	,,	फतेहचन्द	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बालाबाई का बाजार

१४३ ,, चिरोंजीलाल २
१४४ ,, भीकाराम ७
१४६ ,, चिरोंजीलाल ६
१५४ ,, पंचमलाल १

खासगी बाजार

१६० ,, सुनहरीलाल ९
१६१ ,, भगवानलाल ३

डोलीबुआ का पुल

१६४ ,, बाबूलाल ८
१६६ ,, फूलचन्द ५

छत्री बाजार

१६७ ,, रामदयाल १
१६८ ,, नेमीचन्द २
१६९ ,, नेमीचन्द ७
१७० ,, मुरारीलाल ४
१७१ ,, पदमचन्द ३
१७३ ,, महावीरप्रसाद ४
१८१ ,, चोखेलाल ५

जनकगंज

१८३ ,, चिरोंजीलाल ३
१८४ ,, चन्द्रसेन १६
१८५ ,, रतनलाल २
१८७ ,, रतनलाल १
श्री मांगीलाल २
,, भोगीराम ८
,, चिन्टूराम १
,, शान्तीलाल ५
,, बालचन्द ३

भाऊ का बाजार

१९६ ,, सुरेन्द्रकुमार ७
१९७ ,, श्रीमती सोनाबाई ३
१९८ ,, श्री गुलाबचन्द १
१९९ ,, गट्टूलाल ७

दानाओली

२१० ,, ताराचन्द १०
२४१ ,, फूलचन्द ५
२६५ ,, पूरनचन्द ६
२७० ,, गोपीलाल ३
२८२ ,, नेमीचन्द ७
२९६ ,, नेमीचन्द ८
३०० ,, रामदयाल ६
३०१ ,, अमरचन्द ७
३०२ श्रीमती सरस्वतीबाई १
३०३ श्री नत्थीलाल ५
३१३ ,, महावीरप्रसाद ३
३१४ ,, नेमीचन्द ४
३१५ ,, रमेशचन्द ८
३१७ ,, मुन्नालाल ११
३१८ ,, वसन्तकुमार २
३१९ ,, पूरनचन्द ७
३२० ,, रामजीत ७
३३० ,, सुगनचन्द ५
३३७ ,, किशनलाल ८
३३८ ,, जोहरीलाल ५
३४४ ,, हजारीलाल १
३४५ ,, मोहनलाल ५
३४७ ,, ताराचन्द १
३४८ ,, बिहारीलाल ५
३५५ ,, मक्खनलाल ४
३६३ ,, नाथूलाल २
३६४ ,, फूलचन्द ६
३६५ ,, मुरारीलाल ११

गस्त का ताजिया

३७३ ,, भगवानदास ६
३७४ ,, हीरालाल ८
३७८ ,, भरोसीलाल ३
३७९ ,, रामचन्द ७
३८० ,, खच्चूराम ४
३८१ ,, फूलचन्द ४
३८२ श्रीमती बेटीबाई १
३८३ श्री रामसिंह ६
३८४ ,, रतनलाल ६
३८५ ,, ख्यालीराम २
३९० ,, बाबूलाल ३
४०० ,, खच्चूराम ३
४०१ ,, फुन्दीलाल ५

कसेरा ओली

४१२ श्रीमती लीलोबाई २
४१४ श्री कपूरचन्द ५
४१५ ,, गुलाबचन्द ६
४१६ श्रीमती सुमित्रादेबी १
४२२ श्री भजनलाल १०
श्री लालाराम ४
४२९ श्री प्रेमचन्द २
४३१ ,, लालमन ५

मनीराम का बाड़ा

४३७ श्री भागीरथप्रसाद ६
४३८ श्री महेशचन्द ३
४३९ श्री सन्तोषीलाल ५
४४० श्री खेरातीलाल १
४४८ पं० खच्चूराम १
४४९ श्री चन्द्रसेन ७
४५० श्री चुक्खीमल १०
४५२ श्री मुन्नालाल ३
गुलाबचन्द ७

घोसी बाड़ा

४५४ श्री रामचरनलाल ९
४५५ श्री पूरनचन्द ३
४५६ श्री सुगनचन्द ५
४५७ श्री देवीलाल २
४५८ श्री मंगलचन्द ७

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

पारख जी का बाड़ा

४६७	श्री प्रतापचन्द	२
४६८	श्री हीरालाल	४
४६९	श्री पन्नालाल	८
७१०	श्री कासीराम	७
७१३	श्री प्रेमचन्द	१

दौलतगंज

५१७	श्री धर्मचन्द	९
५२८	श्री भरोसीलाल	७
५२९	श्री सालिगराम	३
५३७	श्री मक्खनलाल	६
५४२	श्री श्यामलाल	५
	श्री हेमराज	१०

नयाबाजार

५५६	श्री रामचरनलाल	५
५६२	श्री मक्खनलाल	१
५६५	श्री चम्पालाल	७

दाल बाजार

	,, द्वारकाप्रसाद	३
	,, गुलाबचन्द	३
	,, ताराचन्द	५

इन्दरगंज

५९७	श्री हजारीलाल	१०
५९८	श्री महाचन्द	१०
५९९	श्री बाबूलाल	१२
६००	श्री प्यारेलाल	१७
६०७	श्री रामदयाम	४
६०९	श्री ज्ञानचन्द	९
६१३	श्री सुगनचन्द	११
६१४	श्री विघीचन्द	५
६१५	श्री सुन्दरलाल	३
६१६	श्री द्वारकाप्रसाद	४

जिंसीनाला हाईकोर्ट

६२४	श्रीमती चम्पाबाई	१
६२५	श्री सूरजमल	१७
६२६	श्री बाबूलाल	१०
६२७	श्री कामताप्रसाद	६
६२८	श्री कैलाशचन्द	४
६२९	श्री रोशनलाल	४
६३०	श्री लालचन्द	३
६३१	श्री मुकन्दीलाल	३
६३२	श्री शिवकुमार	२
६३३	श्री मोहनलाल	१७

शिंदे की छावनी

६५१	श्री शंकरलाल	६
६५२	श्री केशरीमल	७
६५३	श्रीमती अंगूरीबाई	३
६५५	श्री दर्शनलाल	६
६५६	श्री बाबूलाल	६
६५७	श्रीमती जमनाबाई	१
६५८	श्री चिरोंजीलाल	१५
६५९	श्री घनसुन्दरलाल	१०
६६०	श्री नवलकिशोर	५
६६१	श्री कासीराम	९
६६२	श्री भागीरथ	६
६६३	श्री गनपतलाल	८
६६४	श्री हरलाल	७
६८९	श्री भगवानलाल	७
६९०	श्री ओमचन्द	३
	,, मुरारीलाल	६
	,, मुन्नीलाल	६
	,, बालचन्द	१
	,, प्रकासचन्द	६
	,, देवेन्द्रकुमार	६
	,, दीपचन्द	६

फालका बाजार

६९६	श्री प्रकाशचन्द	९
६९७	श्री हजारीलाल	३

माधवगंज

७१८	श्री बुद्धामल	४
७१९	श्री पंचमलाल	५
७२०	केशरीमल	५
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	१
	,, नरवदीबाई	१
	श्रीमती बिन्नोबाई	१

ग्वालियर

७८२	श्री मोतीलाल	१
७८३	श्री दुर्गाप्रसाद	१३

कृपया शासकीय जनगणना (१९७१) में अपने नाम के आगे सिर्फ "जैन" ही लिखवाईयेगा। खन्डेलवाल, जैसवाल, बरैया, अग्रवाल आदि लिखवाने से जैनों की वास्तविक जनसंख्या ज्ञात नहीं हो सकती इससे उनका प्रतिशत अन्य जातियों से बहुत ही कम निकलता है।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैसवाल जैन समाज

तिलक नगर लश्कर:—

६ श्री विजयकुमार ४
७ श्री जिनेन्द्रकुमार ८
८ श्री वीरेन्द्रकुमार ५
९ श्री रमेशचन्द ३

माधव गंज

२९ श्री चांदमल ६
६७ श्री मुन्शीलाल ७
८६ श्री लक्ष्मीनारायण ५
८७ श्री नेमीचन्द ११
१०३ श्री राजाराम ६
१०४ श्री रामचरनलाल ५
११३ श्री गुलाबचन्द ८
१३० ,, प्रेमचन्द ८
१६५ श्री सतेन्द्रनाथ ३

छत्री बाजार

१७४ श्री प्यारेलाल ११
१७५ श्री सुगनचन्द ४
१८० श्री नेमीचन्द २

जनकगंज

१८६ श्री श्रीचन्द ८

दानाओली

२१५ श्री राजकुमार ७
२१६ श्रीमती ओछीबाई १
२१७ श्री श्यामलाल १
२१८ नेमीचन्द ७
२२१ डा० बाबूलाल ६
२२८ श्री रामचरण ८
२२९ श्री मुन्नालाल ५
२३० श्री नत्थीलाल ६
२३३ ,, फूलचन्द १
२३७ श्री रामस्वरूप ४
२३९ श्री बद्रीप्रसाद ९
२४० श्री लक्ष्मणदास ६
२४५ श्री रामस्वरूप ७
२४६ श्री हुकमचन्द ११
२४९ श्री माँगीलाल ८
२५४ श्री श्रीपत १५
२५५ श्री रामदयाल ६
२५६ श्री खेमचन्द १
२५७ ,, नेमीचन्द ६
२६४ श्री स्वरूपचन्द ५
२७१ श्री लक्ष्मीनारायण ६
२७२ श्री गप्पूलाल घी वाले ११
२७३ श्री नेमीचन्द ७
२७४ श्री श्रवणलाल ५
२८३ श्री पूरनचन्द ३
२९८ श्री प्रेमचन्द ४
३०६ श्री तोताराम २
३२३ श्री मोतीलाल १०
३२४ श्री शिखरचन्द ५
३२५ श्री गिरधारीलाल ८
३२६ श्री बाबूलाल ९
३२७ श्री पंचाराम २४
३२८ श्री राजकुमार २
३३२ श्री छोटेलाल ६
३३३ श्री ज्ञानचन्द ४
३३६ श्री महेशचन्द २५
३३९ ,, सुनहरीलाल ७
३४६ ,, मंगलचन्द १०
३५० ,, पूरनचन्द ३
३५२ ,, सुरेशकुमार ६
३५३ ,, रामचरणलाल २
३५४ ,, माँगीलाल २

गस्त का ताजिया

३८६ ,, बलभद्रप्रसाद ३
४०२ ,, छोटेलाल २

मोची ओली

४०६ ,, लखमीचन्द १९

कसेरा ओली

४३० श्री कैलाशचन्द २

मनीराम का बाड़ा

४४३ ,, नत्थीलाल ६
४४४ ,, वीरेन्द्रकुमार २
४४७ ,, ज्ञानचन्द २
४५३ ,, लालचन्द ८

घोसी बाड़ा

४५९ ,, श्यामलाल ३
४६० ,, शंकरलाल ८
४६१ ,, फूलचन्द ८
४६२ ,, छोटेलाल ३
४६३ ,, मानिकलाल ४

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दौलतगंज

५१२ „ सुरेन्द्रकुमार २
५१३ „ भगवानदास ६
५१४ „ सीताराम ८
५३० „ जमनादास ६
५३१ „ दाताराम ५
५४० „ रोशनलाल १४
५४१ „ मूलचन्द ६

नया बाजार

५७४ „ पवनकुमार १
५७५ „ प्रयागनारायण १
५७६ „ महेशचन्द १
५७९ „ डा० ज्ञानप्रकास ४

इन्दर गंज

६०३ „ कन्नोमल १२
६०४ „ भागचन्द ५
६०५ „ भोगीराम ९
६०६ „ जवाहरमल ४
६१२ „ कैलासचन्द १
६२० „ दुर्गेशकुमार ५

जिन्सी नाला

६३४ „ प्रो० अमरचन्द ५

शिन्दे की छावनी

६३९ श्री ग्यासीलाल ३
६४० „ राजेन्द्रप्रसाद ३
६४१ „ गोविन्दीलाल १०
६४२ „ बाबूलाल ५
६४३ „ नरेशचन्द ६
६४४ „ बंगालीबाबू ७
६४४ „ शंकरलाल ११
६४५ „ छोटेलाल ९
६४८ „ गोपीलाल ९
६४९ „ चिरोंजीलाल ११
६५० „ पोथीराम २
६६८ „ राजाराम ५
६७५ „ करणसिंह ११
६७९ „ ग्यासीलाल ९
६८३ „ रामनाथ ५
६८४ „ रामप्रसाद ४
„ राधेलाल ७

स्टेशन रोड़

६८६ „ गनपतलाल १७
६८७ „ जवाहरलाल ९

पाटनकर बाजार

६९३ „ हरीशचन्द ६
७०१ पं० त्रिलोकचन्द ६
७०२ श्री रवीन्द्रमालव ३
७०३ „ फूलचन्द १५

जरी पटका

७०५ „ मोहनलाल १२
७०६ „ बाबूलाल ४
७०७ „ ख्यालीराम ८

कमलसिंह का बाग

७०९ डा० जवाहरलाल ११

सराफा बाजार

७१४ „ वीरेन्द्रकुमार ५
७१७ „ पारसमल अत्री ४

छत्री बाजार

६८५ „ नेमीचन्द ५

ग्वालियर

मोहल्ला खचचाराम

७२४ „ गोपीचन्द ६
७२५ „ नत्थीलाल ३
७२६ „ बलमन्तराम ४

लोहा मन्डी

७२९ „ शंकरलाल ७
७३० „ लज्जाराम १०
७३१ „ ग्यासीराम ३
७३२ „ नन्दकिशोर ४
७३३ „ जीवाराम ८
७३४ „ श्रीचन्द ११
७३५ „ प्यारेलाल १
७३६ „ नेमीचन्द ९
७३७ „ हरीशचद ८
७३८ „ मंगलचन्द ११
७३९ „ खूबचन्द ९
७४० „ झींगुरीमल १०
७४१ „ सुखलाल ७
७४२ „ नेमीचंद ६
७४३ „ हजारीलाल ३
७४४ „ आनन्दीलाल १०
७४५ „ ओछेलाल १
७४६ „ नन्दकिशोर ८
७४७ „ तुलसीराम ३
७५३ „ भजनलाल ७
७५४ „ रामचन्द्र ५
७५५ „ हीरालाल ८

कोटा वाला मोहल्ला

७५६ „ बिहारीलाल १०
७५९ „ मलहरीलाल २

गंज

७६१ „ चोखेलाल ८
७६२ „ भोगीराम ८
७६३ „ फूलचन्द ७
७६४ „ चन्दनलाल ६
७६५ „ ज्ञानचन्द ७
७६६ „ खूबचन्द ३
७६७ „ अयुध्याप्रसाद ६
७७१ „ सुरेन्द्रकुमार ४

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर

७९३ श्री किशनलाल ५
७९४ " बल्देवप्रसाद १०
७९५ " गेंदालाल १
७९६ " रामबाबू ६
७९७ " सुनहरीलाल ४
७९८ " उग्रसेन ४
८०४ " नन्हेलाल ३
८०५ " कन्चनलाल ९
८०६ " हरदयाल १४
८१६ " प्रभुदयाल ११

ठाठीपुर कालोनी मुरार

८१९ श्री जगदीशचन्द ४
८२० " चन्द्रशेखर जैन ४
८२५ " आर. एस. जैन ५
८२६ " नत्थीलाल ६

सदर बाजार:—

८२८ श्री गोकलचन्द ७
८२९ " कालीचरण ७
८३० " विहारीलाल ८
८३१ " व्रदावनलाल ७
८३२ " गुलजारीलाल ९

चिक सन्तर

८३३ श्री भीखाराम १९
८३४ " टुन्डेराम २
८३५ " ज्ञानचन्द ६
८३६ " प्रेमचन्द ३
८३७ " दाताराम ७
८३८ " वन्शीधर ७
८३९ " राजाराम ९
८४० " प्यारेलाल ९
८४१ " कन्हैयालाल ४
८४२ " मुरलीधर ८
८४३ " वालमुकुन्द १२
८४४ " सम्भूमल ८
८४५ श्री जगन्नाथप्रसाद २१
८४६ " शोभाराम ६
८४७ " सुमतचन्द ४
८४८ " बाबूलाल ७
८४९ किशोरीलाल १२
८५० " छीतरमल ३
८५१ शंकरलाल ७
८५२ " हजारीलाल ७
८५३ " खेमचन्द १०
८५४ " मुरलीधर १८

सत्यनारायण सन्तर मुरार

८५९ श्री धनीराम २३
८६० " गुन्धारीलाल १५
८६१ " मनोहरलाल ११
८६२ " मूलचन्द ६
८६३ " प्रेमचन्द ४
८६४ " गिरिशचन्द ८
८६५ " अमीरचन्द ९

गंगामाई सन्तर

८६७ श्री बाबूलाल ५
८६८ " बाबूलाल ९
८६९ " गप्पूलाल १४
८७० " भगवानदास ७
८७१ " पुरुषोत्तमदास ६
८७२ " ज्वालाप्रसाद ४
८७३ " माँगीलाल २
८७४ " विनोदकुमार ४
८७५ " धनीराम ७
८७६ " हंसराज ५
८७७ " वटनलाल १०
८७८ " दीनानाथ ८
८७९ " नरेन्द्रकुमार १०
८८० श्रीमती ग्यासोबाई १
८८१ श्री वारेलाल ८
८८२ " गनेशराम १३
८८३ " मनोहरलाल १६
८८४ श्री लालपति ९
८८५ " भजनलाल ७
८८६ " गुलाबचन्द ५
८८७ " रतनलाल ६
८८८ " गिरधारीलाल ३
८८९ " बिमलचन्द ६
८९० " श्रीलाल २०
८९१ " दीनानाथ ५
८९२ " शंकरलाल ७
८९३ " विधीचन्द ६
८९४ " सोनपाल ८
८९५ " घनश्यामदास ६
८९६ " रामकिशन ६
८९७ " गोपीचन्द ६
८९८ " दुर्गाप्रसाद ७
८९९ " किशनस्वरूप ४
९०० " टिल्ले भगवान २
९०१ " नुन्शीलाल ५
९०२ " मुन्शीलाल ९

शम्भूमल की बगीची

९०६ श्रीमती राजावेटी १
९०७ ,, अनेकाबाई १
९०८ श्री चेतराम १
९०९ ,, मुन्शीलाल ११
९१० ,, कपूरचन्द १४
९११ ,, हजारीलाल ४
९१२ ,, श्रीलाल ७
९१३ ,, दीपचन्द १
९१४ ,, ज्ञानचन्द ७
९१५ ,, खूबचन्द १२
९१६ ,, ओछेलाल ८
९१७ ,, मातादीन ११
९१८ ,, फूलचन्द २०
९१९ ,, नत्थीलाल ९
९२० ,, भजनलाल १०

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ठण्डी सड़क, मुरार

९२१ „ कैलाशचन्द १५
९२२ „ मदनलाल ४
९२३ „ गोकुलचन्द ३
९२४ „ कैलाशचन्द २
९२५ „ हरलाल ८
९२६ श्रीमती रमकोबाई २
९२९ श्री शान्तिलाल ६

घास मण्डी

९३१ „ श्यामलाल ८
९३२ „ हरीशचन्द ८
९३३ „ बालाराम ८
९३५ „ छोटेलाल ११

अनाज मन्डी

९३७ „ कालीचरण १४

सिंहपुर रोड

९३८ „ लक्ष्मीराम २६
९३९ „ कन्हैयालाल ८

बजाज खाना

९४० „ श्यामलाल १०
९४१ „ रामचरन १०
९४२ „ कैलाशचन्द २
९४३ „ महावीरप्रसाद २

कोतवाली सन्तर

९४४ „ मोतीलाल ५
९४५ „ श्यामलाल ११

नदो सन्तर

९४६ „ कुन्जलाल ७

सौदागर सन्तर

९४८ „ किशोरीलाल ८

सुदामापुरी

९४९ „ चतुरीमल ५
९५० „ विद्याराम ६

९५१ „ गणेशराम ४
९५२ „ रतनलाल ६

नया सन्तर

९५४ „ प्रेमचन्द ८
९५५ „ गेंदालाल ८

खुला सन्तर

९५६ „ मँगलचन्द ८
९५७ „ बुद्धचन्द ८

रिसाला बाजार

९५८ „ रिखवचन्द १
९५९ „ प्रागनारायण १

सत्यनारायण सन्तर

„ गिरनारीलाल ३

अग्रवाल

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

५ लक्ष्मीनारायण २

माधवगंज, लश्कर

७१ श्री भगवानदास २
७२ श्री रामस्वरूप ३
१०६ श्री चुन्नीलाल ८
१३५ श्री कन्हैयालाल १२
१३९ श्री नेमीचन्द ६
१४५ श्री महेन्द्रकुमार १०
१५० श्री सीताराम ७
१६२ श्री पूनमचन्द ५
१६३ श्री कपूरचन्द १०

जनकगंज

१९१ श्री नेमीचन्द १०
१९२ श्री रिखवचन्द ७

दानाओली

२८७ श्री कौशलकिशोर दीवान ६
२८८ डा० जे० के० दीवान ६
२८९ श्री कैलाशबाबू २
२९१ श्री नानकराम २
२९९ श्री बाबूलाल ६
३१६ श्री शान्तीलाल ४
३५७ श्री लखमीचन्द १२
३५८ श्री गोपीलाल ६
३५९ प्रो० घासीराम २
३६० श्री प्रकाशचन्द ८
३६६ श्री प्रेमचन्द ६

गस्त का ताजिया

३७० श्री जगन्नाथप्रसाद ६
३७२ श्री बिनोदकुमार ३
३८७ श्री कृष्णकुमार १

डीडवाना ओली

३९२ श्री रघुवीरदयाल ६
३९३ श्री नेमीचन्द १०
३९६ श्री कन्हैयालाल १२
३९७ श्री हुकमचन्द ८
३९८ श्री हीरालाल ८
३९९ श्री रामबाबू १२

सराफा बाजार

४७३ श्री अजुध्याप्रसाद १५
४७४ श्री शंकरलाल १२
४७६ श्री गुलाबचन्द ५
४८४ श्री रामचरनलाल २
४८६ श्री बाबूलाल १[illegible]
४८७ श्री तोताराम १३
४८८ श्री रमेशचन्द १६
४८९ श्री गुलाबचन्द १६
४९० श्री गनेशराम १६
४९१ श्री आशाराम ६

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नई सड़क

४९८ श्री श्यामलाल ७
५०० श्री आनन्दकुमार १

दौलतगंज

५१५ श्री आनन्दकुमार ५
५१६ श्री रामचन्द्र १०
५२० श्री सूरजनारायण ३
५३८ श्री गनपतलाल १३
५४३ श्री मुरारीलाल १

नया बाजार

५४४ डॉ० ओ. एस दीवान १४
५५५ श्री जिनेश्वरप्रसाद ७
५७२ श्री नरेन्द्रकुमार ३

इन्दर गंज

६१० श्री जैनेन्द्रकुमार १
६११ श्री कृष्णकुमार १
६२१ श्री शंकरलाल ७
,, मूलचन्द ओमप्रकाश ६

शिंदे की छावनी

६३८ श्री बनारसीदास ११

पाटनकर बाजार

६९१ श्री कन्हैयालाल ७
६९२ श्री ओमप्रकाश ५
६९९ श्री बाबूलाल कागला ६

नया बाजार

,, मनोहरलाल ४

लोहिया बाजार

,, गिरराजकिशोर ८
,, सीताराम सराफा ६
,, श्रीराम ,, ५
,, प्रभूमहावीरप्रसाद ६

ग्वालियर :—

चौक बाजार :—

७२७ ,, रामजीदास ४

लोहा मंडी :—

७२७ ,, अरविन्दकुमार १०
७४८ ,, मोतीलाल ८

कोटा वाला मोहल्ला

७५७ ,, फूलचन्द १८
७५८ ,, धन्नालाल ११

गंज :—

७६० ,, किशोरीलाल ८
७६८ ,, रामअवतार ७
७७० श्रीमती चिन्जोबाई १

फोर्ट रोड :—

७७१ श्री हरप्रसाद ६
७७२ ,, नोनकरन १०
७७३ ,, नोनकरण १०
७७४ ,, विधीचन्द्र ४
७७५ ,, बाबूलाल ६

चौक बाजार

७७६ ,, पन्नालाल ६
७७७ ,, नारायणदास ११
७७८ ,, सुन्दरलाल ६
७७९ ,, रामजीदास २०

पंसारी ओली :—

७८० ,, हरीशचन्द ११
७८१ ,, राजाराम १२
७८६ ,, राजाराम ८

सोड़ा का कुआ :—

७८४ ,, कैलासनाथ ८
७८७ ,, भानेराम ८
७८८ ,, सुन्दरलाल ४
७८९ ,, वासुदेव ५
७९० ,, भूपेन्द्रकुमार ३
७९९ ,, छोटेलाल १०
८०० श्री प्रेमचन्द ५
८०१ श्री हुकमचन्द ३
८०२ श्री डालचन्द ३
८०३ श्री मोतीलाल ६

छोटा बाजार :—

८०७ श्री सीताराम ६
८०८ श्री बाबूलाल ६
८०९ श्री किशनलाल २२

घास मण्डी:—

८१० श्री कन्हैयालाल ११
८११ तोताराम ४
८१२ श्री किशोरीलाल ८
८१३ श्री ग्यासीलाल ११

तामेश्वर महादेव :—

८१४ श्री रामजीदास ६
८१५ श्री दर्शनलाल १६

ठाठीपुर कॉलोनी, मुरार

८२१ श्री बी० एस० जैन ८
८२२ श्री एस० एल० गोयल ८
८२७ श्री एस० एम० गोयल ६

जैन मंदिर संतर, मुरार

८६६ श्री कैलाशचन्द २०

शम्भूमल की बगीची :—

९०५ श्री सुरेन्द्रकुमार ५

कोतवाली संतर :—

९४७ श्री रतनलाल ८
९४७ श्री मानिकचन्द ५
९५३ श्री जिनेन्द्रकुमार ८

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परवार

कम्पू रोड, लश्कर

१०	श्री सरदारमल	२
११	,, उत्तमचन्द	७
१२	,, कालुराम	७
१५	,, देवेन्द्रकुमार	४
२२	,, डा० आर० के० जैन	२

मामा का बाजार

५३	,, प्रकाशचन्द	३
६३	,, मोतीलाल	९

माधवगंज

६९	,, प्रशन्नकुमार	६
८८	,, मनोहरलाल	६
९६	,, मदनलाल	६
१०२	,, सुमतप्रसाद	७
११७	,, पन्नालाल	१४
११९	,, कल्याणदास	९
१२०	,, कन्हैयालाल	४
१४०	,, छैलबिहारीलाल	४
१४२	,, दयाचन्द	७

लाला का बाजार

१५६	,, बुद्धामल	६
२०२	,, हरेन्द्रकुमार	१

दानाओली

२११	,, जयदेव	६
२३८	,, महेन्द्रकुमार	८
२४३	,, विजयकुमार	६
२४४	,, कपूरचन्द	११
३३१	,, रामबाबू	२
३४९	कमलकुमार	११

नई सड़क

४९३	,, मूलचन्द	१२
४९६	,, पी० सी० जैन	३

नयाबाजार

५४६	,, डा० प्रकासचन्द्र	७
५४७	,, प्रेमचन्द	१२
५५१	,, मोतीलाल	१०
५५७	,, राजकुमार	२
५५९	,, लखमीचन्द	९
५५९	,, कुन्दनलाल	४
५६०	,, वीरेन्द्रकुमार	९
५६६	,, बाबूलाल	१९
५६९	,, कपूरचन्द	८
५७७	,, नरेन्द्रकुमार	१
५७८	,, चम्पालाल	१

इन्दरगंज

५९४	,, नेमीचन्द	७
५९५	,, चम्पालाल	१०
५९६	,, हुकमचन्द	८
६०१	श्री निर्मलकुमार	२
६०८	श्री गट्टूलाल	९

शिंदे की छावनी

६५४	श्री छोटेलाल	४

पाटनकर बाजार

६६४	प्रो० बाबूलाल	४
६६५	श्री सूरजमल	१

फालका बाजार

६९८	प्रो. नरेन्द्रलाल	७
७०९	डा० जवाहरलाल	११

जनकगंज

	डा० शीतलचन्द	७

लोहा मन्डी, ग्वालियर

७४९	श्री मोतीलाल	८
७५०	श्री कस्तूरचन्द	७
७५१	श्री बाबूलाल	१३
७५२	श्री देबीराम	१०

सोड़ा का कुआ :—

७८५	श्री वृजलाल	२

ठाठीपुर, मुरार:—

८२३	श्री गणेशप्रसाद	६

घासमंडी

९३०	श्री कच्छेदीलाल	१०
९३४	श्री दशरथलाल	८

गोलालारे

चिटनीश की गोठ

१७	डा० देवचन्द, कम्पूरोड़	६
१३८	श्री वृन्दाबनलाल	७

जनकगंज

१८२	श्री राजेन्द्रकुमार	५
१९०	श्री उग्रसेन	२
१९३	श्री लक्ष्मीनारायण	५
१९४	श्री शीतलचन्द	९
२०१	श्री मांगीराम	५

कसेरा ओली

४१७	श्री हंसराज	५
४४१	श्री सुगनचन्द	८
४४२	श्री बिहारीलाल	६

घोसी बाड़ा

४६४	श्री जयकुमार	५
४६५	श्री छोटेलाल	४

नई सड़क

४९५	श्री शान्तीलाल	१
४९७	श्री सुगनचन्द	५
५०१	श्री महावीरप्रसाद	२
५०६	श्री पन्नालाल	९

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नया बाजार

५६३ श्री इन्द्रसेन ७
५६४ श्री कुशलचन्द २
५६७ श्री देवेन्द्रकुमार ३
५७० श्री मानिकचन्द ७

शिन्दे की छावनी

६१८ श्री जगराम ४
६६५ श्री मुरारीलाल ६
६६६ श्री मुन्नीलाल ६

दाल बाजार :—

श्री ज्ञानचन्द ६
श्री सुगनचन्द १०
श्री नेमीचन्द ५

ठाठीपुर कालोनी, मुरार

८२४ श्री पी० सी० जैन ३

चिक संतर, मुरार:—

८५६ श्री मुन्नालाल ७
८५७ श्रीमती लाड़ोबाई २

गंगामाई संतर

६०३ श्री ज्ञानचन्द ८
६२७ श्री भागचन्द ८

पल्लीवाल

१७६ श्री दुर्गाप्रसाद, छत्रीबाजार १
४०५ ,, प्रेमचन्द, मोचीओली ७
४१३ ,, छोटेलाल, कसेराओली ६
४७२ ,, परसराम, सराफा ५

लोहिया बाजार

५८१ ,, देवीराम १३
५८२ ,, वंशीधर ५
५८३ ,, दामोदरदास ६

५८४ ,, मिश्रीलाल ११
५८५ ,, कन्हैयालाल १२
५८६ ,, गंगाराम ५
५८७ ,, लालाराम ६
५८८ ,, कुशलचन्द ६
५८९ ,, भरोसीलाल ५
५९० ,, हरीबाबू ३
५९१ ,, राजकुमार ६
५९२ ,, रतनलाल १६
५९३ ,, बाबूलाल ८
१४५ प्रो० घनश्यामदास १०

शिंदे की छावनी

६७६ श्री यतीन्द्रकुमार ५

मुरार

८५८ श्री मोतीलाल १०
६०४ श्री हरगोविन्द ६

खरौआ

माधवगंज :—

७० श्री छुन्नालाल २०
१४१ ,, केशरीचन्द २
१४७ ,, मुन्नालाल ७
१४८ ,, बाबूलाल ८
१४९ ,, मिजाजीलाल २
१५१ ,, महेन्द्रकुमार ६
१५२ ,, बाबूलाल ८
१५३ ,, बिनोदकुमार ६
१५५ ,, भानुकुमार ७

दानाओली :—

२४७ ,, जयचन्द ११
४५१ ,, फुलजारीलाल ८
५०७ ,, गुलजारीलाल ८
५०८ ,, सतीशचन्द ३

नया बाजार

५५३ श्री निर्मल कुमार ६
५८० " राम स्वरूप २५
६२३ " नरेन्द्र कुमार ४

शिन्दे की छावनी

६६७ श्री गुलाब चन्द ७
६८८ " रामसहायनाकाचन्द्रवदनी ४

श्री कृष्ण धर्मशाला

श्री जवाहरलाल ७
" पन्नालाल ३

लम्हेचू

दानाओली लश्कर:—

२०३ श्री जिनेश्वर दास ३
" प्रकाश चन्द ६
२७६ " राधा मोहन ३
५०६ " मन्नीलाल १०

नया बाजार

५४५ श्री झम्मन लाल ६
६७३ " प्रेमचन्द ८
श्री नरेन्द्र किशोर ३
" बुद्धसेन ६
" वीरेन्द्र कुमार ३

शिन्दे की छावनी

६३६ श्री गुलाब चन्द ७
६३७ " बाबूलाल ११
६७७ " कपूर चन्द ६
६८० " गोरेलाल ७
६८१ " श्रीचन्द ७
६८२ " स्वदेशीलाल ६

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

७०० " मनीराम ५
" फूलचन्द, चावड़ी बाजार ३
" मुन्नालाल, कटीघाटी ५

गोल सिंघारे

छत्री बाजार लश्कर:—

१७२ श्री बाबूलाल ५
१७६ " बाँकेलाल ६
१७७ " हजारी लाल ३
१७९ " नारायण प्रसाद २

दाना ओली

२२३ " चन्द्र सेन ५
२६२ " जलधारी ४
३२९ " सुगनचन्द ६

नई सड़क

४६४ श्री छदामी लाल ५
५१० " बाबूलाल ८

इंदर गंज

६१६ श्री भिखारीलाल २७
६१७ " प्रकाश चन्द ८

फालका बाजार

७०४ श्री बुद्धिसेन १०
७०८ श्री फुन्दीलाल १२

पद्मावती परवाल

१४ श्री काशमीरी लाल, कम्पू ५

माधव गंज

१०७ " श्यामलाल ३
११४ " चम्पालाल १३
१३३ " हरविलास ५
१३४ " किशन स्वरूप ४

दानाओली

२२४ " श्रीमती राशमणि बाई १
२२५ श्री महेश कुमार ४
४९९ " निर्मल कुमार ४
५१८ " दया प्रकाश, दौलतगंज ३
५१९ " सत्यप्रकाश " ४

नया बाजार

५५२ " मोतीलाल १३
५६१ " सोमबाबू ३
६३५ " रोशनलाल ७

शिन्दे की छावनी

६४६ " बीरेन्द्र कुमार ६
६४७ " प्रकाश चन्द ५

बुढ़ेलवाल

दानाओली लश्कर

३३५ श्री पारस दास ३

५०२ " मुरारीलाल ११

हूमड़

२७७ श्री उग्रसेन दानाओली ४
३०५ " विमलचन्द " ४

बघेरवाल

इन्दर गंज, लश्कर

६२२ श्री गुलाब चन्द ६

गोलापूरब

इन्दर गंज, लश्कर

६०२ श्री नन्दन चन्देलिया ५

गंगेलवाल

३३४ श्री सुरेश बाबू दानाओली ३

श्रीमाल

सराफा बाजार, लश्कर

४७५ श्री चिरोंजी लाल ५

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

एक दृष्टि में:--

नगर की दिगम्बर जैन समाज

नं०	सम्प्रदाय	लश्कर परिवार	लश्कर जन संख्या	ग्वालियर परिवार	ग्वालियर जन संख्या	मुरार परिवार	मुरार जन संख्या	कुल योग परिवार	कुल योग जनसंख्या
१	जैसवाल	१२०	७६५	४५	२९०	१२२	९३१	२८७	१९८६
२	बरैया	२४२	१३३४	२	१४	—	—	२४४	१३४८
३	खण्डेलवाल	१७१	१०७३	१	७	२	३५	१७४	१११५
४	अग्रवाल	६५	४९३	३९	३४०	८	६८	११२	९०१
५	परवाल	४८	३१६	५	४०	३	२४	५६	३८०
६	गोलालारे	२६	१४०	—	—	५	२८	३१	१६८
७	पल्लीवाल	१९	१४८	—	—	२	१९	२१	१६७
८	खरौआ	२१	१५७	—	—	—	—	२१	१५७
९	लम्हेंचू	१८	११४	—	—	—	—	१८	११४
१०	गोलसिंघारे	१३	१०२	—	—	—	—	१३	१०२
११	पद्मावती परवाल	१५	८०	—	—	—	—	१५	८०
१२	बुढ़ेलवाल	२	१४	—	—	—	—	२	१४
१३	डमड़	२	८	—	—	—	—	२	८
१४	बघेरवाल	१	६	—	—	—	—	१	६
१५	गोलापूरव	१	५	—	—	—	—	१	५
१६	श्रीमाल	१	५	—	—	—	—	१	५
१७	गंगेलवाल	१	३	—	—	—	—	१	३
१८	विभिन्न छात्रावासों में स्थित दिगम्बर जैन छात्र							—	८४
	दिगम्बर जैन समाज	७६६	४७६३	९२	६९१	१४२	११०५	१०००	६६४३
	श्वेताम्बर जैन समाज	१४०	८९१	—	—	८	४२	१४८	९३३
	नगर के कुल जैन	९०६	५६५४	९२	६९१	१५०	११४७	११४८	७५७६

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

व्यवसायिक विवरण

सोने–चाँदी के जैन व्यवसायी

सराफा बाजार लश्कर

मे०--आनन्दीलाल राजमल जैन सर्राफ
" गुलाबचन्द रेशमचन्द सर्राफ
" गुलाबचन्द नेमीचन्द "
" कजोड़ी मल मूलचन्द पाटनी "
प्रो. सुगनचन्द पाटनी "
" आसकरन भवरलाल "
" भेरौंदान धीसूलाल "
" हमीरमल छगनमल "
" लखमी चन्द गुलाब चन्द "
" धन्नालाल दीप चन्द "
" प्रताप मल पूरन चन्द "
" कुन्नामल कन्हैयालाल "
" गोपीलाल लखमी चन्द "
" गन्नामल धन्नालाल "
" अजुध्या प्रसाद भोगीराम "
" रिखब दास मोतीराम "
" मोती लाल बाबू लाल "
" नन्ने मल प्यारेलाल "
" कैलाश चन्द अग्रवाल "
" मोतीलाल लखमीचन्द "
" प्रेम चन्द खेम चन्द "
" बागमल फतेह चन्द "
" सुन्दर लाल छगन लाल "
" लक्ष्मन दास अजित कुमार "
" गुलाब चन्द सीताराम "
" छोटे भईया नेमीचन्द "
" इन्दर चन्द नानूलाल "

मे. नाथूलाल रामजीदास सर्राफ
" नेपाल सिंह सर्राफ, नया सराफा "
" भूप किशोर मोहन लाल, मुरार
" चम्पालाल अयोध्या प्रसाद, ग्वालियर
,, तोताराम किशोरीलाल "
,, गुलाबचन्द किशोरीलाल "
,, लटेराम गुलाबचन्द "
,, मदनलाल रामजीदास "
,, नोनकरन घासीराम "

जैन वस्त्र व्यवसायी

थोक वस्त्र व्यवसायी, नया बाजार

मे. गणेशीलाल फूल चन्द
,, अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार
,, भईयालाल प्रेमचन्द
,, पन्नालाल गिरधारीलाल
,, सोनेलाल कुन्दनलाल
,, प्रेमचन्द शतीस कुमार
,, कुशलचन्द कैलाशचन्द
,, लखमी चन्द राजकुमार
,, जैन क्लोथ स्टोर्स, दरी फैक्ट्री

थोक व खेरीज वस्त्र व्यवसायी, सराफा बाजार

मे० जिनेन्द्र वस्त्र भण्डार
मे' उदयचन्द बागमल बापना
मे. बापना क्लोथ स्टोर्स
,, गंगाराम तोताराम
,, तोताराम कन्हैयालाल
,, सेन्चुरी रिटेल शॉप
,, बरैया स्टोर्स
,, पारख एन्ड सन्स

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

„ पारख ब्रदर्स
„ देहली साड़ी भण्डार
„ कोठारी सन्स
„ केलिक्लाथ रिटेल शॉप
„ ग्वालियर गोटा फेक्ट्री
„ गुलाब चन्द श्री राम
„ हेण्लूम दरी भण्डार

खेरीज वस्त्र व्यवसायी, दही मण्डी

मे. नेमीचन्द भागचन्द
„ अरूण कुमार देवेन्द्र कुमार
„ जैन कटपीस ऐम्पोरियम
„ पदम चन्द पवन कुमार
मे. ताराचन्द बाबूलाल
„ नत्थी लाल अशोक कुमार
„ लालचन्द महेशचन्द
„ मूलचन्द कैलाश चन्द
„ एस. के जैन एन्ड क.
„ राजकुमार क्लोथ स्टोर्स
„ रावतमल कमल कुमार
„ ताराचन्द प्रवीण कुमार

थोक व खेरीज वस्त्र व्यवसायी, माधव गंज

मे. दुरगादत्त कुन्दनमल
„ पन्नालाल सीताराम
„ लखमीचन्द धन्नालाल
„ बाबूआल शान्तिकुमार
„ गंगाधर इन्दरचन्द
„ इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद
„ गोपीलाल ओमप्रकाश
„ फैन्शी क्लोथ स्टोर्स
„ चिरोंजीलाल क्लोथ स्टोर्स
„ कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
„ गोरीशंकर ओमप्रकाश
„ मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार
„ जयहिन्द स्टोर्स
„ छगनलाल कन्हैयालाल

„ नेमीचन्द भंवरलाल
„ चम्पालाल अशोककुमार
„ घेवरचन्द पवनकुमार
„ जयचन्द निहालचन्द

किराना व गल्ला व्यवसायी

भगवानदास जोहरी लाल, इन्दर गंज
हरीदास प्रकाश चन्द "
अशोक कुमार मुकेश कुमार "
मोतीराम रामचन्द इन्दर गंज
हीराचन्द छोटेलाल "
ज्ञान चन्द जय कुमार दाल बाजार
श्यामलाल सुगनचन्द इन्दर गंज
बाबूलाल मिजाजी लाल "
मायाचन्द गनेशराम फालका बाजार
फूल चन्द ज्ञान चन्द "
ओमप्रकास मूलचन्द
चम्पालाल गुना वाले
झम्मन लाल शीतल प्रसाद, दाना ओली
भोलाराज प्रेमराज लश्कर व मुरार
ओछेलाल विहारीलाल, गंज, मुरार
खच्चूमल नेमीचन्द "
ज्ञानचन्द पदम चन्द "
जिमीराल गुन्धारीलाल "
ग्यासी लाल ओछेलाल "
जालम चन्द रामकिशन "
रतन लाल अनूप चन्द "
लल्लीराम नन्द राम "
धनराम सगुन चन्द "
उदयराज शंकर लाल "
मोतीलाल नेमीचन्द "
तुलाराम चतुर्भुज "
हीरालाल मनोहर लाल "
कल्याण दास भीखाराम "
हजारी मल गुलाब चन्द "
प्रेमराज जैन एण्ड सन्स "

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोहे के व्यवसायी:--

में० चन्दर लाल गप्पूलाल, डीडवाना ओली
में० फूलचन्द हीराचन्द, लोहिया बाजार
,, प्रकाश आयरन स्टोर्स "
" बन्शीधर विमल चन्द "
" भोला नाथ सन्तोष कुमार "
" महावीर आयरन स्टोर्स "
" पी. सी. कोठारी एन्ड कम्पनी "
" प्रकाश आयरन इंडस्ट्रीज "
" माखन लाल जैन "
" कन्हैयालाल किस्तूर चन्द "
" जैन आयरन स्टोर्स "
" सुभाष चन्द नरेन्द्र कुमार "
,' विजय आयरन स्टोर्स "
" कुशल चन्द कैलाश चन्द "

इण्डस्ट्रीज व लघु उद्योग

मे. जियाजीराव कॉटन मिल्स लि. बिरला नगर
जनरल मेनेजर-श्री एस. एस. चोरड़िया
" दि. ग्वालियर रेयन सिल्क मैन्यु० एन्ड वीविंग
मेनेजर-श्री हीरालाल श्रीमाल
" सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्यु. कम्पनी
मेनेजर के. एल. चोरड़िया
,, गंगवाल इन्डस्ट्रीज, नई सड़क
,, नवमालव ट्रेडर्स, मुरार
,, ग्लोव मोटर पार्टस् इन्डस्ट्रीज
श्री ज्ञानचन्द जैन
,, गंगवाल टिन एण्ड टिन प्रिंटिंग वर्क्स
मेनेजर-श्री देवेन्द्र कुमार गोधा
,, केशरीमल गंगवाल, ग्वालियर-१
,, गंगवाल रोलिंग एण्ड मेटल वर्क्स
डा० वीरेन्द्र कुमार गंगवाल
,, भावना केमिकल एण्ड परफ्यूरी ,,
,, अग्रवाल केमिकल्स सराफा बाजार
,, रोज प्रोडक्ट्स दाना ओली
,, एसोसिएटेड टाइल्स एण्ड सीमेंट इन्डस्ट्रीज
" श्यामलाल पांडवीय मुरार

" श्री रविन्द्र मालव
,, धारीवाल थ्रेड कम्पनी, सराफा बाजार
,, जैन मेन्यू० फेक्चरिंग क. सराफा बाजार
,, जैन केमीकल्स कम्पनी, कसेरा ओली
,, सेठी कलर इन्डस्ट्रीज, दौलत गंज ,
,, हरीशचन्द, जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
,, ग्वालियर अम्ब्रेला फेक्ट्री, नई सड़क

ओटोमोवाईलस डीलर

एपको पिस्टन हाऊस, जयेन्द्र गंज, लश्कर
जैन ओटोमोवाईलस इन्जीनियर्स (वर्क शॉप)
जैन मोटर्स, जयेन्द्र गंज, लश्कर
ग्वालियर मोटर हाऊस "
इण्डिया ओटोपिस्टन मैन्यु० "
दिनेश ओटोमोवाईलस पाटनकर बाजार
टोडरमल सिफारिस मल "
ग्लोव पिस्टन मैन्यु० लोहिया बाजार
रतीलाल वेचर दास सराफा बाजार

जैन पेट्रोल पम्प---

अग्रवाल ओटोमोबाईलस, पाटनकर बाजार
जैन आदर्श जीवाजी गंज
टोडर मल सिफारिस मल, धर्म मण्डल रोड़
रतीलाल बेचर दास स्टेशन रोड़
अमोलक चन्द जैन ए बी. रोड़

नगर के प्रमुख जैन न्यायाधीश व अभिभाषक

श्री गंगवाल—मजिस्ट्रेट
श्री देवेन्द्र कुमार जैन, सिविलजज
" मानिकचन्द S T. काऊन्सलर,
" मनोहर मल, सराफा बजार लश्कर
" रज्जनलाल "
" कैलाशचन्द "
" राजेन्द्रकुमार "
" रामजीत, दाना ओली लश्कर
" ज्ञानचन्द "
" आनन्द स्वरूप दौलत गंज
" बाबूलाल चौधरी "
" अनूपचन्द "

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

" ओम प्रकाश	दौलतगंज		" रिद्धकरन पाटनी	नयाबाजार
" देवेन्द्र कुमार ,	लोहिया बाजार		" बुद्धसेन	"
" जिनेश्वर प्रसाद दीवान,	नया बाजार		" शान्तिलाल	"
" हुकम चन्द अजमेरा	"		" शंकर दयाल,	दाल बाजार
" निर्मल कुमार,	"		" नेमी चन्द,	छत्री बाजार
" राजकुमार,	"		" ऋषभदास,	ग्वालियर
" नरेन्द्र कुमार	"		" रामजी दास	"
" मानिक चन्द	"		" रघुवर दयाल पाँडवीय,	मुरार

नगर के प्रमुख जैन डॉक्टर

डॉ० बाबूलाल जैन	M. B. B. S. M. S.	सर्जीकल डॉक्टर, जे. ए. हास्पीटल व व्याख्याता
,, राधेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, सदर बाजार, मुरार
,, छोटेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, दानाओली, लश्कर
,, जुगलकिशोर दीवान	B. Sc., M. B, B. S.	मेडीकल आफीसर, माधव डिस्पेन्सरी
,, विजयकुमार दीवान	M. B. B. S.	सी० एम० ओ०, माधव डिस्पेन्सरी
,, शांतिकुमार दीवान	M. B. B. S.	डाक्टर, ठाठीपुर कॉलोनी, डिस्पेन्सरी
,, प्रकाशचन्द जैन	M. B. B. S. M, D.	मेडीकल डिपो० जे० ए० हॉस्पीटल
,, वीरेन्द्रकुमार जैन	M.B.B.S.D.T.C.D.	असि० सिविल सर्जन, जे० ए० हॉस्पीटल
,, आर० के० जैन	M. B. B. S.	आर० एम० ए०, जे० ए० हॉस्पीटल
,, डी० सी० जैन	M.B.B.S. M. L O.	डाक्टर—जे० ए० हॉस्पीटल
,, जवाहरलाल जैन	M. B. B. S.	डाक्टर—प्रेमनगर, खेड़ापती कॉलोनी
,, केप्टिन ओ. एस० दीवान	M. B. B. S. I. M.S.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एन्ड मेडीकल होम, लश्कर
,, अजितप्रसाद दीवान	M. B. B. S,T.D.D.	मेडीकल इन्चार्ज सिविल फोर्ट व सिन्धिया स्कूल
,, विमलेश कुमार दीवान	M. B. B. S.	रेजीडेन्ट पेथोलिस्ट, जी० आर० कॉलेज व हास्पीटल
,, नाभिराजा दीवान	M.B.B,S.D.L.O.E.	डा० एम० एस० अमृतसर कालेज
,, देवचन्द गोलालारे	M. B, B. S.	मेडीकल ऑफीसर जे० ए० हास्पीटल
,, यशवन्तकुमार	M. B. B. S.	डिमोन्स्ट्रेटर जी० आर० मेडीकल कॉलेज
,, सन्तोष कोचर	M. B B. S.	कमलाराजा, पीडीओटिक डिस्पेन्सरी
,, उत्तमचन्द परवार	M. B. B, S.	डाक्टर जे० सी० मिल्स अस्पताल
,, श्रीमती प्रेमलता	M. B. B. S.	डाक्टर—सरकारी अस्पताल, डबरा
,, सीतलचन्द सागर	B. A. M. S.	व्याख्याता शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज
,, गुलावचन्द जैन	B. A. M. S.	फार्मेसिस्ट शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज
,, प्रसन्नकुमार जैन	B. A. M. S.	डिमो० इन० पैथोलीजी ,, ,,
,, जे. पी० जैन	A. M. B. S.	रिसर्च असिस्टेंट ,, ,,
" सतीशकुमार खरौआ	B. A. M. S.	शासकीय आयुर्वेदिक कालेज
" मिजाजीलाल	आयुर्वेदाचार्य	,, ,,
" प्रकाशचन्द जैन	A. L. M. S.	प्रकाश क्लीनिक, इन्दर गंज

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

महा विद्यालयों में जैन व्याख्याता

श्री निर्मल कुमार—माधव इन्जी. कॉलेज
श्री प्रमोद कुमार ,, ,,
,, मेहता ,, ,,
,, जी. पी. जैन—शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
,, रामचरण लाल ,, ,,
,, घनश्याम दास- ,, ,,
प्रो. लालचन्द—एम. एल. बी. कॉलेज
,, शान्ति चन्द, डिग्री कॉलेज, शहडोल
श्री नरेन्द्र लाल, एम० एल० बी० कॉलेज
,, ऋषभदास ,, विधिविभाग
,, बाबूलाल— कृषि महाविद्यालय
,, पारस मल अत्री ,,
,, चन्द्रकान्त ,, ,,
,, राजेन्द्र कुमार नानावटी, के० आर० जी कॉलेज

प्रमुख जैन विद्वान व वक्ता

पं. धन्नालाल जी, ग्वालियर
पं. सागर चन्द जी बड़जात्या, दानाओली
प्रो लालचन्द जी जैन, दानाओली
पं. खच्चूराम जी बरैया ज्योतिषमार्तण्ड
श्री कपूरचन्द जी बरैया, कसेरा ओली
पं. भगवती प्रसाद जी, माधव गंज
प्रो. घासीराम जी, ५२३ थापर नगर, मेरठ
श्री श्यामलाल जी पांडवीय, मुरार
श्री मानिकचन्द जी गगवाल, सराफा बाजार
श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, डीडवानाओली
श्री बुद्धमल जी गंगवाल, नई सड़क
श्री कपूरचन्द पाटनी, तिथिदर्पण निर्माता
श्री तेजमल जी हर्षावत
श्री सरदारसिंह जी चौरड़िया
डा० वीरेन्द्रकुमार जी गंगवाल
मा० हरदयाल, विरलानगर

जैन गायनाचार्य एवं कविगण

श्री फूलचन्द जी काला, दानाओली
,, प्यारेलाल जी बरैया, इन्दर गंज
श्री खैरातीलाल जी, आल्हा गायक
,, रूपचन्द जी पाटनी, नया बाजार
,, झम्मनलाल जी, हुजरात पुल
,, वसन्त कुमार बड़जात्या, दाना ओली
,, कन्हैयालाल जी, कटारिया
,, नेमीचन्द बरैया, डबरा वाले

स्वर्गीय जैन विद्वान

पं. लाला लखमी चन्द जी गिरधरवाल
पं. गोपीलाल जी गोधा, दानाओली
श्री कन्हैयालाल जी गंगवाल, सराफा बाजार
श्री गप्पूलाल जी वाकलीवाल ,,
श्री प्यारे लाल जी बरैया, मामा का बाजार

बैंकों में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

बैंक ऑफ बड़ौदा लि., पाटनकर बाजार

श्री भंवर लाल शाह--एकाऊन्टेन्ट

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जीवाजी चौक

श्री नेमीचन्द पांडवीय--एकाऊन्टेन्ट
श्री वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल
,, पदम चन्द जैन, खजान्ची
,, देवेन्द्र कुमार जैन ,,
,, सुभाष चन्द जैन ,,

बैंक ऑफ इण्डिया, दाल बाजार

श्री नेमी चन्द भण्डारी खजान्ची

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया लि., जयेन्द्र गंज

श्री सूरजमल पांड्या एकाऊन्टेन्ट
,, पूरन चन्द बरैया खजान्ची

यूनाईटेड कर्मशियल, बैंक लि.

श्री नेमीचन्द पल्लीवाल, नया बाजार
,, कमल चन्द कासलीवाल ,,
,, सुमत चन्द जैन ,,
,, गोपीचन्द पाटनी, प्रमुख खजान्ची, सराफा
,, महेन्द्र कुमार पारख सराफा ब्रान्च
,, सुरेश कुमार बरैया ,,
,, प्रकाश चन्द, खजान्ची ,,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

,, मुरारी लाल एकाऊन्टेन्ट ,,
,, जगदीश पाटनी, खजान्ची ,,

के. बी. बैंक लि० जयाजी चौक

श्री बसन्त कुमार बड़जात्या,
,, नेमीचन्द जैन ,,

के० बी० बैंक लि० जयेन्द्र गंज ब्रान्च

,, बस्तीमल जैन—एजेन्ट
,, केशरीमल पाटनी, प्रमुख खजान्ची
,, नेमीचन्द्र जैन
,, नेमीचन्द बोहरा, गोडाऊन कीपर

को—ऑपरेटिब बैंक

श्री शीतल प्रसाद जैन, आफीसर, डीडवाना ओली
,, कैलाश चन्द बरैया मुरार
,, बाबूलाल बरैया ,,
,, रामस्वरूप जैन मुरार
,, नेमीचन्द परवार—भूविकास बैंक
,, रमेश चन्द कासलीवाल ,,

ए. जी. आफिस (महालेखा कार) में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

अधीक्षक गण:—

सर्व श्री ताराचन्द, फालका बाजार, के, एम महाजन, सुमेरचन्द, दाना ओली, के. सी. जैन, नई सड़क, पी एन. जैन नई सड़क, ओमप्रकाश, लोहामन्डी, ग्वालियर, सुरेन्द्र प्रसाद, जवाहर नगर, फतेहलाल, माधव गंज, जी. पी. जैन, के. सी. जैन, कपूरचन्द, डि. ए. सिंचाई विभाग।

एस. जी. सी (सिलेक्सन ग्रेड लिपिक)

सर्व श्री चन्द्रशेखर नंदगाँवकर, मुरार, विमलचन्द दोषी, दाना ओली, प्रभाष चन्द, नया बाजार, सोभागमल, बी. के. जैसवाल। कपूरचन्द जैन, कसराओली

उच्च श्रेणी लिपिक:—

सर्व श्री सत्येन्द्र कुमार, दाना ओली, जगदीशचन्द ठाठीपुर, मुरार, होतीलाल, माधवगंज, महेशचन्द, केदार नाथ सिंघल' वीरेन्द्र कुमार, शिन्दे की छावनी, रमेशचन्द श्री माल, नया बाजार, श्रवण कुमार, नाका गुड़ा-गुड़ी, ओमचन्द, नाका चन्दवदनी, अनन्त कुमार, शिन्दे की छावनी, विजेन्द्र बहादुर, जिन्शी नाला, किशोरीलाल, ग्वालियर, हरीशचन्द्र, दानाओली, गधेलाल शिन्दे की छावनी, राजकुमार, दाना ओली, सत्येन्द्र-नाथ, ग्वालियर, रमेशचन्द, मुरार, गणेशीलाल, ग्वलियर, हरिशचन्द शिन्दे की छावनी, बी. के. जैन, तिलक नगर राधेश्याम, ठाठीपुर, मुरार, विजय कुमार, तिलक नगर, पदम चन्द, गणेश कालोनी, यादव चन्द, जीवाजी गंज, अजित कुमार, दाना ओली, देवेन्द्र कुमार दाना ओली, देवेन्द्र कुमार, दया प्रकाश, जय कुमार, जिनेन्द्र कुमार के. सी. जैन, कमल कुमार कन्हैयालाल, कोमल चन्द, कान्ति चन्द, एम. बी जैन, महेशचन्द, मदनलाल, नेमीचन्द, पदमचन्द, पारसदास, राजेन्द्र-कुमार, राजेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार

निम्न श्रेणी लिपिक:—

सर्व श्री बाबूलाल, दाना ओली, पदमचन्द, दौलत-गंज, प्रेम चन्द, ग्वालियर, जयदेव, दाना ओली, विमल चन्द, दानाओली, एम. के. जैन।

नमूने के अनुसार सुन्दर, कलात्मक **सोने-चांदी** *के आकर्षक* **आभूषण**
बनवाने का एक मात्र स्थान
मे० कजोड़ीमल मूलचन्द सर्राफ (प्रो० सुगनचन्द पाटनी)
सराफा बाजार, लश्कर, ग्वालियर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

एक पत्थर की बावड़ी या बाबा बावड़ी

ग्वालियर समाज का बड़ा सौभाग्य है कि यहाँ पर 'बाबा बावड़ी' के नाम से एक ऐसा प्रसिद्ध स्थान है जिसके अवलोकन करते ही दर्शक एक बार तो अपने आपको भूल जाता है। जैन समाज जहाँ इन विशालकाय मूर्तियों को देखकर हर्ष विभोर होती है वहाँ जैनेतर जनता पर इनकी भव्य शिल्पकला का अद्भुत प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। भा० इतिहास और पुरातत्त्व की प्रचुर सामग्री यहाँ बिखरी पड़ी है, इसी कारण यह स्थान पुरातत्त्व विभाग द्वारा संरक्षित घोषित कर दिया गया है।

फूलबाग गेट के पास खेड़ापति कॉलोनी की ओर जाते हुये मार्ग में ही यह स्थान मिलता है। किले के नीचे और जमींन से कुछ ही ऊँचाई पर मध्य में पहाड़ की कर्कस चट्टानों को काटकर कुशल शिल्पियों द्वारा अनेक पद्मासन व खड्गासन मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं जिन्हें देखकर सड़क पर चलता हुआ यात्री भी आश्चर्य में डूब जाता है। ये मूर्तियाँ चाहे कला की दृष्टि से देखी जायें या धार्मिक दृष्टि से, दोनों में बेजोड़ हैं। यत्र तत्र प्राप्त शिलालेखों से विदित होता है कि इनका निर्माण तोमरवंशी राजा डूंगरसिंह और उसके पुत्र कीर्तिसिंह के राज्यकाल में हुआ जिनका समय वि० सं० १४८१ से १५३६ तक पाया जाता है। ये दोनों ही राजे वास्तव में शिल्पकला के अनन्य प्रेमी थे जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण इन मूर्तियों द्वारा उपलब्ध होता है। एक शिलालेख में उन्हें 'हिन्दू सुरत्राण' लिखा है जिससे यह स्पष्ट होता है कि जहां वे जैन धर्म के प्रति श्रद्धालु थे वहां वे अन्य धर्मियों के प्रति भी उतने ही सहिष्णु थे।

संक्षेप में हम कह सकते हैं कि इन राजाओं के राज्य में जैन धर्म खूब फला-फूला, पर्वत का कोई ऐसा स्थान (मूर्तियां बनने का) नहीं छूटा जहां उत्खनन कार्य न चला हो। अधिकांश मूर्तियां १५ वीं शताब्दि की बनी हैं तथा जिनकी प्रतिष्ठा-विधि उस समय के प्रसिद्ध विद्वान महाकवि पं० रइधू द्वारा सम्पन्न हुई हैं, जैसा कि एक प्रशस्ति-पत्र से मालूम होता है।

"श प्रभाकरा:। भट्टारक श्री शुभचंद्र देवा:
प्रतिष्ठाचार्य पंडित रंधुकृत पादसेवा:।"

खेद का विषय है कि मुसलिम काल में इन सब मूर्तियों के मुख प्राय: खण्डित कर दिये गये, कितनी ही मूर्तियों को गारा-मिट्टी से चिनवा दिया। इस तरह वर्षों की साधना के फलस्वरूप यहाँ की संस्कृति को विधर्मियों ने नष्ट-भ्रष्ट करने का पूरा प्रयत्न किया किन्तु यह एक महान अतिशय की बात समझना चाहिये कि उन सब खण्डित मूर्तियों के बीच सुपार्श्वनाथ तीर्थंकर की ३५ फुट ऊंची व ३० फुट चौड़ी एक मूर्ति अक्षुण्ण रह गई। पद्मासन मुद्रा में स्थित इतनी ऊंची और विशाल आकारवाली प्रतिमा समूचे भारत में अन्यत्र दुर्लभ है। यों तो इस मूर्ति के आस-पास भ० आदिनाथ की दो मूर्तियां और भ० नेमिनाथ की एक प्रतिमा उतनी ही विशाल पद्मासन मुद्रा में और भी पाई जाती हैं किन्तु उनका शिरोच्छेदन होने से वे जनता में अवहेलना का पात्र बन गई हैं।

पर्वत के कोने भाग में एक ही पत्थर की खुदी हुई बावड़ी है जो करीब २० फुट लम्बी चौड़ी और इतनी ही गहरी है, जिसमें बारहों महिने मिष्ट और ठण्डा जल भरा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भीतरी स्रोत से इसमें बराबर पानी आता है और निर्मल झरने के रूप में बाहर बहता रहता है। क्षेत्र पर स्थित समस्त मूर्तियों की पूजा-प्रक्षाल के लिये यह बावड़ी निर्मित की

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

गई हो तो आश्चर्य की बात नहीं, क्योंकि यहां जितनी मूर्तियां गुफाओं में पाई गई हैं उन सबमें यथास्थान सोपान बने हुये हैं जिन पर चढ़कर भक्तगण मूर्ति प्रक्षाल किया करते थे। अतिशय रमणीय और चमत्कारिक होने से यह पूरा क्षेत्र इसीलिये जनता में 'एक पत्थर की बावड़ी' से प्रसिद्ध कर दिया जान पड़ता है।

बावड़ी के बगल में दाहिनी ओर ९ विशाल खड़गासन मूर्तियाँ हैं जिन पर सं० १५२५ अंकित हैं। प्रत्येक मूर्ति के ऊपर कलापूर्ण चँदोवा बना है तथा आजू-बाजू हाथी अपने सूंड में भरे हुये कलश जिनबिम्बों पर ढोरते हुए दर्शाये गये हैं। आगे चलने पर ८ खड़गासन मूर्तियां ओर मिलती हैं जो सम्भवतः २० से ३० फुट की ऊंची है किन्तु खण्डित होने से उपेक्षित दशा में पड़ी हैं। इसके अतिरिक्त चट्टान को काटकर एक मन्दिर का रूप दिया है जिसमें ६ खडगासन मूर्तियाँ स्थित हैं। आगे एक सुन्दर गुफा बनी है। जिसमें २४ तीर्थंकरों सहित इतनी प्रतिमाएँ खुदी हैं जिनका कुल योग १२५ आता है। थोड़ी दूर चलकर एक ऐसा सुरम्य स्थान दिखाई देता है जो केवल ध्यानाध्ययन के लिये बना प्रतीत होता है। अंत में एक बड़ी गुफा मिलती है जिसमें आदि तीर्थंकर की करीब ३५ फुट ऊंची और १० फुट चौड़ी वृहदाकार कायोत्सर्ग मूर्ति विद्यमान है, वह पर्वत के आभ्यन्तर हिस्से में इस कदर उकेरी गई है मानो आज ही बनी है। ऊपर तक पहुंचने के लिये मार्ग दिया गया है जिस पर चढ़कर उसे पास से देखने का मौका मिलता है किन्तु दर्शक उस समय बड़ा निराश होकर लौटता है जब वह मूर्ति को बिना चेहरे का पाता है। ऊपरी दरवाजा बड़े कलात्मक ढ़ंग से चित्रित किया है, जिसके पास ही एक चैत्यालय बना है जिसमें छोटी-छोटी ७२ मूर्तियाँ टंकित हैं। आस-पास ३ खड्गासन और एक पद्मासन मूर्ति है और नीचे पहुँचने पर २ खड्गासन मूर्ति शोभती हैं। हवा और रोशनी के लिये सामने ही रोशनदान बना है लेकिन कोई व्यवस्था न होने से उलूक और चमगादड़ों ने उसमें रहने के लिये अड्डे बना लिये हैं। बरसात के दिनों में चरणों तक पानी भर जाता है जिससे दुर्गंधि भी आने लगती है।

इस तरह १ या १।। फर्लांग के मध्य फैला हुआ यह क्षेत्र छोटी-बड़ी मूर्तियों से सर्वत्र व्याप्त है। मूर्तियाँ बड़ी भव्य, आकर्षक और वैराग्योत्पादक हैं जिनमें शंख चक्र, नंदी, पद्म आदि चिन्ह अंकित हैं। चारों ओर प्रकृति का खुला क्षेत्र है, हरे-भरे सघन वृक्ष और उन पर पक्षियों की मंद मंद चहचहाहट मन को मोहनेवाली है। नगर का दृश्य भी यहां से सुहावना लगता है।

परन्तु क्षेत्र की कला जितनी विशाल और महान है उतनी ही शोचनीय भी। इस समय उसकी कोई उचित व्यवस्था न होने से उसके एक-एक खण्ड टूटने और बिखरने लगे हैं। जगह-जगह कूड़े-कंकर के ढ़ेर दिखाई देते हैं, गुफाओं के द्वार खुले होने से अवाँछित तत्वों का बेधड़क प्रवेश है। समाज की उपेक्षा के कारण ही निस्संदेह आज उसकी यह दशा है। यद्यपि मुरार चातुर्मास के अवसर पर पूज्य वर्णीजी ने यहाँ की कुछ मूर्तियों का जीर्णोद्वार करवा दिया था किन्तु उनके चले जाने के बाद हालत ज्यों की त्यों है।

प्रतिवर्ष क्षेत्र पर आसोज वदि ४ को मेला भरता है। इस दिन स्थानीय जैसवाल जैन समाज द्वारा श्रीजी का विमान लाया जाता है और दिन भर की घूम-धाम के पश्चात् वापिस हो जाता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से नम्र निवेदन है कि वह ग्वालियर आते समय इस सुरम्य स्थल को देखना कदापि न भूलें।

—कपूरचन्द बरैया

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

समीपवर्तीय प्राचीन जैन अवशेष

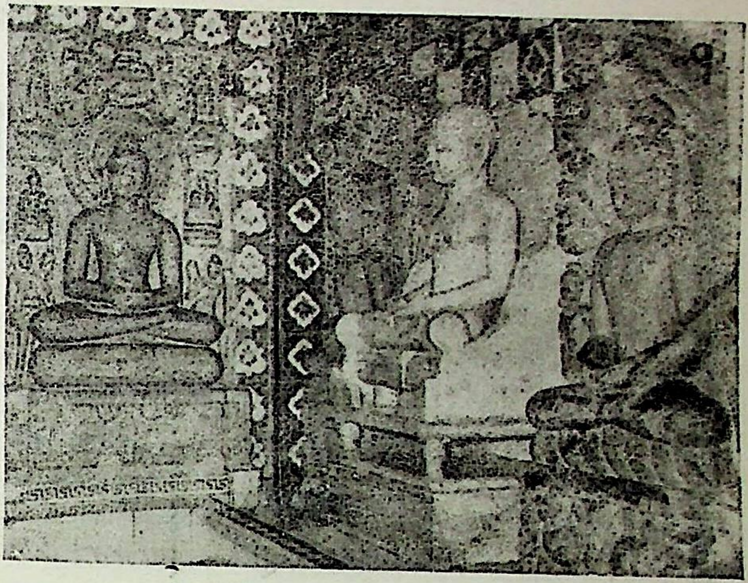

ग्वालियर नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है। इसके आस-पास अनेक क्षेत्रों में प्राचीन जैन मूर्तियों का भण्डार है। यही कारण है कि यहां मूर्ति चोर (आततताई लोग) अपने दुष्कर्मों में सफल हो जाते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूज्यनीय सम्भव मूर्तियों को यथा समय नगर के जैन मन्दिरों में लाकर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

(१) सोजना ग्राम से दो विशाल पद्मासन मूर्ति श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में लाकर ३५ वर्ष पूर्व विराजमान की गई है। जिनको चित्र में नं० १ व ३ पर दर्शाया है।

(२) पनिहार ग्राम से पद्मासन मूर्ति को ३२ वर्ष पूर्व बरैया पंचायती मन्दिर, मामा के बाजार में प्रतिष्ठित किया गया।

(३) बरई ग्राम से १००८ श्री शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची विशाल प्रतिमा को सन् १९४३ में लाकर नसियां जी, रामकुई पर श्री वुद्धमल जी द्वारा स्थापित किया गया।

(४) धुआं ग्राम से सन् १९६५ में श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में दो विशाल प्राचीन प्रतिमायें लाकर प्रतिष्ठित कराई गई जिनमें से एक चित्र में नं० ४ पर दर्शाई गई है।

मूर्तियों की सुरक्षा करने, प्राचीन कला व संस्कृति को बनाये रखने के लिये प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह इस ओर जागरुक रह कर हर सम्भव प्रयास करे।

GIC

Auto Le-af Springs. **They are dependable ?**
More and More Transport Operators are now using them.
GWALIOR INDUSTRIAL CORPORATION

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मानव जीवन के लिये अनिवार्य
ग्यारह आवश्यकताएँ

धन प्राप्ति
धनरक्षा
समय की बचत
यश प्राप्ति
समालोचना रहित
असंग्रह
नियमितता
आनन्द वृद्धि
स्वस्थ जीवन
कीर्ति रक्षा
दुःख निवारण

जब आप हमें सेवा का अवसर देगें तो उक्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समाधान आपको अवश्य ही मिलेगा।

उपभोक्ता विक्रय स्थल—

- नया बाजार, लश्कर
- सराफा बाजार, लश्कर
- बिरलानगर, ग्वालियर

जियाजीराव कॉटन मिल्स लि०

बिरलानगर ग्वालियर-४ मध्यप्रदेश

मैनेजिंग एजेन्ट :
बिरला (ग्वालियर) प्रा. लि.

टेलीफोन नं० : ८०१ से ८०५
टेलीग्राम : 'बिरला' बिरलानगर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दिगम्बर जैन-समाज लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
नाका गुड़ी-गुड़ा :—						
१—	श्री बद्री प्रसाद बरैया	४६	मुखिय	११ वी	वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती पुनियाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१५	पुत्र		अवि.	
२—	श्री बद्री प्रसाद बरैया	६०	मुखिय		विधुर	दुकान परचूनी
	श्री मेवाराम	५२	भाई		विधुर	"
	श्री किशनलाल	४५	भाई		वि.	सर्विस, अग्रवाल केमीकल्स, सराफा
	श्रीमती गिन्नीबाई	४०	भाईवधू		वि.	
	श्री जवाहरलाल	१५	भतीजा		अवि.	
	श्री रामचरनलाल	३५	भाई		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती कपूरीबाई	२८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	७५	मां		विधवा	
३—	सर्वश्री चुन्नीलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	दुकान परचूनी
	,, गणेशराम	२६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ताराबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
४—	सर्वश्री गुलाबचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस वन विभाग
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री श्रवणकुमार	३०	पुत्र	एम. काम.	वि,	प्र.अ. रामनारायण उ.मा.वि.,नयाबाजार
	श्रीमती शीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती कंचनियाबाई	७०	मां		विधवा	
५—	श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कौंसाबाई	६०	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
तिलक नगर :—						
६—	श्री विजयकुमार जैसवाल	२७	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शीला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७—	श्री जिनेन्द्रकुमार जैसवाल	३८	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती शारदा	३०	पत्नी		वि.	
	कु० लता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२७	भाई	मेट्रिक	अवि.	सर्विस टेक्समेको, बिरला नगर
	श्रीमती कटोरीदेवी	५०	मां		विधवा	
८—	श्री वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	४०	मुखिया	एम. काम.	वि.	एस.जी.सी ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती मालतीदेवी	३४	पत्नी	इन्टर	वि.	
९—	श्री रमेशचन्द जैसवाल	२६	प्रमुख	बी.काम	अवि.	सर्विस ए. जी आफिस
१०—	श्री सरदारमल परवार	२८	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस एन सी. सी. आफिस
	श्रीमती मनोरमादेवी	२५	पत्नी		वि.	
कम्पूरोड :—						
११—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कमला राजा हास्पिटल
	श्रीमती मेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	कु० मीरा	१६	पुत्री	नवीं	अवि.	
१२—	श्री कालूराम परवार	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय जैन सेव भण्डार, कम्पूरोड
	श्रीमती सोमाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
१३—	श्री प्रभूदयाल बरैया	३८	मुखिया		वि.	व्यवसाय स्कूटर रिपे०, नयाबाजार
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
१४—	श्री कशमीरीलाल प. परवार	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय जैन वेल्डिंग वर्क्स
	श्रीमती मगनबाई	३०	पत्नी		वि.	
१५—	श्री देवेन्द्रकुमार परवार	२७	मुखिया	B.A.L.L.B.	वि.	सिविल जज हाईकोर्ट, ग्वालियर
	श्रीमती माला	२२	पत्नी	बी.ए. प्रथम	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१६—	श्री राजेन्द्रकुमार सेठी	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१७—	डॉ. देवचन्द गोलालारे	३१	मुखिया	M.B.B.S	वि.	मेडीकल आफीसर, जे.ए हास्पीटल
	श्रीमती सवितारानी	२५	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	M.B.B.S. III	अवि.	

सिकन्दर कम्पू :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१८—	श्री सांवलदास बरैया	५८	मुखिया		वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती रत्नादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	बी.ए.	वि.	
	श्रीमती शिमलादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
१९—	श्री प्यारेलाल बरैया	४०	मुखिया		अवि.	
२०—	श्री चोखेलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

रायसिंह का बाग :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२१—	श्री महेशचन्द्र पाटनी	२७	मुखिया	M.A.,B.Com.	अवि.	श्रम निरीक्षक
२२—	श्री आर. के. जैन	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	सर्विस जे.ए. ग्रुपहास्पीटल, ग्वालियर
	श्रीमती आर. के. जैन	२२	पत्नी		वि.	

जामदार खाना :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२३—	श्री मूलचन्द वैद्य	४४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्रीमती तीजाबाई	६०	मां		विधवा	

हेर्मासिह की परेड :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुलाबदेवी	३०	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती पारोबाई	६०	मां		विधवा	
२५—	श्री बाबूलाल जी बरैया	४५	मुखिया	छठवी	वि.	आटे की चक्की
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल जी	४०	भाई	साहित्यरत्न	वि.	दुकान
	श्रीमती घन्नोबाई	३०	भाईवधू		वि.	
	कु० कमलाबाई	१४	भतीजी	छठवी	अवि.	
	श्रीमती छोटीबाई	६२	मां		विधवा	
२६—	श्री राजनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री गुलाबचन्द	४५	भाई		अवि.	
२७—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस गुड्स शैड, रेल्वे स्टेशन
	श्रीमती राजमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० कुसुमबाई	१५	पुत्री		अवि.	
२८—	श्री शोभाराम बरैया	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मकान की दलाली
	श्री इन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	सायकल स्टोर्स
	श्रीमती मीनाकुमारी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रूपचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	६०	भाई		विधुर	ठेकेदारी

मामा का बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२९—	श्री चांदमल जैसवाल	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	२०	पत्नी		वि.	
३०—	श्री हरविलास बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
३१—	श्री किशनस्वरूप बरैया	२५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२०	पत्नी		वि.	
	माताजी किशनस्वरूप	५५	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३२—	श्री दीनदयाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्शीलाल	२०	भाई		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती आशादेवी	१६	भाईवधू		वि.	
	श्री रामचरनलाल	१६	भाई		अवि.	व्यवसाय
	श्रीमती बतासोबाई	४५	मां		विधवा	
३३—	श्री सन्तोषीलाल बरैया	४२	मुखिया	सातवी	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३०	पत्नी	छठवी	वि.	
३४—	श्री रमेशचन्द	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	टेलर
	श्रीमती गुणमालादेवी	२६	पत्नी		वि.	
३५—	श्री राधेश्याम बरैया	३६	मुखिया		वि.	व्यवसाय स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती रामकली	३०	पत्नी		वि	
३६—	श्री भगवानलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलाबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२६	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्रीमती कलावती	५६	मां		विधवा	
३७—	श्री दर्शनलाल बरैया	२८	मुखिया		अवि.	व्यवसाय
	श्री कश्मीरीलाल	२५	भाई		अवि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्री आनन्दकुमार	२२	भाई	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	१८	भाईवधू		वि.	
३८ –	श्री नेकसीराम बरैया पुजारी	७२	मुखिया		विधुर	रिटायर्ड पुजारी
३९—	श्री भानकुमार बरैया	२२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय जी. ई. वक्संशार
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	१९	भाई	नवी	अवि.	
	श्री कृष्णकुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४७	मां		विधवा	
४०—	श्री वत्तोलाल बरैया	४०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री नन्द कुमार	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती आनन्दीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४१—	श्री ज्ञानचन्द बरैया	२२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती मुन्नीबाई	१७	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री ग्याप्रसाद बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस शा. रीजनल प्रेस, ग्वालियर
	श्रीमती इन्दुमती	२३	पत्नी		वि.	
४३—	श्री गंगाराम बरैया	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती केशरबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री प्यारेलाल	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्रीमती राजकुमारी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नन्दकिशोर	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जमनाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु० कमलेश	१६	पुत्री	सातवी	अवि.	
	कु० रामवती	१४	पुत्री		अवि.	
४४—	श्री परमानन्द बरैया	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय हलवाई
	श्रीमती चिरोंजीबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४५—	श्री रामसनेहीलाल	२५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस मिडिलस्कूल मोहनपुर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४६—	श्रीरामकिशन बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस गुडसशैड रे०स्टे०, ग्वालियर
	श्रीमती चमेलीबाई	२८	पत्नी		वि.	
४७—	श्रीमन्नालाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस जी. वर्कशाप, ग्वालियर
	श्रीमती कासीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री छोटेलाल	२५	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्री कैलाशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४८—	श्रीअमरचन्द बरैया दीवान	४८	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती राजाबेटी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी. काम II	अवि.	व्य० फ्लोरमिल्स, मामा का बाजार
	श्री कैलाशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० गीता	१४	पुत्री	छठी	अवि.	
४९—	श्रीरामचरणलाल बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती कौंसाबाई	४०	पत्नी		वि.	
५०—	श्री स्वरूपचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रभावती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री पदमकुमार	२०	पुत्र	ग्यारवी	वि.	व्य० किराना मर्चेंट, मामा का बाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	बैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	सातवीं	वि.	
	श्री उग्रसेन	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० उषा	१४	पुत्री		अवि.	
५१—	श्री हरविलास बरैया	५५	मुखिया		वि.	खेती ग्राम रिधोली
	श्री इन्द्रसेन	२८	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमसेन	२३	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	सर्विस गंगवाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती नर्मदादेवी	१७	पुत्रवधू	छठी	वि.	
५२—	श्री चेतराम	८०	मुखिया		वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती कौशल्याबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री धन्नालाल	४५	पुत्र	मिडिल	वि.	क्राफ्ट अ.गो.उ मा.वि., ग्वालियर
	श्रीमती जमनाबाई	४०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पौत्र	बी. ए. प्रथम	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री मथुराप्रसाद	४२	पुत्र	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., डबरा
	श्रीमती शीलमती	३५	पुत्रवधू		वि;	
	श्री नेमीचन्द	१६	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रेमनारायण	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., भिण्ड
	श्रीमती जैनमती	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशचन्द	१९	पौत्र	डिप्लोमा सिविल	अवि.	
	श्री केशरीमल	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
५३—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२२	मुखिया	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी	ग्यारवीं	वि.	
५४—	श्री देवचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	एजेन्ट रे विल. एन्ड फार., ग्वालियर
	श्रीमती सोनाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अमोलकचन्द	२५	पुत्र	एम. काम.	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ताराचन्द	१९	पुत्र	बी.एस.सी.	अवि.	
	श्री कीर्तिकुमार	१६	पुत्र	बी. एस.सी. I	अवि.	
५५—	श्री मदनलाल बरैया	२३	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस ए.जी आफिस, आघवमहल
	श्रीमती मैनाकुमारी	१९	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	श्रीमती यशोदाबाई	५५	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५६—	श्री बालचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	काश्तकारी अमरोल
	श्रीमती इमरतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	ग्यारवीं होम्य.	अवि.	
	श्री नन्दकुमार	२२	भतीजा	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	भतीजवधू		वि	
५७—	श्री पतराम बरैया	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४२	पुत्र		वि.	व्य. चाट की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती महादेवीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. विमलाबाई	१४	पौत्री		अवि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	३८	पुत्र		अवि.	व्यवसाय हलवाई
५८—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती यशोधाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमतीं जमनाबाई	८५	नानी		विधवा	
५९—	श्री अशरफीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे.सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पत्नी		वि.	
६०—	श्री रामस्वरूप बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस सिमको, ग्वालियर
	श्रीमती किन्नोबाई	२०	पत्नी		वि.	
६१—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल
	श्रीमती कमलाबाई	३२	पत्नी		वि.	
६२—	श्री बाबूलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	पी. डब्लू. डी., चौकीदार
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बुद्धप्रकाश	१४	पुत्र	ग्यारहवी	अवि.	
६३—	श्री मोतीलाल पल्लीवाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती हीरोबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती राजबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नारायण प्रसाद	३०	पुत्र		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती रामश्री	२५	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२—	श्री देवचन्द वरैया	४५	मुखिया		वि.	चाट की दुकान
	श्रीमती केतकीबाई	४०	पत्नी		वि	
	श्री घनसुन्दरलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस,से. टेली. आफिस,जयेन्द्रगंज
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री पूरनचन्द जी	४०	भाई	मिडिल	वि.	पोस्टमैन, जी.पी.ओ., ग्वालियर
	श्रीमती विजयकुमारी	३५	भ्रातवधू		वि.	
	कु० लीलाबाई	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती विलासोबाई	८५	मां		विधवा	
६३—	श्रीलालचन्द वरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कलावती	३५	पत्नी		वि.	
६४—	श्री मन्ट्रूलाल वरैया	६०	मुखिया		वि.	दलाल (मकान)
	श्रीमती सरस्वतीबाई	५०	पत्नी		वि.	
६५—	श्री कैलाशचन्द वरैया	२२	मुखिया	११वी	वि.	सर्विस, म. प्र. को. बैंक, मुरार
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	४८	पिता		विधुर	
	श्री मिश्रीलाल	५५	ताऊ		विधुर	
६६—	श्री प्रेमकुमार बरैया	१७	मुखिया	बी.ए. II	अवि.	
	श्री पवन कुमार बरैया	१६	मुखिया	ग्यारवीं	अवि.	
	डा० यशवन्त कुमार बरैया	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	डिमोन्स्टेटर,जी.आर.मेडीकल कॉलेज

माधवगंज:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५३	मुखिया	नवीं	वि.	फर्म–मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज
	श्रीमती ज्ञानवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२७	पुत्र	बी.ए. II	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६८—	श्री शीतल प्रसाद वरैया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	आफीसर-इन्चार्ज, ग्वालियर सेन्ट्रल को. आपरेटिव बैंक, डीडवाना ओली
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषादेवी	१५	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६९—	श्री प्रसन्न कुमार परवार	२६	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, आयुर्वेदिक कॉलेज, ग्वालियर
	श्रीमती राजमती देवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री दशरथ चन्द	२१	भाई	बी.एस सी.II	अवि.	
	श्री विनोद कुमार	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
७०—	श्री छुन्नालाल खरौआ	५०	मुखिया		विधुर	दुकान, जैन मैनपुरी स्टोर, वाड़ा
	श्री पदम चन्द जैन	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मल चन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	वूल कार्नर, सराफा बाजार
	श्रीमती अरुणा देवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कपूर चन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	बनारसी पान स्टोर, सराफा बाजार
	श्रीमती कमला देवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मानिक चन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती सुषमा देवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
७१—	श्री भगवान दास अग्रवाल	६८	मुखिया		वि.	बर्तनों के व्यापारी
	श्रीमती अयोध्या देवी	५०	पत्नी		वि.	
७२—	श्री रामस्वरूप अग्रवाल	५०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती बसन्ती देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	१७	पुत्र		अवि.	
७३—	श्री रतन चन्द सेठी	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फुटकर एजेंसीज
	श्रीमती पिस्ता देवी	३२	पत्नी		वि.	
७४—	श्री मोहन लाल बरैया	६७	मुखिया		वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती कौशिल्या देवी	६२	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	३०	पुत्र	एम. ए.	वि.	प्र.अ., श्री महावीर जूनियर कालेज, फालके बाजार
	श्रीमती कमला देवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
७५—	पं. भगवती प्रसाद बरैया	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली बिल्टी रेल्वे
	श्रीमती अंगूरी देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र प्रसाद	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, मॉडर्न इलेक्ट्रिक स्टोर
	श्रीमती कुसुमलता	१५	पुत्रवधू		वि.	
७६—	श्री बाबूलाल बरैया	३८	मुखिया		अवि.	मेस. श्रीचन्द्र बाबूलाल, गांधी मार्केट
	श्रीमती सोना देवी	५५	मां		विधवा.	
७७—	श्री सुगन चन्द पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	मेस. कजौड़ीमल मूलचन्द्र सर्राफ
	श्री शिखर चन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	(होम्यो एन्ड वायो डॉ. पप्पू टॉयज इन्डस्ट्रीज)
	श्रीमती शान्ती देवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	डॉ० केशरी मल	२५	पुत्र	M.Com., M.D.H.	वि.	(कैशियर, के.बी. बैंक लि., होम्यो. एण्ड वायो. डा. र. नं. ४०३३)
	श्रीमती उर्मिला	२३	पुत्रवधू	बी. ए.	वि.	
	श्री विमल चन्द	२०	पुत्र	बी. कॉम. II	अवि.	रेडियो एण्ड बाँच रिपेयर्स
७८—	श्री लखमी चन्द	८५	मुखिया		विधुर	मेस. लखमीचंद्रधन्नालाल, कपडाव्यापार
	श्री लाल चन्द	५८	पुत्र		विधुर	सर्विस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७९—	श्री हुकमचन्द	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यापारी
	श्रीमती लौंगा देवी	४०	पत्नी	छठीं	वि.	
	कुमारी सुशीला	२१	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री पदम चन्द	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कुमारी शान्ता	१७	पुत्री	नवीं	अवि.	
८०—	श्री कौशल चन्द पाटनी	५१	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस,सोने-चांदी की दुकान, सराफा
	श्रीमती चमेली देवी	४५	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
८१—	श्री पूनम चन्द बोहरा	५४	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, सराफा बाजार,
	श्रीमती छोटी बाई	४३	पत्नी		वि.	लश्कर
	श्री हेमचन्द	१९	पुत्र		अवि.	
८२—	श्री नानूलाल पाटौदी	६५	मुखिया		वि.	मे. इन्दरचन्द नानूलाल सर्राफ
	श्रीमती कनका देवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विमल चन्द	३३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी शशि	१६	नातिनी	ग्यारवीं	अवि.	
८३—	श्री घन्नालाल बोहरा	३५	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी, माधवगंज
	श्रीमती रत्नाबाई	३२	पत्नी		वि.	चौराहा, लश्कर
८४—	श्री उत्तम चन्द वरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	(सर्विस, दीनदयाल औषधालय,
	श्रीमती मनीबाई	२५	पत्नी		वि.	दौलतगंज)
८५—	श्री मांगीलाल वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. जैन एण्ड क., न्यूज पेपर्स ऐजेंट,
	श्रीमती राज कुमारी	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
८६—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, हलवाई होटल संघ
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
८७—	श्री नेमीचंद पांडवीय, जैसवाल	३२	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया
	श्रीमती मुन्नी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेश चन्द	२४	भाई	ग्यारवीं	वि.	असि० रजि०, को-आपरेटिव
	श्रीमती कपूरी देवी	१६	भ्रातावधू		वि.	डिपार्टमेंट, शिवपुरी
	श्री मुरारीलाल	२२	भाई	बी. ए. II	अवि.	
	श्री कान्ती प्रसाद	२०	भाई	छठीं	अवि.	
	कुमारी शान्ती देवी	१४	बहिन		अवि.	
	श्रीमती सुन्दर बाई	५५	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती द्रोपदी बाई	६५	बुआ		विधवा	
८८—	श्री मनोहरलाल पल्लीवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, हलवाई होटल संघ
	श्रीमती जय देवी	३५	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरला देवी	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
८९—	श्री केदारनाथ वरैया	३६	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
	श्रीमती शान्ति देवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, बर्तन की दुकान
	श्रीमती सुशीला देवी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
९०—	श्री इन्द्रसेन वरैया	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, सब्जी मंडी, छत्री बाजार
	श्रीमती फूलबाई	१६	पत्नी	सातवीं	वि.	
९१—	श्री बाबूलाल वरैया	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती बदामी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भग्गो बाई	४०	माँ		विधवा	
९२—	श्री प्यारेलाल जैन	५०	मुखिया		वि.	मेस. फैन्सी क्लॉथ स्टोर्स, माधवगंज
	श्रीमती निर्मला देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री किशन चन्द	४५	भाई		वि.	
	श्रीमती रामप्यारी देवी	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	सम्पादक—दैनिक जवाहर के लाल
	श्रीमती सन्तोष देवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी. II	अवि.	
९३—	श्री फूलचन्द पाटनी	८०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशर बाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	५५	पुत्र		वि.	मे. मोहन शिवणकला भवन, माधवगंज
	श्रीमती कंचनबाई	४८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	३४	पौत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२९	पौत्र वधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२६	पौत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचंद, नयाबाजार
	श्रीमती शान्ताबाई	१९	पौत्र वधू		वि.	
	श्री होतीलाल	२४	पौत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलाबाई	२३	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पौत्र	बी. कॉम I	वि.	
	श्रीमती मीना देवी	१८	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री धर्मचन्द	१७	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री रतनचन्द	५०	पुत्र	छठीं	वि.	सर्विस, ट्रेजरी आफिस
९४—	श्री मक्खनलाल वरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, रेशमचन्द गुलाबचंद सर्राफ
	श्रीमती शान्ती देवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार, लश्कर
	श्री सुगनचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	भतीजा		अवि.	
	श्रीमती सरवतीबाई	५०	भाभी		विधवा	
९५—	श्री छोटेलाल वरैया	२८	मुखिया	सातवीं	वि.	किराना दुकान
	श्रीमती कस्तूरी देवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रामदीन	३८	भाई		अवि.	
	श्री प्रभूदयाल	२२	भतीजा	बी० ए०	अवि.	
९६—	श्री मदनलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	प्रभात आटा चक्की, माधवगंज
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभातकुमार	१४	पुत्र	नवीं.	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९७—	श्री चिन्टूलाल काला	४५	मुखिया		अवि.	पान की दुकान
	श्री बच्चूलाल	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती लीलाबाई	३०	भाई वधू		वि.	
९८—	श्री पन्नालाल वोहरा	४२	मुखिया		वि.	श्री पन्नालाल सीताराम, कपड़ा व्यवसायी,
	श्रीमती प्रकाशबाई	३५	पत्नी		वि.	माधवगंज, फोन नं. २२१९
	श्री प्रेमचन्द	१७	पुत्र	बी. काम. II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
९९—	श्री बाबूलाल छावडा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, सब पोस्ट आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
१००—	श्रीमती रज्जोबाई वरैया	२२	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री बलराम वरैया	४०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती कमला देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती पार्वती देवी	६५	मां		विधवा	
१०२—	श्री सुमतिप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	भावना अगरबत्ती प्रोडक्शन, सराफा बाजार
	श्रीमती मेमोदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	भाई		अवि.	
१०३—	श्री राजाराम जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	आढ़तिया, सब्जी मण्डी
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१०४—	श्री रामचरनलाल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, सब्जी मंडी
	श्रीमती प्रेमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
१०५—	श्री मुन्शीलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	टाईपिस्ट, नक्शेनवीस, हाई कोर्ट
१०६—	श्री चुन्नीलाल अग्रवाल	५०	मुखिया	बी. ए.	वि.	स.-रामनारायण गोपालदास, नयाबाजार
	श्रीमती सरोजदेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम.ए., एम.काम.	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती कुन्तीरानी	२४	पुत्र वधू	ग्यारवीं	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M Sc.	अवि.	सर्विस-सुपर इलेक्ट्रनिक एण्ड
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	मेकेनिको, कम्पू मार्ग, लश्कर
	कु० उषा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०७—	श्री श्यामलाल पद्मा परवाल	६५	मुखिया		वि.	पान की दूकान
	श्रीमती मुलोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	कु० उर्मिला	१४	पुत्री		अवि.	
१०८—	श्री मिलापचन्द अजमेरा	४४	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	२३	पुत्र	बी. ए. I	वि.	सर्विस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया
	श्रीमती तारादेवी	२०	पुत्रवधू	नवीं	वि.	
	श्री ललित कुमार	१८	पुत्र	ग्यारहवीं	वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू	नवीं	वि.	
	श्री रतन कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१०९—	श्री नत्थूलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	हलवाई की दूकान
	श्रीमती भग्गोबाई	५०	पत्नी		वि.	
११०—	श्री फूलचन्द सेठिया, बरैया	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मन्तीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	पुत्र	छठवीं	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	ग्यारहवीं	अवि.	दुकानदारी
१११—	श्री बाबूलाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, माधवगंज
	श्रीमती रामप्यारी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, सतीशकुमार प्रदीपकुमार,
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	नयाबाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सोहनलाल	२२	पुत्र	बी. काम.	वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, माधवगंज
	श्रीमती शकुन्तला	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री किशनलाल	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मदनलाल	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
११२—	श्री झम्मनलाल सिंघई, बरैया	६०	मुखिया		विधुर	किराने की दुकान, माधवगंज
	श्री लालचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१८	पुत्रवधू		वि.	
११३—	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस सतीशकुमार प्रदीपकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती कमलेशदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री शिखरचन्द	१९	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
११४—	श्री चम्पालाल पद्मा. परवार	६०	मुखिया		विधुर	चम्पालाल दौलतराम, मिष्ठान्न भंडार
	श्री दौलतराम	५५	भाई		वि.	
	श्रीमती कलावती बाई	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री श्यामकुमार	३०	भतीजा		वि.	
	श्रीमती रत्नाबाई	२५	भतीजवधू		वि.	
	कु० विमला	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल	५५	भाई		विधुर	
	श्रीमती केशरबाई	८०	मां		विधवा	
११५—	श्री सम्पतलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		वि.	अखबार-विक्रेता
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू		वि.	
११६—	श्री बादामीलाल	३८	मुखिया		वि.	जैन एण्ड को., न्यूज पेपर्स सोल एजेन्ट, डीडवानाओली
	श्रीमती विमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
११७—	श्री पन्नालाल परवार	६०	मुखिया		विधुर	
	श्री बिहारीलाल	५७	भाई		अवि.	
	श्री बद्रीप्रसाद	५०	भाई		वि.	बद्रीप्रसाद अशोककुमार, मिष्ठान्न भंडार
	श्रीमती नगरावाली	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	३०	भतीजा	ग्यारवीं	वि.	कम्पाउन्डर, आयुर्वेदिक अस्पताल, आमखो, लश्कर
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भतीजवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	दलाल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती उर्मिलादेवी	२४	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२६	भतीजा	इन्टर	वि.	सर्विस, नाप-तौल विभाग
	श्रीमती विमलादेवी	२२	भतीजवधू		वि.	
	कमाठी पुरा, माधवगंज					
११८—	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदास
	श्री घनश्याम दास	३५	भाई		अवि.	हलवाई
११९—	श्री कल्याणदास परवार	७५	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कल्याण दास	७०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३१	पुत्र		वि.	नमकीन का ठेला
	श्रीमती शारदादेवी	२७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री श्रीप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती श्रीप्रकाश	१६	पुत्र वधू		वि.	
१२०—	श्री कन्हैयालाल परवार	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	कन्डक्टर, म. प्र. स्टेट ट्रान्सपोर्ट
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
१२१—	श्री कमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	फुटकर दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
१२२—	श्री धर्मचन्द बरैया	३८	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट, कम्बलकेन्द्र, गोज
	श्रीमती दिनेश्वरी देवी	२५	पत्नी		वि.	पहाड़िया, लश्कर
	गाडवे की गोठ					
१२३—	श्री शंकरलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	ठेला ठंडाई
	श्रीमती कमला बाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	आपागंज					
१२४—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, जे.सी.मिल्स, बुनकर विभाग
	श्रीमती मुन्नीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	बापू डन्डी की गोठ, माधवगंज					
१२५—	श्री उत्तमचन्द बरैया	२८	मुखिया		वि.	कम्पाउन्डर, दीनदयाल औषधालय
	श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२६—	श्री जगन्नाथप्रसाद वरैया	३०	मुखिया		विधुर	चाट ठेला
	श्रीमती काशीबाई	६५	मां		विधवा	
२७—	श्री पन्नालाल वरैया	४५	मुखिया	नवीं	वि.	क्राकरी व्यापारी
	श्रीमती रूपाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री धन्नालाल	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती प्रभावती	२२	पुत्र वधू		वि.	
१२८—	श्री छोटेलाल वरैया	४०	मुखिया		वि.	चाय का ठेला
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	

पुलिस चौकी, माधवगंज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२९—	श्री रघुनाथप्रसाद वरैया	४५	मुखिया		विधुर	मे. सीताराम जीवनलाल, किराना व्यापारी, माधवगंज
	श्री जीवनलाल	३६	भाई		वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३०	भाई वधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई		वि.	मे. जीवनलाल अशोककुमार, किराना व्यापारी
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	भ्राता वधू		वि.	
	कु० सितारा	१४	भतीजी		अवि.	

चिटनीश की गोठ (माधवगंज):—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१३०—	श्री सुभाषचन्द अग्रवाल	२०	मुखिया	ग्यारवी	अवि.	सर्विस-नेमीचंद प्यारेलाल, माधवगंज
	श्री अरिन्जयकुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस-जगदीशप्रसाद राजीवकुमार
	श्रीमती अनारोदेवी	३५	मां		विधवा	
१३१—	श्री मिलापचन्द पापडीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस-रमेशचंद गुलाबचंद सर्राफ
	श्रीमती गुलाबबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री ताराचन्द	३५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, M. P. S. R. T. C.
	श्रीमती हीरोबाई	३०	पुत्रवधू		विधवा	
	श्री लोकेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	अवि.	कशीदाकारी का कार्य
	श्री भूपेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी. काम.	अवि.	सर्विस, म.प्र. राज्य परिवहन निगम
	कु० चन्द्रकान्ता	१७	पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	कु० मधु	१४	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
१३२—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	७०	मुखिया		अवि.	
१३३—	श्री हरविलास पद्मा. परवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७७	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१३४—	श्री किशन स्वरूप पद्मा. पर.	२८	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२४	पत्नी		वि.	
१३५—	श्री कन्हैयालाल गर्ग (अग्र.)	४५	मुखिया		वि.	किराना दुकान, चिटनीस की गोठ
	श्रीमती गुणमाला	४०	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मणदास	२४	पुत्र	B.Com., L.L.B.(पू.)	वि.	सर्विस, ८ म. प्र. बटालियन
	श्रीमती सरोजकुमारी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रिखवदास	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	दुकान
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू	पाँचवी	वि.	
१३६—	श्री मूलचन्द बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुन्शी (अदालत)
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशकुमार	२०	पुत्र	बी. काम.	वि.	टाइपिस्ट हाईकोर्ट
	श्रीमती इन्द्राबाई	१७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेशकुमार	१८	पुत्र	बी.काम. III	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१३७—	श्री फतेहचन्द बरैया	३८	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सुपरि०, ए. जी. आफिस, जाधवमहल
	श्रीमती प्रेमवती	३५	पत्नी		वि.	
१३८—	श्री वृन्दावनलाल गोलालारे	४५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती छोटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री श्रीचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
१३९—	श्री नेमीचन्द बंसल (अग्र.)	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	श्री नेमीचन्द भागचन्द, कपड़े के व्यापारी, दही मण्डी
	श्रीमती गोमतीबाई	२४	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	२२	भाई	नवीं	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	२०	भाई	बी. काम. III	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती त्रिवेणीबाई	४०	मां		विधवा	
	श्रीमती नारायनीबाई	६०	दादी		विधवा	
१४०—	श्री छैलबिहारी परवार	३५	मुखिया	बी. काम.	वि.	सर्विस, लाइफ इन्शोरेन्स कार्पोरेशन
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी	इन्टर	वि.	
१४१—	केशरीचन्द खरौआ	३५	प्रमुख	B.A., L.L.B.	वि.	आडीटर, रजिस्ट्रार आफ को-आपरेटिव सोसाइटीज
	श्री रमेशचन्द	२५	साला	बी. काम.	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण

बालावाई का बाजार :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४२—	श्री दयाचन्द परवार	४०	मुखिया	छठी	वि.	हलवाई
	श्रीमती चमेली बाई	३०	पत्नी	छठी	वि.	
१४३—	श्री चिरोंजीलाल बरैया	३५	मुखिया		अवि.	कपड़े के व्यापारी
१४४—	श्री भीकाराम बरैया	४५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती छोटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१४	पुत्री		अवि.	
१४५—	श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, ट्रान्सपोर्ट कं०
	श्रीमती सुरेन्द्रीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री शशीकान्त	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस, विजय एण्ड कं० नयाबाजार
	श्री किशोर कुमार	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० शोभा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
१४६—	श्री चिरोंजीलाल बरैया	३९	मुखिया		वि.	चिरोंजीलाल बालचंद, कपड़े के
	श्रीमती अंगूरीबाई	३०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
१४७—	श्री मुन्नालाल खरौआ	४७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	परिचालक, M. P. S. R. T. C.
	श्रीमती पद्मश्रीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	कु० मिथलेश	१३	पुत्री	नवीं	अवि.	
१४८—	श्री बाबूलाल खरौआ	३७	मुखिया		वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
	श्रीमती देवी	३२	पत्नी		वि.	
	कु. इन्द्रा	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री शिखरचन्द	६५	पिताजी		विधुर	
१४९—	श्री मिजाजीलाल खरौआ	२०	मुखिया	बी.काम. II	वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
	श्रीमती प्रेमलता	२०	पत्नी		वि.	
१५०—	श्री सीताराम अग्रवाल	५०	मुखिया		वि.	मुन्शी (अदालत)
	श्रीमती लच्छोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१५१—	श्री महेन्द्रकुमार खरौआ	३७	मुखिया		वि.	अशोक पान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती कुसमादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्त कुमार	३०	भाई		अवि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	भाई		अवि.	
	श्रीमती बेटीबाई	६०	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
माधवगंज :-						
१५२—	श्री बाबूलाल खरौआ	५०	मुखिया		वि.	(बाबूलाल शान्तीलाल, कपड़े के व्यापारी, माधवगंज)
	श्रीमती ज्ञानदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	बी.काम. I	अवि.	
१५३—	श्री विनोद कुमार खरौआ	१८	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शुषमा	१६	बहिन	नवीं	अवि.	
	कु० सरिता	१४	बहिन	सातवी	अवि.	
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	मां		विधवा	
१५४—	श्री पंचमलाल वरैया	२४	मुखिया		अवि.	सिलाई का व्यवसाय
१५५—	श्री भानुकुमार खरौआ	५२	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कान्तादेवी	४७	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सतीश कुमार	२५	पुत्र	बी.ए.एम.एस.	वि.	
	श्रीमती जैनश्रीदेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
लाला का बाजार:—						
१५६—	श्री बुद्धामल परवार	२३	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, परिचालक, म० प्र० राज्य परिवहन
	श्रीमती भूरीबाई	१८	पत्नी	छठीं	वि.	
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	४५	मां		विधवा	
१५७—	श्री इन्द्रजीत'शास्त्री'(धोलपुर)	२८	मुखिया	एम.ए;बी.एड.	वि.	
	श्रीमती अनारकली	२५	पत्नी		वि.	
	श्री गोकलचन्द	२०	भाई	D.T. T. *II*	वि.	
१५८—	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२७	मुखिया	एम. एस-सी.	वि.	
खासगी बाजार:—						
१५९—	श्री रमेशचन्द कासलीवाल	२२	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस, म.प्र. स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लि
१६०—	श्री सुनहरीलाल वरैया	४३	मुखिया	पांचवीं	वि.	हार्डवेयर मर्चेन्ट
	श्रीमती विद्याबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजमती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री शिखरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

फडनीस की गोठ, चावडो बाजारः—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१६१	श्रीभगवानलाल	६०	मुखिया		वि.	सिलाई का काम
	श्रीमती आनंदी बाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	४०	पुत्र		वि.	
					अवि.	हलवाई की दुकान,
१६२	श्री पूनमचन्द गर्ग	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	कन्ट्रोल की दुकान, ढोलीबुआ का पुल
	श्रीमती सावित्री देवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
१६३	श्री कपूरचन्द गर्ग	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	नन्हेमल प्यारेलाल सर्राफ, सोना चांदी के विक्रेता
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	कु० प्रभा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. मनोरमा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती भगवती	२५	भ्रातावधू		वि.	

ढ़ोलीवुग्रा का पुल (जैकम साहब कम्पू)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१६४	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती लच्छोबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रामचरण	३०	भाई	छठीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती कौंसाबाई	७०	मां		विधवा	
१६५	श्री सत्येन्द्रनाथ जैसवाल	२७	मुखिया	एम० ए०	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजेश	२३	पत्नी	एम० ए०	वि.	
१६६	श्री फूलचन्द बरैया	६७	मुखिया		विधुर	किराना व्यापारी
	श्री प्रहलाद दास	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, टेक्समेको, बिरला नगर
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	छत्रीबाजार;-
१६७	श्री रामदयाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर.	कपड़े के व्यापारी
१६८	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	बी.ए. III	वि.	अध्यापक, राष्ट्रीय शिशु विद्यालय, छत्री बाजार
	श्रीमती कमलेशकुमारी	१८	पत्नी	बी.ए. I	वि.	
१६९	श्री नेमीचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. विजयकुमार एण्ड ब्रदर्स, वस्त्र व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती पक्खो देवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अजितकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री इन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१७०—	श्री मुरारीलाल वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. अरुणकुमार देवेन्द्रकुमार, वस्त्र व्यापारी, दही मण्डी
	श्रीमती अंगूरी देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
१७१—	श्री पदमचन्द वरैया	२२	मुखिया	इन्टर	वि.	जैन कटपीस एम्पोरियम, २६ बजरंग कटरा, दहीमण्डी
	श्रीमती कुसुमलता	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती दुर्गोबाई	६०	नानी		विधवा	
१७२—	श्री बाबूलाल गोलसिंघारे	५०	मुखिया		वि.	घी के व्यापारी
	श्रीमती रतनबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती बिट्टीबाई	३०	भ्राता वधू		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१६	भाई		अवि.	
१७३—	श्री महावीरप्रसाद बरैया	५५	मुखिया		वि.	पदमचंद पवनकुमार, वस्त्र व्यापारी, २६ बजरंग कटरा दही मण्डी
	श्रीमती बदामी देवी	४५	पत्नी		वि.	
१७४—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	मोतीराम रामचन्द, किराना मर्चेन्ट, इन्दर गंज
	श्रीमती कलावती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, के. बी. बैंक, जयाजी चौक
	श्रीमती कलाबाई	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती बादामीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती गोराबाई	७०	मां		विधवा	
१७५—	श्री सुगनचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मोतीराम रामचंद, किराना मर्चेन्ट, इंद्रगंज
	श्रीमती जैनमती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
१७६—	श्री बांकेलाल गोलसिंगारे	४२	मुखिया		वि.	घी की दुकान
१७७—	श्री हजारीलाल गोलसिंगारे	६०	मुखिया		वि.	घी की दुकान, लक्ष्मीगंज
	श्रीमती रामबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१०	पुत्र		अवि.	
१७८—	श्री नारायणप्रसाद	३७	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२२	पत्नी		वि.	
१७९—	श्री दुर्गाप्रसाद पल्लीवाल	७०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१८०—	श्री नेमीचन्द परवार	२६	मुखिया	M.Com., M.M.B.	वि.	प्रबन्धक, ग्वालियर जिला सहकारी भू-विकास बैंक, ग्वालियर
	श्रीमती कान्तादेवी	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	
१८१—	श्री चोखेलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, चम्पाबाग मन्दिर
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१६	पुत्र		अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
जनकगंज :—						
१८२—	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	मुखिया	बी. काम.	वि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती मनोरमाबाई	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
१८३—	श्री चिरोंजीलाल	७५	मुखिया		विधुर	मे. चिरोंजीलाल फुन्दीलाल हलवाई
	श्री ईश्वरचन्द	२९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
१८४—	श्री चन्द्रसेन वरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती रामकुमारी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री वाबूलाल	४६	भाई		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३५	पुत्र		वि.	सर्विस, नागौरी एण्ड सन्स
	श्रीमती कपूरीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मलचन्द	३३	पुत्र		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
१८५—	श्री रतनलाल वरैया	३७	प्रमुख		वि.	पान मर्चेंट, जनकगंज
	श्रीमती अजुद्धीबाई	३०	पत्नी		वि.	
१८६—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	६२	प्रमुख	मिडिल	विधुर	घी के व्यापारी
	श्री बादशाह	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
१८७—	श्री रतनलाल वरैया	५०	प्रमुख		विधुर	किराना व्यापारी, जनकगंज
१८८—	श्री धूपचन्द टोंग्या	४५	प्रमुख		वि.	सर्विस, ग्वा० रेयन-वेयर हाऊस
	श्रीमती कान्ताबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री शान्ती कुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	सर्विस सुवस्त्र भण्डार, नई सड़क
	श्री यशवन्त कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कु० राजकुमारी	१८	पुत्री	बी.ए .II	अवि.	
१८९—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	२८	प्रमुख	इन्टर	वि.	ओवरसियर, वाटर वर्क्स
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१९०—	श्री उग्रसेन गोलालारे	२८	प्रमुख		वि.	कपड़े के व्यवसायी
	श्रीमती कृष्णादेवी	१८	पत्नी		वि.	
१९१—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	(प्रधान कैशियर, के० बी० बैंक,
	श्रीमती श्यामादेवी	३९	पत्नी		वि.	इन्दौर शाखा)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, आदर्श क्लोथ मिल्स, ग्वा०
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्मचन्द	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, महावीर गोटा फेक्टी,
	श्री सुमतचन्द	१९	पुत्र	नवीं	अवि.	सराफा बाजार
	श्री पारस कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
१९२—	श्री रिखवचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हेंडलूम दरी भण्डार, सराफा बाजार
	श्रीमती अंगूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० सुमनलता	१५	पुत्री	नवी	अवि.	
१९३—	श्री लक्ष्मीनारायण गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती लीलाबाई	२८	पत्नी		वि.	
१९४—	श्री शीतलचन्द गोलापूरव	४१	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, शासकीय आयुर्वेद
	श्रीमती शशीकला	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	महाविद्यालय, ग्वालियर
	श्री मन्धर कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
१९५—	श्री यादव चन्द्र नेगी	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती राजाबाई	२०	पत्नी	एम. ए.	वि.	

भाऊ का बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१९६—	श्री सुरेशकुमार वरैया	१९	मुखिया	हायर सेकंड्री	अवि.	सर्विस, यूनाइटेड कर्मशियल बैंक लि०, सराफा बाजार
	श्री सुमेरचन्द	१८	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नी बाई	१६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती हंसो बाई	४०	मां		विधवा	
	श्रीमती पुनिया बाई	६०	बुआ		विधवा	
१९७—	श्रीमती सोना बाई वरैया	४२	मुखिया		विधवा	किराना व्यापारी, छत्री मन्डी
	श्रीमती चिरोंजी बाई	४५	बहन		विधवा	
	श्रीमती अजुद्धी बाई	७०	मां		विधवा	
१९८—	श्री गुलाबचन्द जी वरैया	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१९९—	श्री मट्टूलाल जी वरैया	६५	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री भरोसीलाल जी	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामकलीबाई	३०	पुत्र वधू	छठी	वि.	
२००—	श्री मथुरादास जी नरपतिया	६७	मुखिया		विधुर	साहूकारी
	श्री प्रकाश चंद जी	३५	पुत्र		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरोजबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
२०१	श्री मांगीलाल जी	६२	मुखिया		वि.	मुनीम दही मण्डी
	श्रीमती रतनबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२०२	श्री हरेन्द्रकुमार जैन कटेरा	२१	मुखिया	इंटर D.H.B.	अवि.	सर्विस जैन औषधालय
२०३	श्री जिनेश्वर प्रसाद लम्हेंचू	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मिष्ठान भंडार
	श्रीमती कैंशाली देवी	३५	पत्नी		वि.	
२०४	श्री गुलाब चन्द्रजी पांडया	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना
	श्रीमती रतन देवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री मोहन लाल	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी मुन्नी	१७	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती श्यामा देवी	६५	माँ		विधवा	
२०५	श्री कस्तूर चन्द सोनी	६५	मुखिया		अवि.	वैंकर्स
२०६	श्री मोतीलाल पांड्या	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजकुमारी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्री वीरेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
२०७	श्री महेन्द्र कुमार गोधा	५०	मुखिया	आठवीं	वि.	महेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
	श्रीमती अशर्फी बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बसन्त कुमार	३०	पुत्र	B.Com.,L.L.B.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स
	श्रीमती कुन्था देवी	२५	पुत्र बधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्र कुमार	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री धर्नेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मनोज कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	कुमारी सविता	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
२०८	श्री नारायणदास	७२	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती गणेशी बाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री चेतन कुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती बनारसी बाई	३७	पुत्रबधू		वि.	
	श्री भूपेन्द्र कुमार	२०	पोता	B.Com	अवि.	सहयोग वस्त्र भण्डार, दही मण्डी
	श्री सन्तोष कुमार	१७	पोता	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी दमयन्ती	१८	पोती	B. A.	अवि.	

ज्ञानाश्रोली;-

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२०९—	श्री चांदमल पाटनी	५५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. चांदमल कागदी,
	श्रीमती चांदमल	४५	पत्नी		वि.	नयाबाजार
२१०—	श्री ताराचन्द्र वरैया	३०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, कटपीस कटरा,
	श्रीमती राजमती	२५	पत्नी		वि.	दहीमन्डी, दौलतगंज ग्वालियर
	श्री बाबूलाल	२४	भाई	M. Sc.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२०	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्री कुन्दन लाल	२१	भाई	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१६	भ्राता वधू		वि.	
	श्री सनतकुमार	१५	भाई	मैट्रिक	अवि.	
२११—	श्री जयदेव परवार	२४	मुखिया	बी.ए.	वि.	सर्विस ए. जी. आफिस मोतीमहल
	श्रीमती शान्तीदेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अश्वनीकुमार	१८	भाई	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती रानी	१५	भ्राता वधू		वि.	
२१२—	श्री देवेन्द्र कुमार गोधा	४५	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस, गंगवाल फेक्ट्री
	श्रीमती बाओ बाई	४२	पत्नी		वि.	
२१३—	श्री चेतनमल पांड्या	७५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरी बाई	६०	पत्नी		वि.	
२१४—	श्रीमती कोकाबाई गोधा	६०	मुखिया		विधवा	
२१५—	श्री राजकुमार जैसवाल	१९	मुखिया	हा० से०	अवि.	सर्विस
	श्रीमती वैजयन्ती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्रीमती गोराबाई	६०	दादी		विधवा	
	कुमारी प्रभाबाई	१४	बहिन		अवि.	
२१६—	श्रीमतीओछीबाईदीवानजैसवाल	६०	मुखिया		विधवा	
२१७—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	चाट का खौंमचा
२१८—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२३	मुखिया	दसवीं	वि.	चाट का खौंमचा
	श्रीमती प्रेमवती बाई	२१	पत्नी	पांचवी	वि.	
	श्री जयकुमार	१७	भाई	नवी	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१५	भाई	आठवीं	अवि.	
	श्रीमती राधा बाई	५५	नानी		विधवा	
२१९—	श्री शिखरचन्द गोधा	२७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सुशीला बाई	२३	पत्नी	छटवी	वि.	
२२०—	श्री तेज नारायण गोधा	३६	मुखिया	दसवी	वि.	गोधा केन्टीन, जयाजीचौक, लश्कर
	श्रीमती कंचन बाई	३२	पत्नी	पांचवी	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मोहन कृष्ण	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी जयश्री	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेश चन्द्र	१४	पुत्र	आठवीं	अवि.	
२२१—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३६	मुखिया	M.B.B.S., M.S.	वि.	सर्जन, जे.ए. हास्पीटल; व्याख्याता,
	श्रीमती किरण देवी	३६	पत्नी		वि.	गजराराजा मेडीकल कॉलेज
	श्री विजय कुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	(निवास-फोन नं० २१२०)
	श्री कुन्दनलाल	६५	पिता		विधुर	
२२२—	श्री मनोहरलाल पाण्डया	४६	मुखिया		वि	सोने चाँदी का व्यवसाय,
	श्रीमती राजकुमारी बाई	४३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	कुमारी मधुबाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२२३—	श्री चन्द्रसेन जी गोलश्रृंगारीय	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, पी० डब्लू० डी०
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	
२२४—	श्रीमती राशमनीबाई	७५	मुखिया	जैन शिक्षा	विधवा	
२२५—	श्री महेश कुमार परवार	२०	मुखिया	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस.
	श्रीमती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्री चकनेश कुमार	१४	भाई	८ वीं	अवि.	
२२६—	श्री फूलचन्द रांवका	४५	मुखिया		विधुर	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	जैन धृत भण्डार
२२७—	श्री कन्हैयालाल पांडया	४८	मुखिया	५ वीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमाला बाई	३६	पत्नी	४ थी	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२२८—	श्री रामचरन जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती वर्फीबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	आठवीं	वि.	पान की दुकान
	श्रीमती विमलाबाई	१५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री रेशमचन्द	१४	पुत्र	६ टीं	अवि.	
	कुमारी विद्या बाई	१५	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२२९—	श्री मुन्नालाल जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शारदा बाई	२४	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्रीमती चमेली बाई	५०	माँ		विधवा	
२३०—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार
	श्रीमती गेंदा बाई	३७	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	१९	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री मूलचन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नी बाई	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
	श्रीमती लच्छो बाई	६८	माँ		विधवा	
२३१—	श्री मोतीलाल गोधा	३२	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती शान्ति देवी	२८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	
	कुमारी शारदा बाई	१४	पुत्री	प्रा. शि.	अवि.	
	श्री कमल चन्द	२४	भतीजा	मिडिल	वि.	सर्विस, ठाठीपुर अस्पताल
	श्रीमती पद्मा बाई	१७	भतीज वधू	११ वीं	वि.	
२३२—	श्री बाबूलाल छावड़ा	५५	मुखिया	B. A.	विधुर	अध्यापक, वर्द्धमान विद्यालय,
	श्री पदम चन्द	३०	पुत्र	M. A.	वि.	सर्विस, सिविल सर्जन आफिस, ग्वा.
	श्रीमती तारादेवी	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी प्रेमलता	१४	पोती	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२१	पुत्र	११ वीं	अवि.	सर्विस, म. प्र. राज्य परिवहन.
२३३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	हलवाई
२३४—	श्री गोपीलाल बोहरा	४५	मुखिया		विधुर	मुख्य लेखाधिकारी, जयविलास महल
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	B. Com	वि.	सर्विस, के.बी. बैंक, जयेन्द्रगंज शाखा
	श्रीमती कंचन बाई	२०	पुत्र वधू	मिडिल	अवि.	
	श्री पारस कुमार	१९	पुत्र	B.Com II	वि.	
	कुमारी पवन	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१४	पुत्री	९ वीं	अवि.	
	कुमार पुष्पा	१५	पुत्री	९ वीं	अवि.	
२३५—	श्री मानकचन्द बोहरा	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	किराना व्यापारी
	कुमारी कुसुम	१४	पुत्री	९ वीं	अवि.	
२३६—	श्री मोतीलाल बोहरा	३५	मुखिया		अवि.	सर्विस, गंगवाल फैक्ट्री
	श्रीमती फूली बाई	६०	माँ		विधवा	
३६७—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	अनाज की दुकान
	श्रीमती जैनोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	२२	पुत्र	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती आनन्दी बाई	१६	पुत्र वधू	११ वीं	वि.	
२३८—	श्री महेन्द्रकुमार पारख	४५	मुखिया	१० वीं	वि.	सर्विस, यू० को० बैंक
	श्रीमती प्रेमलता	३५	पत्नी	८ वीं	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री देवेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती लीला जैन	१८	पुत्र वधू	B. A. I	वि.	
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	B. A.	अवि.	
	कुमारी शशि प्रभा	१६	पुत्री	१० वीं	अवि.	
	कुमारी मनोरमा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२३९—	श्री बद्री प्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती रतन देवी	४५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री प्रकाश चन्द्र	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रभा देवी	१९	पुत्र वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१६	पुत्र वधू	३ वीं	वि.	
	श्री पदम चन्द	१५	पुत्र	९ वीं	अवि.	
२४०—	श्री लक्ष्मणदास जी जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खौंमचा नमकीन
	श्रीमती लक्ष्मणदास	५५	पत्नी		वि.	
	पुत्र (लक्ष्मणदास जी)	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुत्र वधू	२४	पुत्र वधू		वि.	
२४१—	श्री फूलचन्द जी	४८	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	नमकीन
	श्रीमती कुवंरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द जी	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुलोचना	२४	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
२४२—	श्री सन्तलाल जी बिलाला	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती चमेलीबाई	५२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री क्रान्तिकुमार जी	२९	पुत्र	मेट्रिक	वि.	एकाउन्टेंट, मलेरिया विभाग
	श्रीमती कान्ताकुमारी	२५	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार जी	२१	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस, मलेरिया विभाग.
	श्री नरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कु० पुष्पा	१९	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	
	कु० मन्दर कुमारी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० शशि	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२४३—	श्री विजयकुमार परवार	२०	मुखिया	हा० से०	अवि.	व्यापार
	श्री सुरेशचन्द्र	१८	भाई	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१६	भाई	१० वीं	अवि.	
	श्रीमती गोरीबाई	३६	माँ		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४४—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती कान्तीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द जी	३४	भाई	M.B.B.S.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स अस्पताल
	श्रीमती प्रेमलता	२६	भ्राता वधु	M. B. B. S.	वि.	डा०—सरकारी अस्पताल, डबरा
	श्रीमती मथुरा बाई	६५	माँ		विधवा	
	श्री प्रेमचन्द	४२	भाई		विधुर	
२४५—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	३५	मुखिया	B. Sc.	वि.	सर्विस, शासकीय प्रेस
	श्रीमती सरोज बाई	३०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी गीता	१४	पुत्री	—	वि.	
२४६—	श्री हुकुमचन्द जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान किराना
	श्रीमती सरस्वती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२३	भाई	B.Sc. I	वि.	
	श्रीमती सुमित्रा बाई	१६	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मुन्नी	१४	पुत्री	७ वीं	अवि.	
	श्रीमती मथुरा बाई	५५	माँ		विधवा	
२४७—	श्री जयचन्द खरौआ	४५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती अनारोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	२१	पुत्र	B. Sc.	वि.	
	श्रीमती मोतीरानी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मायादेवी	१४	पुत्रवधु	प्रा० शि०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४८—	श्री बसन्तलाल बिलाला	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सूरज बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पुत्र	B..com. I	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२४९—	श्री मांगीलाल अगरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती मंगो बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२२	पुत्र	११ वीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	१० वीं	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५०—	श्री चाँदमल पांडया	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्री चम्पालाल	२३	पुत्र	B. Com.	वि.	सर्विस, P. W. D., मोतीमहल
	श्रीमती मंजू लता	१९	पुत्रवधू	१० वीं	वि.	
२५१—	श्री मानिकचन्द भोंच	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, अग्रवाल कैमिकल्स, सराफा
	श्रीमती अंगूरी बाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, फूड आफिस कलैक्ट्रेट, गारखी
	श्रीमती सरोज बाई	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मधु	१७	पुत्री	B. A. II	अवि.	
२५२—	श्री पूरनचन्द पाण्डया	४५	मुखिया	मिडिल	विधुर	दुकान किराना, दाना ओली
	श्री विमल कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मुन्नी देवी	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२५३—	श्री सुमेरचन्द्र जीं वैद्य	४५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	एकाउन्टेन्ट, बादर वर्क्स, ग्वालियर
	श्री पारस कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हुकम चन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पदम चन्द्र	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री धर्म चन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१४	पुत्र	छटवीं	अवि.	
	श्रीमती फत्तिबाई	६४	माँ		विधवा	
२५४—	श्री श्रीपत जैसवाल	३७	मुखिया	प्रा० शि०	वि.	घी का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	२९	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री लालाजीराम	५८	पिता		विधुर	
२५५—	श्री रामदयाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, गवर्नमेन्ट लैण्ड रिकार्ड
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२९	पुत्र	B. A. I.	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५६—	श्री खेमचन्द जैसवाल	३६	मुखिया		अवि.	हलवाई
२५७—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हलवाई की दुकान, दानाओली
	श्रीमती सुनहरीबाई	३५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२५८—	श्री ज्ञानचन्द पांड्या	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती सुगनकुमारी	२९	पत्नी	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२५९—	श्री त्रिलोकचन्द बोहरा	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	एकाउन्टेन्ट, जे. सी. मि., बिरलानगर
	श्रीमती सूरजबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मोतीलाल	५०	भाई	मिडिल	वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्री मानकचन्द	४८	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन, सेल्स विभाग
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेन्चुरी मिल्स रिटेल शाप, सराफा
	श्रीमती सुधारानी	२०	भतीजवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२६०—	श्री सुरेन्द्रकुमार जी पाण्डया	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सूरजबाई	६०	मां		विधवा	
२६१—	श्री मोतीलाल अजमेरा	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२६२—	श्री जलधारी जैन	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	खौंमचा नमकीन
	श्रीमती इन्द्रारानी	२८	पत्नी		वि.	
२६३—	श्री मोतीलाल पाण्डया	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने चांदी की दुकान (फोन २०७१)
	श्रीमती कोकिलाबाई	४७	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	पुत्र	बी० कॉम II	अवि.	
२६४—	श्री स्वरूपचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	वैद्य	वि	सहायक वैद्य, आयुर्वेदिक औषधालय
२६५—	श्री पूरनचन्द जी वरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, पोस्ट आफिस, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती गुणमालाबाई	३५	पत्नी		वि.	
	कुमारी विद्या	१६	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२६६—	श्री गोपीचन्द पाटनी	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	प्रमुख खजान्च, युनाइटेड कं. बैंक,
	श्रीमती रतनवाई	४८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	सराफा बाजार शाखा
	श्री पदम कुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम	वि.	सर्विस-यू० को० बैंक, भिण्ड शाखा
	श्रीमती विमलाकुमारी	१८	पुत्र वधू	११ वीं	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२१	पुत्र	D. M. E.	अवि.	
	श्री सुभाषकुमार	१४	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१९	पुत्री	बी.ए.	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२६७—	श्री विमलकुमार छाबड़ा	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचंद-गंगवाल, नयाबाजार
	श्री कमलकुमार	२८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुक्मणी बाई	२२	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
२६८—	श्री सागरचन्द्र बड़जात्या	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कंचनकुमारी	४०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	सर्विस-सराफा वार्ड, जबलपुर,
	श्री रिखबचन्द	४५	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जीवाजीराव काटन मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती शान्तिदेवी	४०	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री श्रेयान्सकुमार	२०	भतीजा	B. E.	अवि.	
	कुमारी ऐला	१८	भतीजी	बी. ए.	अवि.	
	श्री उदंककुमार	१७	भतीजा	बी.एस.सी.II	अवि.	
	कुमारी मंजूलता	१४	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलचन्द	३८	भ्राता	मेट्रिक	वि.	शासकीय सेवा
	श्रीमती तारादेवी	३२	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री कुशलचन्द	३४	भ्राता	इंटर	वि.	शासकीय सेवा
	श्रीमती कंचनकुमारी	२६	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मोतीबाई	६८	मां	प्रा० शि०	विधवा	
	श्री वसन्तकुमार	३०	भ्राता	बी० काम०	वि.	सर्विस—कृष्णराम बल्देव बैंक लि०
	श्रीमती शान्तिदेवी	२६	भ्राता वधू	एम.म्यूज.	वि.	
	श्री अजितकुमार	२६	भ्राता	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती सितारादेवी	२४	भ्राता वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२४	भ्राता	एम. एस. सी.	वि.	सर्विस
२६९—	श्री मानिकचन्द सोनी	५०	मुखिया	मैट्रिक	वि.	जनरल स्टोर्स, जयाजी चौक
	श्रीमती रतनबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	४५	भाई	मिडिल	वि	रेल्वे विभाग झांसी
	श्रीमती हीराबाई	४२	भ्रातावधू		वि.	
	श्री केशरीमल	२२	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती सरोज	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री धर्मचन्द	१९	पुत्र	बी. काम.	अवि.	
२७०—	श्री गोपीचन्द बरैया	५२	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती कोसाबाई	५०	पत्नी		वि.	
२७१—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	ड्राफ्टस-मैन, ट्रान्सपोर्ट आफिस
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पुष्पेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२७२—	श्री गप्पूलाल जैसवाल	७४	मुखिया		वि.	घी की दुकान
	श्रीमती मनियाबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री मानिकचन्द	३५	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	३२	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
	श्री श्रवणलाल	३२	भतीजा	D. E. E.	वि.	सुपरवायजर, म प्र. विद्युत प्रमंडल
	श्रीमती कुसुमकुमारी	१८	भतीजवधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	भतीजा	B.E. II	अवि.	
	श्री पुत्तनलाल	२०	भानजा	B. Com. L. L. B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती धनवन्ती कुमारी	१६	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पौत्र	B. Sc. I	अवि.	
२७३—	श्री नेमीचन्द जैन	४०	मुखिया		वि.	दुकान किराना
	श्रीमती वैजयन्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	बी० काम	वि.	
	श्रीमती विमलेशकुमारी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	१५	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नीबाई	१४	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२७४—	श्री सरमनलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खेती वाड़ी
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२५	पुत्र		अवि.	सर्विस--अमर प्रिंटिंग प्रेस
	श्री निर्मलकुमार	२२	पुत्र		अवि.	
	कुमारी कुसुमबाई	१४	पुत्री		अवि.	
२७५—	श्रीउत्तमचन्द बैनाड़ा	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमला देवी	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२७६—	श्री राधामोहन सिंघई	३७	मुखिया	इन्टर	वि.	मे० विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त का ताजिया, फोन नं० २२१५
	श्रीमती जानकीदेवी	३५	पत्नी	८ वी	वि.	
	श्री विजयकुमार	१४	भतीजा	१० वीं	अवि.	
२७७—	श्री उग्रसेन जैन	३८	मुखिया	B. Com. L. L. B.	वि.	सर्विस-म० प्र० शा० जीवन बीमा
	श्रीमती सरोजकुमारी	३५	पत्नी	११ वीं	वि.	
	कुमारी मृदुला	१७	पुत्री	११ वीं	अवि.	
२७८—	श्री हीरालाल लुहाड़िया	६१	मुखिया	मिडिल	वि.	मेनेजर-मेसर्स-नन्दराम नारायणदास
	श्रीमती चेतनबाई	५२	पत्नी	५ वीं	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३१	पुत्र	१२ वीं	वि.	ठेकेदार (दतिया)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्वन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्दाबाई	२७	पुत्रवधू	८ वीं	वि.	
	श्री बाबूलाल	२३	पुत्र	B. Com. II	अवि.	ठेकेदार
२७९—	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	२३	मुखिया	M. B. B. S.	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१९	पत्नी	११ वीं	वि.	
२८०—	श्री कपूरचन्द छावड़ा	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्वालियर इलेक्ट्रिक जनरल स्टोर्स, सराफा बाजार
	श्रीमती फूली बाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	३०	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सूरजकुमार	१७	साले का पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
२८१—	श्रीमती रज्जोबाई वैद्य	४०	मुखिया		विधवा	
२८२—	श्री नेमीचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	इलेक्ट्रिक फिटिंग वर्क्स
	श्रीमती किरणदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शीला देवी	१९	पुत्र वधू		वि.	
२८३—	श्री पूरनचन्द जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान विक्रेता, दानाओली
	श्रीमती स्नेहलता	२२	पत्नी	९ वीं	वि.	
२८४—	श्री शीतलप्रसाद वैनाड़ा	२५	मुखिया	नवीं	वि.	पिस्टन मैन्यू-फैक्चरर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती मुन्नीबाई	२१	पुत्री।		वि.	
२८५—	श्री नेमीचन्द गंगवाल	४३	मुखिया		विधुर	सर्विस-धर्म-काँटा, सराफा बाजार
	श्री मानिकचन्द	३८	भाई		वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग
	श्रीमती शान्तीबाई	३४	भ्राता वधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
२८६—	श्री गुलाबचन्द चांदवाड़	७२	मुखिया		वि.	साहूकारी
	श्रीमती गैंदाबाई	६०	पत्नी		वि.	
२८७—	श्री कौशलकिशोर दीवान	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि	
	डा० शान्तिकुमार	३०	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	ठाठीपुर डिस्पेन्सरी
	श्रीमती सुधा	२०	पुत्र वधू	बी० ए०	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२३	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	अवि.	सर्विस
	श्री नरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	बी. एस. सी. I	अवि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी शीला	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
२८८—	डा० जुगलकिशोर दीवान	४५	मुखिया	M. B.B. S.	वि.	मेडीकल आफीसर, माधव डिस्पेन्सरी
	श्रीमती राजकुमारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२६	पुत्र	एम.बी. बी.एस.	अवि.	सी. एम. ओ., माधव डिस्पेंसरी, लश्कर
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	M. B.B. S. III	अवि.	
	कुमारी शकुन्तला	१८	पुत्री	बी० ए० I	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
२८९—	श्री कैलाश बाबू दीवान	४०	मुखिया		वि.	एकाउन्टेन्ट, वैटनरी डिपार्टमेंन्ट
	श्रीमती फूलवती	३५	पत्नी		वि.	
२९०—	श्री मानकचन्द पाटोदी	४७	मुखिया	मिडिल	वि.	सदस्य, सेन्ट्रल इन्डिया कर्मशियल एक्सचेंज लि०, ग्वालियर
	श्रीमती मोतीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र		अवि.	
२९१—	श्री नानकराम दीवान	२२	मुखिया	हा० से०	अवि.	
२९२—	श्री कस्तूरचन्द गंगवाल	६१	मुखिया		विधुर	सर्विस,-ग्वालियर गोटा फैक्ट्री
	श्री भागचन्द	३२	पुत्र		वि.	सर्विस,-नगर पालिका निगम
	श्रीमती मैनादेवी	२५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री हुकमचन्द	२८	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री उत्तमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	व्यापार
२९३—	श्री लखमीचन्द कासलीवाल	६०	मुखिया		विधुर	व्यापार
२९४—	श्री सौभाग्यमल कासलीवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि	आन्दीमल राजमल सर्राफ, सोने-चांदी का व्यवसाय
	श्रीमती कमला बाई	३२	भ्राता वधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती शिमलाबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री हुकमचन्द	२४	भाई	बी.एस.सी. I	वि.	
	श्रीमती निर्मलाबाई	१९	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयकुमार	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री धनयकुमार	१६	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	श्री अजित कुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चतुररानी	१८	भतीजी	बी० ए०	अवि.	
	कु० दलित रानी	१७	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० विनीता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६०	मां		विधवा	
२९५—	श्री केशरीमल गोधा	४५	प्रमुख	मेट्रिक	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती गुलाबबाई	७५	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	मे० चांदमल फूलचन्द,वस्त्र व्यापारी
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	सराफा बाजार
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२९६	श्री नेमीचन्द वरैया	३९	मुखिया		वि.	मे. नेमीचन्द सुरेशचन्द, कपड़े का
	श्रीमती कंठीबाई	३०	पत्नी		वि.	व्यावसाय, जीवाजी चौक, लश्कर
	श्री सुरेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि	
२९७	श्री सुगनचन्द पाटनी	६३	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कपूरी देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री बसन्तकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
२९८	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती गुल्लोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री खेमचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	कु. पदमा	१३	पुत्री		अवि.	
२९९	श्रीबाबूलाल अग्रवाल	४१	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	उप-अधीक्षक, कार्यालय संभागीय
	श्रीमती पूर्णिमा	३०	पत्नी		वि.	आयुक्त ग्वालियर
	श्री नाथूलाल	२५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस–शासकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी
३००	श्री रामदयाल वरैया	३३	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती इमरती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	७०	मां		विधवा	
३०१	श्री अमरचन्द वरैया	६५	मुखिया		वि.	मकानों की दलाली
	श्रीमती इमरती बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१४	पुत्रवधू		वि.	
३०२	श्रीमती सरस्वती वरैया	७०	मुखिया		विधवा	घी विक्रेता
३०३	श्री नत्थीलाल	३५	मुखिया	एम.ए.	वि.	प्र. अ., हस्तिनापुर मिडिल स्कूल,
	श्रीमती स्वर्णलता	२१	पत्नी		वि.	ललितपुर (म. प्र.)
३०४	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	३०	मुखिया	M.A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती विमला	२४	पत्नी		वि.	
३०५	श्री विमलचन्द दोषी	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-ऐ. जी. आफिस, मोतीमहल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती विमला देवी	३०	पत्नी	विद्या-विनोदनी	वि.	
	कुमारी रेखा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी शशि	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३०६—	श्री तोताराम जैसवाल	२०	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती जमुना देवी	४६	माँ		विधवा	
३०७—	श्रीसौभाग्यमल विलाला	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-गंगवाल इन्डस्ट्रीज, ग्वा०
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२६	पत्नी		वि.	
३०८—	प्रो. लालचन्द्र जैन	४३	मु०	M.A., M.Com. LL.B, M.B.A. (न्यूयार्क)	वि.	प्रो०, महारानी लक्ष्मीबाई कालेज, लश्कर
	श्रीमती कान्ता बाई	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कुमारी मधुवाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	२२	साला	बी.एस.सी.	अवि.	
३०९—	श्री फूलचन्द सोनी	४५	मुखिया		वि.	मे. लखमीचन्द राजकुमार
	श्रीमती कमला बाई	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र विक्रेता, नया बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२६	पुत्र		अवि,	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B.A.LL.B.	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३१०—	श्री चिरोंजीलाल गोधा	४०	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री कमल किशोर	१९	पुत्र	D.T.T.	अवि.	
	श्री विमल कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३११—	श्री मोतीलाल वज	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती कुसुम	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती तीजा बाई	५०	माँ		विधवा	
३१२—	श्री सोभाग्यमल गोधा	६०	मुखिया		विधुर	सर्विस-बिरला पाईपर्फिटिंग, दौलतगंज
	श्री रूपचन्द	३०	पुत्र	बी. ए. II	वि.	सर्विस-वाटर वर्क्स, एवं किराना
	श्रीमती पुष्पा देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	व्यापारी दाना ओली
३१३—	श्री महावीर प्रसाद वरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती कुसुमलता	१९	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती दक्खो बाई	५०	माँ		विधवा	
३१४—	श्री नेमीचन्द भडारी	२२	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस-बैंक ऑफ इण्डिया, दाल-

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१६	पत्नी		वि.	बाजार, लश्कर
३१५—	श्री रमेशचन्द वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सिमको, बिरलानगर
	श्रीमती माया देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३१६—	श्री शान्तीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वस्त्रों की दुकान, सुभाष
	श्रीमती पार्वती बाई	२०	पत्नी		वि.	मार्केट
३१७—	श्री मुन्नालाल वरैया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम भैरोंदान घीसूलाल सर्राफ,
	श्रीमती कपूरी बाई	४२	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री सतीश चन्द	२१	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अरुण कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३१८—	श्री बसन्त कुमार वरैया	१५	मुखिया		अवि.	
३१६—	श्री पूरनचन्द वरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	खजांची, सैन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी	हाईस्कूल	वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३२०—	श्री रामजीत वरैया	४५	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती कपूरी देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री घनश्यामदास	२२	पुत्र	हा० से०	वि	सर्विस
	श्रीमती शशीकला	१६	पत्नी		वि.	
	श्री सुशील कुमार	१८	पुत्र		अवि.	
३२१—	श्री सुरेन्द्र कुमार रांवका	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, बालकिशन तख्तेवाले,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	दौलतगंज चौराहा
३२२—	श्री रामूलाल चांदवाड	५०	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. लेखराज जमनादास
३२३—	श्री मोतीलाल जैसवाल	६१	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदास
	श्रीमती सोना बाई	५८	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री पुरूषोत्तमदास	२५	पुत्र	B. A.	वि.	टाईपिस्ट हाकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती कमलावती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	२२	पुत्र	B. E.	वि.	टेलीफोन ट्रेनिंग सेन्टर, जबलपुर
	श्रीमती सावित्री देवी	२०	पुत्रवधू	B A. I	वि.	
	श्री हरीशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
३२४—	श्री शिखरचन्द अगरैया	५८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेश कुमार	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सरोज बाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२५—	श्री गिरधारीलाल जैंसवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. पन्नालाल गिरधारीलाल, कपड़े के थोक व्यापारी, नया बाजार
	श्रीमती महेन्द्री देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मोहनी बाई	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३२६—	श्री बाबूलाल जैंसवाल	४०	मुखिया		वि.	मे. बाबूलाल सुरेश चन्द, किराना मर्चेन्ट, दानाओली
	श्रीमती बाबूलाल	३५	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२७—	श्री पंचाराम जैंसवाल	४०	मुखिया		वि.	दूध की डेयरी, दाना ओली
	श्रीमती अनारो देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A. I	वि	क्लर्क. हाईकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती प्रेमवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	वि.	मिष्ठान विक्रैता
	श्रीमती शान्ती बाई	१७	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी पुष्पा	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र		वि.	
३२८—	श्री राजकुमार जैंसवाल	२६	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजकुमारी	१८	पत्नी	इन्टर	वि.	
३२६—	श्री सुगनचन्द गोलसिंघारे	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	घी के व्यापारी, मोची ओली
	श्रीमती लालीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भगवानीबाई	८०	माँ		विधवा	
	कुमारी लज्जावती	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३०—	श्री सुगनचन्द वरैया	३२	मुखिया	B. A. I	वि.	सर्विस, मेसर्स पारख एन्ड सन्स, सराफा बाजार
	श्रीमती शीला देवी	२६	पत्नी		वि.	
३३१—	श्री रामबाबू परवार	३२	मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस, ग्वालियर
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३३२—	श्री छोटेलाल जैंसवाल	६०	मुखिया		वि.	घी के व्यापारी, दाना ओली
	श्रीमती गेन्दाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द्र	१७	पुत्र		अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३३३—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	२२	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती विमला	२०	पत्नी		वि.	
३३४—	श्री सुरेशबाबू गंगेरवाल	२८	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कृषि विभाग
	श्रीमती कमला	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
३३५—	श्री पारस दास बुढ़ेलवाल	२४	मुखिया	B.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, जाधव
	श्रीमती शकुन्तला	२१	पत्नी		वि.	महल, ग्वालियर
३३६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M. A.	अवि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस
३३७—	श्री किशनलाल वरैया	५०	मुखिया		विधुर	मिष्ठान-विक्रेता
	श्री देवीलाल	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती लीलावती	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री हजारीलाल	३५	भाई		वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भ्रातावधू		वि.	
३३८—	श्री जौहरीलाल वरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—गोपालदास हरविलास,
	श्रीमती कपूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	इन्द्रगंज
	श्री सुषमादेवी	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३९—	श्री सुनहरीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	नयाबाजार
	श्री प्यारेलाल	६०	पिताजी		विधुर	
३४०—	श्री भंवरलाल बड़जात्या	५४	मुखिया		अवि.	सलाहकार, विक्रय कर
	श्री कपूरचन्द	४२	भाई		अवि.	मकानों की दलाली
३४१—	श्री चौथमल बड़जात्या	३०	मुखिया		वि.	जल-विभाग, गुना
	श्रीमती मुन्नाबाई	२५	पत्नी		वि.	
३४२—	श्री चिरंजीलाल बड़जात्या	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	नगर पालिका निगम
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	कु० ममता	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री पवनकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३४३—	श्री शान्तिचन्द वैद्य	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—नगर पालिक निगम ग्वा.
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१८	साला	मेट्रिक	अवि.	सर्विस
३४४—	श्री हजारीलाल बरैया	५०	मुखिया		अवि.	व्यापार
३४५—	श्री मोहनलाल बरैया	४८	मुखिया		विधुर	सर्विस-जैन पाठशाला माधवगंज
	श्री कपूरचन्द	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्थापना : १९५६ टेलीफोन : २०८८

उत्तर भारत की एकमात्र विश्वसनीय
निर्माण शाला में निर्मित :-

औद्योगिक सुगंधियाँ

एवं

अगरबत्तियां

निर्माता :-

भावना केमीकल

एण्ड

परफ्यूमरी प्राडक्ट्स

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

सुगंध सम्राट :-

भावना स्पेशल अगरबत्ती

सदैव प्रयोग करें !

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३४६—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-हिंद ट्रेडिंग कम्पनी, नया बाजार
	श्रीमती दुलारीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
३४७—	श्री ताराचन्द बरैया	६०	मुखिया		अवि.	किराने की दुकान
३४८—	श्री बिहारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
३४९—	श्री कमलकुमार परवार	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक, जैन पाठशाला नया-बाजार
	श्रीमती प्रेमकान्ता	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री किशोरीलाल	३३	भाई	हा.से. साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक, अनिवार्य प्राथमिक विद्यालय, जहाँगीर कटरा, ग्वालियर
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	भ्रातावधू		वि.	
३५०—	श्री पूरनचन्द जैसवाल	३५	मुखिया		वि.	मिष्ठान्न विक्रेता
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२०	पत्नी	हा. से.	वि.	
३५१—	श्री ताराचन्द बरैया	६३	मुखिया	मिडिल	अवि.	किराने की दुकान, साठे की गोठ
३५२—	श्री सुरेश कुमार	१९	मुखिया	B.Sc.II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	६५	दादी		विधवा	
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	मां		विधवा	
३५३—	श्री रामचरणलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती कपूरीबाई	२२	पत्नी		वि.	
३५४—	श्री माँगीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पदमावती	१८	पत्नी		वि.	
३५५—	श्री मक्खनलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-चिरोंजीलाल रामजीलाल,
	श्रीमती कपूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मोनाबाई	७०	मां		विधवा	
३५६—	श्री पारसमल कागदी	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	कागज के व्यापारी, सराफा बाजार लश्कर
	श्रीमती पुष्पारानी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० इन्दूरानी	१९	पुत्री	बी०ए०	अवि.	
	कु० रन्जना	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३५७—	श्री लखमीचन्द मित्तल	५६	मुखिया		वि.	मे० गोपीलाल लखमीचन्द सर्राफ
	श्रीमती नारायनीदेवी	५२	पत्नी	मिडिल	वि.	फोन नं.-निवास ६७१, दुकान २१६१
	श्री बाबूलाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० मोतीलाल बाबूलाल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अनारदेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	डा. राधेलाल जैन	३०	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	वि.	जैन क्लीनिक, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	२४	पुत्र	हाई स्कूल	वि.	खाद्यान्न विक्रेता, दाल बाजार
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२२	पौत्र	B.Sc. II	वि.	
	श्रीमती आशादेवी	२०	पौत्रवधू	B.A.(Pre)	वि.	
	श्री रामकिशन	१८	पौत्र	B.Sc.I	अवि.	
३५८—	श्री गोपीलाल मित्तल	५८	मुखिया	मिडिल	विधुर	खाद्यान्न विक्रेता, दालबाजार १५४७
	श्री मोतीलाल	४२	पुत्र	B. A.	वि.	गोपीलाल लखमीचन्द, सोने 'चांदी
	श्रीमती लीलादेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	के व्यापारी, सराफा
	श्री रामस्वरूप	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हरीदास प्रकाशचन्द्र
	श्रीमती भगवतीदेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री हरिदास	३४	पुत्र	B. Com	वि.	मे० अशोककुमार मुकेशकुमार
	श्रीमती वर्फीदेवी	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	डाक्टर छोटेलाल	२६	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	जैन क्लीनिक, दानाओली लश्कर
	श्रीमती सरोजकुमारी	२४	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	
३५९—	प्रो. घासीराम जैन	७०	मुखिया	M. Sc. 1926	वि.	रिटा० विभागाध्यक्ष, भौतिकी, माधव
	श्रीमती घासीराम जैन	५५	पत्नी		वि.	इंजी० कॉलेज, २२३ थापर नगर, मेरठ
३६०—	श्री प्रकाशचन्द्र अग्रवाल	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	रिटेल शाप, देहली क्लाथ मिल्स.
	श्रीमती त्रिवेणीदेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार लश्कर, शाख-सदर
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	बाजार मुरार
	कु० आशा	२०	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कु० शशि	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
३६१—	श्री ज्ञानचन्द पाटौदी	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कमीशन ऐजेन्ट, सेंन्ट्रल इंडिया,
	श्रीमती चमेलीबाई	४२	पत्नी		वि.	कर्माशियल एक्सचेन्ज, लश्कर
	श्री नरेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
३६२—	श्री कल्याणमल कासलीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती अनारबाई	५२	पत्नी		वि.	
	श्री चांदमल	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	सिलाई का कार्य
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ताराचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस—ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि०	
	श्री विमलकुमार	२२	पुत्र	बी. कॉम	अवि.	सर्विस-ए० जी० आफि ।
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नाथूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—साबुन कारखाना
	श्रीमती रतनबाई	३५	पत्नी		वि.	
३६४—	श्री फूलचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता
	श्रीमती चमेलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
३६५—	श्री मुरारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता, सराफा बाजार
	श्रीमती इमरती देवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२८	भाई		वि.	
	श्रीमती मन्नोदेवी	२२	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती अनारदेवी	६०	मां		विधवा	
३६६—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. झम्मनलाल शीतलप्रसाद, गल्ले के व्यवसायी, दानाओली
	श्रीमती इलायचीदेवी	२४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	२५	भाई	मिडिल	वि.	रेडीमेड वस्त्र व्यापारी
	श्रीमती सावित्रीबाई	२३	भ्राता वधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२१	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलप्रसाद	१८	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	भाई		अवि	

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (गश्त का ताजिया)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३६७—	श्री मिश्रीलाल पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	साहूकारी, व लेनदेन
	श्रीमती अशर्फीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सुमेरचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री सूरजमल पांडया	४०	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऑफीसर-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती राजुलदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
३६९—	श्री शान्तीचन्द पाटोदी	३५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. गुलाबचन्द रेशमचन्द, सराफा बाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
३७०—	श्री जगन्नाथप्रसाद अग्रवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-अग्रवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गश्त का ताजिया, डींडवाना ओली
	श्रीमती ग्यासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री नारायणदास	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-जयपुर ब्यूटी फरनीचर मार्ट
	श्रीमती राधाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री गोवर्धनदास	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कान्तीबाई	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	कु० शकुन्तला	२२	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३७१—	श्री भानुकुमार	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	सर्विस
	श्री ऋषभकुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती रत्नेश्वरी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
३७२—	श्री विनोदकुमार अग्रवाल	४५	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस-वन विभाग
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती विस्सोदेवी	७०	मां		विधवा	
३७३—	श्री भगवानदास बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-भगवानदास जौहरीलाल,
	श्रीमती कौशल्याबाई	५०	पत्नी		वि.	गुड़ व भूंगफली के थोक व्यापारी
	श्री जोहरीलाल	५२	भाई		विधुर	इन्दरगंज
	श्री सुरेशचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	१६	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३७४—	श्री हीरालाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	कृषि-कार्य, (वनबार ग्राम)
	श्रीमती चिरोंजीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती शीलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	दुकानदारी, (वनवार ग्राम)
	श्रीमती ब्रह्मादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३७५—	श्री कपूरचन्द सोनी	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कम्पाउन्डर, जनकगंज हॉस्पीटल
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पत्नी		वि.	
३७६—	श्रीमती चिरोंजीबाई	६०	मुखिया		विधवा	
३७७—	श्री उत्तमचन्द सोनी	४५	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस–आर. जे. एण्ड संस, सराफा
३७८—	श्री भरोसीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	खोंमचा
	श्रीमती कृष्णाबाई	३०	पत्नी		वि.	
३७९—	श्री रामचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	होटल (आंतरी अदालत)
	श्रीमती सीताबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती दक्खोबाई	६०	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३८०—श्री खच्चूराम बरैया	६५	मुखिया		विधुर	
श्री सतीशचन्द	२८	पुत्र	हा० से०	वि.	कम्पाउन्डर-डॉ. मिश्रा का दवाखाना
श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पाटनकर बाजार
श्री राजेन्द्र कुमार	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३८१—श्री फूलचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, विजय रेस्टारेन्ट, नई सड़क
श्रीमती रामप्यारी बाई	४०	पत्नी		वि.	
श्री सुगनचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	खोंमचा
श्रीमती सागरदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
३८२—श्रीमती बेटीबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कृषिकार्य, (सिरसा ग्राम घाटीगांव)
३८३—श्री रामसिंह बरैया	४०	मुखिया		विधुर	
श्रीमती सुमित्रादेवी	७०	मां		विधवा	
श्री महावीरप्रसाद	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
श्रीमती सुशीलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३८४—श्री रतनलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
श्रीमती विसालोबाई	४५	पत्नी		वि.	
श्री सरदारसिंह	१९	पुत्र	हा० से०	वि.	परचूनी की दुकान
श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१५	पुत्रवधू		वि.	
३८५—श्री ख्यालीराम बरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	गायनाचार्य
श्रीमती बेटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३८६—श्री बलभद्रप्रसाद जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खोंमचा, गस्त का ताजिया
श्रीमती इमरतीदेवी	५०	पत्नी		वि.	
कु० मुन्नीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३८७—श्री कृष्णकुमार अग्रवाल	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
३८८—श्री सौभाग्यमल पाटनी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
श्रीमती कान्तादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
श्री प्रमोद कुमार	१९	पुत्र	B. Com. I	अवि.	
श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
३८९—श्री कपूरचन्द गोधा	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-मे० लालचन्द कपूरचन्द जैन,
श्रीमती कंचनदेवी	४२	पत्नी		वि.	कन्ट्रोल की दुकान, फालके बाजार
श्रीमती अचरजदेवी	७०	मां		विधवा	
३९०—श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स,
श्रीमती मीनाबाई	२६	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (डीडवाना ओली)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३९१—	श्री विमलचन्द वाकलीवाल	४०	मुखिया		वि.	फर्म-चन्दरलाल गप्पूलाल, लोहे
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	एवं पाईप के व्यापारी,
	श्री नेमीचन्द	३५	भाई		वि.	डीडवाना ओली (फो. २२८०)
	श्रीमती विमलाबाई	३२	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	४०	भ्राता वधू		विधवा	
	श्री धर्मचन्द	२४	भतीजा	B. Com.	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	१९	भतीजावधू	B A.II	वि.	
	श्री अभय कुमार	१७	पुत्र	B. Com.	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१५	भतीजी	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती केशरबाई	६५	माँ		विधवा	
३९२—	श्री रघुवीर दयाल अग्रवाल	७०	मुखिया		विधुर	फर्म– नेशनल साईकल स्टोर,
	श्री ताराचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सराफा बाजार, फो. नं. २०३२
	श्रीमती रामकली	४०	पुत्र वधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२४	पौत्र	M. A.	अवि.	फर्म-मे० विजय केमीकल्स, भिन्ड
	श्री वीरेन्द्र कुमार	१९	पौत्र	B.Sc. I	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१७	पौत्र	B. Sc. 1	अवि.	
	कु० सरोज	१७	भतीजी	M. B. B. S. II	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पौत्र		अवि.	
	श्री सुनील कुमार	१४	पौत्र	हा० से०	अवि.	
३९३—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म--गुलाबचन्द नेमीचन्द सर्राफ,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री सीताराम	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	फर्म–गुलाबचन्द सीताराम सर्राफ
	श्रीमती सूरजबाई	२५	भ्राता वधू		वि.	
	श्री श्रीराम	२६	भाई	B. Com.	वि.	फर्म–गुलाबचन्द श्रीराम, वस्त्र
	श्रीमती शान्तीबाई	२२	भ्राता वधू		वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री विमलचन्द	१६	भाई	मेट्रिक	अवि,	
	श्रीमती बसन्तीबाई	४५	माँ		विधवा	
३९४—	श्री मोतीलाल अजमेरा	६०	मुखिया		विधुर	सर्विस--मोदी ब्रदर्स
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	B. Com	अवि.	सर्विस--यू. को. बैंक, डबरा शाखा
३९५—	श्री जय कुमार वड़जात्या	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पुखराजबाई	२७	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३९६—	श्री कन्हैयालाल अग्रवाल	५९	मुखिया		विधुर	फर्म--पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्री लक्ष्मण दास	३९	पुत्र		वि.	फर्म-लक्ष्मणदास अजीतकुमार सर्राफ
	श्रीमती त्रिवेणीबाई	३४	पुत्र वधू		वि.	
	कु० सरोज	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रामजीदास	३०	पुत्र	B. A. LL. B.	वि.	पेट्रोल पम्प, पाटनकर बाजार
	श्रीमती रामकली	२६	पुत्र वधू		वि.	
३९७—	श्रीहुकमचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	फर्म--पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्रीमती कस्तुरी बाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री रिखवदास	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३९८—	श्री हीरालाल अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म--पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३९९—	श्री रामबाबू अग्रवाल	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म--मे० श्याम मेटल स्टोर्स
	श्रीमती पुष्पाबाई	२०	पत्नी		वि.	
	श्री राजाराम	२३	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रामरतन	२१	भाई	B. A. II	अवि.	
	श्री भगवानदास	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरगोविन्द	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती असर्फीबाई	५५	माँ		विधवा	
४००—	श्री खच्चूराम बरैया	६०	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. बन्शीधर विमलचन्द जैन
	श्रीमती छोटीबाई	५४	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार
४०१—	श्री फुन्दीलाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर	दालसेव का खोंमचा
	श्री प्रतापचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्मः-जैन इलैक्ट्रिक वर्क्स.
	श्रीमती रामकली	२७	पुत्रवधू		वि.	डीडवाना ओली
४०२—	श्री छोटेलाल अगरैया	७६	मुखिया	इन्टर	विधुर	रिटायर्ड
	श्री अशोक कुमार	२०	नाती	B. A. II	अवि.	
४०३—	श्रीमती दाखाबाई	५०	मुखिया		विधवा	
	श्री मोहनलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कम्पाउन्डर, बीमा अस्पताल
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री केशरीमल	१९	पुत्र	B. A. II	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Phone : { **Office : 398**
Residence : 312 }

Gram : **'Barjatya'**

BARJATYA TRADERS

General Merchants & Commission Agents

Agents :—**PRAG VANASPATI PRODUCTS (GOPI BRAND) ALIGARH**

Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Always Avail Our Services For Purchase or Sale :

Grains, Pules, Cotton. Oilseeds, Cattle Fodder, Vanaspati Oils Etc.

Associated Concern :

SHREE ARIHANT DALL MILLS

Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Manufacturers of Qualitative Pulses By Modern Scientifically & Hygienically Waya

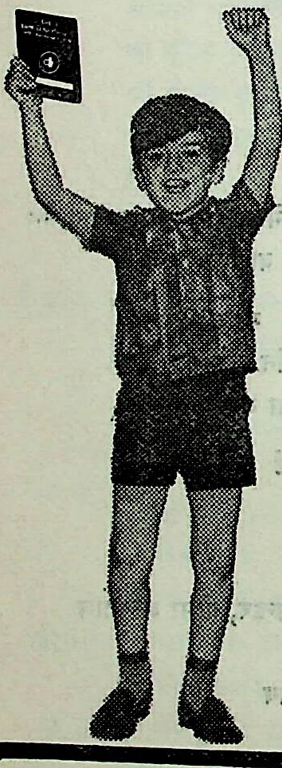

He's only 5 years old -and already he's earning money!

Smart boy? Maybe. But wiser parents. They opened a Minors' Savings Account in his name with the Bank of Baroda. A present for his last birthday.

When he grows up, he'll have enough money for his education. Medicine? Law? Engineering? Whichever he decides on.

The Bank of Baroda Ltd. can help your child, too, save for his future. Open a Minors' Savings Account in his name today!

- You can start a Minors' Account even with Re. 1...and earn 4% interest p.a.!
- You operate the account till your child is 14 years of age. Then he starts operating it himself—and so begins his education in thrift.

Thou shalt forever be prosperous with

The Bank of Baroda Ltd.

(Estd. 1908) Regd. Office: Mandvi, Baroda. Over 300 branches in India and abroad.

Please ask for a FREE copy of our 'MAY WE HELP YOU' Booklet at your nearest branch, or write for it.

Shilpi bob 11A/67

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	मोची ओली लश्कर					
४०४—	श्री रूपचन्द गोधा	४१	मुखिया	B.A.L.L.B.	वि.	सर्विस-बोर्ड आफ रेवेन्यू
	श्रीमती गुणमाला	३८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री हरिश्चन्द	३८	भाई	इन्टर	वि.	अध्यापक, जे. सी. मिल्स स्कूल
	श्रीमती प्रेमदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	२५	भाई	B. A.	वि.	सर्विस-सांख्यिकीय विभाग, भेलसा
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२२	भाईवधू	B.A. I	वि.	
	श्री नरेश कुमार	१८	पुत्र	B.Sc.II	अवि.	
	श्री अनिल कुमार	१६	पुत्र	B.Com. I	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	५५	मां		विधवा	
४०५—	श्री प्रेमचन्द पल्लीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वरैया वस्त्र भन्डार,
	श्रीमती रामवती	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
४०६—	श्री लखमीचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्मः-सुनील केमिकल्स कम्पनी
	श्रीमती जमनादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुक्खोबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री खूबचन्द	२२	पुत्र	हा. से,	वि.	
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. ज्ञानवती	१५	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	कु. पंचवती	१४	पौत्री		अवि.	
	कसेरा ओली					
४०७—	श्री फतेहचन्द गोधा	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म : जैन केमीकल्स कम्पनी,
	श्रीमती पदमाबाई	७५	मां		विधवा	एजेन्ट व स्टॉकिस्ट-हेवी केमीकल्स
	श्रीमती विमलेश	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	व मिनिरल एसिडस्,
	श्री धर्मकुमार	२४	पुत्र	M.Sc.(Pre)	अवि.	ठेकेदारी-केमीकल्स व जनरल
	श्री प्रद्युन कुमार	२१	पुत्र	B. Com. II	अवि.	सप्लायर्स
	कु. रजनी	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.	
	कु. कुमुदनी	१५	पुत्री	हा. से.	अवि.	
४०८—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ऐयर फोर्स आफिस,
	श्रीमती गुणमाला	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	महाराजपुरा, ग्वालियर
४०९—	श्रीमती कस्तूरीबाई गोधा	४५	मुखिया		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४१०—	श्री क्रान्तिचन्द गिरधरवाल	६०	मुखिया	B. A.	विधुर	एकाउन्टेन्ट, सुपर मार्केट, भोपाल
	श्री रतनचन्द	३४	पुत्र	B.A., B.Ed.	वि.	सर्विस–जीवाजी राव जू० कॉलेज
	श्रीमती कमलेशदेवी	२७	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	B. E.	अवि.	
४११—	श्री शांतिचन्द गिरधरवाल	४१	मुखिया	M Com.	वि.	प्रो-गवर्नमेंट डिग्री कालेज, शहडोल
	श्रीमती फूलवती	३३	पत्नी	B. A.	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	३९	भाई	इन्टर	वि	मलेरिया इन्सपेक्टर, भोपाल
	श्रीमती गुणमाला	३०	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विमलचन्द	२५	भाई	M. A.	अवि.	सर्विस–शासकीय विद्यालय, इन्दौर
	श्री प्रमोद कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४१२—	श्रीमती लीलोबाई बरैया	४०	मुखिया		विधवा	
४१३—	श्री छोटेलाल पल्लीवाल	५०	मुखिया		विधुर	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	M.Com.C.A.I.I.B.	वि.	सर्विस–यू. को. बैंक, नयाबाजार
	श्रीमती शिमलादेवीं	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	D.M.E., B.Com. II	अवि.	सर्विस–स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
	श्री रतनचन्द	१८	पुत्र	B.Com. II	अवि.	
४१४—	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया	M. A.	वि.	आडीटर–ए. जी. ऑफिस
	श्रीमती चन्दनदेवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	B. A.	वि.	सर्विस–के. बीं. बैंक, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती चन्दाबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
४१५—	श्री गुलाबचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, परचूनी की दुकान, इन्दर गंज
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री मटरूमल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४१६—	श्रीमती सुमित्रा बरैया	४५	मुखिया		विधवा	
४१७—	श्री हंसराज गोलालारे	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पान की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		अवि.	
	श्री अजित कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० बेटीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४१८—	श्री कन्हैयालाल पाटनी	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	केशियर-ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती बिट्टीबाई	४२	पत्नी		विधवा	
	श्रीमती छोटीबाई	७०	मां		वि.	
४१९—	श्री इन्दरचन्द छावड़ा	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	पेन्शनर खजांची, स्टेट बैंक
	श्री देवेन्द्र कुमार	३०	पुत्र	B. A.	वि.	केशियर–स्टेट बैंक, ग्वालियर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२०—	श्री फूलचन्द काला	७०	मुखिया		अवि.	कवि, साहित्यकार प्रकाशक
४२१—	श्रीमती अंगूरी पहाड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका-कल्याणी कन्या शाला
४२२—	श्री भजनलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	दुकान (आमोल, शिवपुरी)
	श्रीमती इमरतीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री होतीलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम, मे० छेदीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती असरफीबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	नयाबाजार
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२३—	श्रीमतीकेशरबाईवाकलीवाल	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन-देन
४२४—	श्री दीपचन्द राजा सोगानी	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, सिंध महाजन एक्सचेन्ज लि०
	श्रीमती बादामीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४२५—	श्री अमोलक चन्द सोगानी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	होटल-कसेरा ओली
	श्रीमती गुनमालाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्रीमती कपूरीबाई	७०	माँ		विधवा	
४२६—	श्री कन्हैयालाल कटारिया	५५	मुखिया		वि.	किराने की दुकान, दाना ओली
	श्रीमती मूलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
४२७—	श्रीमदनलाल कटारिया	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यापारी, कसेरा ओली
	श्रीमती भोलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
४२८—	श्री भीषमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स,
	श्रीमती कुसुमलता	२५	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली
४२९—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया		वि.	सर्विस, प्रहलाददास हजारीलाल,
	श्रीमती त्रिवेणी	५०	पत्नी		वि.	इन्दरगंज
४३०—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	२८	मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, मे० मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार
	श्रीमती बिमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	माधवगंज
४३१—	श्री लालमन बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	बरैया आभूषण भन्डार,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री शीतल प्रसाद	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	मनीराम का बाड़ा					
४३२—	श्री मदनलाल शाह	४५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यवसाय,
४३३—	श्री कैलाश चन्द टोंग्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती चमेलीबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महावीरप्रसाद	२५	भाई	हा० से०	अवि.	सर्विस, जीवाजी विश्वविद्यालय,
	कुमारी किरन	१८	बहिन	B.A. II	अवि.	ग्वालियर
	कु० कमल	१५	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
४३४—	श्री उम्मेदीलाल छावड़ा	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, मे. मोहनलाल हरगोविन्द
	श्रीमती जावित्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री लखमी चन्द	३९	पुत्र	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस जे. ए. हास्पीटल
	श्रीमती कंचनदेवी	३५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमल चन्द	३७	पुत्र	B. Com.	वि.	D.A.O. राज्य, परिवहन निगम, महू
	श्रीमती शान्तीदेवी	२९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	३३	पुत्र	M. A.	वि.	सुप०, ए. जी. आफिस
	श्रीमती विमलादेवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री धरमचन्द	३०	पुत्र	B.Com., S.A.S.	वि.	इन्स्पेक्टर
	श्रीमती निर्मला देवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२५	पुत्र	M. Sc.	अवि.	लेक्चरार, दतिया हा. से. स्कूल
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	M.B.B.S.IV	अवि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४३५—	श्री चिरोंजीलाल काला	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती ऊषादेवी	२७	पत्नी		वि.	
४३६—	श्री गेंदालाल	५०	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस, दैनिक नवप्रभात प्रेस
४३७—	श्री भागीरथ प्रसाद बरैया	४७	मुखिया		वि.	सर्विस, गुड़ मर्चेन्ट, दाल बाजार
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री कपरचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
४३८—	श्री महेशचन्द बरैया	२१	मुखिया	हा० से०	वि.	रेडियो मेकेनिक
	श्रीमती ओमवती	१९	पत्नी	मिडिल	वि.	
४३९—	श्री संतोषीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस-सिमको, बिरलानगर
	श्रीमती विद्यादेवी	२५	पत्नी	हा० से०	वि.	
४४०—	श्री खैरातीलाल बरैया	४८	मुखिया	मिडिल	विधुर	रेडियो सिंगर, आल्हा गायक
४४१—	श्री सुगनचन्द गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	वर्तनों का व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४४२—	श्री विहारीलाल गोलालारे	३२	मुखिया		वि.	सिविल सर्जन
	श्रीमती लोंगबाई	२८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४४३—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म–नत्थीलाल अशोक कुमार,
	श्रीमती वैकुण्ठीबाई	२६	पत्नी		वि.	क्लोथ मर्चेन्ट, दहीमन्डी
	श्री प्यारेलाल	६०	पिता		विधुर	
४४४—	श्री वीरेन्द्र कुमार जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, फेन्सी जैन क्लोथ स्टोर,
	श्रीमती फूलदेवी	५०	पत्नी		वि.	माधवगंज
४४५—	श्री मांगीलाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती गिदोड़ाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२०	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्रीमती अम्मा जी	६८	माँ		विधवा	
४४६—	श्री गनेशीलाल काला	५२	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस--चंदरलाल गप्पूलाल,
४४७—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	B. A., LL. B.	वि.	पार्टनर–ग्लोव मोटर्स पार्टस
	श्रीमती प्रमोद कुमारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	मैन्यू०, लोहिया बाजार
४४८—	पं. खच्चूराम बरैया	५५	मुखिया	ज्यो० मार्तण्ड	वि.	पंडित, आटे की दुकान
४४९—	श्री चन्द्रसेन बरैया	३०	मुखिया	M·Com·LL,B.	वि.	सेक्रेटरी, म्युनिस्पल बोर्ड, ग्वालियर
	श्रीमती सुखियाबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाश चन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	६०	माँ		विधवा	
४५०—	श्री चुक्खोमल	५५	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती सुखियाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नन्दलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
४५१—	श्री गुलजारीलाल खरौआ	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजमल	२४	पुत्र		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती निर्मला	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कस्तूर चन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० मुन्नीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
४५२—	श्री मुन्नालाल बरैया	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, एस. ए. एफ. सेन्टर
	श्रीमती चन्द्रकांता	२२	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४५३—	श्री लालचन्द जैसवाल	५६	मुखिया		वि.	फर्म–मे० लालचन्द महेशचन्द,
	श्रीमती केशरबाई	५०	पत्नी		वि.	क्लॉथ मर्चेंट, दहीमन्डी
	श्री क्रान्तीचन्द	२५	पुत्र	M. Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती क्रान्ति चन्द	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री दिनेशचन्द	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	घोसी बाड़ा, दाना ओली					
४५४—	श्री रामचरणलाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	सर्विस, चिन्तामन, किशनलाल
	श्रीमती कमलादेवी	२८	पत्नी		वि.	बजाज, नया बाजार, लश्कर
	श्री विमल चन्द	१८	पुत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	वि.	
४५५—	श्री पूरनचन्द सिंघई	२४	मुखिया		वि.	जलजीरे का खौंमचा
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४५६—	श्री सुगनचन्द बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, जगदीशप्रसाद रमेशचन्द,
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री प्रभूदयाल	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
४५७—	श्री देवीलाल बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पत्नी		वि.	
४५८—	श्री मंगलचन्द बरैया	५४	मुखिया		वि.	खौंमचा
	श्रीमती रामकली	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	खौंमचा
	श्रीमती मालती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र		वि.	खौंमचा
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू		वि.	
४५९—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	कृषि-कार्य
	श्रीमती प्यासोबाई	५०	पत्नी		वि.	
४६०—	श्री शंकरलाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	नमकीन का खौंमचा
	श्रीमती अशर्फी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री झम्मनलाल	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१९	पुत्रवधू		वि.	
	कु० गुल्लोबाई	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४६१—	श्री फूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	नमकीन का खौंमचा
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मायाचन्द	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरी	२१	पुत्रवधू		वि.	
४६२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४८	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यापारी
	श्री कैलाशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-मे०मूलचन्द अयोध्या प्रसाद
	श्रीमती किरनदेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	इन्दरगंज
४६३—	श्री मानिकलाल जैसवाल	२५	मुखिया		वि.	सर्विस, हलवाई की दुकान
	श्रीमती जमनादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तिलाल	२३	भाई		वि.	सर्विस, साबुन कारखाना
	श्रीमती कमलादेवी	२०	भ्रातावधू		वि.	
४६४—	श्री जयकुमार गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	कबाड़े के सामान का व्यवसाय
	श्रीमती मायादेवी	३३	पत्नी		वि.	
४६५—	श्री छोटेलाल गोलालारे	७०	मुखिया		विधुर	
	श्री भागचन्द	५०	पुत्र		वि.	मुनीम
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी		वि.	

पारख जी का वाड़ा

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४६६—	श्री मानिक चन्द पांड्या	६५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	रिटायर्ड
	श्री विजय कुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	विजय इलेक्ट्रिक एजेन्सीज
	श्रीमती रमारानी	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
४६७—	श्री प्रतापचन्द	४५	मुखिया		वि.	खोये का व्यवसाय
४६८—	श्री हीरालाल बरैया	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	बरैया क्लाथ मर्चेन्ट सराफा बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	४५	माँ		विधवा	
४६९—	श्री पन्नालाल बरैया	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-पोस्ट आफिस
	श्रीमती बादामीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री द्वारका प्रसाद	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री नाथूलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-एअर फोर्स, महाराज पुरा
	श्री सुभाष कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री दिनेश कुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनाबाई	६४	माँ		विधवा	

सराफा बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७०—	श्री पवनकुमार सेठी	३०	मुखिया	M. A.	वि.	सर्विस, रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज,
	श्रीमती तारादेवी	२८	पत्नी		वि.	कार्यालय
४७१—	श्रीमती गुलाबदेवी सेठी	५५	मुखिया	मिडिल	विधवा	अध्यापक

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

तार { अरिहंत / ARIHANT

दूरभाष { कार्यालय 275872 / निवास 262624

सुमेरचन्द जैन

होलसेल क्लोथ मर्चेन्ट्स एन्ड कमीशन एजेन्ट्स

कटरा शहनशाही, चाँदनी चौक, देहली–६

स्टाकिस्ट :

आर्ट सिल्क और टैरीन गुड्स

* दि ग्वालियर रेयन सिल्क मिल्स बिरलागनर (ग्वालियर)
* डी० सी० एम० सिल्क मिल्स देहली
* विनार मिल्स कलकत्ता
* श्रीराम सिल्क मिल्स कलकत्ता
* कलकत्ता सिल्क मिल्स कलकत्ता
* पैरागन मिल्स बम्बई
* एलोरा सिल्क मिल्स बम्बई
* गारडन सिल्क मिल्स सूरत
* एन० एस० सिल्क अहमदाबाद
* उजागर प्रिन्टस बम्बई

इन मिलों के अलावा और मिलों का माल हमारे यहां बहुत रियायत से मिलता है।

हमारे यहाँ हर प्रकार की सहुलियत व्यापारी को दी जारी है।

व्यापारी की भलाई हमारी भलाई है।

हेड आफिस:—

सूरजलाल सुमेरचन्द

कटरा शहनशाही, चांदनी चौक, देहली–६

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७२—	श्री परशराम पल्लीवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गंगवाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती पांचोबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	२२	पुत्र	M. Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती मनोरमा	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७३—	श्री अयुध्याप्रसाद अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म—मे० चम्पालाल अयुध्या प्रसाद सर्राफ, सराफा बाजार
	श्रीमती सूरजबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री भोगीराम	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
४७४—	श्री शंकरलाल अग्रवाल	५७	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
४७५—	श्री चिरोंजीलाल	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने, चाँदी के दलाल
	श्रीमती श्यामाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती अमृतबाई	३५	पुत्र		विधवा	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२०	पौत्र	हा. से.	अवि.	
	कु. उर्मिला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
४७६—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	७२	मुखिया		विधुर	फर्म—अग्रवाल केमिकल्स सराफा फो. नं. २०८९
	श्रीमती अयुध्याबाई	९०	मां		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मिन्टोबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	
४७७—	श्री विमलचन्द वैद्य	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर
	श्रीमती अयुध्याबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री जगदीश कुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कढ़ाई कसीदे की दुकान
	श्रीमती कृष्णकुमारी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७८—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	५५	मुखिया		वि.	हैड केशियर-के० बी० बैंक, लश्कर
	श्रीमती सुकमोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	हैड कैशियर—यू० को० बैंक,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती आशादेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	विरलानगर
	श्री जसवन्तकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन थ्रैड मैन्यू. फेक्चरिंग कं०सराफा
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B.Com.L L.B.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती रागनीदेवी	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	१९	पुत्र	M. B.B. S.II	अवि.	
	कु० प्रेम	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री महावीरकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४७९—	श्री मानिकचन्द गंगवाल	४६	मुखिया	M.A. LL. B,	वि.	शासकीय अभिभाषक, फोन नं० २०९४
	श्रीमती बाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	महावीर धर्म कांटा, चन्द्रवदनी नाका
	श्रीमती प्रमिला	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	B.Com.,LL.B.	अवि.	अभिभाषक
	श्री अशोककुमार	१९	पुत्र	बी. एस. सी I	अवि.	
	कु. सरोज	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४८०—	श्री निरंजनलाल गंगवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म:-ग्वालियर गोटा फेक्ट्री
	श्रीमती कान्तावाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४८१—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	भूमिपति
	श्रीमती चन्द्रमुखी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सहकारी भण्डार
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी०ए० III	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
४८२—	श्रीमती सरस्वतीबाई	६२	मुखिया		विधवा	
४८३—	श्री सूरजमल लुहाड़िया	६०	मुखिया		अवि.	भूमिपति
४८४—	श्री रामचरनलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने चांदी के दलाल
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
४८५—	श्री भजनलाल लुहाड़िया	५५	मुखिया		विधुर	भूमिपति
	श्रीमती सोनाबाई	६०	भान्जी		विधवा	
४८६—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने-चांदी की दलाली

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामप्यारीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	रोज प्रोडक्सन, रंग व नील के निर्माता
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स बिरलानगर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शान्तीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४८७—	श्री तोताराम अग्रवाल	५२	मुखिया		वि.	फर्म:-तोताराम गंगाराम, वस्त्र व्यापारी
	श्रीमती बदामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री गंगाराम	४८	भाई		वि.	न्यू धोती हाऊस,सराफा बाजार
	श्रीमती छुट्टनबाई	४१	भ्रातावधू		वि.	
	श्री रामजीदास	३५	भाई		वि.	ऐजेन्ट-एक्लसियर सिलाई मशीन, डीडवानाओली
	श्रीमती दक्खोबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री शिखरचन्द	२४	भाई	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भतीजापुत्र	मिडिल	अवि.	
४८८—	श्री रमेशचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया		वि.	फर्म-विधीचन्द रमेशचन्द सर्राफ
	श्रीमती कमलादेबी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शीलादेबी	१४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बदामीबाई	५०	मां		विधवा	
४८९—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	४६	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-लखमीचन्द गुलाबचन्द सर्राफ
	श्रीमती विद्यावती	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री जगदीशचन्द	३८	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	३३	भाईवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५२	मां		विधवा	
	कु० ऊषा	१९	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. रेखा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४९०—	श्री गनेशराम अग्रवाल	६४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	६०	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री किशनलाल	४२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती कान्तादेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री फूलचन्द	३६	पुत्र		वि.	सर्विस, नगर पालिका
	श्रीमती रामकन्नी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२३	पुत्र	D. E. E.	अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्री विमलचन्द	१४	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पौत्री	हा०से०	अवि.	
	कु० आशादेवी	१६	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६१—	श्री आशाराम अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-पुन्नामल कन्हैयालाल सर्राफ सराफा बाजार, फोन नं० २२२६
	श्रीमती मंतोबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४६२—	श्री गुलावचन्द शाह	७५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-गुलावचन्द रेशमचन्द, सराफा बाजार, फोन नं. २२२६
	श्रीमती नत्थीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री रेशमचन्द	३३	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती ताराबाई	३०	भतीज वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	मां		विधवा	
	श्री पवनकुमार	१७		हा० से०	अवि.	

नई-सड़क—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४६३—	श्री मूलचन्द जैन परवार	६५	मुखिया		वि.	मूलचन्द कैलाशचन्द, कपड़े के व्यापारी, दुकान नं. २१, दही मण्डी लश्कर
	श्रीमती मैदाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री निर्मलकुमार	३४	पुत्र	डिप्लोमा	वि.	
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
४६४—	श्री छदामीलाल गोलसिंघारे	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	महावीर जनरल स्टोर्स
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४६५—	श्रीशान्तीलाल	२२	मुखिया	M. A., LL. B.	अवि.	व्यवसाय

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४६६—	श्री पी. सी. परवार	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	स्टेटस्टीकल, एन. एस. एस. भारत-
	श्रीमती शशी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	सरकार फोन ७६
४६७—	श्री सुगनचन्द	३५	मुखिया	B. Sc. (Ag)	वि.	सहसंचालक
	श्रीमती पुष्पलता	२८	पत्नी		वि.	
४६८—	श्री श्यामलाल गोयल	६०	मुखिया	B. Com.	वि.	मेंनेजिंग डायरेक्टर-बालाजी ग्लास
	श्रीमती गायत्री	४५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वर्क्स
	कु० अन्जना	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६९—	श्री निर्मलकुमार प. परवाल	२६	मुखिया	M. E.	वि.	लेक्चरार, माधव इन्जीनियरिंग कालेज
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पत्नी	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री गणधरकुमार	२०	भाई	B. Sc. I	अवि.	
५००—	श्री आनंदकुमार गोयल	२२	मुखिया	M. Com	अवि.	
५०१—	श्री महावीरप्रसादगोलसिंघरे	२०	मुखिया	D.M E. B.A II	अवि.	
	श्री उग्रसेन	१६	भाई	D. E. C	वि.	पान की दुकान
५०२—	श्री मुरारीलाल बुढ़ेलवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामदेवी	४२	पत्नी		वि.	विजली के ठेकेदार
	श्री रामकिशन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुक्मणी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	२४	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामसेवक	२०	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विद्यासागर	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
५०३—	श्री बुधमल गगंवाल	६७	मुखिया		वि.	मे० गणेशीलाल फूलचन्द फोन नं. ५७७
	श्रीमती गुट्टयाबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री केशरीमल	४५	पुत्र		वि.	मेसर्स श्री केशरीमल गंगवाल
	श्रीमती धनोजकुमारी	४३	पुत्रवधू		वि.	फोन नं. २४२१
	डा० वीरेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M. Com, LL. B. Ph. D.	वि.	गंगवाल इन्डस्ट्रीज फोन नं. २२६३
	श्रीमती चन्द्रलेखा	२३	पुत्रवधू	M. A.	वि.	
	श्री पारसकुमार	२६	पौत्र	M. Com.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२३	पौत्रवधू	B. A.	वि.	

गेंडेवाली सड़क—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५०४—	श्री सरदारमल बिलाला	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स,
	श्रीमती गुलाबबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० तेज	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रवेशकुमार	१६	पुत्र	दशवीं	अवि.	
५०५—	श्री गुलाबचन्द वैद्य	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्रीमती सुमित्राबाई	६०	भाभी		विधवा	
५०६—	श्री पन्नालाल गोललारे	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती घनदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरसेन	२१	पुत्र		अवि.	सर्विस
५०७—	श्री गुलजारीलाल खरौआ	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती श्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	नवीं	वि.	सर्विस, बिजलीघर
	श्रीमती इन्द्राणी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रानीदेवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
५०८—	श्री सतीशचन्द खरौआ	३०	मुखिया		वि.	सर्विस, बिजलीघर
	श्रीमती कमलाबाई	१९	पत्नी		वि.	
५०९—	श्री मन्नीलाल लमेचू	४६	मुखिया		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती सुनहरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मूलचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पदमाबाई	१४	पुत्रवधू		वि.	
५१०—	श्री बाबूलाल गोलसिंघारे	५५	मुखिया		वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती रामवती	४५	पत्नी		वि.	
दौलतगंज:-	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
	श्री इन्द्रादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
५११—	श्री अशोककुमार बड़जात्या	१८	मुखिया	B. Sc. II	अवि.	जौरा निवासी
५१२—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	M.Com.	वि.	आडीटर, ए०जी० आफिस, जाधव
	श्रीमती कमला जैसवाल	२४	पत्नी	B. A.	वि.	महल, लश्कर
५१३—	श्री भगवानदास जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता दही मन्डी
	श्रीमती कलावती	३०	पत्नी		वि.	
५१४—	श्री सीताराम जैसवाल	२६	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता, हुजरात पुल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
५१५—	श्री आनन्द स्वरूप अग्रवाल	३५	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती क्षमावती	३०	पत्नी		वि.	
५१६—	श्री रामचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	चाट की दुकान
	श्री रामदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती रामकली	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती पुष्पाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५१७—	श्री धर्मचन्द वरैया	२१	मुखिया		वि.	सर्विस-लक्ष्मी फैन्सी स्टोर्स
	श्रीमती बैंजोबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री हेमराज	५०	चाचा		अवि.	व्यापार
	श्री बाबूलाल	४०	चाचा		अवि.	सर्विस-विटोला में
	श्री बद्रीप्रसाद	४६	चाचा		अवि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	मां		विधवा	
५१८—	श्री दयाप्रकाश पद्मावती परवाल	२२	मुखिया	M.Com.	वि.	आडीटर ए. जी. आफिस ग्वालियर
	श्रीमती सुशीलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
५१९—	श्रीसत्यप्रकाश पद्मावतीपरवाल	२४	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक, गोरखी विद्यालय
	श्रीमती सरोजबाला	१९	पत्नी		वि.	
५२०—	श्री सूरजनारायण अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	न्यू जनता ट्रान्सपोर्ट कम्पनी,
	श्रीमती रामादेवी	३५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, फोन नं. ७१९
५२१—	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-नगर पालिक निगम
	श्रीमती तारादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
५२२—	श्रीमती तीजांबाई पांड्या	६३	मुखिया		विधवा	
५२३—	श्री धर्मचन्द बाकलीवाल	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० विनोद फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स
	श्रीमती सुमतिबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री विमलचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	व्यापार
	श्रीमती रतनमाला	२६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	५८	मां		विधवा	
	श्री चम्पाबाई	५२	बुआ		विधवा	
	श्री भानुकुमार	२६	भान्जा	बी. ए.	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भतीजा	११वीं	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

आफिस फोन नं० { २६६२५६ / २६४६३२

शुभ कामनाओं सहित !

सिद्धोमल एन्ड संस

चावड़ी बाजार, देहली-६

हर प्रकार के देशी तथा विलायती

कागज के थोक व्यापारी

फोन नं० : २२३६

शुभ कामनाओं सहित !

गुलाबचन्द रेशमचन्द जैन

सोना, चांदी एवं आभूषणों के थोक विक्रेता

सराफा बाजार, लश्कर-ग्वालियर (म. प्र.)

सोने एवं चांदी के सुन्दर आकर्षक

आभूषण

मिलने का एक मात्र स्थान !

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री कमलकुमार	२३	भतीजा	बी. कॉम	वि.	सर्विस-विनोद पिक्चर्स
	श्रीमती सरोजकुमारी	१८	भतीजा वधू		वि.	
५२४—	श्री ताराचन्द सेठी	४३	मुखिया		वि.	मे०सेठी कलर इन्डस्ट्रीज, ग्वालियर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	नवीं	वि.	
५२५—	श्री मुन्नालाल सोनी	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती विद्याबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमकुमार	२३	भान्जा	बी. एससी.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती वीणाबाई	२०	भान्जा वधू		वि.	ग्वालियर
५२६—	श्री राजमल चाँदवाड़	४५	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती मुन्नाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	कु० चन्दाबाई	१७	पुत्री	B. A.I	अवि.	
	श्री सतीशकुमार	१५	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सुमतचन्द	२२	भाई	M.Com.	वि.	सर्विस-यू. को. बैंक, नया बाजार
	श्रीमती किरण	१७	भ्राता वधू	११ वीं	वि.	लश्कर
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	भाई	१२ वीं	अवि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पुत्र	B. Com.	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मां		वि.	
५२७—	श्री मदनलाल रांका	३०	मुखिया		वि.	मे० मदनलाल, धन्नालाल कलई
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी		वि.	के व्यापारी फोन नं० २१०१
५२८—	श्री भरोसीलाल	४१	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती भगवतीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	५५	मां		विधवा	
५२९—	श्री सालिग्राम बरैया	४०	मुखिया		अवि.	सुपारी के व्यापारी
	श्री स्वादाबाई	७०	मां		विधवा	
	श्री भूरेलाल	३०	भाई		अवि.	
५३०—	श्री जमनादास जैसवाल	३२	मुखिया		वि.	मिष्ठान व्यापारी
	श्री विमलाबाई	२७	पत्नी		वि.	
५३१—	श्री दाताराम जैसवाल	२७	मुखिया	B. A.	वि.	इन्डिया ओटोपिस्टन एन्ड मोटर
	श्रीमती विजयबाई	२६	पत्नी		वि.	पार्टस मैन्यूफैक्चर्र, फोन नं० ३०
५३२—	श्री माँगीलाल चौधरी	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६७	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अनूपचन्द	२५	पुत्र	बी. कॉम	वि.	आयकर-विक्रय कर सलाहकार
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
५३३—	श्री बाबूलाल चोधरी	४२	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक, कर सलाहकार, फोन नं० २६०५
	श्री शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
५३४—	श्री फूलचन्द पाटौदी	६०	मुखिया		वि.	सोने-चांदी के दलाल
	श्रीमती चिरोंजीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री इन्दरचन्द	३०	पुत्र		वि.	जैन होटल, दौलतगंज
	श्रीमती सुशीलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० विजया	१५	पुत्री		अवि.	
५३५—	श्री बाबूलाल पाटनी	५०	मुखिया		वि.	इन्दरचन्द फूलचन्द एन्ड संस, वस्त्र व्यापारी, फोन नं २०८१
	श्रीमती किरणबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री मानकचन्द	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती कंचनबाई	३६	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	माँ		विधवा	
५३६—	श्री बाबूलाल टोंग्या	४५	मुखिया		वि.	मकानों के दलाल
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री वन्शीधर	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचन्द,
	श्री किशनचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री धनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सगुनीबाई	७०	मां		विधवा	
५३७—	श्री मक्खनलाल बरैया	३२	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर गोटा फैक्ट्री
	श्रीमती गुनमाला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५३८—	श्री गनपतलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	टिम्बर मर्चेन्ट, दौलतगंज
	श्रीमती गनेशीदेवी	५२	पत्नी		वि.	
	श्री ओम प्रकाश	२९	पुत्र	B. Com.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती कृष्णादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्म प्रकाश	२७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	टिम्बर मर्चेन्ट
	श्रीमती श्यामादेवी	२४	पुत्रवधू		अवि.	
	श्री चन्द प्रकाश	२५	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	श्री पदम चन्द	२३	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	कु० विद्याबाई	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० पदमाबाई	१५	पुत्री	मेट्रिक	वि.	
५३९—	श्री मदनलाल कटारिया	४७	मुखिया		वि.	जैन ब्रदर्स, टोरी बाजार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेश कुमार	२२	पुत्र	B. E.	वि.	
	श्रीमती त्रिशला कुमारी	१८	पुत्रवधू		वि.	
५४०—	श्री रोशनलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	ऐपको मोटर पार्टस मैन्यू-फैक्चरर्स, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती पेशोबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री किशन चन्द	३२	पुत्र	B. A.	वि.	जैन ओटोमोबाइल, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती प्रभादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निरंजनलाल	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सतीशचन्द	३३	काका	B. Com.	वि.	
	श्री योगेशकुमार	१६	पुत्र	९ वीं	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१४	पुत्र	७ वीं	अवि.	
५४१—	श्री मूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	स्टेशन मास्टर, दतिया
	श्रीमती कपूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	२०	पुत्र	D. E. E.	अवि.	
	श्री नरेशचन्द	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० प्रमिला	१९	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
५४२—	श्री श्यामलाल वरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती ताराबाई	२५	पत्नी		वि.	
५४३—	श्री मुरारीलाल	२५	मुखिया	B A., LL.B.	अवि.	अभिभाषक
	हुजरात मार्ग—					
५४४—	डॉ. के. ओ. एस. दीवान	५६	मुखिया	M B. B.S. IM S.(X)	वि.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एण्ड मेडिकल होम, हुजरात रोड लश्कर
	श्रीमती कलावतीदेवी	७५	मां		विधवा	
	श्रीमती रामकलीदेवी	५४	पत्नी		वि.	
	डॉ. अजीतप्रकाश	३०	पुत्र	M.B.B.S. T. D. D.	वि.	मेडिकल आफीसर इन्चार्ज सिविल फोर्ट एण्ड सिंधिया स्कूल
	श्रीमती आदर्शकुमारी	२१	पत्नी	M.B.B.S. IV	वि.	
	डॉ. विमलेशकुमार	२८	पुत्र	M.B.B.S.	अवि.	रेजिडेन्ट पेथोलिस्ट, जी. आर. मेडिकल कालेज एण्ड जे. ए. ग्रुप आफ हा०
	डॉ. नाभिराजा	२६	पुत्र	M.B.B.S. D.L.O.E.VI रपेरिलस्ट	अवि.	एम. एस. अमृतसर कालेज
	कु० पद्मा	२२	पुत्री	M.B.B.S. IV	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अजयकुमार	१८	पुत्र	M.B.B.S.III	अवि.	
	कु० मधु	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
५४५—	श्री झम्मनलाल लमेंचू	५८	मुखिया		वि.	कास्तकारी, अटेर (भिण्ड)
	श्रीमती अनारबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभाचन्द्र	३८	पुत्र	B.A.,LL.B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, ऐ. सी.
	श्रीमती हृदयवती	३४	पत्नी	मिडिल	वि.	डी. सेक्शन
	कु० सरिता	१५	पुत्री	११ वीं	वि.	अध्ययन
५४६—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२८	मुखिया	M.B.B.S.M.D.	वि.	जे. ए. हास्पीटल,
	श्रीमती उर्मिला	२४	पत्नी	M. A.	वि.	
	कु० सुलोचना	२०	बहिन	B. A. III	अवि.	अध्ययन
	श्री महेन्द्रकुमार	१७	भाई	B. Sc. II	अवि.	अध्ययन
	श्री विजयकुमार	१७	क. भाई	B. A. I	अवि.	
५४७—	श्री प्रेमचन्द परवार	६०	मुखिया		वि.	भैयालाल प्रेमचन्द, थोक कपड़े के
	श्रीमती मम्मोबाई	५५	पत्नी		वि.	व्यापारी, नया बाजार फो.नं. १६४१
	श्री विरधीचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पौत्र	M.B.B.S. II	अवि.	
	नयाबाजार—					
५४८—	श्री हुकमचन्द बाकलीवाल	४२	मुखिया		वि.	अमोलकचन्द जोहरीलाल नया बाजार
	श्रीमती केशरबाई	६२	माँ		विधवा	कागज व स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती इमरतीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	B.Com.	अवि.	
	कु० सन्तोष	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	अध्ययन
५४९—	श्री रूपचन्द पाटनी	६२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फोटोग्राफर, होम्योपेथ-चिकित्सक
	श्रीमती माहोरबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रिद्धिकरन	२८	पुत्र	B.A.,LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती मुन्नी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
५५०—	श्री गोपालदास साह	३६	मुखिया		वि.	कागज की दुकान, नया बाजार
	श्रीमती गोपालदास	५५	पत्नी		वि.	
	श्री पारसकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	अध्ययन
५५१—	श्री मोतीलाल परवार	६५	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नया बाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चेनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	कु० बिमला	१५	पुत्री	दसवीं	अवि.	अध्ययन
	श्री हुकमचन्द	३५	पुत्र		वि.	कपड़े की दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
५५२	—श्रीमोतीलालपद्मावतीपरवार	५०	मुखिया	B. A.	वि.	असिस्टेन्ट इन्सपेक्टर, शिक्षा, विभाग
	श्रीमती श्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	मंडल ग्वालियर
	श्री सुरेशचन्द	३०	पुत्र	टे. ओ. सियर	वि.	ओवर सियर पब्लिक हेल्थ,
	श्रीमती उषा किरन	२८	पत्नी		वि.	डिपार्टमेंट शिवपुरी
	श्री अरविन्दकुमार	२०	पुत्र	P. T. 4th Semi.	अवि.	अध्ययन, से० टे० इन्सटीट्यूट
	कु० सुनन्दा	१६	पुत्री	B. A. II	अवि.	अध्ययन
५५३	—श्री निर्मलकुमार खरऊआ	४०	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालात
	श्रीमती मोहनदेवी	६५	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उदयकिशोर	१९	पुत्र	B. Sc.	अवि.	अध्ययन
५५४	—श्री हुकमचन्द अजमेरा	३७	मुखिया	B.Com.	वि.	सेल्स टे०, इन्कम टे० प्रेक्टिसनर
	श्रीमती कनकदेवी	३२	पत्नी		वि.	
५५५	—श्री जिनेश्वर प्रसाद दीवान	४५	मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालात
	श्रीमती कलावती	७०	मां		विधवा	
	श्रीमती श्यामादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषिकुमार	१८	पुत्र	B.Sc. I	अवि.	
	कुमारी ऊषा	१६	पुत्री	B. Sc. I	अवि.	
५५६	—श्री रामचरनलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	प्रोफेसर गवर्नमेन्ट साईन्स कॉलेज,
	श्रीमती कुन्ठीबाई	३०	पत्नी		वि.	लश्कर
५५७	—श्री राजकुमार परवार	२०	मुखिया	B. Com. II	अवि.	फर्मः—लखमीचन्द राजकुमार
	श्री प्रकाशचन्द	१८	भाई	B. A. I	अवि.	थोक क्लोथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
५५८	—श्री लखमीचन्द परवार	४३	मुखिया		वि.	लखमीचन्द राजकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती बैंनी बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
५५९	—श्री कुन्दनलाल परवार	३९	मुखिया	मिडिल	अवि.	सोनेलाल कुन्दनलाल, कपड़े के
	श्रीमती मंगाबाई	५०	मां		विधवा	व्यापारी, नयाबाजार
	श्रीमती चन्दोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अनन्त कुमार	१९	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
५६०	—श्री वीरेन्द्रकुमार परवार	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन क्लोथ स्टोर, नयाबाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३९	मां		विधवा	
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	भाई	B.Com. I	अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. Sc. II	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१९	भाई	B. E. II	अवि.	माधव इन्जीनियरिंग कॉलेज
	श्री नन्दनकुमार	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
५६१—	श्रीसोमबाबूपद्मावती परवाल	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कलेक्ट्रेट, मुरैना
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पत्नी	B. A.	वि.	अध्यापिका
५६२—	श्री मक्खनलाल वरैया	२२	मुखिया	Medical II	अवि.	
५६३—	इन्द्रसेन गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	सब-रजिस्ट्रार, ग्वालियर
	श्रीमती लोंगश्री	३२	पत्नी		वि.	
५६४—	श्री कुशलचन्द गोलालारे	१७	मुखिया	B.Com.	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द जैन,
	कैलाशचन्द	१४	भाई	नवीं	अवि.	नयाबाजार, कपड़े के व्यापारी
५६५—	श्री चम्पालाल वरैया	४०	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती भगवतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१७	पुत्री	हा. से.	अवि.	
५६६—	श्री बाबूलाल परवार	६०	मुखिया		वि.	अभिनन्दनकुमार सुरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती सोनाबाई	५८	पत्नी		वि.	होलसेल क्लॉथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
	श्री अभिनन्दनकुमार	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	फोन : १२०२
	श्रीमती शान्तिबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५६७—	श्री देवेन्द्रकुमार गोलालारे	२१	मुखिया	M.A. Final	अवि.	
५६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	M.A. Final	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, यू. डी. सी.
	श्रीमती नेमीचन्द	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	जाधव महल,
५६९—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान, नयाबाजार
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कुमारी विमलेश	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७०—	श्री मानिकचन्द गोलालारे	३७	मुखिया	B.Com.LL.B.	वि.	अभिभाषक, हाई कोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती शोभाकुमारी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रविकान्त	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५७१—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	स्टोर्स इन्चार्ज, कमलाराजा
	श्रीमती प्रेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	अस्पताल, लश्कर
	कुमारी मीरा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५७२—	श्री नरेन्द्रकुमार जैन	२८	मुखिया	M.Com.LL.B.	वि.	सिंघल एन्ड कं. चार्टर्ड एकाऊन्टेन्ट,
	श्रीमती मोतीरानी	२४	पत्नी		वि.	नयाबाजार, फोन नं. १४१५
	श्री सत्येन्द्रकिशोर	१८	भाई	B. Sc.	अवि.	
५७३—	श्री प्रेमचन्द लमेंचू	४५	मुखिया		वि.	मे. प्रेमचन्द सतीशचन्द, नयाबाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	पुत्र	बा. एससी. I	अवि.	
	श्री अमरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी सरिता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
५७४—	श्री पवनकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	B.Com;LL.B.	अवि.	विद्याध्ययन
५७५—	श्री प्रयागनारायण जैसवाल	२४	मुखिया	बी. ई. IV	अवि.	,,
५७६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२२	प्रमुख	बी. ई. V	अवि.	,,
५७७—	श्री नरेन्द्रकुमार परवार	२३	मुखिया	B. A.,LL.B.	अवि.	,,
५७८—	श्री चम्पालाल	२३	मुखिया		अवि.	,,
५७९—	डॉ० ज्ञानप्रकाश जैन	३८	मुखिया	M. Sc., Ph.D.	वि.	प्रोफेसर, जीव-विज्ञान,
	श्रीमती प्रेमकान्ता जैन	३१	पत्नी	M. A.	वि.	शा. विज्ञान महाविद्यालय, ग्वा.
	लोहिया बाजार—					
५८०—	श्री रामस्वरूप गोलालारे	५४	मुखिया		वि.	डायमन्ड सेफ इन्डूस्ट्रीज,नयाबाजार
	श्रीमती रामश्री	४५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	३२	पुत्र	B.Com.,LL.B.	वि.	सेल्स टेक्स व इन्कमटेक्स वकालत
	श्रीमती हंसमुखी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री भानुकुमार	२६	पुत्र	M. A.	वि.	शिक्षक, अमायन (भिन्ड)
	श्रीमती रानीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	डॉ० बीरकुमार	२७	पुत्र	M.B,B S;D.T.C.D.	वि.	असिस्टेंट सर्जन, मुरार
	श्रीमती महेन्द्रकुमारी	२३	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री आर. कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	कपड़े के व्यापारी व बैंकर्स,
	श्रीमती शशिकुमारी	२२	पत्नी		वि.	अमायन
	श्री प्रकाशचन्द	२२	पुत्र	M. Sc. (Ag.)	अवि.	छात्र एग्रीकलचर कालेज, लश्कर
	श्री नरेशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द पुत्र मक्खनलाल	२१	पौत्र	B.E. II	अवि.	छात्र, इन्जीनियरिंग कालेज,रायपुर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शुभ कामनाओं सहित !

कॉपर वायर एवं जाली के निर्माता

व

गवर्नमेन्ट सप्लायर्स

मै. सोभाग्यमल जी लुकमान जी

राजा दरवाजा, वाराणसी (यू. पी.)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोहिया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० कृष्णा पुत्री मक्खनलाल	१५	पौत्री	बी. ए.	अवि.	
५८१—	श्री देवीराम पल्लीवाल	३४	मुखिया		वि.	जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	माँ		विधवा	
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री मिश्रीलाल	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी		वि.	
५८२—	श्री बन्शीधर पल्लीवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मेस० बन्शीधर विमलचन्द जैन,
	श्रीमती अजुद्दीदेवी	५२	पत्नी		वि.	आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार,
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फोन नं० ७२१
	श्रीमती विमलादेवी	१८	पत्नी	मिडिल	वि.	
५८३—	श्री दामोदरदास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० सुभाषचन्द नरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती दुर्गाबाई	४५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, लश्कर
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	२७	पत्नी		वि.	
५८४—	श्री मिश्रीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व किराना के दलाल
	श्रीमती गुल्लोबाई	६०	मां		विधवा	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	भाई	B. Com.	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती सरोज	३०	पत्नी		वि.	
५८५—	श्री कन्हैयालाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	मे. कन्हैयालाल कस्तूरचन्द, आयरन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, लोहिया बाजार
	कु० गुणमाला	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
	श्री सोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती आशारानी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	२३	पुत्र	हा० सेकेन्ड्री	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	१९	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
५८६—	श्री गंगाराम पल्लीवाल	६५	मुखिया		वि.	मे० विजय आयरन स्टोर्स, लोहिया
	श्रीमती मथुराबाई	५५	पत्नी		वि.	बाजार, लश्कर
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	बी ए	वि.	
	श्रीमती सरोजदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोहिया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५८७—	श्री लालाराम पल्लीवाल	४७	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती केशरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री अशर्फीलाल	२३	पुत्र		वि.	पान की दुकान, नई सड़क
	श्रीमती फूलवती	१८	पत्नी		वि.	
	श्रीमती गौरीबाई	६५	मां		विधवा	
५८८—	श्री कुशलचन्द पल्लीवाल	१८	मुखिया	B. Sc. I	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द, लोहे के व्यापारी, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामप्यारी	३५	मां		विधवा	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८९—	श्री भरोसीलाल पल्लीवाल	३०	मुखिया		वि.	महाबीर आयरन स्टोर, फोन नं. ७४३
	श्रीमती राजावेटी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	भाई	हा० सेकेन्ड्री	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
५९०—	श्री हरीबाबू पल्लीवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन किराना स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामकली	२५	मुखिया		वि.	
५९१—	श्री राजकुमार पल्लीवाल	२८	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	हीरालाल छोटेलाल, दालबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पत्नी		वि.	
५९२—	श्री रतनलाल पल्लीवाल	४६	मुखिया		वि.	प्रकाश आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	५०	मां		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीवाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पातीराम	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामश्री	३१	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र		अवि.	
५९३—	श्री बाबूलाल पल्लीवाल	७२	मुखिया		वि.	भोलानाथ सन्तोषकुमार, लोहिया बाजार, फोन १७३४
	श्रीमती दुर्गादेवी	६५	पत्नी		वि.	
	श्री भोलानाथ	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	

इन्दरगंज—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५९४—	श्री नेमीचन्द बांझल, परवार	४५	मुखिया		वि.	दलाल, इन्दरगंज
	श्रीमती चिरोंजीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	बी० ए०	अवि.	
	श्री हरीबाबू	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	दलाल, इन्दरगंज।
	कु० शारदादेवी	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५९५—	श्री चम्पालाल परवार	६०	मुखिया		वि.	मे० चम्पालाल एण्ड कं०, कमीशन
	श्रीमती रतनदेवी	५०	पत्नी		वि.	एजेन्ट, दाल बाजार
	श्री बाबूलाल	२८	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री छोटेलाल	५०	भाई		अवि.	
५९६—	श्री हुकमचन्द परवार	४५	मुखिया	B. Sc.	वि.	दलाल—दाल बाजार
	श्रीमती किशनदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	D.C.E. (Fin)	अवि.	
	श्री हेमेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पुष्पा	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
५९७—	श्री हजारीलाल बरैया	५४	मुखिया		अवि.	
	श्री फुन्दीलाल	५२	भाई		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४८	भाईवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मणप्रसाद	१८	भाईपुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती आशा	१६	भाई पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भग्गोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
५९८—	श्री महाचन्द्र बरैया	७५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्री शंकरलाल	६५	भाई		विधुर	
	श्री भगवानदास	५०	भाई		विधुर	किराना मर्चेन्ट, चन्द्रवदनी का नाका
	श्री चन्दनलाल	४५	भाई		वि.	इन्द्रगंज
	श्रीमती बसन्तीबाई	४०	भाईवधू		वि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	भाईपुत्री		अवि.	
५९९—	श्री बाबूलाल बरैया	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस–कॉपरेटिव बैंक
	श्रीमती नारायणी बाई	२२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	२२	भाई	मेट्रिक	वि.	पटवारी, भितरवार
	श्रीमती विमलाबाई	२०	भाईवधू		वि.	
	श्री नत्थीलाल	२०	भाई		वि.	हलवाई, रोशनीघर
	श्रीमती मीनाबाई	१८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	४०	माँ		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६००—	श्री प्यारेलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	धर्म-ध्यान एवं कवि
	श्रीमती इमरतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री इन्द्रचन्द्र	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय–कुटी मशीन
	श्रीमती बसन्तीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१९	पौत्र	बी० ए० II	वि.	
	श्रीमती देवा	१६	पौत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुगनचन्द	३०	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस–वाटरवर्क्स
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कुसमदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
०१—	श्री निर्मलकुमार परवार	२७	मुखिया	B. Sc.	वि.	मेडीकल रिपरिजेन्टेटिव, एलेम्बिक कम्पनी
	श्रीमती अरुणादेवी	१९	पत्नी	बी० ए०	वि.	
६०२—	श्री नदंन चंदेलिया गोलापूर्व	३७	मुखिया	B. Sc., LL.B.	वि.	सुपरवाइजर, टेलीग्राफ आफिस जयेन्द्रगंज
	श्रीमती रत्नप्रभा	३२	पत्नी	१० वीं	वि.	
	कुमारी चन्दना	१४	पुत्री	११ वीं	अवि.	
६०३—	श्री कन्नोमल जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-रामचन्द फुन्दीलाल, भोपाल
	श्रीमती भगवानदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मल कान्ता	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० उर्मिला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री बाबूलाल	३६	भाई	मेट्रिक	वि.	जैन महावीर स्टोर्स.इन्द्रगंज चौराहा
	श्रीमती कुसुमलता	३०	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती बासोबाई	६०	मां		विधवा	
६०४—	श्री भागचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सायकल स्टोर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती रामस्वरूपी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० गुणमाला	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६०५—	श्री भोगीराम जैसवाल	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री कैलाशचन्द	३०	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेक्रटरी-मन्डी कमेटी, मुरार
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हीरांचन्द	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सरला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
६०६—	श्री जवाहरमल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामदेवी	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मुनेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B. A.	अवि.	
६०७	श्री रामदयाल वरैया	४५	मुखिया		वि.	जनरल मर्चेन्ट, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
६०८	श्री गट्टूलाल परवार	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमालादेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२५	भाई	D. C. E.	वि.	ओवरसियर-टाऊन बिल्डिंग विभाग
	श्रीमती सुधादेवी	२२	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२०	भाई	B. A. III	अवि.	
	श्री उमेशचन्द	१८	भाई	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
६०९	श्री ज्ञानचन्द चौधरी	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र जयकुमार, अनाज विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्रीमती प्रेमाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री जयकुमार	२२	पुत्र	ग्वारवीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कृष्णकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती विमलाबाई	१४	पुत्रवधू		वि.	
६१०	श्री जैनेन्द्रकुमार	१६	मुखिया	D.C.E.II	अवि.	छात्र, केन्द्रीय तकनीकी संस्थान (पोलीटेकनीकल) कालेज
६११	श्री कृष्णकुमार	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	
६१२	श्री कैलाशचन्द	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	,, ,, ,,
६१३	श्री सुगनचन्द बरैया	४२	मुखिया		वि.	श्यामलाल सुगनचन्द, गल्ले के व्यापारी, इन्द्रगंज
	श्रीमती चन्दनश्री	३५	पत्नी		वि.	
	श्री जयकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	अध्यापक-प्राथमिक विद्यालय, वरेठा
	श्रीमती राजुलमती	२७	भाई वधू		वि.	
६१४	श्री विधीचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	दलाल इन्द्रगंज
	श्रीमती कौशल्यादेवी	३९	पत्नी		वि.	
६१५	श्री सुन्दरलाल	६५	मुखिया		विधुर	होटल
	श्री भरोसीलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
६१६	श्रीभिखारीलाल गोलसिंघारे	६०	मुखिया		विदुर	बाबूलाल मिजाजीलाल, इन्द्रगंज
	श्री बाबूलाल	५०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजकुमार	२०	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मिजाजीलाल	४५	पुत्र	आयुर्वेदाचार्य	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रतनलाल	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, मन्डी कमेटी, लश्कर
	श्रीमती बसन्तीबाई	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द्र	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
६१७—	डॉ. प्रकाशचन्द गोलसिंघारे	४३	मुखिया	A. L. M. S.	वि.	प्रकाश क्लीनिक, इन्द्रगंज
	श्रीमती हरखोदेवी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शन्तूकुमार	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुमतचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६१८—	श्री पं. जगराम गोलसिंघारे	८०	मुखिया	जैन पं०	विदुर	महाजन
	श्री महेन्द्रकुमार	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर ट्रैजरी
	श्रीमती शान्तीदेवी	३४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सनदकुमार	१८	पौत्र	B. Sc. II	अवि.	
६१९—	श्री द्वारकाप्रसाद वरैया	१६	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, महिला बुनियादी शिक्षण,
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	संस्था ग्वालियर
६२०—	श्री दुर्गेसकुमार जैसवाल	३७	मुखिया	एम. ए.	वि.	प्रधानाध्यापक, तिलक नगर
	श्रीमती वनमालादेवी	३३	पत्नी		वि.	
६२१—	श्री शंकरलाल गोयल	३४	मुखिया		वि.	एडवोकेट
	श्रीमती उमादेवी	३०	पत्नी		वि.	
६२२—	श्री गुलाबचन्द वघेरवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	शेड, इन्सपेक्टर, सी. टी. आई.,
	श्रीमती रामश्रीदेवी	३०	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड

ललितपुर कॉलोनी—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२३—	श्री एन० के० जैन	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	अध्यापक
	श्रीमती आई. के. जैन	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री एस. के. जैन	१६	भाई	बी. एस-सी.	अवि.	
	श्री बी. के. जैन	२६	भाई	हा० से०	अवि.	

जिन्सी नाला, हाईकोर्ट—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२४—	श्रीमती चम्पाबाई वरैया	४५	मुखिया		विधवा	कुटी, आटे की व दूध की दुकान
६२५—	श्री सूरजमल वरैया	४०	मुखिया		वि.	अत्तार, गुजरात पुल के पास

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती नर्मदा	३५	पत्नी		वि.	
	श्री कुलदीप कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	४५	भाई		वि.	ठेला खोंमचा
	श्रीमती लच्छोबाई	४०	भाई वधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	भाई पुत्र		अवि.	
	श्री अशोककुमार	२८	भाई		वि.	सर्विस–आटे की चक्की पर,
	श्रीमती चमेलीबाई	२५	भाई वधू		वि.	जिन्सी नाला
६२६—	श्री बाबूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकमचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुन्शी (मदनमोहन कौशिक,
	श्रीमती कलावती	२५	पुत्रवधू		वि.	एडवोकेट के यहाँ)
	श्री हेमचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	कन्डक्टर
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
६२७—	श्री कामताप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		विधुर	अत्तार, हुजरात पुल के पास
	श्री नन्नू लाल	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस–सनातन धर्म कन्या जूनियर
	श्री चन्द्रशेखर	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	कॉलेज, धर्म मंदिर मार्ग, लश्कर
६२८—	श्री कैलाशचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स द्वारकादास पुरुषोत्तम
	श्रीमती कुन्ठीबाई	४०	पत्नी		वि.	दास, बिजली वाले, सराफा बाजार
	कुमारी उर्मिला	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
६२९—	श्री रोशनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, रामस्वरूप मदनलाल,
	श्रीमती कलावती	३२	पत्नी		वि.	माधवगंज
६३०—	श्री लालचन्द बरैया	२९	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स पन्नालाल रोशलाल,
	श्रीमती शीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	दालबाजार
६३१—	श्री मुकन्दीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	आटे की चक्की, ग्वालियर
	श्रीमती मुकन्दीलाल	४०	पत्नी		वि.	
६३२—	श्री शिवकुमार बरैया	२०	मुखिया		वि.	जैन भोजनालय, जिन्सी नाला,
	श्रीमती रज्जोबाई	४०	माँ		विधवा	लश्कर
६३३—	श्री मोहनलाल बरैया	५३	मुखिया		वि.	जैन रेस्टारेन्ट, जिन्सी नाला
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री शंकरलाल	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शुभ कामनाओं सहितः—

फोन नं. २२६३, २४२१

गंगवाल इण्डस्ट्रीज

लश्कर, ग्वालियर

फोन नं. ५७७

मे. गनेशीलाल फूलचन्द

होल सैल क्लोथ मर्चेन्ट

नया बाजार, लश्कर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जिन्सी नाला, हाईकोर्ट, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलश्री	२५	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	भाई वधू		विधवा	
६३४—	प्रो. श्री अमरचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	M. A., LL. B.	वि.	प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, गवर्मेंट,
	श्रीमती बसन्तीदेवी	४२	पत्नी		वि.	कॉलेज, भिन्ड
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६३५—	श्री रोशनलाल पद्० परवाल	५५	मुखिया		वि.	मैनेजर, कैलाश लॉज, पाटनकर,
	श्रीमती मालादेवी	४०	पत्नी		वि.	बाजार लश्कर
	श्री सतीशचन्द	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	चाट का ठेला
	श्रीमती कंचनदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र		वि.	

शिन्दे की छावनी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३६—	श्री गुलाबचन्द लमेचू	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान-सुगर कन्ट्रोल
	श्रीमती बसन्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
६३७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती अंगूरीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६३८—	श्री बनारसीदास अग्रवाल	६१	मुखिया	हाई स्कूल	वि.	रिटायर्ड-पोस्ट मास्टर
	श्रीमती सरस्वती देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री रघुवीरप्रसाद	३६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	पोस्ट मास्टर, *R.P.O.*, ग्वालियर
	श्रीमती डा० सुशीलादेवी	३८	पुत्रवधू	M.D H. विशारद	वि.	जैन होम्योपैथिक मेडीकल हाल,
	श्री विनोदकुमार	२१	पौत्र	B. Sc.	अवि.	रामदास घाटी, लश्कर
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पौत्र	B. A.	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती मधु	२३	पौत्री	M.A. फाइनल	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३९—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	छटवीं	वि.	ठेला
	श्रीमती मीनादेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	६०	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिन्दे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४०—	श्री राजेन्द्रप्रसाद जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, जाधव
	श्रीमती सीमादेवी	२०	पत्नी	हाई स्कूल	वि.	महल
६४१—	श्री गोविंदीलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती खिम्मोदेबी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विधिचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-बीज भंडार, ग्वालियर
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्र वधू		वि.	
	श्री भागचन्द	२७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती फूलोदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	२३	पुत्र	पांचवीं	अवि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
६४२—	श्री बाबूलाल	५६	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पदमादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र		अवि.	
६४३—	श्री नरेशचन्द	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती नरेशचन्द	३०	पत्नी		वि.	
	कु० मालती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३२	भाई	मेट्रिक	अवि.	

शिन्दे की छावनी, हनुमान घाटी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४४—	श्री बंगालीबाबू जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकानदारी
	श्रीमती प्रेमवती	२६	पत्नी		वि.	
	श्री झींगुरीलाल	२५	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२२	भाई वधू		वि.	
	श्री रामदयाल	५५	पिता	छटी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	५०	मां		वि.	
	श्री शंकरलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बताशोदेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६४५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	खेती
	श्रीमती शकुन्तला	३६	पत्नी		वि.	
	श्री शिखरचन्द	२१	पुत्र	B. A. II	वि.	सर्विस-फ्रेन्डस कोआपरेटिव स्टौर्स,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिंदे की छावनी, हनुमान घाटी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
६४६—	श्री वीरेन्द्रकुमार प.परवाल	३६	मुखिया	बी. ए.	वि.	सुपरवाइजर-सेन्ट्रल टेलिग्राफ
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	आफिस, जयेन्द्रगंज
	श्री विजेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. E. IV	अवि.	
६४७—	श्री प्रकाशचन्द पद्मा. परवार	३२	मुखिया	बी.ए.	वि.	केशियर-यूनाइटेड कामर्शियल बैंक,
	श्रीमती प्रकाशदेवी	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	सराफा बाजार
६४८—	श्री गोपीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	दिनेश घी स्टोर्स, शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सहुद्राबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती अशरफीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	सांतवीं	अवि.	
६४९—	श्री चिरोंजीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन रेस्टारेन्ट, शिन्दे की छावनी
	श्रीमती चमेलीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	खेतीबाड़ी
	श्रीमती नारायणीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गुलजारीलाल	२३	पुत्र	बी.ए, बी. एड.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२१	पुत्रवधू	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५०—	श्री पोथीराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	श्री महावीर फ्लोर मिल, शिन्दे की
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४८	पत्नी		वि.	छावनी
६५१—	श्री शंकरलाल चौधरी	४५	मुखिया		वि.	ड्राइवर-चम्बल केनाल विभाग
	श्रीमती कौसावती	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	मुन्शी
	श्रीमती चम्पाकिरण	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६५२—	श्री केशरीमल बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	परिचालक-एम. पी. आर.एस.टी.
	श्रीमती रामकलीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५३—	श्रीमती अंगूरीबाई	३८	मुखिया		विधवा	पान की दुकान
	श्री अशोककुमार	१२	पुत्र		अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शुभकामनाओं सहित :—

फोन नं० ५०

मुरैना आयरन एन्ड स्टील इन्डस्ट्रीज

परगज, छुरी, दतुआ, फाल, कीलें, कुन्दा, सून,
हेमर, गेंती इत्यादि के निर्माता
जीवाजीगंज रोड़, मुरैना

व

फोन नं० ७२१

बन्शीधर विमलचन्द जैन

आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार, लश्कर

फोन नं० २००६

शुभकामनायें अर्पित करते हुये :—

मे. रतीलाल बेचरदास

मोटर पार्टस विक्रेता, सराफा बाजार, लश्कर
पेट्रोल पम्प, महारानी लक्ष्मीबाई रोड, लश्कर

एवम्

फोन नं० १६८६

ग्वालियर मोटर हाऊस — जयेन्द्रगंज, लश्कर

मोटर पार्टस् एवं टायर ट्यूब विक्रेता

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिंदे की छावनी, हनुमान घाटी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५४—	श्री छोटेलाल परवार	२७	मुखिया	M. Com.	वि.	सर्विस-लेन्ड रिकार्ड्स्
	श्रीमती सुशीलाबाई	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६५५—	श्री दर्शनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री फूलचन्द	५२	भाई		अवि.	
६५६—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		अवि.	बाबूलाल ओछेलाल, किराना मर्चेन्ट
	श्री ओछेलाल	४२	भाई		वि.	शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	भाई वधू		वि.	
६५७—	श्रीमती जमनाबाई बरैया	५५	मुखिया		विधवा	
६५८—	श्री चिरोंजीलाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान, शिन्दे की
	श्रीमती ग्यासोदेवी	५५	पत्नी		वि.	छावनी
	श्री पूरनचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शकुन्तादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना जनरल स्टोर्स, शिन्दे की
	श्रीमती सुखदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	छावनी
	श्री जगदीशचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	१८	पुत्रवधू		वि.	
६५९—	श्री घनसुन्दरलाल बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र	छठीं	अवि	
	कु. शकुन्तला	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
६६०—	श्री नवलकिशोर बरैया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	नवलकिशोर रामकिशोर, किराना
	श्रीमती दक्खोबाई	२५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, शिन्दे की छावनी
६६१—	श्री काशीराम बरैया	३६	मुखिया	सातवीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० कमला	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
६६२—	श्री भागीरथ बरैया	२५	मुखिया		वि.	चाट भन्डार
	श्रीमती बदामीदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री धन्नालाल	२२	भाई		अवि.	
	श्रीमतीगोमतीबाई	५०	मां		विधवा	
६६३—	श्री गनपतलाल बरैया	४२	मुखिया		विधुर	स्वास्तिक जनरल स्टोर्स, फालका बाजार
	श्री अनन्त कुमार	२३	पुत्र	एम. एससी.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिन्दे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीलादेवी	१९	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री केशरीमल'	२१	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सी० ओ० डी०, आगरा
	श्रीमती सुशीलादे	१८	पुत्रवधू	सातवी	वि	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी० I	अवि.	
६६४—	श्री हरलाल बरैया	५६	मुखिया		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मदनलाल	१९	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-कोआपरेटिव बैंक, गोहद
	श्रीमती रामादेवी	१७	पुत्र वधू	छठी	वि.	
६६५—	श्री मुरारीलाल गोलालारे	४३	मुखिया	एफ०ए०	वि.	एकाउन्टेन्ट-यू० को० बैंक, सराफा बाजार
	श्रीमती जैनोबाई	३५	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषारानी	१६	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६६६—	श्री मुन्नीलाल गोलालारे	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती मायादेवी	२८	पत्नी		वि.	
६६७—	श्री गुलाबचन्द खरौआ	४५	मुखिया		वि.	मैनपुरी तम्वाकू
	श्रीमती पदमश्री	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रभातचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
६६८—	श्री राजाराम जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	नमकीन का ठेला
	श्री किशोरीलाल	४०	पौत्र		वि.	
	श्रीमती गोरीबाई	२५	पौत्र वधू		वि.	
६६९—	श्री जगदीशकुमार पाटनी	२९	मुखिया	एम० ए०	विधुर	सर्विस-युनाइटेड कॉमर्सियल बैंक
६७०—	श्री सुमतकुमार पाटनी	३६	मुखिया	सांतवीं	वि.	तेल और घी का व्यवसाय
	श्रीमती कुन्थादेवी	३०	पत्नी	सातवीं	वि.	
६७१—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सुखलाल प्रकाशचन्द, किराना स्टोर्स, शिन्दे की छावनी
	श्रीमती कन्चनबाई	३५	पत्नी.	मिडिल	वि.	
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शोभारानी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमारानी	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
६७२—	श्री देवेन्द्रकुमार कासलीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-गंगवाल फेक्ट्री
	श्रीमती पुष्पादेवी	२६	पत्नी	नवीं	वि.	
	श्री आनिलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अबि.	
	श्रीमती चंदादेवी	६०	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७३—	श्री कमलचन्द कासलीवाल	२८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यू. को बैंक, नया बाजार
	श्रीमती कुसुम	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६७४—	श्री सुरेन्द्रकुमार	३३	मुखिया	सातवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	भाई	D.M.E., B.E. III	अवि.	
	श्रीमती अंगूरीबाई	६०	माँ		विधवा	
६७५—	श्री करणसिंह जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती घन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीकपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामभरोसी	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस—बिक्री फैक्ट्री
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
६७६—	श्री यतीन्द्रकुमार पल्लीवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—रेल्वे स्टेशन, ग्वालियर
	श्रीमती सरोजकुमारी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
६७७—	श्री चम्पालाल लमेंचू	५६	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती राजमती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कुमुदनी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री उग्रसेन	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सावित्री	२३	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६७८—	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४७	मुखिया	सातवीं	वि.	कपूरचन्द बिनोदकुमार, मिष्ठान्न भन्डार
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रमोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती जैनाबाई	७०	माँ		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्थापित सं० १९६५ फोन नं० : २०७१

हार्दिक शुभकामनायें अर्पित करते हुए—

प्रस्तुत करते हैं !

सोना, चांदी व उसके आधुनिक आभूषण

नमूनें के अनुसार सुन्दर आभूषण बनवाईयेगा

जौहरी रिखबदास मोतीलाल जैन (घरसोंदी वाले)

सराफा बाजार, लश्कर-ग्वालियर

फोन नं० २२८०

◎ टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि०

◎ स्टील कारपोरेशन ऑफ बेंगाल लि०

◎ दि इन्डिया आयरन स्टील कंपनी लि०

◎ इन्डियन टूयब कंपनी लिमिटेड के

स्टाकिस्ट

चन्दरलाल गप्पूलाल

मर्चेन्टस् एण्ड कन्ट्राक्टर्स, इम्पोटर्स एण्ड एक्सपोर्टस

डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

अपनी शुभ कामनायें पेश करते हैं !

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिन्दे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७९—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		विधुर	जैनग्रन्थ भन्डार, शिन्दे की छावनी
	श्री टीकाराम	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बादामीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
६८०—	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती कुसुमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री गोरेलाल	३५	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	३०	भाई वधू		वि.	
६८१—	श्री श्रीचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती पुष्पलता	३०	पत्नी		वि.	
	श्री हृदयकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६८२—	श्री स्वदेशीलाल लमेंचू	३०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दाखश्रीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
६८३—	श्री रामनाथ डिलवारी जैसवाल	३५	मुखिया	पांचवी	वि.	छोटेलाल रामनाथ हलबाई, शिन्दे
	श्रीमती मालतीदेवी	२५	पत्नी		वि.	की छावनी-चौराहा
	श्री प्रकाश	२०	भतीजा	ग्यारवीं	अवि.	
६८४—	श्री रामप्रसाद कपरिया	४०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्री बाबूलाल जैन	२२	भाई पुत्र	ग्यारवीं	वि.	भंग व गांजे के ठेकेदार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	भाई पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती धनवन्ती	५०	भाभी		विधवा	
६८५—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com., LL.B.	वि.	प्रबन्धक-ग्वालियर जिला सहकारी
	श्रीमती कान्ताबाई	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	भू-विकास बैंक

स्टेशनरोड, शिन्दे की छावनीः—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६८६—	श्री गनपतलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	गनपतलाल पन्नालाल, किराना
	श्रीमती लालोबाई	५५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, स्टेशनरोड, ग्वालियर
	श्री पन्नालाल	३५	पुत्र	सातवीं	वि.	
	श्रीमती छोटीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मांगीलाल	२५	पुत्र	नवीं	वि.	जैन जनरल स्टोर्स
	श्रीमती उर्मिलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२३	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२०	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१४	पुत्रवधू	ग्यारवी	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शिंदे की छावनी, स्टेशन रोड, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६८७—	श्री जवाहरलाल	५०	मुखिया		वि.	किराना मर्चेंट, श्रीकृष्ण धर्मशाला
	श्रीमती सरजूदेवी	४५	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड, लश्कर
	श्री मानिकलाल	२५	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शारदादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पन्नालाल	६०	भाई		वि.	
	श्रीमती राजमतीदेवी	४५	भाई वधू		वि.	

चन्द्रवन्दनी नाका:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६८८—	श्री रामसहाय	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गवर्नमेंट रीजनल प्रेस
	श्रीमती लीलावती	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीबाई	५५	बहिन		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४०	भाई		अवि.	
६८९—	श्री भगवानलाल बरैया	५२	मुखिया		वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती आनन्दी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
६९०—	श्री ओमचन्द	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	सर्विस-ऐ० जी० आफिस
	श्रीमती सुप्रभा	२०	पत्नी		वि.	

पाटनकर बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६९१—	श्री कन्हैयालाल गोयल	३३	मुखिया	एम० ए०	वि.	जैन पुस्तक सदन, पाटनकर बाजार
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६९२—	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	३४	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	मेस. आर.एल.अग्रवाल एण्ड कम्पनी,
	श्रीमती मायादेवी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वाटर प्रूफ एवं कार्ड पेपर निर्माता
६९३—	श्री हरीशचन्द्र जैसवाल	३२	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	हरीशचन्द्र-हार्डवेयर मर्चेन्ट, दौलत
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	गंज
६९४—	प्रो० बाबूलाल जी पोरवाल	३०	मुखिया	M.Sc. (एग्री.)	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय
	श्रीमती फूलवती	२५	पत्नी	इन्टर	वि.	
६९५—	श्री सूरजमल	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	अवि.	
६९६—	श्री प्रकाशचन्द्र बरैया	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	ब्रजलाल प्रकाशचन्द्र, अत्तार
	श्रीमती कमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२४	भाई	सातवीं	वि.	
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	१९	भाई वधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२१	भाई	B. A. II	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५६	मां		विधवा	
६९७—	श्री हजारीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	नौकरी
	श्रीमती प्रेमाबाई	२६	पत्नी		वि.	

फालके का बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६९८—	प्रो० नरेन्द्रलाल जैन	३५	मुखिया	M.Com., साहित्य रत्न	वि.	आनन्दभवन, व्याख्याता-म: ल. वा.
	श्रीमती मालतीदेवी जैन	२६	पत्नी	हायर सेकेन्ड्री	वि.	कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
	श्री ज्ञानचन्द	२०	भतीजा	B.Sc. II	अवि.	
	श्री रतनचन्द	१४		मिडिल	अवि.	
६९९—	श्री बाबूलाल कागला	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० मायाचन्द गनेशराम
	श्रीमती मुन्नीबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द्र	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० हुकुमचन्द्र विनोदकुमार,
	श्रीमती गिरजाकुमारी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	खाद्यान्न विक्रेता
	श्री विनोदकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवीं	अवि	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	दसवी	अवि.	
	श्रीमती अशर्फीबाई	७०	माँ		विधवा	
७००—	श्री मनीराम लमेंचू	६०	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान्न भण्डार, फालका
	श्रीमती शान्तीबाई	४२	पत्नी		वि.	बाजार
	श्री धनपतलाल जैन	२५	पुत्र	B. Sc., LL.B.	वि.	
	श्रीमती अशोककुमारी	२२	पुत्रवधू		वि.	
७०१—	पं त्रिलोकचन्द्र शास्त्री जैस.	६५	मुखिया	पं० शास्त्री	वि.	साहूकारी, भूमिपति, स्थायी निवास
	श्रीमती राजमती	५८	पत्नी	मिडिल	वि.	छीपीटोला, आगरा
	श्री नवीनचन्द्र	२४	पुत्र	M. Com.	वि.	एकाउन्टेन्ट, अल्यूमीनियम कार-
	श्रीमती सरलारानी	२२	पुत्रवधू	B. A. II	वि.	पोरेशन ऑफ इण्डिया, कलकत्ता
	श्री विपिनचन्द्र	२२	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री सुधीशचन्द्र	२१	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	श्री जिनेशचन्द्र जैन	१८	पुत्र	B, E. I	अवि.	
७०२—	श्रीमती शान्ती प्रेमचन्द्र जैस.	५५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मे. जोधाराम प्रेमचन्द जैन,
	श्री रवीन्द्र "मालव"	२०	पुत्र	D.M.E., B.A., विशारद	अवि.	मे० मालव ट्रेडर्स,
	श्रीमती ऊषा	१८	पुत्री	M.A. (Pol. Sc.)	वि.	
७०३—	श्री फूलचन्द्र, जंसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना व्यापारी, हरलाल मूलचंद
	श्रीमती शान्तीदेवी	५४	पत्नी		वि.	जैन, फालका बाजार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यापारी, मे० फूलचन्द्र नरेन्द्र
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	कुमार, फालके बाजार
	श्री ज्ञानचन्द्र जैन	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	अनाज व्यापारी—मे० फूलचन्द्र
	श्रीमती चन्द्रमुखी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र
	श्री मानिकचन्द्र	२१	पुत्र	B. Com. III	वि.	सर्विस- सेल्स मैन-लिपटन टी कं०
	कु० लक्ष्मी	१४	पुत्री	नवमीं	अवि.	
७०४—	श्री बुद्धसैन	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हुण्डी के दलाल
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२३	पुत्र	B. Com. III	अवि.	
	कु० माया	१६	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	नवमीं	अवि.	
७०५—	श्री मोहनलाल जैसवाल	७७	मुखिया		विधुर	कास्तकारी
	श्री लक्ष्मीचन्द	६०	दामाद		विधुर	
	श्री कैलाशचन्द	४०	धेवता	मेट्रिक	वि.	दिनेश ओटोमोवाइल्स, पाटनकर,
	श्रीमती सुलोचना	३५	धेवता वधू	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री कुशलचन्द	२५	धेवता	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती स्वरूपदेवी	२०	धेवता वधू		वि.	
	कु० चन्द्रलेखा	१६	धेवता पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री दिनेशचन्द	१५	धेवता पुत्र		अवि.	

जरी पटका, फालका बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७०६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस—जे० सी० मिल्स, ग्वालियर
	श्री शिवचरणलाल	२६	भाई		वि.	जैन साइकल स्टोर्स, फालके बाजार
	श्रीमती यशोदा देवी	५५	मां		विधवा	
७०७—	श्री ख्यालीराम जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ग्यासीलाल	३५	दामाद		बि.	
	श्रीमती प्रेमबाई	३२	पुत्री		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१४	नातिनी		अवि.	

कमलसिंह का बाग, शिन्दे की छावनी:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७०८—	श्री फुन्दीलाल गोलसिंघारे	४५	मुखिया		वि.	कन्ट्रोल की दुकान
	श्रीमती रामवती	३५	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कमलसिंह का बाग, शिंदे की छावनी, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामबाबू	२७	भाई		विधुर	नौकरी
	श्री किशनलाल	२५	पुत्र		विधुर	
	श्रीमती किशनलाल	२२	पुत्रवधू		वि.	किराना व्यापारी —किसनलाल
	श्री जयकुमार	२१	पुत्र		वि.	किराना मर्चेंट, फालके बाजार
	श्रीमती जयकुमार	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजकुमार	१५	पुत्रवधू		वि.	
७०९—	श्री जवाहरलाल जैन	३५	मुखिया	M.B.,B.S.	वि.	हॉस्पीटल, प्रेमनगर खेड़ापति
	श्रीमती गुणवती	५४	मां		विधवा	कालोनी
	श्रीमती आशा	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
	प्रो० चन्द्रकान्त	२५	भाई	M.Sc. (Ag.) LL.B	अवि.	व्याख्याता ऐग्रीकलचर कालेज,
	श्री सूर्यकान्त	२३	भाई	B. Sc. (Ag.)	अवि.	
	कु० कमला	३०	बहिन	एम. ए.	अवि.	शासकीय सेवा, भोपाल
	कु० कृष्णा	२४	बहिन	M.A.,(Pol)Sc.	अवि.	
	डा० कस्तूरचन्द	३४	मामा	M. B.B. S.	अवि.	टी. टी. नगर अस्पताल, भोपाल

सराफा बाजार:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७१०—	श्री काशीराम बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	जल व विद्युत. बिल डिपोजीटर
	श्रीमती कस्तूरी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१४	पुत्र		अवि.	
७११—	श्री भंवरलाल साह	४६	मुखिया	M. Com., LL.B. C. A. I. I. B.	वि.	एकाउन्टेन्ट-बैंक ऑफ बड़ौदा
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७१२—	रिखबचन्द्र बड़जात्या	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	३७	पत्नी		वि.	विक्रय-विभाग, बिरलानगर
	श्री श्रेयांसकुमार	२०	पुत्र	B. E. Final	अवि.	
	कु० अनिता	१८	पुत्री	B. A. II	अवि.	
	श्री उदंककुमार	१७	पुत्र	B. Sc. *II*	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
७१३—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	
७१४—	श्री वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	बी. ए.	वि	सर्विस-ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती ऊषा	२०	पत्नी	एफ. ए.	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार, माधवगंज, दौलतगंज, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुखदेवी	५५	मां		विधवा	
७१५—	श्री तेजकुमार गंगवाल	२९	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस–सोशल वेल फेयर डिपॉ०
	श्रीमती ऊषाकुमारी	२५	पत्नी	एफ. ए.	वि.	छत्री रोड़, लश्कर
	श्री दुलीचन्द	२८	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	२६	भाई	एफ. ए.	अवि.	मरीना जनरल स्टोर्स,
	श्री रूपचन्द	२४	भाई	एफ. ए.	अवि.	सराभा बाजार, फो० नं० २६३५
	श्री हुकमचन्द	२३	भाई	हायर सेकन्ड्री	अवि.	
	श्रीमती कमलाबाई	५०	मां		विधवा	
७१६—	श्री सौभागमल विदायका	४६	मुखिया	एफ. ए.	वि.	सर्विस- बिजली घर
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२५	पुत्र	B. Sc.(Engg)	वि.	व्याख्याता-माधव इन्जीनियरिंग
	श्रीमती हेमलता	१८	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि	कालेज, ग्वालियर
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	M.B.B.S. IV	अवि.	
७१७—	श्री पारसमल अत्रीमोड़ वैश्य	३३	मुखिया	M.Sc.	वि.	व्याख्यांता, कृषि महाविद्यालय,
	श्रीमती मनोरमा	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	नई सड़क, लश्कर
माधव गंज:—						
७१८—	श्री बुद्धामल बरैया	४०	मुखिया		वि.	फुटकर व्यवसाय
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
७१९—	श्री पंचमलाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	टेलर-फर्स, माधोगंज
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
७२०—	श्री केशरीमल बरैया	२०	मुखिया		वि.	साईकिल रिपेयरिंग, दालबाजार
	श्रीमती केशरीमल	१८	पत्नी		वि.	
	श्री सुपार्श्वचन्द	१७	भाई		वि.	कम्पोजीटर एवं टेलर
	श्रीमती सुपार्श्वचन्द	१५	भाई वधू		वि.	
	श्रीमती कलावती	४०	मां		विधवा	सर्विस-मे० चंदरलाल गप्पूलाल
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन, देन
दौलतगंज--						
७२२—	श्री सन्तोषकुमार सेठी	१८	मुखिया	B. Com.II	अवि.	स्थाई निवासी कलकत्ता
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मां		वि.	
७२३—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२५	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस. ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दिगम्बर जैन-समाज, ग्वालियर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
मोहल्ला खच्चाराम :—						
७२४—	श्री गोपालचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमतीजेनोवाई	३३	पत्नी		वि.	
७२५—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जलदेबी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	३०	पुत्र		अवि.	सर्विस
७२६—	श्री बलवन्तराम जैसवाल	६३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुगनाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
७२७—	श्री रामजीदास अग्रवाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रामजीदास	२३	पत्नी		वि.	
लोहामण्डी :—						
७२८—	श्री अरविन्द्र कुमार	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी०मिल्स, विरला नगर
	श्रीमती अरविन्दकुमार	३३	पत्नी		वि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री सोहनलाल	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती सोहनलाल	२८	भाई वधू		वि.	
	श्री सुनीलकुमार	१८	भाई		अवि.	
७२९—	श्री शंकरलाल जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती शंकरलाल	१८	पत्नी		वि.	
७३०—	श्री लज्जाराम जैसवाल	६३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रक्खीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीप्रसाद	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

टेलीफोन { दुकान २१६१
घर २६७१

गोपीलाल लखमीचन्द सर्राफ

थोक सोना एवं चांदी के जेवरों के व्यापारी

सराफा बाजार, लश्कर

हमारी दुकान की विशेषतायें :—

* नेवरी * आमला * कड़ी

* करधोनी * ककना * अनोखा

* पाजेब :—मद्रासी, कोलापुरी डेमलकटी, अहमदाबादी

* घुघरू * बिछुए इत्यादि हर समय तैयार मिलते हैं।

मुख्य मोहर :—

मोतीलाल बाबूलाल तथा गो. ल. देखकर ही खरीदिये !

स्थापित : १९१० *फोन नं० : २०६४*

ग्वालियर गोटा फैक्टरी

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

हमारे यहाँ,

शादी, विवाह इत्यादि के अवसर के लिये

जरदोजी काम की कलात्मक

साड़ियाँ ब्लाउज पीसेज शाल आदि

हमेशा तैयार रहते हैं।

कृपया सेवा का अवसर दें !

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोहामण्डी, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती गुणमाला	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र		अवि.	
७३१—	श्री ग्यासीराम जैसवाल	८३	मुखिया		वि.	तेल मिल
	श्रीमती रामोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभूदयाल	५८	पुत्र		अवि.	
७३२—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती रूपकुमारी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री आदीशकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
७३३—	श्री जीनाराम जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस–जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चमेलीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
७३४—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलकन्दी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री दुलीचन्द	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती सावित्रीबाई	२८	भाई वधू		वि.	
७३५—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	६८	मुखिया	सातवीं	विधुर	सर्विस–जे० सी० मिल्स
७३६—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० भगवानदेई	१८	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री जमनाप्रसाद	३५	भाई		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्री रामनिवास	२७	भाई		अवि.	
	श्रीमती बदामीबाई	६८	मां		विधवा	
७३७—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस–जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री पवनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कु० सरिता	१६	पुत्री		अवि.	
७३८—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	रिटायर्ड–पटवारी
	श्रीमती मथुराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री केशवचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र		अवि.	
७३९—	श्री खूबचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती वैंकुन्ठीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री हरप्रसाद	३५	भाई		अवि.	
	श्रीमती राजोदेवी	५८	मां		विधवा	
७४०—	श्री झींगुरीमल जैसवाल	५९	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कपूरीदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	१९	पुत्र		अवि.	
	श्री शिवनारायण	१६	पुत्र		अवि.	
७४१—	श्री सुखलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती रामश्री	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० माया	१५	पुत्री		अवि.	
७४२—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती शकुन्तला	३१	पत्नी		वि.	
७४३—	श्री हजारीलाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसायी
	श्रीमती रामबाई	५९	पत्नी		वि.	
७४४—	श्री आनंदीलाल जैसवाल	८०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रमकोबाई	७३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४८	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती भगवतीबाई	४१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री डालचन्द	२०	पौत्र		अवि.	
	श्री हुकमचन्द	१८	पौत्र		अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र		अवि.	
७४५—	श्री ओछेलाल जैसवाल	४८	मुखिया		अवि.	सर्विस
७४६—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	७३	मुखिया		विधुर	आढ़त
	श्री पूरनचन्द	५३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कलावती	४३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२२	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	१४	पौत्र		अवि.	
७४७—	श्री तुलसीराम जैसबाल	५३	मुखिया		वि.	किराना
	श्री महाबीरप्रसाद	२१	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोहामण्डी, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती महावीरप्रसाद	१६	पुत्रवधू		वि.	
७४८—	श्री मोतीलाल अग्रवाल	७३	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती ,,	६८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	५१	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती ,,	४७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	४३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ,,	३९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	३९	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती ,,	३४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	३३	पुत्र	मेट्रिक	बि.	
	श्रीमती ,,	३०	पुत्रवधू		वि.	
	डा० महावीरप्रसाद	२९	पौत्र	M. Sc.	वि.	डिसपेन्सरी-खेड़ापति कालोनी
	श्रीमती ,,	२४	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्ररिशमकुमार	२२	पौत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती ,,	१९	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि	
७४९—	श्री मोतीलाल परवार	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
७५०—	श्री कस्तूरचन्द परवार	३८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शीलाबाई	२८	पत्नी		वि.	
७५१—	श्री बाबूलाल परवार	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामश्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२९	पुत्र		वि.	हलवाई
	श्रीमती कान्तादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१९	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	७८	मां		विधवा	
७५२—	श्री देवीराम परवार	४८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भूरीबाई	४१	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	शिक्षक—ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जमुनाप्रसाद	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
७५३—	श्री भजनलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती भगवानदेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
७५४—	श्री रामचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती अशरफीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	कु. मनोरमा	१४	पुत्री		अवि.	
७५५—	श्री हीरालाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कस्तूरीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जीवनलाल	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती उर्मिलादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लखमीचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

कोटा वाला मोहल्ला :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७५६—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	अनाज का व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
७५७—	श्री फूलचन्द अग्रवाल	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती केशरबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	३१	पुत्र		वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गणेशीलाल	२७	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस
	श्रीमती अंजलीदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१७	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	४३	भाई		वि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती रामश्री	३३				
	कु० मीना	१४	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती तुलसीबाई	६३	मां		विधवा.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कोटा वाला मोहल्ला, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७५८—	श्री धन्नालाल जैन "धर्मवीर"	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गन्नामल धन्नालाल सर्राफ,
	श्रीमती रामस्वरूपीदेवी	५३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, लश्कर।
	श्री ऋषभदास	३३	पुत्र	B.A.,LL M.	वि.	व्याख्याता-विधि-विभाग, महारानी
	श्रीमती अशरफीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	लक्ष्मीबाई कालेज, ग्वालियर
	श्री अजितकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	व्यवसाय-सर्राफ
	श्रीमती पुष्पादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
७५९	श्री मल्हारीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती पत्तोखाबाई	६०	पत्नी		वि.	
गंज :—						
७६०—	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	४३	मुखिया	बी.ए.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती रामश्रीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री भरोसीलाल	३३	भाई		अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	८३	मां		विधवा	
७६१—	श्री चोखेलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले का व्यापार
	श्रीमती रामश्रीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	बिस्कुट व्यवसाय
	कु० सुलोचना	१७	पुत्री		अवि.	
	कु० रामोदेवी	१५	पुत्री		अवि.	
७६२—	श्री भोगीराम जैसवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती सरमनीयाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलचन्द	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२३	पुत्र	B.Sc.	वि.	
	चन्द्रकान्ता	१७				
७६३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	होटल व्यवसाय
	श्रीमती कमलादेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	भाई		वि.	
७६४—	श्री चन्दनलाल	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती सरवतीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री फतहचन्द्र	२९	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६५—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती जैनवती	३३	पत्नी		वि.	
७६६—	श्री खूबचन्द जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	किराने के व्यापारी
	श्रीमती शान्तीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	कु० उर्मिला	१५	पुत्री		अवि.	
७६७—	श्री अजुद्धीप्रसाद जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	हलबाई
	श्रीमती रामश्री	३३	पत्नी		वि.	
पच्चीपाड़ा :—						
७६८—	श्री राम अवतार सिंहल	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, बोर्ड ऑफ सेकेन्ड्री एजूकेशन, भोपाल
	श्रीमती शकुन्तला	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री कृष्णकुमार	२६	भाई	एम. कॉम.	वि.	असिस्टेन्ट आडीटर, मिलिट्री मुरार
	श्रीमती इन्दिरादेवी	१८	पत्नी	बी. ए.	वि.	
७६९—	श्री प्रभूदयाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री अमरचन्द	४३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, नगरपालिका, ग्वालियर
	श्रीमती सुदर्शन माला	३२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी.ए.	अवि.	
७७०—	श्रीमती चिन्जोबाई	७३	मुखिया		विधवा	
फोर्ट रोड :—						
७७१—	श्री हरप्रसाद अग्रवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	अनाज के व्यापारी
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३२	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
	कु० मनोरमा	१५	पुत्री		अवि.	
७७२—	श्री नोनकरन अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	कपड़े का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	६८	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	२४	पुत्र	हा. से.	वि.	तस्वीर की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामबाबू	२०	पुत्र		वि.	
	श्री जगदीशबाबू	१७	पुत्र		अवि.	
७७३—	श्री नोनकरन अग्रवाल	६८	मुखिया		अवि.	व्यवसाय अनाज व सर्राफ
	श्रीमती वत्तोबाई	६३	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री घासीलाल	६३	भाई	मिडिल	वि.	
	श्री लक्ष्मनदास	२७	पुत्र		वि.	
	श्री ललितप्रसाद	३०	पुत्र		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती अगूरीदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
७७४—	श्री विरचीचन्द	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस—जे० सी० मिल
	श्रीमती अगूरीबाई	३१	पत्नी		वि.	
७७५—	श्री बाबूलाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जयमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१६	पुत्र		अवि.	

चौक बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७७६—	श्री पन्नालाल अग्रवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती बैकुण्ठीदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	पुत्र		अवि.	
	कु० शकुन्तला	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री जवाहरलाल	१६	पुत्र		अवि.	
७७७—	श्री नारायणदास अग्रवाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अत्तार
	श्रीमती भूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री वेदप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सावित्रीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	कु० जीवनलता	१५	पुत्री		अवि.	
७७८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सूरजदेवी	६३	पत्नी		वि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वाटर वर्क्स
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	३०	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
७७९—	श्री रामजीदास	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्राफ
	श्रीमती बैकुन्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशनारायण	३३	भाई		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सर्वोत्तम बुनाई के लिये !

OSWAL — ऊन — RAYMOND

यूनिवर्सल — बंगाल

एवं खटाऊ की अनुपम साड़ियां

रिटेल शोरूम :—

वूल कॉरनर

सराफा बाजार

ग्वालियर-१

फोन : २१५१

शुभकामनाओं सहित :-

बापना क्लॉथ स्टोर

: और :

आर. बापना ब्रदर्स

सराफा बाजार

ग्वालियर-१

फोन : २४३६

जैन

रजत-वर्ष

१९७३

सफलता पूर्वक मनाते हुये, आपके अभूतपूर्व सहयोग के प्रति आभार के साथ भविष्य में पारस्परिक स्नेह की आकांक्षा करते हैं।

जैन स्टोर्स

जयाजी चौक, ग्वालियर-१

घन्टा छाप (रजि.) मैनपुरी तम्बाकू

एवं सुगंधित सुपारियों के एकमात्र निर्माता।

जैन आयरन स्टोर

लोहिया बाजार, लश्कर

कुटी काटने की मशीनें

कृषी मशीनें व

अन्य लोहे के सामान के

मुख्य विक्रेता।

Ganesh Varṇi Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अशरफीबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	
सोड़ा का कुआ :—						
७८०—	श्री हरीशचन्द अग्रवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	वैद्य एवम् अत्तार
	श्रीमती बादामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विष्णुकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री अनन्तकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र		अवि.	
७८१—	श्री राजाराम अग्रवाल	७३	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती वत्तोबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	५३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आनन्दीबाई	३९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१९	पुत्र		अवि.	
	श्री श्यामनारायण	१५	पुत्र		अवि.	
७८२—	श्री मोतीलाल बरैया	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस–जे० सी० मिल्स
७८३—	श्री दुर्गाप्रसाद बरैया	३५	मुखिया		वि.	होटल-चौक बाजार
	श्रीमती शिन्दोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२५	पुत्र		वि.	
	श्री दीनानाथ	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	पुत्र		अवि.	
	कु० रामबाई	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० छोटीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
	कु० चन्दाबाई	१२	पुत्री		अवि.	
७८४—	श्री कैलाशनाथ अग्रवाल	३३	मुखिया	बी० ए०	वि.	अत्तार व वैद्य
	श्रीमती गंगादेवी	२८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सोड़ा का कुआ, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८५—	श्री वृजलाल परवार	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती वृजलाल	५०	पत्नी		वि.	
७८६—	श्री राजाराम अग्रवाल	७१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती बसन्तीबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बिजली का काम व दवाइयां
	श्रीमती रामस्वरूप	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरप्रसाद	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री भगवानदास	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	

लखेरा गली :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८७—	श्री मनीराम अग्रवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	बीड़ी का कारखाना
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० स्नेहलता	१६	पुत्री		अवि.	
	श्री अनिलकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
७८८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	
	श्रीमती नारोदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० किरनदेवी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० शीला	१७	पुत्री		अवि.	
७८९—	श्री वासुदेव अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	बीड़ी कारखाना, ग्वालियर
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
७९०—	श्री भूपेन्द्रकुमार अग्रवाल	२९	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कलावती	५८	माँ		विधवा	
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी		वि.	
७९१—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुरेन्द्रकुमार	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सुमतिकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
७९२—	श्री राजेन्द्रकुमार	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजेन्द्रकुमार	३८	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री सुभाषकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री नीरजकुमार	१४	पुत्र		अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लखेरा गली, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७९३—	श्री किशनलाल जैसवाल	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती गोमतीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१८	भाई		अवि.	
७९४—	श्री बल्देवप्रसाद जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती बल्देवप्रसाद	४३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती प्रेमचन्द्र	२१	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र		अवि,	
	कु० राजमती	१७	पुत्री		अवि.	
७९५—	श्री गेंदालाल जैसवाल	३०	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
७९६—	श्री रामबाबू जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री अमरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
७९७—	श्री सुनहरीलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१७	भाई		अवि.	
७९८—	श्री उग्रसेन जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि-	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	कु० पदमा	१४	पुत्री		अवि.	
७९९—	श्री छोटेलाल अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लीलावती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती लोंगश्री	२०	पुत्रवधू		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री		अवि.	
८००—	श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कैलाशी	२८	पत्नी		वि.	
८०१—	श्री हुकमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मथुराबाई	२३	पत्नी		वि	
८०२—	श्री डालचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लखेरा गली, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८०३—	श्री मोतीलाल अग्रवाल	३९	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी० मिल, बिरलानगर
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
८०४—	श्री नन्हेंलाल जैसवाल	६३	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती रम्भाबाई	८३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४१	पुत्र		अवि.	
८०५—	श्री कंचनलाल जैसवाल	५५	मुखिया	साहित्य-भूषण	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मालती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम० एससी०	वि.	सर्विस
	श्रीमती सुभाषिनी	२५	पुत्रवधू	एम० ए०	वि.	
	श्री रिषभकुमार	१८	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतेन्द्रकुमार	१५	भतीजा	मिडिल	अवि.	
८०६—	श्री हरदयाल जैसवाल	६१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शिक्षक-जे०सी० मिल्स स्कूल
	श्रीमती भगवानदेवी	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रबाबू	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्री घनेन्द्रबाबू	२९	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्री राजेन्द्रबाबू	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री रवीन्द्रबाबू	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती विमलदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुलोचनादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	

छोटा बाजार :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८०७—	श्री सीताराम अग्रवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स
	श्री हरीशंकर	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री गोपालदास	१९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनादेवी	२१	पत्नी		वि.	
८०८—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	जनरल मर्चेन्ट
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री नारायनदास	१९	पुत्र		अवि.	
	कु० उमा	१५	पुत्री		अवि.	
८०९—	श्री किशनलाल कोठीवाले	६१	मुखिया		वि.	नाज, गुड़ व शक्कर विक्रेता
	श्री रमेशचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र	सातवीं	अवि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	५३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
घास मण्डी :—						
८१०	श्री कन्हैयालाल पंच	७३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री रामेश्वरदयाल	४३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-लाईफ इन्श्योरेन्स कं०
	श्री प्रेमचन्द	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री नेमीचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्री विसनकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती कन्हैयालाल	६३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामेश्वरदयाल	३८	पुत्रवधू		वि.	
८११	श्री तोताराम अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती फूलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रामकृष्ण	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
८१२	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती सोनाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुनियाबाई	८०	मां		विधवा	
	श्री लक्ष्मणदास	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
८१३	श्री ग्यासीराम अग्रवाल	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री तोताराम	५३	भाई		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती तसोबाई	५३			वि.	
	श्रीमती केतकीबाई	३८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती पुष्पाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० शारदा	१६	पुत्री		अवि.	
तामेश्वर महादेव :—						
८१४—	श्री रामजीदास अग्रवाल	३६	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट
	श्रीमती शान्तीदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र		अवि	
	श्री लक्ष्मणदास	३१	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्राफ
	श्री श्रीमन्तीदेवी	२६	भाईवधू		वि.	
८१५—	श्री दर्शनलाल	५८	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राधेश्याम	३०	पुत्र	B. Com.,LL. B.	वि.	सर्विस
	श्रीमती रामरती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२८	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	बी० एस-सी०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पुत्र		वि.	
	कु० किरण	१६	पुत्री		अवि.	
बिरलानगर :—						
८१६—	श्री नथमल अजमेरा	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मूलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	B. Com , LL B.	वि.	फेक्ट्री मैनेजर-जे० सी० मिल्स,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	सिमको, फोन ६३७
८१७—	श्री किशनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलाबदेवी	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
८१८—	श्री सुरेन्द्रसिंह जैसवाल	३५	मुखिया	बी० ए०	वि.	लेबर आफीसर, सिमको
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शैलेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६२	मां		विधवा	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दिगम्बर जैन समाज, मुरार

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
ठाठीपुर कॉलोनी :–						
८१९—	श्री जगदीशचन्द्र	३५	मुखिया	बी॰ कॉम॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ६/२
	श्रीमती मनोरमा	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
८२०—	श्रीचन्द्रशेखर जैसवाल	४८	मुखिया	बी॰ कॉम॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ४/५
	श्रीमती सुशीला	४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	२१	पुत्र	बी. ई.	अवि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	बी॰ ए॰ प्रथम	अवि.	
८२१—	श्री बी॰ एस॰ जैन अग्रवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ १२/४
	श्रीमती रामदुलारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु॰ आशा	१८	पुत्री	बी॰ए॰	अवि॰	
	श्री नवनीत	१५	पुत्र	हा॰ से॰	अवि.	
८२२—	श्री एस॰ एल॰ परवार	४२	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	शासकीय-सेवा प्रिंसीपल, लाईन नं॰ ६/१३
	श्रीमती कुसुम	४०	पत्नी	हा॰ से॰	वि.	
	कु॰ कुमुद	१६	पुत्री	बी॰ ए॰ प्रथम	अवि.	
	श्री वृषभकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८२३—	श्री गणेशप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी॰ ए॰	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं॰ ५/१६
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२४—	डा॰ पी॰ सी॰ जैन गोलालारे	३०	मुखिया	बी॰ ए॰	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	चिकित्सक, लाईन नं॰ १२/१०
८२५—	श्री आर॰ एस॰ जैसवाल	३८	मुखिया	एम॰ कॉम॰	वि.	एकाऊन्टेन्ट, लाईन न. एच/४९
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कृष्णवीर	१७	भतीजा	बी. एससी.	अवि.	
८२६—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं. एच/२५
	श्रीमती प्रमोदकुमारी	३८	पत्नी	बी॰ ए॰	वि.	शासकीय-सेवा
	श्री सुभाषचन्द	२२	पुत्र	D.M.E.,B.A.II	अवि.	
	श्री चन्द्रशेखर	१८	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अणुव्रत : जीवन-शुद्धि की मञ्जिल :—

"चाहे कोई किसी भी सम्प्रदाय में विश्वास करता हो, किसी भी जाति या कौम का हो, नैतिकता और सदाचार उनके लिए समान रूप से आवश्यक है। इसके बिना जीवन शान्ति के साथ कैसे चल सकता है ? **अणुव्रत आन्दोलन** लोक जीवन में व्यापक रूप से नैतिकता सदाचार को परिव्याप्त करना चाहता है। वह किसी भी तरह की संकीर्णता से जुड़ा नही है। यह तो मानव धर्म का विशाल राजपथ है, जिस पर चलता हुआ मानव समुदाय जीवन-शुद्धि की मञ्जिल आसानी से तय कर सके।" *आचार्य श्री तुलसी—*

विज्ञापित :— टेलीफोन : २०६६

कमलाप्रसाद ओमप्रकाश

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

माधोगंज, लश्कर, ग्वालियर (मध्य-प्रदेश)

मिलावट विरोधी अभियान

टेलीफोन : ३३७६

अधिकृत विक्रेता :—

मफतलाल व लालभाई ग्रुप्स्

विज्ञापित :—

गंगाधर इन्द्रचन्द

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

माधोगंज, ग्वालियर-१

(मध्य-प्रदेश)

'व्यापारी व्यापार के द्वारा उचित मार्ग से धन कमाये, इसमें किसी का विरोध नहीं हो सकता। किन्तु व्यापार में मिलावट जैसे अनैतिक और भ्रष्ट तरीके नहीं अपनाये जायें। मैं व्यापार को भी समाज सेवा का एक महत्व-पूर्ण साधन मानता हूं। पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में बम्बई अणुव्रत समिति द्वारा ठोस कार्य हुआ। उसका सुन्दर परिणाम 'अणुव्रत उद्योग मंडल' है-जिसने एक रचनात्मक दशा दी है।'

—वी० पी० नाईक

मुख्य मन्त्री, महाराष्ट्र

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ठाठीपुर कॉलोनी व सदर बाजार, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८२७—	श्री एस० एम० गोयल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० बी/१६
	श्रीमती पवनबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

सदर बाजार—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८२८—	श्री गोकलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	हा० से०	विधुर	जनप्रिय फायनेन्स डिस्ट्रीब्यूसन,
	श्री सुरेशचन्द.	२२	पुत्र	बी. ई. तृतीय	अवि.	सदर बाजार, फोन नं० १०५६
	कु० सुधा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पुष्पेन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८२९—	श्री कालीचरन जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती भगवती	४२	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	पुत्र	एम.ए.,एम.कॉम.	वि.	सर्विस-नगरपालिका निगम
	श्रीमती मालती	२२	पुत्रवधू	हा.से०	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१९	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
८३०—	श्री विहारीलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-ओछेलाल बिहारीलाल, गंज,
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	मुरार, फोन ९७३
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पवनकुमार	२१	पुत्र	एम.बी बी०एस०	अवि.	
	कु० कमला	२३	पुत्री	एम.बी.बी.एस.	अवि.	डा० जे. ऐ. होस्पीटल, लश्कर
	कु० मधू	१८	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
	कु० अभिलाषा	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८३१—	श्री वृन्दावनदास जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	फर्म-वृन्दावनदास गोपीचन्द, कोत-
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७०	पत्नी		वि.	वाली-संतर, मुरार
	श्री मोहनलाल	४६	पुत्र		वि.	फर्म-गोपीचन्द भागचन्द सदर बाजार
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गोपीचन्द	४२	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
८३२—	श्री गुलजारीलाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती सुमित्रादेवी	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कटोरीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	

चिक सन्तर :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८३३	श्री भीखाराम जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	फर्म-कल्याणदास भीखाराम, सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती धनबन्तीबाई	८५	मां		विधवा	
	श्रीमती पार्वतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री रामबाबू	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	हा. से.	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रबधू	आठवीं	वि.	
	कु० कुसुम	१६	पौत्री	नवमी	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पौत्री		अवि.	
८३४	श्री टुन्डेराम जैसवाल	७८	मुखिया	पांचवीं	वि.	दुकान-मुरारगंज
	श्रीमती विट्टोबाई	६६	पत्नी		वि.	
८३५	श्री ज्ञानचन्द भंडारी जैस.	३५	मुखिया	पांचवीं	वि.	फर्म-जैन किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्रीमती शांन्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	नवमीं	अवि	
८३६	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४०	मुखिया	आठवीं	बि.	प्राइवेट नौंकरी
	श्रीमती अंगूरीबाई	३६	पत्नी		वि.	
८३७	श्री दाताराम नायक जैस.	२५	मुखिया		वि.	दुकान
	श्री जयचन्द	२१	भाई	आठवीं	बि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	१८	पत्नी		अवि.	
	कु० सुशीला	१४	बहिन		अवि.	
	श्री सुनेहरीलाल	१७	भाई	बी० ए० प्रथम	वि.	
८३८	श्री वंशीधर जैसवाल	३२	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-सदर बाजार मुरार
	श्रीमती कमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	
८३९	श्री राजाराम जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	दलाली-विरला नगर स्टेशन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चिक सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती जमुनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री जगतप्रसाद जी	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० शशि	१५	पुत्री	दसवीं	अवि.	
८४०—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	८४	मुखिया		वि.	फर्म-प्यारेलाल विमलचन्द जैन, मुरार
	श्रीमती मन्नोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२४	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	दसवी	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
८४१—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५७	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती मायादेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१५	पुत्री	ग्यारहवीं	अवि.	
८४२—	श्री मुरलीधर जैसवाल	७२	मुखिया	आठवीं	विधुर	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्री कपूरचन्द	३२	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती सत्यवती	३०	पुत्रवधू		वि.	
८४३—	श्री बालमुकुन्द जैसवाल	५१	मुखिया		वि.	फर्म-मुरारगंज एवं सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती भूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री डालचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मनोरमादेवी	१९	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुमतकुमार	१९	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	श्री लीलाधर	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८४४—	श्री खच्चूमल जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३६	पुत्र	बी० ए०	वि.	फर्म-मुरार गंज, फोन ९९५
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१७	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पौत्री	नवमी	अवि.	
८४५—	श्री जगन्नाथप्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-अमरचन्द ओमप्रकाश जैन, सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती राजोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३२	पुत्र		वि.	फर्म–पोथीराम विनोदकुमार जैन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती विद्यादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री पोथीराम	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार जैन
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अमरचन्द	२६	पुत्र		वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पौत्र	नवमी	अवि.	
८४६	श्री शोभाराम जैसवाल	४५	मुखिया	आठवीं	वि.	चक्की-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवमी	अवि.	
८४७	श्री सुमतचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	दसवीं	वि.	सर्विस-न्यू स्पिनिंग मिल्स
	श्रीमती पारोबाई	४६	माँ		विधवा	
	श्रीमती जैनोदेवी	२२	पत्नी		वि.	
८४८	श्री बाबूलाल जैसवाल	३३	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-ज्वालाप्रसाद बाबूलाल, सदर
	श्रीमती शारदादेवी	२६	पत्नी		वि.	बाजार मुरार
८४९	श्री किशोरीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-सुरेन्द्रसिंह केशवसिंह, मुरार
	श्रीमती बतासीबाई	४५	पत्नी		वि.	गंज
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री बद्रीप्रसाद	३२	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	पुत्रवधू		वि,	
	श्री विजयकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५०	श्री छीतरमल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८५१	श्री शंकरलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-रिखबदास महेन्द्रकुमार, सदर
	श्रीमती सरमनियांबाई	४५	पत्नी		वि.	बाजार, मुरार
	श्री रिखवदास	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५२	श्री हजारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म-अनूपचन्द हजारीलाल
	श्रीमती फूलादेवी	३२	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चिक सन्तर व सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८५३—	श्री खेमचन्द जैसवाल	४२	मुखिया	आठवीं	वि.	दलाली, इन्द्रगंज लश्कर
	श्रीमती कुन्थीदेवी	४१	पत्नी		वि.	
	श्री संजयकुमार	१७	पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री संजीवकुमार	१४	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	कुमारी कल्पना	१६	पुत्री	बी. ए. III	अवि.	
८५४—	श्री मुरलीधर जैसवाल	५३	मुखिया		वि.	फर्म:–मुरलीधर कपूरचन्द जैन,
	श्रीमती अंगूरीबाई	४६	पत्नी		वि.	किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्री किशोरीलाल	३३	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती अंजना	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२७	पुत्रवधू	पांचवीं	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स विरलानगर
	श्रीमती शीलाबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
८५५—	श्री केशरीमल वाकलीवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय, दुकान, ठेकेदारी, एजेन्सी
	श्रीमती असरफीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३६	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती विमला	२८	पुत्रवधू	उत्तमा	वि.	
	श्री मिलापचन्द	३२	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	वाकलीवाल एण्ड सन्स, गवर्मेन्ट,
	श्रीमती इन्द्रा	२२	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	कान्ट्रेक्टर मुरार (फोन : ८१६)
	श्री भागचन्द	२४	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती नन्दा	१६	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
८५६—	श्री मुन्नालाल गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्वि-सेन्ट्रल पी. डब्ल्यू डी. मुरार
	श्रीमती शकुन्तला	२८	पत्नी		वि.	
८५७—	श्रीमती लाड़ोबाई गोलालारे	४८	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका, घासमन्डी पाठशाला
८५८—	श्री मोतीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	कुमारी मनोरमा	१६	पुत्री	हा. से.	अवि.	
	श्री पूरनचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	

सत्यनारायण सन्तर—

८५९—	श्री धनीराम जैसवाल	४५	मुखिया		वि,	फर्म:-धनीराम हरिश्चन्द,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	४०	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती धन्नोबाई	७२	मां		विधवा	
	श्री सुगनचन्द	४०	भाई	मेट्रिक	वि.	फर्म:-सुगनचन्द मुन्नालाल,
	श्रीमती सरवतीबाई	३५	भाईवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री देवप्रसाद	३५	भाई	मिडिल	वि.	फर्म:-देवप्रसाद सुरेशचन्द,
	श्रीमती यथुलाबाई	३४	भाईवधू		वि.	गंज, मुरार
	श्री सुरेशचन्द	१६	भाईपुत्र	नवमी	अवि.	
	श्री भागचन्द्र	१४	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्नालाल (सुगनचन्द)	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी भगवतीबाई	१४	भाईपुत्री	मिडिल	अवि.	
८६०—	श्री गुन्धारीलाल जैसवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म:-जिमीपाल गुन्धारीलाल,
	श्रीमती देवाबाई	४६	पत्नी		वि.	गंज, मुरार (फोन : नं० ६७४)
	श्री कालीचरन	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती विमलादेवी	२०	पुत्रबधू	मिडिल	वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	फर्म:-महावीर ब्रदर्स, माल रोड,
	श्रीमती मधुदेवी	१६	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	मुरार
	श्री लक्ष्मनप्रसाद	१६	पुत्र	बी. एस. सी.	अवि.	
	कुमारी पुष्पलता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६१—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	सुश्री पोलमती	५०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्म:-प्रकाशचन्द कैलाशचन्द,
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	बी. कॉम	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री गिरनारीलाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
८६२—	श्री मूलचन्द नायक	५५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती ग्यासोबाई	४८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामचरन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्री!मती विमला	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६३—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	अध्यापक-शासकीय इन्टर कालेज,
	श्री अखलेशकुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	मुरार
८६४—	श्री गिरीशचन्द घीया	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	अध्यापक
	सुश्री राजमती	५२	मां		विधवा	
	श्रीमती सुधारानी	२४	पत्नी	B.A. II	वि.	
	कु० मुक्ता	१६	बहिन	हा० से०	अवि.	
८६५—	श्री अमीरचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यातायात विभाग
	श्रीमती कुसुमलता	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	
	श्री हेमेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

जैन मंदिर सन्तर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८६६—	श्री कैलाशचन्द अग्रवाल	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	चीफ-म्युनिसपल ऑफीसर, अम्बाह
	श्रीमती कौशल्यादेवी	५१	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती चम्पाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	३३	भाई	B. Com., LL.B.	वि.	म्युजियम आफीसर, फूलबाग लश्कर
	श्रीमती मायादेबी	२९	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रामसिंह	२७	पुत्र	बी० एससी०	वि.	सर्विस-व्येरहाऊस कारपोरेशन,
	श्रीमती प्रेमदेबी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुगावली
	श्री श्यामसिंह	२४	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	सर्विस-व्येर हाऊस कारपोरेशन, गुना
	श्री गजराजसिंह	२१	पुत्र	डी० एम० ई०	अवि.	सर्विस-सिमको स्टील फाउन्ड्री,
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	बिरलानगर
	श्री मदनमोहन	२३	भतीजा	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर
	श्रीमती कृष्णादेवी	२१	भतीजा वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कृष्णमोहन	१७	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० तारा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्थापित : १९१५ फोन : २०८१

GWALIOR RAYON FABRICS
BIRLANAGAR

आधुनिक एवं सुरुचिपूर्ण से सुसज्जित साज सज्जा के वस्त्रों का एक मात्र उत्तम स्थान !

मे. इन्दरचन्द फूलचन्द एण्ड संस

गवर्नमेन्ट सप्लायर एण्ड क्लॉथ मर्चेन्ट,
दौलतगंज (लश्कर) ग्वालियर-१

ग्वालियर सूटिंग एवं सर्टिंग
विनार, पैरागौन, अलपार,
अलौरा तथा मोदी सूटिंग
धारीवाल, लाल इमली, लेन्ड,
जामनगर, O. C. M., मौडैला

चन्देरी, बनारसी,
औरंगाबादी, बंगलोरी,
कोयम्बटूरी, बैंकटगिरी,
हैन्डलूम एवं अनेक प्रकार की साड़ियाँ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
गंगामाई सन्तर :—						
८६७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भाग्यदेवी	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२३	पत्नी	हा० से०	वि.	
८६८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-प्रेमराज एन्ड सन्स, मुरार गंज
	श्रीमती रतनदेवी	३५	पत्नी		वि.	फर्म-प्रेम क्लाथ स्टोर्स, सदर बाजार
	श्री ओमप्रकाश	१९	पुत्र	M. Sc.I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६९—	श्री गप्पूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गोबाई	५५	भावी		विधवा	
	श्रीमती धनवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-कोऑपरेटिव बैंक
	श्रीमती प्रेमवती	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शीला	२०	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० मनोरमा	१४	पुत्री	नवमीं	अवि.	
८७०—	श्री भगवानदास जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-तिकोनिया कन्या पाठ-शाला, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८७१—	श्री पुरुषोत्तमदास जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दुकान-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पत्नी		वि.	
८७२—	श्री ज्वालाप्रसाद जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	फर्म-ज्वालाप्रसाद बालमुकन्द जैन, गंज, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	५४	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मनोरमा	१७	पुत्रवधू		वि.	
८७३—	श्री मांगीलाल जैसवाल	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	दलाली
	श्रीमती द्रौपदीबाई	६५	भाईवधू		विधवा	
८७४—	श्री विनोदचन्द जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक दि० जैन-पाठशाला, मुरार
	श्रीमती कुसुमदेवी	२९	पत्नी		वि.	अध्यापिका-शास०मा० पाठ०, मुरार
८७५—	श्री धनीराम जैसवाल	५८	मुखिया		विधुर	व्यवसाय—गंज मुरार
	श्री उत्तमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विसः-एल. आर. ऑफिस, इन्दौर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मनोरमा	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७६—	श्री हंसराज जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	फर्मः-हंसराज देवलाल-मिष्ठान्न-भन्डार, सदर बाजार, मुरार
	श्री देवलाल	५५	भाई		विधुर	
	श्री विजयकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८७७—	श्री बटनलाल जैसवाल	५३	मुखिया	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती फूलकुमारी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२८	पुत्र	ओवरसियर	वि.	ओवरसियर-पाली (गुजरात)
	श्रीमती शीलादेवी	२४	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री उमेशकुमार	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७८—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	ठेकेदार
	श्रीमती पूनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
८७९—	श्री नरेन्द्रकुमार जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती नारायनीबाई	५२	मां	मिडिल	विधवा	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन पाठशाला, मुरार
	श्रीतमी सरस्वती	२८	पत्नी		वि.	
	श्री मुकेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८८०—	श्रीमती ग्यासोबाई जैसवाल	७०	मुखिया		विधवा	
८८१—	श्री बारेलाल जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन, पाठशाला, मुरार
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
८८२—	श्री गनेशराम जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	फर्मः-गनेशराम बाबूलाल जैन, नदी सन्तर, मुरार
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुगनचन्द	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	फर्मः-सुगनचन्द गनेशराम जैन
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बटनलाल	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
८८३—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज, मुरार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री परमानन्द	६५	भाई		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती प्यारो	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:- आर. टी. ओ. ऑफिस,
	श्रीमती पुष्पादेवी	३२	पुत्रवधू		वि.	इन्दौर
	श्री ज्ञानचन्द	३४	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	सेलटैक्स ऑफिसर, उज्जैन
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८८४—	श्री लालपती जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
८८५	श्री भजनलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री शिखरचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा. से.	अवि.	सर्विस:-यातायात विभाग, भोपाल
	श्री नरेन्द्रकुमार	१९	पौत्र	ओवरसियर	अवि.	
	श्री अरविन्दकुमार	१७	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी सुनीता	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
८८६—	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस:-कोऑपरेटिव स्टोर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उमेशकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
८८७—	श्री रतनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक
	श्रीमती कमलादेवी	२६	पत्नी		वि.	
८८८—	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	प्रधान अध्यापक
	श्रीमती विद्यादेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
८८९—	श्री विमलचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्वि:-कमिश्नर ऑफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९०—	श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बत्तोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती धनोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	५०	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती भगवतीबाई	३२	भतीजावधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रतनचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सी० टी० आई
	श्रीमती गुणमाला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राधादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री जीवनलाल	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६१—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कोंसाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	अध्यापक-श्री दि० जैन पाठशाला,
	श्रीमती मायादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
८६२—	श्री शंकरलाल जैसवाल	४२	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय-गंज, मुरार
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६३—	श्री विधीचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६५	मां		विधवा	
८६४—	श्री सोनपाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	व्यवसाय-आदि
	श्रीमती सहोद्राबाई	५७	बहिन		विधवा	
	श्रीमती सफ्फोबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती गुनमाला	२०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६५—	श्री घनश्यामदास जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, ग्वा०
	श्रीमती द्रोपदीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गनेशीलाल	३०	पुत्र	ग्यारहवीं	वि.	तिलक फाईनेन्स ट्रेडिंग कारपोरेशन
	श्रीमती विद्यादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	जैन बिल्डिंग गंगामाई सन्तर मुरार
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८६६—	श्री रामकिशन जैसवाल,	५०	मुखिया		वि.	फर्म-जालिमचन्द रामकिशन, गंज
	श्रीमती पांचोबाई	४२	पत्नी		वि.	मुरार
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६७—	श्री गोपीचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म-लल्लीराम नन्दराम जैन, गंज

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

गंगामाई सन्तर व शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९८—	श्री दुर्गाप्रसाद जैसवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-घृत स्टोर सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लज्जावती	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
८९९—	श्री किशनस्वरूप जैसवाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-यातायात विभाग लश्कर
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२१	पत्नी	मिडिल	वि.	
९००—	श्री टिल्लेभगवान जैसवाल	४०	मुखिया		अवि.	व्यवसाय-मिष्ठान्न
	श्रीमती जानकीबाई	८०	मां		विधवा	
९०१—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्रीमती ओछीबाई	७०	माँ		विधवा	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन आर्ट स्टूडियो, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती चन्द्रेश	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
९०२—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म-मुन्शीलाल महेशचन्द, गंजगेट
	श्रीमती सोनाबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द्र	१९	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०३—	श्री ज्ञानचन्द गोलालारे	३२	मुखिया	बी०कॉम०	वि.	
	श्रीमती ज्ञानकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
९०४—	श्री हरगोविन्ददास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२१	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१९	पुत्र		अवि.	
	श्री महेशचन्द	१७	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

शम्भूमल की बगीची :—

९०५—	श्री सुरेन्द्रकुमार गर्ग अग्रवाल	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस:-जे. एण्ड के. सेन्टर, केन्टीन, मुरार
	श्रीमती प्रफुल्ललता	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
९०६—	श्रीमती राजाबेटी	३२	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका:-प्राइमरी कन्या स्कूल
९०७—	श्रीमती अनेकाबाई	६०	मुखिया		विधवा	
९०८—	श्री चेतरामजी	५०	मुखिया		विधुर	मुनीम:-हिम्मतराम घासीराम जी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६०९	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-तुलाराम चतुर्भुज जैन,
	श्रीमती सहोद्राबाई	५०	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती केलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२८	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	२२	भ्रातावधू	मडिल	वि.	
	श्री अनिलकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६१०	श्री कपूरचन्द जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म:-भोलाराम प्रेमराज जैन,
	श्रीमती राजेश्वरी	४०	पत्नी		वि.	गंज मुरार,फोन नं. ६६४, ८१७
	श्रीमती वासोबाई	६०	मां		विधवा	भोलाराज प्रेमराज जैन, इन्दरगंज
	कुमारी गुणमाला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	फोन नं. २६५, लश्कर
	कुमारी वनमाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरोजदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	विधवा	
६११	श्री हजारीलाल जैसवाल	२१	मुखिया	बी. ए. I	वि.	सर्विस:-एल. आर. डिपॉर्टमेन्ट
	श्रीमती गंगाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती गुणमाला	१८	पत्नी		वि.	
	श्री विमलकुमार	१८	भाई	बी. ए. II	अवि.	
६१२	श्री श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	फर्म:-मोतीलाल नेमीचन्द,
	श्रीमती धनकोबाई	८२	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६२	बहिन		विधवा	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१९	पुत्र	बी. एस-सी.	अवि.	
६१३	श्री दीपचन्द	४६	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय गंज, मुरार
६१४	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-ज्ञानचन्द पदमचन्द जैन,
	श्रीमती असर्फीदेवी	४५	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन: नं: ६१६
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	श्री केवलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस सी. II	अवि.	
	कुमारी सुधा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६१५	श्री खूबचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्म-खूबचन्द रमेशचन्द, सदरबाजार
	श्रीमती बिट्टोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री ताराचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कुसुमदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतिचन्द	२१	पुत्र	एम.कॉम.	वि.	सर्विस
	श्रीमती महेन्द्री	१९	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
९१६—	श्री ओछेलाल जैसवाल	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	फर्म-ग्यासीलाल ओछेलाल, गंज मुरार
	श्री कपूरचन्द	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कपूरचन्द	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कमलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
९१७—	श्री मातादीन जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती धनवन्तीं	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
९१८—	श्री फूलचन्द जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार, गंज मुरार
	श्री रामचरन	३७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस–मन्डी कमेटी मुरार
	श्रीमती किरनदेवी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१९	पौत्र	बी०एस०सी० I	अवि.	
	श्री नरेशकुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री जैनेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	फर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार
	श्रीमती राजमती	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	दुकान-मुरार
	कु० कमला	१७	पुत्री		अवि.	
९१९—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती अंगूरीदेवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० शकुन	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	अध्ययन
	श्री चन्द्रसेन	२४	भाई	मेट्रिक	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जे. एम. सी. उत्पादन के सिलाई एवं कढ़ाई के धागे सदैव प्रयोग करें। जो आपके वस्त्रों की सिलाई एवं कढ़ाई को सदैव मजबूत, आकर्षक व टिकाऊ बनाये रखते हैं। जिससे आपके सौन्दर्य-प्रसाधनों में हमेशा वस्त्रालंकृत नजर आते हैं।

हमेशा याद रखिये :—

हमारे प्रसिद्ध ट्रेड मार्कों को !

जे. एम. सी. | चमचा | एवरेडी | चक्र

सोनी & गंगवाल

उत्पादक :—

जैन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

शुभ कामनाओं सहित,

याद रखने हेतु निवेदन !

आधुनिकतम फैशन में अग्रणी

काल सिल्क टेरीन शूटिंग

उत्कृष्ट डिजायनें, मोहक रंग, टिकाऊ
व एन्टीक्रीज वस्त्रों के निर्माता :—

कलकत्ता सिल्क मेन्यू. कं. लि., कलकत्ता

अधिकृत विक्रेता :—

मुन्शीलाल महेन्द्र कुमार जैन

माधोगंज, लश्कर • फोन नं० : २५७१

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

शम्भूमल की बगीची व ठण्डी सड़क, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुमनदेवी	२१	भाईवधू	नवीं	वि.	
९२०—	श्री भजनलाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती जनकाबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गुलाबचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती लोंगाबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कोमलचन्द	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री राकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

ठण्डी सड़क :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
९२१—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-म्युनिसपैलटी, लश्कर
	श्रीमती स्वरूपीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३२	भाई	नवीं	वि.	दलाल-गंज, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० सुन्दरी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१३	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भूरीबाई	६०	मां		विधवा	
९२२—	श्री मदनलाल जैसवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
९२३—	श्री गोकुलचन्द नायक	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय
	श्री हरीशचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी.	वि.	
	श्रीमती गुनमाला	१९	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
९२४—	श्री कैलाशचन्द	३२	मुखिया	एम० ए०	वि.	अध्यापक, गव० हायर० से० स्कूल,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२९	पत्नी		वि.	मुरार
९२५—	श्री हरलाल मूंजी	४६	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
९२६—	श्रीमती रमकोबाई	७०	मुखिया		विधवा	
	श्रीमती बारोली	५०	बहू		विधवा	
९२७—	श्री भागचन्द गोलालारे	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सदर बाजार
	श्रीमती केशरबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	२९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६२८—	श्री श्यामलाल	६२	मुखिया		विधुर	

गर्म सड़क :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२९—	श्री शान्तीलाल कोहिले	३८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-पंजाब नेशनल बैंक, मुरार
	श्रीमती लीलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

घास मण्डी :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३०—	श्री कन्छेदीलाल परवार	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती नन्दीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भीखमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३१—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५२	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती भग्गोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	२६	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री प्रेमचन्द	२४	पुत्र	इन्टर	वि,	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमवती	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र	बी० ए० I	अवि.	
६३२—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली-इन्दर गंज, लश्कर
	श्रीमती केशरबाई	४८	मां		विधवा	
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३३—	श्री बालाराम जैसवाल	४५	मुखिया		अवि.	ठेकेदारी
	श्री राजाराम	४०	भाई		वि.	तेल–मिल
	श्रीमती ग्यासोबाई	३२	भाईवधू		वि.	
६३४—	श्री दशरथलाल परवार	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

घास मण्डी, गंज, अनाज मण्डी व सिंहपुर रोड, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना मर्चेंट सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कपूरीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री		अवि.	
गंज :–						
६३६—	श्री गनेशीलाल दोशी	६१	मुखिया		वि.	हजारीमल गुलाबचन्द, ठेकेदार
	श्रीमती गुल्लोबाई	५७	पत्नी		वि.	फोन नं० ६६७, ६०७
	श्री बाबूलाल	३८	पुत्र	एम० ए०	वि.	एटको टाईल्स–इन्डस्ट्रियल ऐरिया,
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	ग्वालियर, फोन १२६५
	श्री महेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२८	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमकुमार	२८	पुत्र	टे. टा. डिप्लोमा	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शोभादेवी	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पौत्र	नवीं	अवि.	
अनाज मण्डी :—						
६३७—	श्री कालीचरण जैसवाल	४६	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्रीमती रूपादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री गेंदालाल	२६	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	भाईवधू		वि.	
	श्री भीखमचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री हरीशचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
सिंहपुर रोड :–						
६३८—	श्री लक्ष्मीराम जैसवाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती रम्मोबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री ज्ञानचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्री जैनोबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री श्रीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती/लक्ष्मीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सिंहपुर रोड़, बजाज खाना व कोतवाली सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बाबूलाल	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती फूलाबाई	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रतनदेवी	२०	पुत्रवधू		वि	
१३९—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५८	मुखिया	इन्टर सा.रत्न	वि.	सूचना एवं प्रकाशन विभाग
	श्रीमती सुभद्राबाई	४८	पत्नी		वि.	(रिटायर्ड)
	श्री पूरनचन्द	२५	पुत्र	नवीं	अवि.	सैनिक सेवा ३-डोंग्रारेजीमेन्ट
	श्री दिनेशचन्द	१७	पुत्र	नवी	अवि.	अध्ययन-आई० टी० आई० वैल्डिंग
	श्री टेकचन्द	१५	पुत्र	दसवीं	अवि.	

बजाज खाना :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४०—	श्री श्यामलाल जैसवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-श्यामलाल रघुवरदयाल, घास
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	मन्डी, मुरार
	श्री रघुवरदयाल	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
१४१—	श्री रामचरण जैसवाल	५०	मुखिया		विधुर	फर्म-रामचरन बद्रीप्रसाद, घास मंडी
	श्री बद्रीप्रसाद	३४	पुत्र	प्रथमा	वि.	
	श्रीमती केलादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१४२—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	२४	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस
	श्री वियजदेवी	१८	पत्नी	हा० से०	वि.	
१४३—	श्रीमती राघाबाई जैसवाल	४५	मुखिया		विधवा	
	श्री महावीर प्रसाद	११	पुत्र		अवि.	

कोतवाली सन्तर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४४—	श्री मोतीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बदामीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४५	भाई		अवि.	
	कु० लीलाबाई	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
१४५—	श्री श्यामलाल पाण्डवीय	७०	मुखिया	इन्टर,विशारद	विधुर	सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक
	श्री रघुवरदयाल	६५	भाई	एलएल० बी०	वि.	एडवोकेट, म. प्र. हाईकोर्ट
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६०	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	३५	भतीजा	बी.एससी.	वि.	सर्विस-जे.सी. मिल्स पावर हाउस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कोतवाली सन्तर, सौदागर सन्तर व सुदामा पुरी कॉलोनी, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	भतीज वधू		वि.	
	श्री मानवेन्द्रकुमार	२५	भतीजा	बी० ई०	अवि.	इन्जीनियर
	श्री मणीन्दकुमार	२३	भतीजा	M B. B.S.	अवि.	हाउस सर्जन, जे. ए. हास्पीटल
९४६—	श्री कुन्जीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	४०	भाई		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	भतीजा	इन्टर	वि.	अध्यापक-प्राथमिक पाठशाला
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	भतीजावधू		वि.	गिरगांव
९४७—	श्री रतनलाल सिंघल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती रुकमनी देवी	३८	पत्नी		वि.	
	कु० इन्द्रा	१८	पुत्री	बी.ए.*II*	अवि.	अध्ययन
	कु० गुनमाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
९४७—	श्री मानिकचन्द सिंघल	२३	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती फूलवती	५१	मां		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	१६	भाई	हा० से०	अवि.	

सौदागर सन्तर मुरार—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
९४८—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-किशोरीलाल राजकुमार जैन
	श्रीमती शान्तीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री चेतराम	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	

सुदामा पुरी कॉलोनी :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
९४९—	श्री चतुरीमल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	३५	पत्नी		वि.	
९५०—	श्री विद्याराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुखनीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री छीतरमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्रीमती रामकली	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लालताप्रसाद	१८	पुत्र		अवि.	सर्विस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
महारानी लक्ष्मीबाई रोड:—						
६५१—	श्री गणेशराम जैसवाल	३२	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री नेमीचन्द	२६	भाई		वि.	
	श्रीमती मूलीदेवी	१८	भाईवधू		वि.	
माल रोड़:—						
	श्री रतनलाल जैसवाल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	क्लाथ मर्चेट गंजगेट, मुरार
	श्रीमती रम्मोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	इन्जीनियरिंग	अवि.	
	कु० उमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
६५२—	श्री जिनेन्द्रकुमार सिंघल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	ए. एस. जैन कं., मालरोड, मुरार
	श्रीमती ओमवती	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	बी०कॉम० *II*	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१६	भानजी	इन्टर	अवि.	
६५३—	श्री प्रेमचन्द शाहवजाज	३२	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रेमचन्द	२६	पत्नी		वि.	
नदी संतर:—						
६६४—	श्री गेंदालाल शाह	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती काशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
खुला सन्तर मुरार:--						
६६५—	श्री मंगलचन्द ढ़िलवारिया	५५	मुखिया		वि.	कृषि कार्य
	श्रीमती देवकुंवर	५०	पत्नी		वि	
	श्रीमती मुरलीधर	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-कोपरेटिव स्टोर्स, मुरार
	श्रीमती केलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
६६६—	श्री बुधचन्द ढ़िलवारिया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-कोपरेटिव बैंक भाडेर
	श्रीमती जमुनीबाई	६०	माँ		विधवा	
	श्रीमती ज्ञानदेवी	२२	पत्नी		वि.	
रिसाला बाजार मुरार:--						
६६७	श्री प्रागनारायण	२४	मुखिया	बी.ई. *V*	अवि.	विद्यार्थी इन्जीनियरिंग कालेज
६६८—	श्री रिखवचन्द	२२	मुखिया	बी.ई. *IV*	अवि.	

• • •

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मन्दिर मार्गी जैन श्वेताम्बर समाज, लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
सराफा बाजार:—						
१—	श्री भवंरलाल मूथा	३८	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:—आसकरण भवंरलाल, सर्राफ
	श्रीमती राजबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती घीसीबाई	८०	माँ		विधवा	
२—	श्री घीसूलाल पारख	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:—भैरोंदान घीसूलाल सर्राफ, फोन : नं० २१६८
	श्रीमती अमरदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पारसमल	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती ज्योति	२२	पुत्रवधू	बी. कॉम.	वि.	
	श्री वीरचन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पद्मा	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३—	श्री मनोहरमल फोफलिया	५०	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभापक
	श्रीमती कंचनबाई	४७	पत्नी		वि	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री अजयकुमार	१२	पुत्र		अवि.	
	श्री विजय कुमार	१०	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सरोज	१८	पुत्री		अवि.	
४—	श्री सुगनराज धारीवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चुन्नीबाई	५०	माँ		विधवा	
५—	श्री सूरजराज धारीवाल	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	भागीदार-जनसेवक फायने. रजि०, लेखक आदि, फोन नं० : २३६४
	श्रीमती सुभद्रा धारीवाल	४७	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६—	श्री कानमल कांठेड़	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-रेस्टोरेन्ट
	श्रीमती हीरादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री दौलतकुमार	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विसः—पी० डब्ल्यू० डी०,
	श्रीमती विमला	२२	पुत्रवधू		वि.	नवगांव, म० प्र०
	श्री विजयकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यवसाय—कपड़ा
	कुमारी ज्ञान	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
७—	श्री मुन्नालाल कोठारी	४७	मुखिया		विधुर	कोठारी रेस्टोरेन्ट, सराफा बाजार
	श्री कान्तिकुमार	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री शान्तिकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री लक्ष्मीकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सुशीला	१५	पुत्री		अवि.	
८—	श्री हजारीमल मूथा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदारी
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	माँ		विधवा	
९—	श्री नेमीचन्द भन्डारी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पुष्पा	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	२५	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विसः—जे. सी. मिल्स, ग्वालियर
	श्रीमती तारादेवी	२०	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री शान्तीलाल	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी कंचन	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सायरकंवर	६०	माँ		विधवा	
१०—	श्री कानमल वच्छावत	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस—टोडरमल सिफारिशमल
	श्रीमती तारादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस—सेशन कोर्ट ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पा	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री गोकुलचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	सर्विस—सहकारी बाजार
११—	श्री पन्नालाल तांतिड़	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती जीवनकंवर	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१२—	श्रीमानकचन्द तांतिड़	३८	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती भवंरीबाई	३६	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मिश्रीबाई	७०	माँ		विधवा	
	श्री जवाहरलाल	२६	भाई		अवि.	
१३—	श्री गुमानमल वच्छावत	५५	मुखिया		वि.	सर्विस:—लॉ जररल पब्लिकेशन्स
	श्रीमती गुमानबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस:—भगवती प्रिन्टिंग, प्रेस
	श्री ज्ञानचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कश्मीरी देवी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
१४—	श्री हीराचन्द मेहता	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती भवरीबाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री हेमकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती इमरतीबाई	६०	माँ		विधवा	
१५—	श्री गुमानमल लोढ़ा	६२	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती चांदबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री चन्दनमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस कलेक्ट्रेट ग्वालियर,
१६—	श्री हंसराज कोठारी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि-	कोठारी सन्स,
	श्रीमनी प्रेमकुमारी	३७	पत्नी		वि.	महावीर गोटा फैक्ट्री,
	श्री अभयकुमार	२०	पुत्र	B.S.C. III	अवि.	फोन : नं० २४३२
	श्री अजीतकुमार	१९	पुत्र	बी. कॉम. III	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६५	मां		विधवा	
१७—	श्री बागमल कोठारी	६६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस:—कोठारी सन्स
	श्रीमती गुलाबबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री दौलतमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस:—असिस्टेन्ट हैड केशियर,
	श्रीमती राजेन्द्रकुमारी	३०	पुत्रवधू		वि.	स्टेट बैंक आफ इन्डिया, ग्वालियर
	श्री सरदारमल	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कपूरचन्द	१९	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	कुमारी लीला	१७	पुत्री	नवीं	अवि.	
१८—	श्री नेपालसिंह छजलानी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय-सोना चांदी, नया सराफा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्राबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	३०	पुत्र		वि.	सर्विसः—तार निर्माता कारखाना,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	फरीदाबाद
	श्री नगेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विसः—जे. सी. मिल्स ग्वालियर
	श्री मनोदकुमार	२१	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री चैतन्यकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
१९—	श्री मांगीलाल कोठारी	५२	मुखिया	नवीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती फूलबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री भंवरलाल	२६	पुत्र	नवीं	अवि.	
	कुमारी सुशीला	२३	पुत्री	नवीं	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२०—	श्री रतनचन्द दफ्तरी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	शासकीय पुस्तक विक्रेता
	श्री मानिकचन्द दफ्तरी	४७	भ्राता		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	सर्विसः—हेड केशियर, रोडवेज ग्वा.
	श्रीमती पुष्पा	२६	भतीजाबधू	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२४	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शशिप्रभा	२०	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री आजाद कुमार	१९	भतीजा	बी.कॉम.II	अवि.	सर्विसः—केशियर रिटेल शॉप
२१—	श्री वस्तीमल नायटा	४९	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऐजेन्टः—कृष्णराम बलदेव बैंक लि.
	श्रीमती मानकबाई	४४	पत्नी	मिडिल	वि.	कोलारस
	कुमारी आशा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
२२—	श्री देवेन्द्रकुमार लूनियां	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	६५	बड़ी माता		विधवा	
	श्रीमती सम्पतबाई	५०	माता	मिडिल	विधवा	
२३—	श्री तेजमल हर्षावत	५६	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	पार्टनर्सः—कम. एजे. फो. नं. २५७७
	श्रीमती सुशीलाबाई	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	मर्केन्टाइल एजेन्सीज फो. नं. ७२५
	श्री अरुणकुमार	२२	पुत्र	बी.ई. फायनल	वि.	ग्वा. अमब्रेला फैक्ट्री, फो. नं. २५५१
	श्री पारसकुमार	२०	पुत्र	M. B., B. S. II	अवि.	रामप्रसाद तेजमल फोन नं २३६५
	श्री अजीतकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
२४—	श्री लखमीचन्द बांठियां	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन गुड्स ट्रांसपोर्ट एजेन्सी,

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रोशनबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	दालबाजार
	श्री कमलचन्द	३३	भ्राता	मेट्रिक	वि	
	श्रीमती सुशीला देवी	२८	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द	२२	भ्राता	इन्टर	अवि.	नित नूतन, कला मन्दिर, कर्मशियल,
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	मां		विधवा	आर्टिस्ट
२५	श्री छबीलदास गुजराती	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसायी
	श्रीमती रमा बहिन	३९	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मणी बहिन	६०	माता		विधवा	
	कुमारी प्रफुल्ला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरीश	२३	पुत्र	इलेट्रिक मेकनिक	अवि.	इ० मे० जामनगर, गुजरात, सौराष्ट्र
२६	श्री कमलाबाई दूधेड़िया	४५	मुखिया	विधवा		
२७	श्री सोहनलाल पूंगलिया	६०	मुखिया		विधुर	जवाहरात व सोना चांदी के व्यापारी
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र-व्यवसायी बहादुर पुर
	श्रीमती धनवती	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२८	श्री चुन्नीलाल पारख	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	भागीदार–फर्म भैंरोदान घीसूलाल,
	श्रीमती रूपाबाई	५०	पत्नी		वि.	सर्राफ फोन : नं० २११८
	श्री सन्तोषकुमार	३०	पुत्र	बी. कॉम	वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती मानिकबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	फर्म:-प्रेमचन्द मानिकचन्द सर्राफ
	श्रीमती मीनाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री खेमचन्द	२४	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्रीमती कुमुद	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	फर्म:-पारख ब्रदर्स क्लॉथ मर्चेन्ट,
	कुमारी शीला	१८	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	सोल एजेन्ट मफतलाल ग्रुप
	कुमारी चन्द्रकला	१६	पुत्री	हा० से०	वि.	
	कुमारी शशिकला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२९	श्री बाबूलाल पारख	४२	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	फर्म:-पारख एण्ड सन्स क्लॉथ,
	श्रीमती मैनादेवी	३२	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट फोन : नं० २३२१
	श्री रिखबचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी विमला	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३०	श्री मानिकचन्द तांतेड़	४६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	एजेन्ट-शासकीय प्रकाशन
	श्रीमती चन्द्रावती	४१	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Phone No. 701

with best compliments form :-

PRAKASH

Rolling Shutters

Manufacturers :

PRAKASH IRON INDUSTRIES

LOHIA BAZAR,
LASHKAR - GWALIOR (M. P.)

With best compliment from :–

Phones { Factory. 1295
Resi. 997, 1206

DECORATE YOUR FLOORS WITH

ACTO TILES

(PLAIN, MOSAIC & TERRAZZO)

Most Durable & Cheaper in Attractive Colours & designs
Approved by the Govt. Test House, Alipore, Calcutta

AND

On the approved list of C. P. W. D., P. W. D. & M. E. S.
Manufactured on
Automatic plant under Technical supervision

BY

The Associated Tiles & Cement Industries

25B/26A, Industrial Estate, Gwalior-4 (M. P)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार व दानाग्रोली, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी कुसुम	१८	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३१—	श्रीमती ताराबाई	२५	मुखिया	बी. ए. II	विधवा	अध्या. हा. से. स्कूल, रेल्वे कालोनी

दानाग्रोली:—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३२—	श्री बागमल सिंघी	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय, लेन देन, खेती बाड़ी
	श्रीमती श्रेयकंवर	४८	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	२०	पुत्र	बी. एस-सी.	वि.	
	श्रीमती कंचन	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३—	श्री चांदमल सिंघी	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर एवं स्टाम्प विक्रेता
	श्रीमती हुकुम देवी	६५	पत्नी		वि.	
३४—	श्री सोभाग्यमल सिंघी	५२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विसः-एम. पी. स्टेट कॉ. बैंक
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री जीतमल	२२	पुत्र	बी. ई. IV	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस-सी. I	अवि.	
	श्री छगनमल	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३५—	कन्हैयालाल गोठी	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	
	श्री दुर्गा प्रसाद	३२	पुत्र	एम. ए.	वि.	सर्विसः-स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया, ग्वा.
	श्रीमती पद्मा	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हेमचन्द	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६—	श्री कुशलचन्द गूगलिया	५३	मुखिया	७ वीं	वि.	सर्विसः-जे. ए. ग्रुप ऑफ हास्पीटल
	श्रीमती मानकुंवर	५०	पत्नी		वि.	
३७—	श्री विजयराज लूनावत	३५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	पत्रकार
३८—	श्री दानचन्द सेठिया	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	एजेन्ट वारदाना आदि
	श्रीमती बसन्तीबाई	२९	पत्नी		वि.	
३९—	श्री भागचन्द दरड़ा	४०	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नानीबाई	४७	भावी		विधवा	
	श्री निहालचन्द	१९	भतीजा	मिडिल	अवि.	
४०—	श्रीमती सुगनबाई कुचेरिया	६०	मुखिया		वि.	
४१—	श्री मानमल सुराना	६५	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती पानबाई	५८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दानाओली, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री नथमल सुराना	६०	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती छोटीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	२१	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलकान्ता	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी आशा	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
४३—	श्रीमती लालबाई सचेती	६५	मुखिया		विधवा	
४४—	श्री पूरनचन्द कोठारी	६५	मुखिया		विधुर	सोने चांदी का व्यवसाय
	श्री प्रेमचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सायरदेवी	४०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२०	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१७	पौत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री ऋषभकुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
४५—	श्री सेजमल भंसाली	५५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस:-पोस्ट मास्टर
४६—	श्री रतीलाल गुजराती सेठ	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	फर्म:-रतीलाल वेचरदास-मोटर
	श्री भोगीलाल	४२	पुत्र	नवीं	वि.	पार्टस् डीलर फोन : २००६
	श्रीमती चन्द्रावती	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकान्त	३२	पुत्र		वि.	फर्म:-ग्वालियर मोटर हाऊस,
	श्रीमती जसुमती	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	फोन : नं० १६८६
	कुमारी वीना	१५	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४७—	श्री उत्तमचन्द सिंघी	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. मिल्स ग्वालियर
	श्रीमती भंवरबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२७	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री खेमराज	१४	भ्राता	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चम्पाबाई	४८	माता		विधवा	
४८—	श्री सुपार्श्वमल भसाली	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-कमशियल एजेन्सीज
	श्रीमती रतनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री कमलकुमार	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१५	पुत्री		अवि.	
४९—	श्री सौभाग्यमल कोठारी	५०	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती राजादेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२९	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दानाओली, नया बाजार, लोहिया बाजार, कम्पू रोड लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नानकचन्द	२३	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कुमारी रतनबाई	१४	पुत्री		अवि.	
नया बाजारः—						
५०—	श्री केशरीमल भंसाली	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोना चांदी व्यवसायी
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशकुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
लोहिया बाजार :—						
५१—	श्री हीराचन्द कोठारी	५५	मुखिया		वि.	लोहे का व्यवसाय
	श्रीमती सूरजकुमारी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२४	पुत्र	D.H.B., B.A. II	अवि.	मेडीसन व्यवसाय
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	२०	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी पद्मा	२०	पुत्री		अवि.	
	कुमारी शशिवाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि,	
५२—	श्री देवेन्द्रकुमार कोठारी	३५	मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी		बि.	
५३—	श्री प्रतापचन्द कोठारी	५०	मुखिया		वि,	
	श्रीमती लीलादेवी	४५	पत्नी		वि.	
कम्पू रोड लश्कर :—						
५४—	श्री ज्ञानचन्द भंसाली	४७	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर.- कर्माशयल एजेन्सी,
	श्रीमती प्रेमलता	४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	जयभारत ओटोमोबाईल्स
	कुमारी सुधा	२२	पुत्री	M. B. B. S.	अवि.	
	कुमारी मन्जु	२०	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी आशा	१८	पुत्री	बी. ए, II	अवि.	
	श्री अनिलकुमार	१६	पुत्र	बी. ई. II	अवि.	
	कुमारी सरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
जवाहर कालोनी :—						
५५—	श्री जीवनमल कोचर	५७	मुखिया	एल.एल.बी.	वि.	रिटायर्ड-आई. एस. ऑफीसर
	श्रीमती रतनदेवी	५४	पत्नी		वि.	फोन : नं० १४६८
	श्री सत्येन्द्रकुमार	३५	पुत्र	केमि. इंजी	वि.	केमिकल्स व्यवसायी, देहली
	श्रीमती दर्शनदेवी	३२	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३३	पुत्र	सिविल इंजी.	वि.	सिविल इन्जीनियर-बम्बई
	श्रीमती सज्जन	२७	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भूपेन्द्रकुमार	३१	पुत्र	M.B.B S., M.B.	वि.	प्राईवेट प्रेक्टिश-कलकत्ता
	श्रीमती कुसुम	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	कुमारी डॉ० सन्तोष	२६	पुत्री	M. B. B S.	वि.	फीडिओटिक डिपा. क. रा. हास.
	कुमारी पद्मा	२४	पुत्री	M. Sc.	अवि.	टोम्बे ट्रैनिंग स्कूल, बम्बई
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
	कुमारी मन्जु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५६—	श्री भंवरलाल ढड्ढा	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर-मर्कन्टाइल ऐजेन्सीज फोन
	श्रीमती इन्दुरानी	३६	पत्नी		वि.	नं० ७२५
	कु० कुसुमलता	२०	पुत्री	M.BB.S.(F.)	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१८	पुत्री	M.B.B S. (Pre)	अवि.	
	कु० पूर्णिमा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७—	श्री प्रतापसिंह सीपानी	४०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	असिस्टेन्ट सेल्स मेनेजर, जे० सी०
	श्रीमती घीसीबाई	५५	मां		विधवा	मिल्स
	श्रीमती पदमकुमारी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३५	भाई	एम. ए.	वि.	व्याख्या-झाबुआ (म० प्र०)
	श्रीमती स्नेहलता	३२	भाई वधू	एम. ए.	वि.	
	श्री शीतलकुमार	२८	भाई	M. Sc. (P.)	वि.	व्याख्याता, भिन्ड (म० प्र०)
	श्रीमती यशवन्तकुमारी	२५	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री जीवनसिंह	२२	भाई	हा.से.	अवि.	सर्विस-म० प्र० कॉआपरेटिव बैंक
	कु० मदमप्रभा	१९	बहिन	B. Sc. I	अवि.	जबलपुर
	श्री विजयसिंह	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८—	श्री जुगराज धारीवाल	४२	मुखिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-म० प्र० स्टेट कोआपरेटिव
	श्रीमती कमला	३९	पत्नी		वि.	बैंक लि०, ग्वालियर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जवाहर कॉलोनी, माधोगंज, लक्ष्मी कॉलोनी, लाला का बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० सुशीला	१९	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमराज	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० तारा	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
माधोगंज :—						
५९—	श्री इन्दरचन्द नायटा	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-नेमीचन्द छोटेलाल सर्राफ
	श्रीमती रतनबाई	४०	पत्नी	हिन्दी	वि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६०—	श्री बुधराज धारीवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जैन कोल डिपो
	श्रीमती जीवनबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलराज	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६१—	श्री विजयराज धारीवाल	३१	मुखिया	हा. से.	वि.	सर्विस-जिला सहकारी संघ, मुरेना, म० प्र०
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री अक्षयराज	२०	भ्राता	B. A. M. S. III	अवि.	
	श्रीमती धनकुंवर	६३	माता	मिडिल	विधवा	
६२—	श्री अनूपचन्द दफ्तरी	५५	मुखिया	बी० ए०	वि.	डिपो मैनेजर बैरागढ़, भोपाल
	श्रीमती कमलादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु. आशाकुमारी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
लक्ष्मी कॉलोनी :—						
६३—	श्री वर्द्धमान पारख	३५	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	एक्साईज इन्सपेक्टर
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती केशरबाई	५५	मां		विधवा	
लाला का बाजार :—						
६४—	श्री मंगलचंद श्रीमाल	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-सारडा क्लाथ स्टोर्स
	श्रीमती ज्ञानबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती धन्यकुमारी	७०	मां		विधवा	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
६५—	श्री बागमल धारीवाल	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	धारीवाल ट्रेड कम्पनी
	श्रीमती धापूबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री फतेहचन्द	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्राफी व्यवसाय
	श्रीमती प्रेमलता	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री शेरसिंह	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बैंकर्स, हुन्डी परचे की दलाली

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लाला का बाजार, जीवाजीगंज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीला	२७	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री सुल्तानसिंह	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री मांगीलाल	२०	पुत्र	बी. कॉम. द्वितीय	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री गुलाबदेवी	८५	मां		विधवा	
६६—	श्री सूरजमल धारीवाल	५४	मुखिया	मिडिल	वि.	हुन्डी पर्चे की दलाली
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ओंमप्रकाश	२१	पुत्र	बी. ए. द्वितीय	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र	नवीं	अवि.	

जीवाजीगंज :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७—	श्री मानमल सांड	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्ल रेल्वे
	श्रीमती कमलाबाई	४६	पत्नी	मिडिल	वि	
	श्री सरदारमल	२८	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस-जैन पेट्रोल पम्प
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयमल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती शान्तीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अजयमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस-बस कन्डकटर
	श्री सुभाषचन्द्र	२०	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यापार
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	बी०ए० फायनल	अवि.	
	कु० हेमलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६८—	श्री वीरेन्द्रकुमार नायटा	३६	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	ट्रैफिक मैनेजर, डी० टी० यू०
	श्रीमती सजनकुमारी	५३	मां	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती मीनाकुमारी	३३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, भोपाल
	श्रीमती सोभाग्य सुन्दरी	२८	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	३२	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, लश्कर
	श्रीमती आशारानी	२७	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	३०	भ्राता	B.Sc. Engg.	वि.	व्यवसाय-जैन मोटर्स इन्जीनियर
	श्रीमती मधुरानी	२६	भ्रातावधू	बी०ए०	वि.	विभाग लश्कर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जीवाजीगंज, जनकगंज, दौलतगंज व नई सड़क

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२८	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन मोटर्स-तेल विभाग, लश्कर
	श्रीमती प्रभाकुमारी	२३	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	कु० आशारानी	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० उषारानी	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
जनकगंज लश्कर :—						
६९—	श्री हरसद गुजराती	२८	मुखिया	मैट्रिक	अवि.	ओटोमोवाइल्स डीलर
	श्री धीरेन्द्रकुमार	२१	भतीजा	डी.पी.टी.	अवि.	
दौलतगंज लश्कर :—						
७०—	श्री केशरीमल तातेड़	३३	मुखिया		वि.	फर्म-राजस्थान गोटा फेक्टरी
	श्रीमती मनोहरबाई	५५	माँ		विधवा	दौलतगंज फोन नं० २४०१
	श्रीमती समन्धरबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	भाई	बी० ए०	वि.	सर्विस-अजमेर स्टेट कोआपरेटिव
	श्रीमती उगमबाई	२२	भाईवधू		वि.	बैंक, अजमेर
नई सड़क लश्कर :—						
७१—	श्री उत्तमचन्द कांस्टया	५१	मुखिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	कु० सुमँगला	१९	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
ग्वालियर रेयन, बिरला नगर :—						
७२—	श्री हीरालाल श्रीमाल	४३	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	मैनेजर, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती प्रेमलता	४०	पत्नी		वि.	
	कु० मन्जु	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री मुकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	६५	माँ		विधवा	
७३—	श्री भंवरलाल श्रीमान	३७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	वेयर हाऊस
	श्रीमती लाड़बाई	३२	पत्नी		वि.	
७४—	श्री छुट्टनलाल श्रीमाल	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	असिस्टेन्ट टाईम कीपर
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती तीजाबाई	६०	मां		विधवा	
७५—	श्री जोगेन्द्रकुमार	२७	मुखिया	बी० ए०	वि.	मेन्डिग इन्चार्ज
	श्रीमती सज्जन	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ग्वालियर रेयन, बिरलानगर व जीवाजीराव कॉटन मिल्स बिरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री पदमचन्द गर्ग	३१	मुखिया	B. Tec.	वि.	वीविंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७७—	श्री रमेशचन्द तातेड़	२७	मुखिया	एम० कॉम०	वि.	प्रतिनिधि ग्वालियर रेयन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	

जीवाजीराव कॉटन मिल्स, बिरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८—	श्री पर्वतमल भंडारी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	गोडाउन इन्चार्ज, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती गुलाबकमल	४०	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रमल	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	सेल्स, टेक्स, इन्कमटेक्स-जे० सी०
	श्री राजेन्द्रमल	२२	पुत्र	टेक्सटाईल डिप्लोमा	अवि.	मिल
	श्री गजेन्द्रमल	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
७६—	श्री अनिलकुमार सुराना	३२	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	फाईवर पर्चेजर
	श्रीमती कैलाशकुमारी	२५	पत्नी	बी० ए०	वि.	
८०—	श्री सरदारसिंह कोठारी	३१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस–जे० सी० मिल
	श्रीमती सुधा	२८	पत्नी		वि.	
८१—	श्री विमलसिंह मेहता	३०	मुखिया	बी०ई०	वि.	सिविल इन्जीनियर
	श्रीमती श्यामा	२२	पत्नी	बी०ए०	वि.	
	श्री महेशकुमार	१४	भाई	मेट्रिक	वि.	
८२—	श्री अक्षयसिंह रांका	६५	मुखिया		विधुर	पेंशनर-उदयपुर
	श्री भंवरलाल राका	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती प्रेमलता	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भगवतीलाल	२६	पुत्र	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर; जे० सी० मिल
	श्रीमती शकुन्तला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
८३—	श्री चन्द्रभानसिंह ढावरिया	३०	मुखिया	एम.एस.सी.	वि.	लेखा विभाग, जे० सी० मिल
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	
८४—	श्री त्रिलोकचन्द श्रीमाल	४६	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	जनरल डांइग अस्सिटेन्ट
	श्रीमती स्वरूप	४२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री भंवरलाल	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	मास्टर-जे० सी० मिल स्कूल
	श्रीमती प्रेमलता	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सेलसमेन-ग्वालियर रेयन
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	B: Sc. II	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
८५—	श्री आनन्दमल बड़दत्या	६४	मुखिया		विधुर	पेन्शनर
	श्री शिखरमल	३५	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती नवरतनबाई	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८६—	श्री कचनलाल भँडारी	५४	मुखिया	इन्टर	वि.	डांइग मास्टर-जे० सी० मिल
	श्रीमती मालतीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषभचन्द	१८	पुत्र	ड्राईंग डिप्लोमा	अवि.	
८७—	श्री रणवीरसिंह धारीवाल	२१	मुखिया	बी० ए०	अवि.	ट्रेनिंग

फर्म रजि० नं० १२२९ गोल्ड डीलर लायसेंस नं० ६६/६३ फोन नं० २५२९

मै० गनपतलाल किशनलाल ज्वेलर्स

हमारे यहाँ भवन निर्माण के लिये डेवलपशुदा व सुधारन्यास से मान्यता प्राप्त फ्री होल्ड प्लोट्स निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं :

* गांधी रोड
* जीवाजी यूनिवर्सिट रोड
* स्टेशन रोड (फूलबाग के सामने)
* मेला ग्राऊन्ड (गोले का मन्दिर)

हमारे यहाँ २२ कैरट शुद्धता के आभूषण हमेशा तैयार मिलते हैं आर्डर देने पर अच्छे कारीगर द्वारा तैयार करवा दिये जाते हैं।

लैन्ड एन्ड प्रोपर्टी डीलर्स, कॉलोनाइजर्स एन्ड फाइनेन्सर्स

सराफा बाजार, लश्कर (ग्वालियर)

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

साधु मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	माधवगंज:—					
८८...	श्री ज्ञानचन्द गूगल्या	४७	मुखिया		वि.	जंगलात ठेकेदारी
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२३	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती मूलचन्द	१८	पुत्रवधू	इन्टर	वि	
	श्री नवलचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चन्द्रकान्ता	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८९—	श्री प्रतापचन्द गूगल्या	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-प्रतापचन्द रिखबचन्द ब्रदर्स,
	श्रीमती कपूरीबाई	५०	माँ		विधवा	पिछाड़ी शितोले, माधवगंज
	श्रीमती हीराबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रिखबचन्द	३३	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२६	भाई वधू		वि.	
	श्री बालचन्द	२४	भाई	बी. एस सी.	वि.	
	श्री यशवन्त	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	कु० मृदुला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०—	श्री सज्जनमल नायटा	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती तेजकुमारी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शांतीबाई	२६	पुत्रवधू		वि:	
	सराफा बाजार लश्कर:—					
९१—	श्री दीपचन्द मेहता	५५	मुखिया	मिडिल	वि,	फर्म-हमीरमल छगनमल सराफं,
	श्रीमती इन्द्राबाई	५०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार फोन नं० २४१४
	श्री मानिकचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री प्रेमचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन ब्रदर्स, ५५ मारवाड़ी बाजार,
	श्रीमती तिलक सुन्दरी	२८	पुत्रवधू		वि,	बम्बई फोन नं० ३२४५६८
	श्री पदमचन्द	३१	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती पारसकुमारी	२६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री हेमचन्द मेहता	२५	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती युवराज	२२	पुत्रवधू	बी० ए०	वि.	
९२—	श्री उदयचन्द बापना	७४	मुखिया		विधुर	फर्म-उदयचन्द बागमल बापना
	श्री टीकमचन्द	४१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-बापना क्लोथ स्टोर्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	आर० वापना ब्रदर्स, वस्त्र व्यव-
	कु० वीरकान्ता	२१	प्रपोत्री	M.A.	वि.	साय, सराफा बाजार, फोन २४३९
	कु० हेमलता	१७	प्रपोत्री	बी० ए० II	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१९	प्रपोत्र	बी० कॉम०	अवि.	
९३—	श्री सुगनचन्द मूथा	५८	मुखिया		वि.	सोने-चांदी के दलाल
	श्रीमती जतनबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-यू. को० बैंक सराफा बाजार
	श्रीमती विमलेश	२३	पुत्रवधू		वि,	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	सर्विस-ऐयर फोर्स
	कु० लतेश	२०	पुत्री	बी० ए० II	अवि.	
	कु० शुषमा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती सुगनबाई	७०	मां		विधवा	
९४—	श्री सुगनचन्द मेहता	८१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुगनबाई	६१	पत्नी		वि.	
	श्री पीरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	हुण्डी-पर्चे के दलाल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नवलचन्द मेहता	३३	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र		अवि.	कृषि कार्य
९५—	श्री स्वरूपचन्द मेहता	५५	मुखिया	मेट्रिक	वि;	फर्म-ग्वालियर अम्ब्रेला फेक्ट्री
	श्रीमती भगवती	५०	पत्नी		वि.	फोन नं० २५५१
	श्री विजयकुमार	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म लक्ष्मी ट्रेडर्स
	श्रीमती शकुन्तला	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरीशचन्द्र	२४	पुत्र	एम० ई० टी०	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० विमला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
९६—	श्री मोतीलाल मेहता	५५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती भंवरबाई	५०	पत्नी		वि.	
९७—	श्री सूरजमल सचेती	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-टोडरमल सिफारिशमल,
	श्री चन्द्रकुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जय भारत ओटोमोवाईल्स,
	श्रीमती चन्द्रकुमारी	३६	पुत्रवधू		वि.	घर फोन नं० २२८४
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	पुत्र	इन्टर	वि.	दुकान फोन नं० २१९७
	श्रीमती शकुन्तला	३०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुभाष	२३	प्रपोत्र	B. Sc., L L. B.	अवि.	
	श्री सतीशकुमार	२०	प्रपोत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अजीतकुमार	१८	प्रपोत्र	बी०एस सी०	अवि.	
	कु० बीन	१६	प्रपोत्री	नवीं	अवि.	
	श्री प्रमोद	१४	प्रपोत्र	मिडिल	अवि.	
९८—	श्री श्रीचन्द रियाँवाले	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	काश्तकारी
	श्रीमती घाई जी	५१	दादी		विधवा	
	श्रीमती बुझाई साव	४१	माँ		विधवा	
	श्रीमती सुशीला	२२	पत्नी		वि.	
	श्री अजीत	२०	भाई	बी. एस सी.	अवि.	
	कु० ऊषा	१९	वहिन	मेट्रिक	अवि,	
	कु० चन्द्रप्रभा	१८	वहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० विजया	१६	वहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मधु	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
९९—	श्री दीपचन्द भड़कतिया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-जैन आभूषण भंडार, सराफा
	श्रीमती जतनबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
१००—	श्रीमती पन्नालाल कोचेटा	९०	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री सागरमल	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मुनीम-भेरोंदान घीसूलाल सर्राफ
१०२—	श्री मुन्नालाल भड़कतिया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-धन्नालाल मुन्नालाल सर्राफ,
	श्रीमती सेवजीबाई	६०	माँ		विधवा	सराफा बाजार
	श्रीमती निर्मलाबाई	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२४	भाई	मैट्रिक	अवि.	औसवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, सराफा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सराफा बाजार व जनकगंज, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री हरीशचन्द	२२	भाई	मैट्रिक	अवि.	
	श्री कमलचन्द	२०	भाई	C. A.(Pre.)	अवि.	
१०३	श्री जगदीशचन्द मित्तल	४८	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सरोजलता	४२	पत्नी	इन्टर, विशारद	वि.	
	श्री ऋषभकुमार	२४	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस-स्टेट बैंक आफ इन्दौर
	श्री अरुणकुमार	२१	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	ऐजेन्ट-इन्श्योरेन्श
	कु० शोभारानी	२०	पुत्री	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	

जनकगंज, लश्कर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१०४—	श्री कमलचन्द मेहता	४३	मुखिया	मैट्रिक	वि.	खजान्ची-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती मैंनाबाई	६५	मां		विधवा	ग्वालियर
	श्रीमती आशारानी	३७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. प्रथम	अवि.	
	कु० हेमलता	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
१०५—	श्री फूलचन्द	४७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, टोपी बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४३	पत्नी	मिडिल	वि.	लश्कर फोन नं० २०२२
	श्री मानकचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती सुशीला	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१९	पुत्र	बी. एस सी.	अवि.	
	श्री सुभाष	१८	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	१६	प्रपौत्र	बी.एस सी.I	अवि.	
१०६—	श्रीमती कमलादेवी	६५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मेसर्स-कुशलचन्द जैन, घर फोन
	श्री महेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	बी०ए०	वि.	नं० २५५०, दुकान २०२२
	श्रीमती पुष्पलता	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
१०७—	श्री विनयचन्द कोचेटा	४६	मुखिया		वि.	ट्रान्सपोर्ट व्यवसाय फो० नं० २०८४
	श्रीमती उमरावदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२४	पुत्र	बी० ई० IV	अवि.	
	कु० रतन	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० पवन	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेश	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
१०८—	श्री पी० एन० जैन	४२	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जनकगंज लश्कर, जीयाजीराव कॉटन मिल्स व सिमको, विरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती संतोषकुमारी	३७	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती फूल झड़िया	६३	माँ		विधवा	
१०९—	श्री मुन्शीराम जैन	७५	मुखिया	बी० ए०	विधुर	शिन्दे की छावनी
	श्री राजकुमार	५१	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रतनप्रभा	४७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२४	प्रपोत्र	हा० से०	अवि.	
११०—	श्री ध्रुवेशचन्द चन्द्रावत	४८	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-डी० ए० वी०, हा० से०
	श्रीमती पुष्पादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	स्कूल लश्कर
१११—	श्री फतेहचन्द दरड़ा	५१	मुखिया	मैट्रिक	वि.	
	श्रीमती चक्रेश्वरी	४७	पत्नी		वि.	
	कु० पुष्पा	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	[illegible]	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० प्रेमलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

जीयाजीराव कॉटन मिल्स, विरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
११२—	श्री सरदारसिंह चौरड़िया	४९	मुखिया		वि.	जनरल मैनेजर फोन नं० ८३३
	श्रीमती मायादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री वसंतकुमार	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० नीलम	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६०	मां		विधवा	
११३—	श्री सज्जनसिंह चौरड़िया	३९	मुखिया	इन्टर	वि.	असिस्टेन्ट प्रोडक्सन मैनेजर, न्यू
	श्रीमती चन्द्रा	३२	पत्नी		वि.	स्पिनिंग मिल्स
	कु० ऊषा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११४—	श्री श्रीचन्द भंसाली	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	डाय हाऊस सुपरिन्टेन्डेन्ट
	श्रीमती मनोरमा	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
११५—	श्री विक्रमसिंह चौरड़िया	३२	मुखिया	बी०ए०	वि.	वेयर हाऊस, जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
११६—	श्री चन्द्रभानसिंह ढावरिया	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	पड़ता विभाग-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती सुशीलाबाई	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	

सिमको विरलानगर :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
११७—	श्री सोहनसिंह मारू	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सिमको स्टोर
	श्रीमती सन्तोष	४८	पत्नी		वि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सिमको व ग्वालियर रेयन, बिरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजेन्द्रसिंह	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि,	एजेन्ट-हिन्द साईकिल बम्बई
	श्रीमती कमला	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री कुशलसिंह	१८	पुत्र	बी० ए० II	अवि.	
	कु० आशा	१६	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	
	श्री गजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११८—	श्री रतनसिंह पानगड़िया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	चीफ एकाउन्टेन्ट
	श्रीमती सुशीलाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
११९—	श्री प्रकाशचन्द कोठारी	४१	मुखिया	बी.ए.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्चल	३६	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	कु० नलिनी	१६	पुत्री।	इन्टर	वि.	
	कु० शालिनी	१४	पुत्री	इन्टर	वि.	
१२०—	श्री आनन्द भंडारी	२४	मुखिया	M. Sc.	वि.	सर्विस-सेल्स विभाग
	श्रीमती पुष्पा	२०	पत्नी	B. A. II	वि.	
१२१—	श्री कन्हैयालाल चौरड़िया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मैनेजर सिमको
	श्रीमती सरला	३५	पत्नी		वि.	रेसी० फोन ८३६, आफिस ९७०

ग्वालियर रेयन बिरलानगर :—

१२२—	श्री पूनमचन्द सरावगी	२५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती विद्यादेवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

वरैया आभूषण भंडार

दुकान नं० ५, राधाकृष्ण मार्केट, ग्वालियर-१

हमारी दुकान की विशेषतायें :—

ग्राहक की सन्तुष्टी व माल की गारन्टी

एक बार दुकान पर आकर सेवा का उचित समय दें !

संचालक–मक्खनलाल लालप्रसाद जैन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

तेरापन्थी साधुमार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

माधवगंज, लश्कर :–

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२३—	श्री गंगाधर सरावगी	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-गंगाधर इन्दरचन्द, माधवगंज
	श्रीमती विद्यादेवी	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी, फोन नं०
	श्री जगदीशप्रसाद	१८	पुत्र	बी० कॉम० II	अवि.	२२७६
	कु० विनोद	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२४—	श्री इन्दरचन्द सरावगी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद थोक
	श्रीमती मणिदेवी	६०	मां		विधवा	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज फोन
	श्रीमती सावित्री	२०	पत्नी		वि.	नं० २२७६
	कु० ज्ञानवती	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२५—	श्री गोरीशंकर सरावगी	३५	मुखिया		वि.	फर्म-गोरीशंकर ओमप्रकाश, थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६५	माँ		विधवा	वस्त्र व्यवसायी फो० नं० २०६६
	श्रीमती सारदादेवी	३२	पत्नी		वि.	
१२६—	श्री इन्दरचन्द नोलखा	५१	मुखिया		वि.	फर्म-छगनलाल कन्हैयालाल, वस्त्र
	श्री छगनलाल	३६	भाई		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती राईबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री अभयकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कन्हैयालाल	१७	भाई पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० कमला	१४	भाई पुत्री	मिडिल	अवि.	
१२७—	श्री घेवरचन्द वैद्य	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-घेवरचन्द पवनकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सरोजदेवी	२२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	श्री माणिकचन्द	१६	भाई	बी० कॉम०	अवि.	
१२८—	श्री चांदमल वैद्य	४२	मुखिया		वि.	फर्म-चम्पालाल अशोककुमार, वस्त्र
	श्रीमती मोतीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	कु० कमला	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री चम्पालाल	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१२९—	श्री सुन्दरमल छाजेड़	४५	मुखिया		वि.	फर्म-जयहिन्द स्टोर्स, वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती मालतीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१९	पुत्र	बी० कॉम.	अवि.	
	कु० पुखराज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चिटनीश की गोठ व दही मन्डी, दौलतगंज, लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
चिटनीश की गोट :—						
१३०—	श्री कमलाप्रसाद सरावगी	५०	मुखिया		वि.	फर्म—कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
	श्रीमती सीतादेवी	४८	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी; माधवगंज
	श्री ओमप्रकाश	२६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	फर्म-गोरीशंकर ओमप्रकाश थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	फोन नं० २०६६
	कु० विमला	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
१३१—	श्री नेमीचन्द वैद्य	४८	मुखिया		वि.	फर्म-नेमीचन्द भंवरलाल, वस्त्र
	श्रीमती इमरतीबाई	४२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, चिटनीश गोठ
	श्री भंवरलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कु० कंचन	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
दही मन्डी, दौलतगंज :—						
१३२—	श्री सूरजमल छाजेड़	६०	मुखिया		विधुर	फर्म-जयचन्द निहालचन्द, वस्त्र
	श्री जयचन्द	३६	पुत्र		वि.	व्यवसायी, दही मन्डी
	श्रीमती पानाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
१३३	श्री शुभकरण सेठीया	३०	मुखिया	बी० ए०	वि.	फर्म-एस० के० जैन एण्ड कं०, दही
	श्रीमती तारादेवी	२३	पत्नी	मिडिल	वि.	मण्डी
१३४—	श्री राजकुमार छाजेड़	१९	मुखिया	मिडिल	अवि.	फर्म-राजकुमार छाजेड़, दहीमण्डी
१३५—	श्री लखमीचन्द छाजेड़	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	६०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री गोपालचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१३६...	श्री चांदसिंह वैद्य	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मानजीबाई	५७	मां		विधवा	
	श्रीमती रूपवती	२८	पत्नी		वि.	
	श्री उम्मेदसिंह	२०	भाई	बी० एस सी०	अवि.	
१३७—	श्री रामचन्द्र घोड़ावत	४४	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-राजकुमार क्लोथ स्टोर्स, दही
	श्रीमती सरलादेवी	३८	पत्नी		वि.	मण्डी, लश्कर
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१३८—	श्री रावतमल लूणावत	५४	मुखिया		वि.	फर्म-रावतमल, कमलकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सुगनीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, दही मण्डी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दही मन्डी व माधवगंज लश्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चम्पालाल	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती कमलाकुमारी	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भंवरलाल	२०	पुत्र	हा० से०	अवि,	
१३९...	श्री ताराचन्द लूणावत	२९	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ताराचन्द प्रवीणकुमार, वस्त्र
	श्रीमती धेवरीदेवी	२४	पत्नी		वि.	व्यवसायी, दही मन्डी
१४०...	श्री नेमीचन्द सेठीया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशरबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री भंवरलाल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

माधवगंज :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४१—	श्री दुरगादत्त सरावगी	८०	मुखिया		विधुर	फर्म-दुरगादत कुन्दनमल, माधवगंज
	श्री कुन्दनमल	४५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री विसवालाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	होजरी वर्क्स
	श्री बाबूलाल	३८	पुत्र		वि.	
	श्री मालयाचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
१४२—	श्री गोविन्दप्रसाद	२४	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	भाई		अवि.	

दिगम्बर जैन समाज :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४३—	श्री श्यामलाल, माधवगंग	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गुलाबचन्द रेशमचन्द
१४४—	श्री रामस्वरूप त्रिपाठी	५०	मुखिया	शास्त्री	विधुर	अध्यापक श्वेताम्बर जैन पाठशाला

इन्दरगंज :—

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१४५—	श्री हरप्रसाद पल्लीवाल	४४	मुखिया		विधुर	व्यापार, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती ग्यासोदेवी	६५	माँ		विधवा	
	श्री घनश्यामदास	२५	पुत्र	M. Sc. (Phy)	वि.	व्याख्याता-शासकीय विज्ञान महा-
	श्रीमती ऊषादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	विद्यालय, ग्वालियर
	श्री राधेश्याम	२५	पुत्र	बी० एस सी०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भतीजा	इन्टर	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री भजनलाल	१४	भतीजा		अवि.	
१४६—	श्री मोतीलाल	४०	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	३१	पत्नी		वि:	
	श्री पूरनचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जन्म तिथी : माघ सुदी ५ वि०सं० १९६९

रेलवे पार्सलों की घर पहुँच

सेवा से लाभ उठाईयेगा

अनेक मन्डियों व शहर के व्यापारी आपकी सेवा से सन्तुष्ट हैं। आप भी सेवा का अवसर दीजिये।

देवचन्द जैन, रेलवे दलाल

मामा का बाजार,

ग्वालियर—१

चम्पालाल जैन एण्ड कं०

श्री चम्पालाल जी जैन—'दी होलसेल क्लॉथ मरकनटाइल एसोसिएशन', नया बाजार, ग्वालियर के प्रख्यात और विश्वासनीय कपड़े के प्रमुख दलाल हैं। साथ ही, म० प्र० चेम्बर आफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, ग्वालियर के भी आप सम्माननीय सदस्य हैं।

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा आदि कपड़ा-मण्डियों के बड़े-बड़े व्यापारी कपड़ा खरीद कर चम्पालाल जी की सेवाओं से लाभ उठा रहे हैं। आप भी एक बार अवश्य उनकी निष्काम सेवाओं से लाभान्वित हों।

आपके यहां—व्यापारी भाइयों के ठहरने के लिए सुविधा-जनक और उत्तम प्रबन्ध है। आपके माध्यम से कपड़े खरीदने में अनेक लाभ हैं—जैसे कि कपड़े की खरीदी परिश्रम के साथ, ताकि व्यापारियों को अधिकाधिक लाभहो। साथ ही, माल मशीन द्वारा पेकिंग होकर, शीघ्र भेजा जाता है। पत्रों का उत्तर अविलम्ब दिया जाता है।

आपके द्वारा—व्यापारी भाइयों के लाभ के लिए—'वस्त्र-व्यापार-समाचार' के माध्यम से, कपड़ों के भाव शीघ्र और निःशुल्क भेजे जाते हैं।

सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि और योगदान सर्वविदित है। आपके द्वारा—सम्वत् २०१५ से—'जैन-तिथि-दर्पण' प्रति वर्ष छपवाकर, हजारों की संख्या में निःशुल्क वितरित किया जाता है। साथ ही, आप के द्वारा—सोनागिर जी के मेले के अवसर पर—स्पेशल बसों का प्रबन्ध प्रतिवर्ष किया जाता है।

चम्पालाल जैन एण्ड कं० कपड़ा कमीशन एजेन्ट, नया बाजार, ग्वालियर-१

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

विभिन्न छात्रावासों में स्थित जैन छात्र

नं०	विद्यार्थी का नाम	उम्र	शिक्षा	वि. अवि.	पिता का नाम	स्थाई पता
श्री जैन वीर नवीन छात्रावास, कटोराताल, लश्कर—						
१	श्री अशोककुमार गोलालारे	१९	B. Com.F.	अवि.	श्री पन्नालाल	सिविल लाईन, ललितपुर
२	श्री कैलाशचन्द गोलालारे	१७	B. Sc. I	अवि.	श्री पूरनचन्द	जैन क्लाथ मर्चेन्ट, कटनी
३	श्री राजेन्द्रकुमार खरौआ	२२	B.A.M.S. (F.)	वि.	श्री बाबूराम	पुराना सराफा, भिन्ड
४	श्री अनिलकुमार गोलसि.	२०	B. A. M. S- II	अवि.	श्री उल्फतराय	राज कम्पनी गांधी मार्केट, भिन्ड
५	श्री प्रकाशचन्द परवार	१९	बी० कॉम. II	अवि.	श्रीमूलचंद नायक	ताँगा स्टेन्ड, ललितपुर
६	श्री शिशुपाल बुखारिया	१९	बी. कॉम. III	अवि.	श्री कपूरचन्द	नजाई बाजार, ललितपुर
७	श्री सुमतचन्द परवार	२१	B.Com LL.B.I	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
८	श्री वीरेन्द्रकुमार गोलालारे	१९	बी. ए. (फा.)	अवि.	श्रीजुगलकिशोर	कटरा बाजार, ललितपुर
९	डॉ. वीरेन्द्रकुमार जैसवाल	२३	B. Sc., M. B.B.S.IV	अवि.	श्री बालमुकुन्द	जैन मन्दिर रोड, मुरैना
१०	श्री रतनचन्द जैसवाल	२२	M.Sc. (F.)	अवि.	श्री विधिचन्द	धूल कोट, धोलपुर
११	श्री चौधरी सनतकुमार	२१	B. Com. (F.)	अवि.	श्री मानिकचन्द	कटरा बाजार, ललितपुर
१२	श्री अरुणकुमार परवार	२२	बी०कॉम०(F)	अवि.	श्री गुलाबचन्द	डा० निर्मलकुमार जैन, ललितपुर
१३	डा० विमलकुमार एरन	२०	M. B. B.S. III	अवि.	श्री बाबूलाल	पंचायती क्लोथ मर्चेंट, कोलारस
१४	डा० विजयकुमार परवार	१९	M.B, B. S. III	अवि.	श्री पूरनचन्द	पी० सी० जैन वकील, गुना
१५	डा० वीरेन्द्रकुमार गोल०	२२	M. B, B. S. III	वि.	श्री झम्मनलाल	४९ महावीर गंज, भिन्ड
१६	श्री अशोक कुमार खरौआ	१८	I. Sc. (F.)	अवि.	श्री जे के०जैन	मोजाव (मैनपुरी)
१७	श्री आनन्दकुमार लमेंचू	२१	M. B. B. S. III	अवि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेंट, भिन्ड
१८	श्री श्रवणकुमार लमेंचू	२३	M. Sc. (F.)	वि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१९	श्री शिखरचन्द सिंघल	२२	B.A. M. S.	वि.	श्री सुगनचन्द	लुकवासा, जिला शिवपुरी
२०	श्री नवीनचन्द	२१		अवि.	श्री ताराचन्द	७० नर्मदामार्ग, बड़वाहा
२१	श्री सोहनलाल	२३	M. Sc. (P.)	अवि.	श्री कपूरचन्द	जैन साईकल स्टोर्स, श्योपुर
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर—						
१	श्री विमलचन्द परवाल	२१	B. Sc. Final	अवि.	श्री लखमीचन्द	७७ सरदारपुरा, ललितपुर झांसी
२	श्री विजयकुमार परवार	१९	B. Sc. II	अवि.	,,	,,
३	श्री चन्द्रकुमार गोलालारे	२१	M.Sc. (P) Math	अवि.	श्री भैयालाल	महावीर पुरा, ललितपुर झांसी
४	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	श्री आनन्दीलाल	ललित पुस्तक भन्डार, ललितपुर
५	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१९	B. Sc. II	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१९	B. Sc. II	अवि.	श्री लखमीचन्द	सावरकर चौक, ललितपुर
७	श्री विजयकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	,, ,,	,, ,,
८	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	१९	B. Sc. II	अवि.	श्री प्यारेलाल	घी मर्चेन्ट, कटरा बाजार, ललितपुर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

विभिन्न छात्रावासों व स्थानों पर रहने वाले छात्र—

१	श्री प्रकाशचन्द खण्डेलवाल	२३	M. Com (P.)	अवि. श्री जानकीलाल	कछवाया, जिला गुना
२	श्री कन्छेदीलाल परवार	२३	M BB.S. Final	अवि. श्री दयाचन्द्र	क्लाथ मर्चेंट, अशोक नगर
३	श्री वीरेन्द्रकुमार परवार	२०	इन्टर	अवि. श्री रतनलाल	गाधी पार्क, अशोक नगर
४	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	इन्टर	अवि. श्रीबाबूलाल चौ.	रामचन्द बाबूलाल, कछवाया गुना
५	श्री प्रकाशेन्दुकुमार परवार	१९	B. Sc. I	अवि श्री कालूराम	छोटी मुहारी, जिला शिवपुरी
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१९	B. Sc. I	अवि. श्री बालचन्द्र	खनियाधाना, शिवपुरी
७	श्री रूपचन्द खरौआ	२२	M. Com.Final	अवि. श्री राजाराम	कैलाशचन्द प्रेमचन्द, जेन भिण्ड
८	श्री बुद्धसैन खरौआ	२४	M.Com LL.B.	वि. श्री गोपीचन्द	नया बाजार, लश्कर
९	श्री जयकुमार खरौआ	२०	B Com. Final	अवि. श्री गुलाबचन्द	क्लाथ मर्चेन्ट, मौ
१०	श्री पदमचन्द	१७	B. Com. I	अवि. ,,	भिण्ड
११	श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	B. Com.	अवि.	मौ, (भिण्ड)
१२	श्री राजकुमार काला	२१	D.M.E., B.A. II	अवि श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१३	श्री पदमकुमार काला	१९	B.A.M.S. II	अवि. श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१४	श्री नरेन्द्रकुमार बरैया	२०	हा० से०	अवि.	शिवपुरी
१५	श्री सूर्यकुमार	२०	B. Com., LL.B.	अवि. श्रीमहावीरप्रसाद	शिवपुरी

कृषि महाविद्यालय ग्वालियर—

१	श्री वज्रसैन जैन	२२	B. Sc. Ag. (F.)	वि. श्री नेमीचन्द	ग्राम जामना, पो० भिण्ड
२	श्री दयाचन्द जैन	२१	B. Sc. Ag. (F.)	वि. श्री शादीलाल	गोहद (जिला भिण्ड)
३	श्री ताराचन्द जैन	२३	M Sc. Ag. (F.)	अवि. श्री रामलाल	इटारसी
४	श्री इन्द्रसैन जैन	२१	B.Sc. Ag. (F.)	वि श्री जयचन्द	गोहद (जिला भिण्ड)

शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय ग्वालियर—

१	श्री महेन्द्रकुमार बांझल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं० ४
२	श्री सुरेशचन्द गोयल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं० ४
३	श्री मुन्नालाल जैन	२०	B. A. M.S. IV	अवि.	नया छात्रावास, कमरा नं०४

जैन छात्रावास, नई सड़क लश्कर—

१	श्री आनन्दकुमार गोयल	२३	चार्टर्ड एकउन्टेन्सी	अवि. श्री फूलचन्द	मान्धीगज, भिण्ड
२	श्री उग्रसैन जैन	२३	C.T.C.I.	वि. श्री गाढेराम	गौंद व गोष्ट फूप, जिला भिण्ड
३	श्री डालचन्द परवार	२३	M. B.B.S. (F.)	अवि. श्री फूलचन्द	बामोरा (सागर)
४	श्री ताराचन्द खरौआ	२२	M. Com. (F.)	अवि. श्री राजाराम	सदर बाजार, भिण्ड
५	श्री सत्यप्रकाश गोयल	२१	M. Sc. (P.)	वि. श्री तोताराम	जीवाजीगंज, मुरैना
६	श्री हरिहरनाथ	२३	M.B. B S. (F.)	वि. श्री रामेश्वदयाल	दत्तपुरा, मुरेना
७	श्री वीरेन्द्रनाथ परवार	१८	B. Sc. I	अवि. श्री रामप्रसाद	मुहारी, जिला शिवपुरी
८	श्री केदारशरण गोयल	२१	B. A. M. S. II	वि. श्री ख्यालीराम	करैरा
९	श्री राजकुमार परवार	२२	M. Sc. (F.)	अवि. श्री कन्हैयालाल	कटरा बाजार, ललितपुर
१०	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	B. Sc. I	अवि. श्री बालचन्द	मुहारी (शिवपुरी)
११	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२१	M. Sc. (P)	वि.	अम्बाह, मुरेना
१२	श्री रमेशचन्द गोलालारे	१७	इन्टर	अवि. श्री कुन्दनलाल	लदपुरा जसवन्त नगर, इटावा
१३	श्री प्रकाशचन्द	१७	C. T. T. I	अवि. श्री ज्ञानचन्द	बगला बाजार, खन्डा रोड, भिण्ड
१४	श्री पवनकुमार	२३	B. E. Engg	अवि. श्री राजबहादुर	राजा की मण्डी, आगरा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जनगणना-विवरण क्रमिका, लश्कर

क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर	श्वेताम्बर
१	गुड़ी-गुड़ा का नाका	१	
२	तिलक नगर	२	
३	कम्पू रोड	२	१४५
४	सिकन्दर कम्पू	३	
५	रायसिंह का बाग	३	
६	जामदार खाना	३	
७	हेमसिंह की परेड़	३	
८	मामा का बाजार	४	
९	माधवगंज	९, २०, ९६	१४७, १५२, १५८, १६०
१०	कमाठीपुरा	१६	
११	गाड़वे की गोठ	१६	
१२	आपागंज	१६	
१३	बापू डन्डी की गोठ	१६	
१४	पुलिस चौकी	१७	
१५	चिटनीश की गोठ	१७	१३०
१६	बालाबाई का बाजार	१९	
१७	लाला का बाजार	२०	१४७
१८	खासगी बाजार	२०	
१९	फडनीस की गोठ	२१	
२०	ढोली बुआ का पुल	२१	
२१	छत्री बाजार	२१	
२२	जीवाजीगंज	२२	१४८
२३	जनकगंज	२३	१४९, १५५
२४	भाऊ का बाजार	२४	
२५	दानाओली	२५	१४३
२६	गस्त का ताजिया	४५	
२७	डीडवाना ओली	४८	
२८	मोची ओली	५१	
२९	मनीराम का बाड़ा	५३	
३०	घोसी बाड़ा	५६	
३१	पारख जी का बाड़ा	५७	
३२	सराफा बाजार	५७, ९५	१३७, १५२
३३	नई सड़क	६२	
३४	गेड़े वाली सड़क	६३	
३५	दौलतगंज	६५, ९६	१४९, १५९
३६	हुजरात मार्ग	६९	
३७	नया बाजार	७०	१४५
३८	लोहिया बाजार	७३	१४५
३९	इन्दर गंज	७६, १६०	
४०	ललितपुर कॉलोनी	८०	
४१	जिन्सी नाला	८०	
४२	शिन्दे की छावनी	८३	
४३	चन्द्रवदनी नाका	९२	
४४	पाटनकर बाजार	९२	
४५	फालके का बाजार	९३	
४६	जरीपटका	९४	
४७	कमलसिंह का बाग	९४	
४८	जवाहर कॉलोनी		१४६
४९	ग्वालियर रेयन, बिरलानगर		१४९, १२२
५०	जीवाजीराव कॉटन मिल्स		१५०, १५६
५१	सिमको, बिरलानगर		१५६

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

क्रम	बाजार	पेज नं०	क्रम	बाजार	पेज नं०
	ग्वालियर			**मुरार**	
१	खच्चाराम का मोहल्ला	९७	१	ठाठीपुर कॉलोनी	११३
२	लोहा मन्डी	९७	२	सदर बाजार	११५
३	कोटा वाला मोहल्ला	१०२	३	चिक सन्तर	११६
४	गंज	१०३	४	सत्यनारायण सन्तर	११९
५	पच्चीपाड़ा	१०४	५	जैन मन्दिर सन्तर	१२१
६	फोर्ट रोड	१०४	६	गंगामाई सन्तर	१२३
७	चौक बाजार	१०५	७	शम्भूमल की बगीची	१२७
८	सोड़ा का कुआ	१०७	८	ठण्डी सड़क	१३१
९	लखेरा गली	१०८	९	गर्म सड़क, घास मन्डी	१३२
१०	छोटा बाजार	११०	१०	गंज, अनाज मन्डी, सिंहपुर रोड	१३३
११	घास मण्डी	१११	११	बजाज खाना, कोतवाली सन्तर	१३४
१२	तामेश्वर महादेव	११२	१२	सौदागर सन्तर, सुदामा पुरी कॉलोनी	१३५
१३	बिरला नगर	११२	१३	महारानी लक्ष्मीबाई रोड़	१३६
			१४	माल रोड़, नदी सन्तर, खुला सन्तर	१३६

नम्र निवेदन

इस निर्देशिका में यदि:--

* कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है,

* प्रकाशित विवरण अधूरा है,

* प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं,

* प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है—

तो कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें। साथ ही भविष्य में होने वाली शासकीय जनगणना में नाम के आगे केवल "जैन" ही लिखवायें, जिससे भारत में जैनों की वास्तविक जनगणना जानी जा सके।

विनीत :

मन्त्री : वर्द्धमान दि० जन नवयुवक सघ

पाटनी भवन, माधवगंज, ग्वालियर—१

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सहयोगी व विज्ञापनदाताओं की सूची

क्रम	फर्म का नाम व पता	पेज नं०
१	इन्डो कॉपीयर, इन्दोर	कवर पर
२	कोठारी सन्स, सराफा बाजार, लश्कर	कवर पर
३	भावना केमीकल एण्ड परफ्यूमरी प्रॉडक्टस्, सराफा बाज़ार	४२
४	बड़जात्या ट्रेडर्स, विजय नगर, हाथरस	५०
५	दि. बैंक ऑफ बड़ौदा लि. पाटनकर बाजार, लश्कर	५०
६	मे. सूरजलाल सुमेरचन्द, चाँदनी चौक, देहली	५८
७	मे. सिद्धोमल एन्ड संस, चावड़ी बाजार, देहली	६६
८	मे. गुलाबचन्द रेशम चन्द जैन, सराफा बाजार, लश्कर	६६
९	मैं सोभाग्यमल जी लुकमान जी, राजादरवाजा, वाराणसी	७४
१०	गंगवाल इण्डस्ट्रीज व मे. गणेशीलाल फूलचन्द, लश्कर	८२
११	मे. बन्शीधर विमल चन्द, लोहिया बाजार, लश्कर	८६
१२	मे. रतीलाल बेचरदास, सराफा बाजार, लश्कर	८६
१३	मे. चन्दरलाल गप्पूलाल, डीडवाना ओली, लश्कर	९०
१४	मे. रिखवदास मोतीलाल, सराफा बाजार, लश्कर	९०
१५	मे. गोपीलाल लखमीचन्द सराफा बाजार, लश्कर	९८
१६	ग्वालियर गोटा फेक्ट्री, सराफा बाजार, लश्कर	९८
१७	वूल कार्नर, जैन स्टोर्स, जयाजी चौक, लश्कर	१०६
१८	बापना क्लोथ स्टोर्स, आर बापना ब्रदर्श, सराफा बाजार	१०६
१९	मे. जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार, लश्कर	१०६
२०	मे. कमला प्रसाद ओमप्रकास, माधवगंज, लश्कर	११४
२१	मे. गंगाधर इन्दर चन्द, माधवगंज, लश्कर	११४
२२	मे. इन्दरचन्द फूलचन्द, दौलतगंज, लश्कर	१२२
२३	जैन मैन्यू० फेक्चरिंग क., सराफा बाजार, लश्कर	१३०
२४	मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज, लश्कर	१३०
२५	प्रकाश आयरन इन्डस्ट्रीज, लोहिया बाजार, लश्कर	१४२
२६	एटको टाईल्स, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, ग्वालियर	१४२
२७	मे. गनपतलाल किशन लाल, सराफा बाजार, लश्कर	१५१
२८	मे. वरैया आभूषण भण्डार सराफा बाजार, लश्कर	१५७
२९	देवचन्द जैन रेलवे दलाल व चम्पालाल जैन वस्त्र दलाल	१६१
३०	मे. महावीर जैन स्टोर्स, जयेन्द्र गंज, लश्कर	१६९
३१	ऐपको पिस्टन, भैयालाल प्रेमचन्द व जैन पुस्तक सदन	१७०
३२	जे० बी० मंगाराम, ग्लालियर	१७१
३३	मे. जैन ब्रदर्श टोपी बाजार लश्कर	१७२
३४	ग्वालियर रेयन विरलानगर	कवर
३५	जे. सी. मिल्स विरलानगर	कवर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

प्रकाशकीय परिचय !

❀ वर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ,
डीडवाना ओली, ग्वालियर-१

प्राचीन काल से ही ग्वालियर भारत का प्रमुख नगर रहा है। यह नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं कला का केन्द्र है। ग्वालियर दुर्ग यहाँ की कलाकृतियों एवं संस्कृतियों का जीता-जागता प्रमाण है। ग्वालियर के इतिहास से ज्ञात होता है कि यहाँ राजकीय व समाजिक क्षेत्रों में जैनों का ऊंचा स्थान रहा है। प्राचीन परम्परा को बनाये रखने व सामाजिक कार्यो में गतिशीलता लाने का कार्यभार नवयुवकों के कन्धों पर होता है, उसीं उत्तरदायित्व को समझते हुए समाज, धर्म, व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए २ अक्टूबर सन १९६६ को बर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक सघ की स्थापना की गई। जिसका प्रथम नेतृत्व अध्यक्ष प्रो० शान्तिलाल जी गिरधरवाल, उपाध्यक्ष श्री उत्तमचन्द्र गंगवाल, मन्त्री श्री धर्मचन्द्र वाकलीवाल कोषाध्यक्ष श्री केशरीमल पाटनी ने किया। इसके अतिरिक्त ४५ उत्साही सदस्यों ने मिलकर संघ का प्रारम्भिक गठन कर, कार्य प्रारम्भ किया। द्वितीय वर्ष में अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज के नेतृत्व में कार्य किया गया। वर्तमान के पदाधिकारी और सदस्यों की विस्तृत सूची पृष्ठ नं० एक पर दी गई है।

समाज के युवकों का शारीरिक बौद्धिक, आध्यात्मिक, नैतिक, साँस्कृतिक विकास करना। तन, मन, धन से समाज व धर्म की सेवा करना, कुरीतियों को दूर कर व्यवहारिक उचित प्रवृत्तियों को कार्यान्वित करना, गरीबों की शिक्षा आदि आवश्यक कार्यो में मदद करना, बन्धुत्व, सामाजिक एकता, मानवता आदि गुणों को जागृत करते हुए जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करना, संघ के मुख्य उद्देश्य हैं। संबंधित वातावरण उपस्थिति करने के लिये समय-समय पर गोष्ठियां व सभाएं आयोजित की जाती हैं। यथा समय बाहर के प्रतिष्ठित बक्ताओं को आमान्त्रित कर समाज व सदस्यों को उनके अनुभवों व ज्ञान से लाभान्वित किया जाता रहा है। वर्तमान में बर्द्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्त-कोष स्पोर्ट्स् क्लब आदि विविरत रचनात्मक कार्य संस्था द्वारा किये जा रहे हैं। पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदाओं में बंटे हुए जैन समाज को नगर के भिन्न भिन्न भागों में रहने सहने और उनका ग्वालियर-व्यापी असाम्प्रदायिक संगठन न होने के कारण आपस में जानकारी नहीं के बराबर है। इस कारण बहुत समय से आवश्कता अनुभव की जा रही थी कि ग्वालियर के जैनों के बारे में एक निर्देशिका प्रकाशित की जावे जिससे उनकी सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक तथा मन्दिरों धर्मशालाओं, पाठशालाओं संस्थाओं आदि का जनसाधारण को परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों में वृद्धि हो सके। इसी प्रेरणा ने संघ को ग्वालियर निर्देशिका प्रकाशित करने को प्रेरित किया।

निर्देशिका में सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने में सम्प्रदायिक भेद को गौण रखा गया है। दिगम्बर, श्वेताम्वर जैसवाल आदि सभी की जानकारी विस्तृत दृष्टिकोण रखते हुये दी गई है। अपने ढ़ग का नया और ग्वालियर जैन समाज के लिये इस तरह का पहिला प्रयास होने से अनेक प्रारम्भिक जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ा, । वारबार रूप रेखा बदलनी पड़ी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री एकत्रित करने में हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न हो सका। निर्देशिका को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने हेतु जैन व्यापारियों व उद्योग पतियों से विज्ञापन प्राप्त किये हैं। विज्ञापन दाताओं ने बड़ी उदारता से विज्ञापन देकर हमें आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। जिसके कारण हम इस निर्देशिका को समाज में प्रचारार्थ लागत के एक चौथाई मूल्य पर देने में सफल हुए हैं।

इसमें ग्वालियर के जैन के अतीत व वर्तमान की झाँकी प्रस्तुत की गई है जिससे समाज को अपनी स्थिति

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सामाजिक महत्व व प्रगतियों पर दृष्टिपात करने का अवसर प्राप्त होगा। वैवाहिक सम्बन्धों को तय करने शासकीय और वास्तविक जैन जनगणना की तुलना करने, जैन व्यापारियों डॉक्टरों, वकीलों आदि से सम्पर्क स्थापित करने में यह निर्देशिका सहायक सिद्ध होगी। और अन्त में संघ के रचनात्मक कार्यों के लिये आधार स्तम्भ होगी। यह समाज के सहयोग व सदस्यों के अथक परिश्रम का फल है। संघ उन सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप में इस कार्य में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। सम्पादक मण्डल सराहना का पात्र है जिसके सुप्रयत्नों से निर्देशिका का प्रस्तुत रूप उपलब्ध हुआ है। सभी ने किसी न किसी रूप में बहुमूल्य योग दिया है। फिर भी कुछ विशिष्ठ साथियों व महानुभावों का उल्लेख करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं।

संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जी सम्पूर्ण योजना के पीछे शक्तिस्त्रोत रहे हैं। श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सार्वजनिक अनुभव व उनके सुलझे हुये विचारों का प्रकाशन में पूर्ण उपयोग किया गया है। वे वयोवृद्ध है किन्तु उनका उत्साह युवकों से कहीं अधिक है। प्रधान सम्पादक प्रो. एन. एल. जैन ने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुये हर समय प्रकाशन की सफलता के लिये प्रत्येक संभव प्रयास किया है। सह सम्पादक श्री कपूरचन्द जी बरैया की आकर्षक शुद्ध शैली ने बिखरी हुई सामग्री को क्रमबद्ध प्रस्तुत कर सम्बन्धित विषयों का रूप ही बदल दिया है। श्री रविन्द्र मालव, श्री नरेन्द्र कुमार सोनी ने यथा समय अकथनीय सम्भव सहयोग प्रदान किया है श्री कैलाशचन्द जैन व श्री धर्मचन्द वाकलीवाल ने विज्ञापन कार्य में अभूतपूर्व योग दिया है। संघ के समस्त सदस्यों द्वारा किये गये सम्बन्धित प्रयास अनुकरणीय हैं जो भविष्य में प्रेरणा के स्त्रोत रहेंगें।

इस कार्य में रूप रेखा बनने के समय से पूर्ण होने तक अनेक कठिनाईयाँ उपस्थित हुई हैं किन्तु सबसे बड़ी कठिनाई व्यक्तियों द्वारा सम्बन्धित सामग्री देते समय विलम्ब करना है। मुझे खेद है अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अनेकों बार मौखिक लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओं पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नहीं किया। कठिनायों से निश्चत सामग्री प्रारम्भ से ही प्रेस में नहीं दी जा सकी, अन्तिम स्टेज तक नवीन सामग्री आने पर संशोधन करने पड़े। प्रेस के व्यवस्थापक भी जाँव कार्य की अधिकता के कारण यथोचित समय इस ओर न दे सके। इसी कारण निर्देशिका देर से प्रकाशित हो सकी है। इसके लिये मुझे खेद है।

प्राचीन शास्त्रों, लेखों, राज्य पत्रों, वयोवृन्द व्यक्तियों के अनुभवों व संकलित तथ्यों के आधार पर यत्र तत्र बिखरे मोतियों को अतीत की धूल व वर्तमान की परिस्थिति से जो कुछ भी हम उठा सके हैं आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। सुझाव, अशुद्धियाँ संशोधन आदि के लिये आपके विचार भविष्य में मार्गदर्शन करावेंगे ऐसी आशा है। यदि समाज व सदस्यगण अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और वर्तमान परिस्थिति से शिक्षा लेते हुये विकास शील प्रवृत्ति को अपनावेंगे और भविष्य के निर्माण में लगेंगे तो संघ अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

संघ के भावी-कार्यक्रम—

- मेरिज ब्यूरो, की स्थापना
- जैन कॉलोनी का निर्माण
- गरीब व विधवाओं के लिए लघु उद्योग की स्थापना
- प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जीवन परिचय प्रकाशित करना

महामन्त्री

केशरीमल पाटनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सम्पादक मण्डल

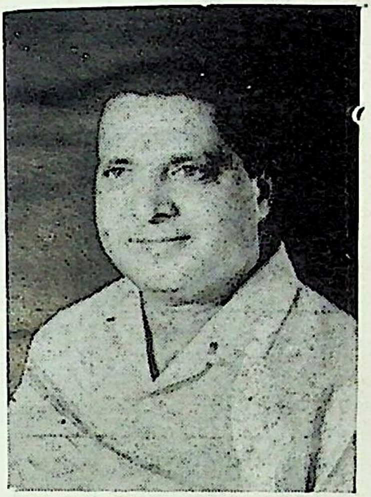

प्रधान सम्पादक व उपाध्यक्ष
प्रो. एन. एल. जैन

अध्यक्ष—
प्रो. लाल चन्द्र जैन

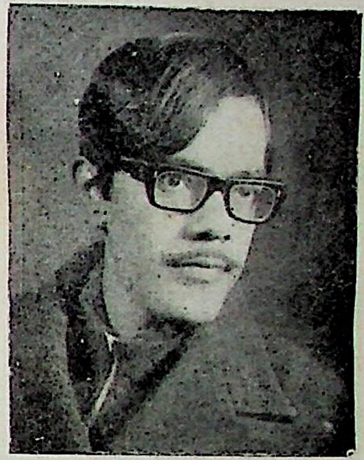

ललित मन्त्री व सम्पादक सदस्य
रविन्द्र 'मालव'

सह सम्पादक
कपूरचन्द वरैया

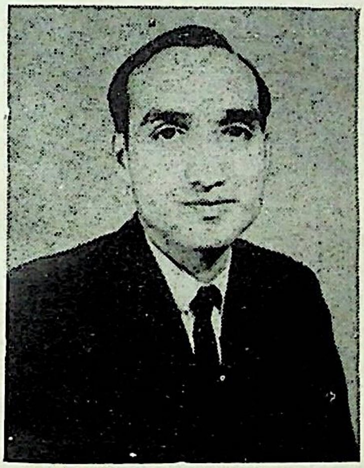

सम्पादक सदस्य व सहमन्त्री
कैलाशचन्द जैन

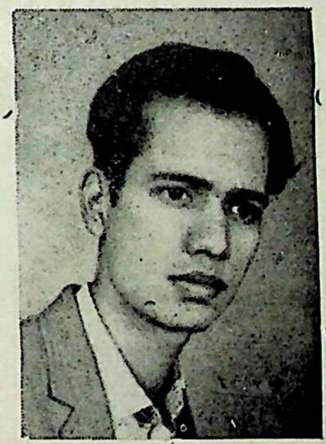

प्रधान संपादक व महामन्त्री
केशरीमल पाटनी

सम्पादक सदस्य
नरेन्द्र कुमार सोनी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कर्मठ कार्यकर्ता

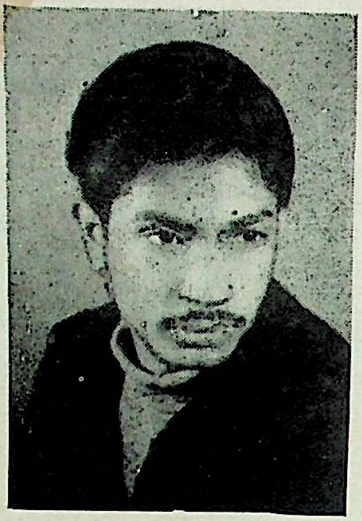

कमलकिशोर गोधा

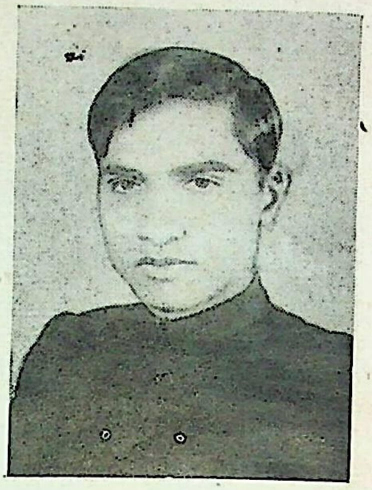

प्रमोदकुमार पाटनी

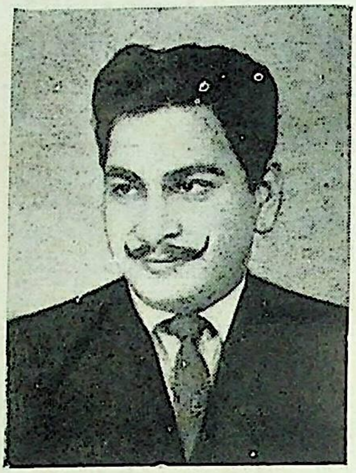

होतीलाल जैन

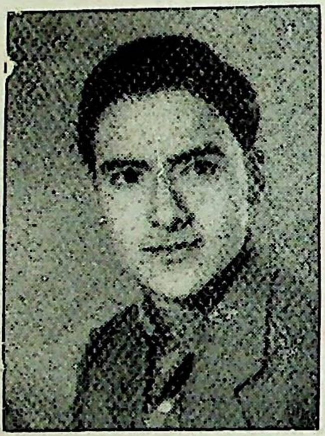

धर्मचन्द बाकलीवाल

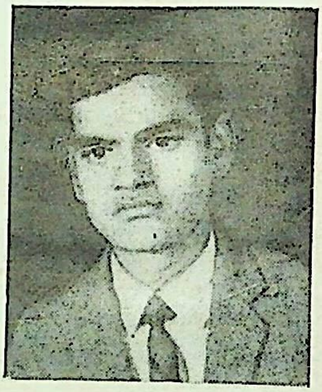

रतनचन्द जैन

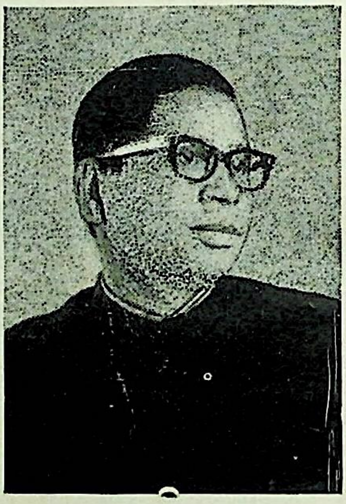

मोतीलाल बज

ऋषभ कुमार

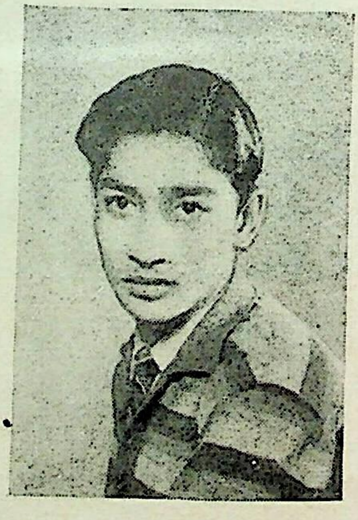

शान्तिकुमार जैन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

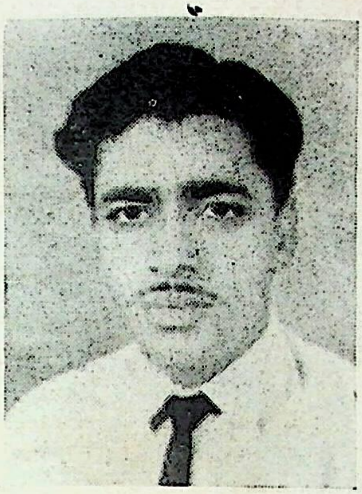

प्रकाशचन्द वरैया

नरेन्द्र कुमार पाटोदी

ताराचन्द वांठिया
कवर डिजाईनर

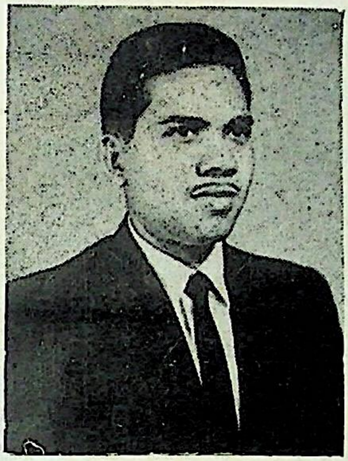

ओमप्रकाश सरावगी

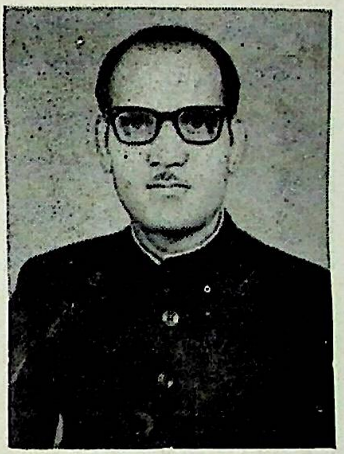

राजेन्द्र कुमार पांड्या

वीरेन्द्र कुमार वापना

अजीतकुमार रियांवाला

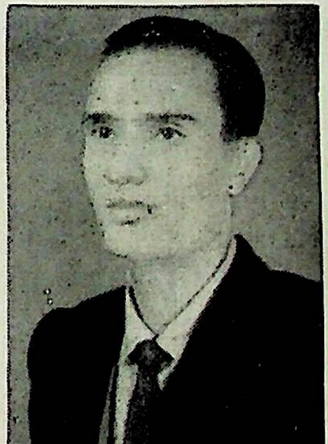

अजीत कुमार बड़जात्या

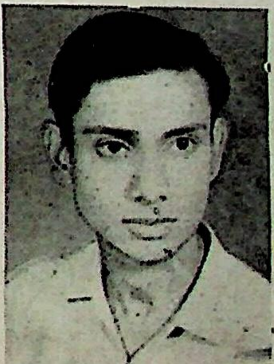

रमेशचन्द जैन, मुरार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वर्द्धमान दि० जैन नवयुवक संघ, डीडवाना ओली, ग्वालियर—१
साधारण सदस्य १९६८-६९

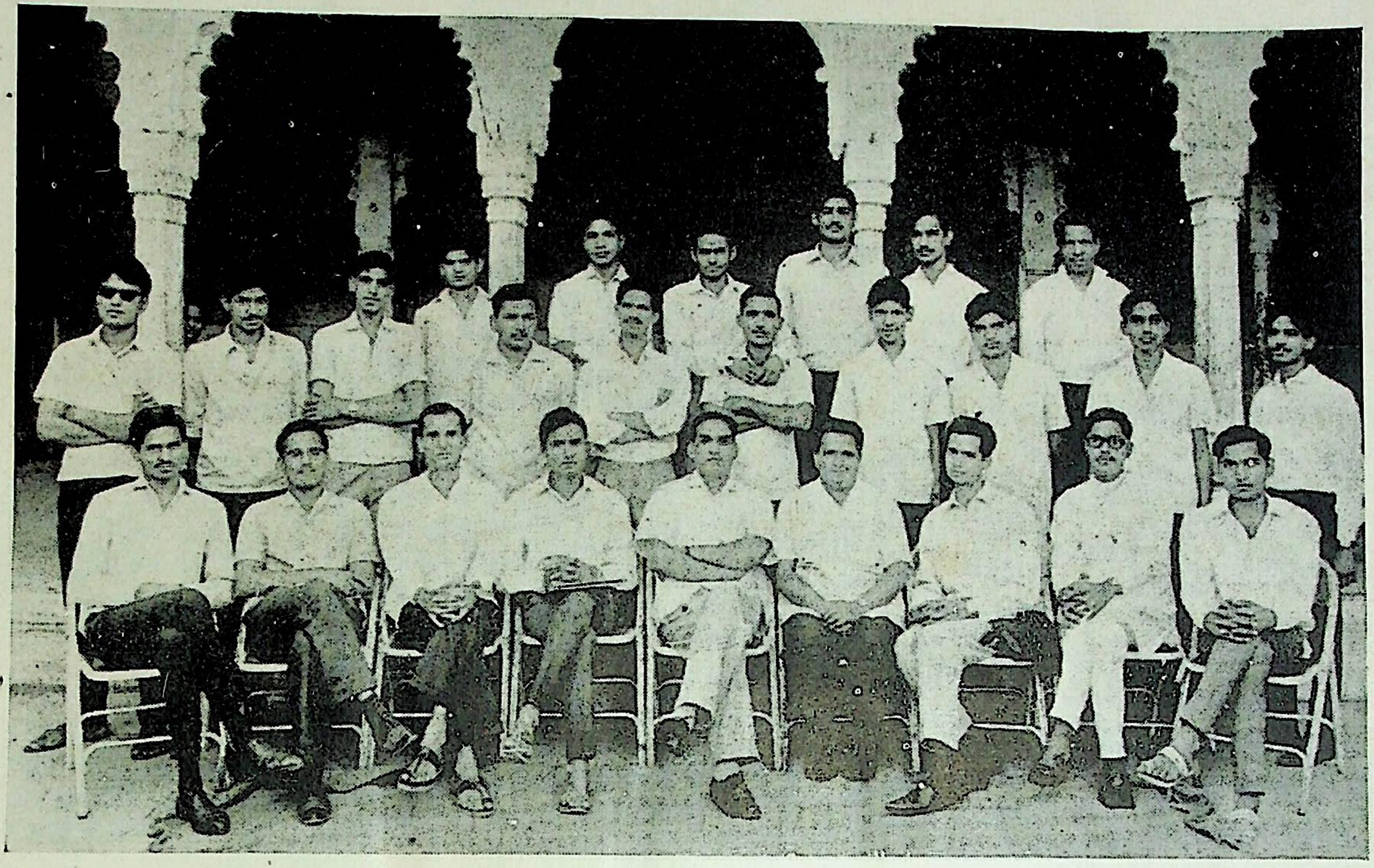

बैठे हुऐ सदस्य—सर्वश्री नरेन्द्र कुमार सोनी, प्रो. जी. डी. जैन, अजितकुमार बड़जात्या, धर्मचन्द वाकलीवाल, प्रो. लालचन्द, प्रो. एन. एल. जैन, केशरीमल पाटनी, रविन्द्र मालव, प्रमोद कुमार पाटनी।

प्रथम पंक्ति में खड़े हुऐ सदस्य—सर्वश्री ऋषभ कुमार, कमल किशोर गोधा, सुरेशचन्द, निर्मल कुमार विमलचन्द पाटनी, कपूरचन्द सोनी, विनोद कुमार गंगवाल, अनिल कुमार गोधा, सन्तोष कुमार सेठी, वसन्त कुमार पाटनी।

द्वितीय पंक्ति में खड़े सदस्य—सर्वश्री सुमेरचन्द पाटनी, सुरेशचन्द जैन, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार पाटोदी, नरेन्द्र कुमार जैन, बाबूलाल चौधरी, एवम् अनुपस्थित ४५ सदस्यगण।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

For your Requirment please Contact :

RAMCHAND PHUNDILAL & CO.

Stockists :

Imperial Chemical Industries (India) Pvt. Ltd.

The Cement Marketing Co. of India Ltd.

Killick Nixon & Co. Ltd.

Swastic Oil Mills Ltd.

Cables :
HIMACHAL, GWALIOR.

Telephone :
5 7

Office :
INDERGANJ, LASHKAR
GWALIOR-1

Our other Conserns :

MAHAVIR JAIN STORES

HOTEL GUJRI MAHAL

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

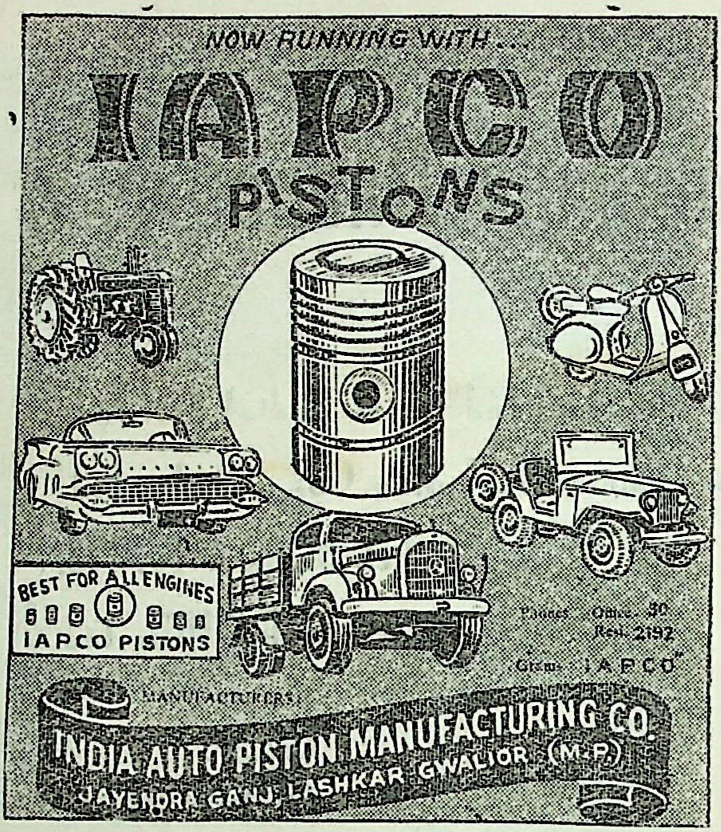

शुभ कामनाओं सहित :— फोन नं १२०२

सवाई सिंघई अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार

होलसेल क्लॉथ मर्चेन्ट

नया बाजार, ग्वालियर-१

डिग्री कॉलेज के कोर्स की पुस्तकें मिलने का एकमात्र स्थान :—

जैन पुस्तक सदन

पाटनकर बाजार, ग्वालियर-१

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दुकान, भवन आदि को चमकाने के लिये
यदि पेन्ट्स वारनिस खरीदना है तो केवल

शालीमार पेन्टस

ही खरीदें

- लकड़ी के फर्नीचर आदि—शालीमार वुडकोट
- स्टील के फर्नीचर आदि—शालीमार स्टील कोट
- दीवारों छतों आदि—शालीमार ड्राई डिस्टेम्बर ६६६६ ऑयल बाउड, ड्यूरोडोल, सुपर लेक व प्लास्टिक एमलसन का ही प्रयोग कीजिये।

हर कार्य के लिये शालीमार पेन्ट्स आपकी सेवा करता है।

मिलने का एक मात्र स्थान

जैन ब्रादर्स

टोपी बाजार लश्कर

फोन नं० २५६७

अच्छे प्रिन्टर्स (रंग-साज) की आवश्यकता के लिये फोन नम्बर २५६७ से सम्पर्क स्थापित कीजियेगा।

निर्देशिका मूल्य : एक रुपया, सजिल्द १)५० पैसे

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कृपया इस ग्रन्थको ... तिथि पर या उसके पूर्व

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi